Bharatiya Bhasha Jyothi Series

भारतीय भाषा ज्योति

तेलुगु

HINDI - TELUGU

PART 1

भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Government of India)
Hunsur Road, Manasagangotri
Mysuru – 570 006
website: www.ciil.org

भारतीय भाषा ज्योति

तेलुगु

(भाग-1)

मैसूर के भारतीय भाषा संस्थान (भारत सरकार) तथा भाषा विभाग (उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ) के सहयोग से संचालित एक कार्यशाला में विरचित इस पुस्तक को **डॉ. के. श्रीनिवासाचार्य** ने ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान (शान्तिकुञ्ज) हरिद्वार के लिए परिष्कृत कर अंतिम रूप दिया।

भारतीय भाषा ज्योति

तेलुगु

(भाग-1)

लेखक
के. श्रीनिवासाचार्य
पी. नागराज
वै. रेड्डि श्यामला

हिन्दी विशेषज्ञ
रेखा शर्मा

रूपांकन तथा संपादन
बी. श्यामला कुमारी

भारतीय भाषा संस्थान
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार)
मानसगंगोत्री, मैसूर, भारत

Bharatiya Bhasha Jyothi: Telugu (Part 1) by
K. Srinivasacharya
P. Nagaraj
Y. Reddy Syamala

First Published: *November 2000*
Kartika 1922

Director
Central Institute of Indian Languages
Manasagangotri, Mysore-570006
INDIA

Phone	: 0091/0821-515820/515558	Grams	: BHARATI
Telex	: 0846-268 CIIL IN	Fax	: 0091/0821-515032
e-mail	: ciil@giasbg01.vsnl.net.in	Website	: http://www.ciil.org

Price: Rs. **150/-** for both Part 1 & 2

ISBN-81-7342-079-3

Published byDr. Omkar N. Koul, Director
Central Institute of Indian Languages, Mysore
Printed on Duplo Digital Duplicator
Production : K. Srinivasacharya
Cover Design : H. Manohar

प्राक्कथन

देश की भावात्मक एकता की अभिव्यक्ति के लिए भारतीय भाषाएँ सशक्त माध्यम हैं। संपूर्ण भारत वर्ष में अन्य भारतीय भाषाओं की तुलना में हिन्दी पढ़ने वालों की संख्या अधिक है। हिन्दी केन्द्र की राजभाषा होने के नाते त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत हिन्दी भाषी प्रांतों के अतिरिक्त अधिकतम अहिन्दी भाषी प्रांतों में पढ़ाई जाती है। अन्य भारतीय भाषाएँ हिन्दी भाषी प्रांतों में बहुत कम पढ़ाई जाती हैं।

भारतीय भाषा संस्थान की स्थापना 1969 में हुई। संस्थान का मुख्य उद्देश्य सभी भारतीय भाषाओं का विकास करना एवं उनमें आवश्यकतानुसार पाठ्य-सामग्री तैयार करना है। इस उद्देश्य की पूर्ती के लिए मुख्य भारतीय भाषाओं के अलावा बहुत सी जन जातीय भाषाओं पर शोध हो रहा है और उनमें पाठ्य-सामग्री तैयार की जा रही है। इसके अतिरिक्त त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत भारतीय भाषा संस्थान के मैसूर, पूणे, भुवनेश्वर, पाटियाला, सोलन, लखनऊ एवं गुवाहाटी में स्थित क्षेत्रीय भाषा केन्द्रों के माध्यम से प्रति वर्ष जुलाई से अप्रैल तक भारत के विभिन्न राज्यों के अध्यापकों को उनकी इच्छानुसार अथवा संबंधित राज्य की भाषा प्रणाली के अन्तर्गत वांछित भाषाओं में दस मास का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के उपरांत ये अध्यापक सीखी गई भाषा को सम्बन्धित राज्यों के विद्यालयों में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अथवा ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ाते हैं।

त्रिभाषा सूत्र के अन्तर्गत हिन्दी भाषी राज्यों में अन्य भारतीय भाषाओं का तीसरी भाषा के रूप में प्रचलन तो अवश्य हुआ है परन्तु भाषा अध्यापकों एवं पुस्तकों की कमी के कारण वांछित सफलता नहीं मिल पाई। अन्य भारतीय भाषाओं एवं विशेष रूप से दक्षिण भारतीय भाषाओं के अध्ययन एवं अध्यापन हेतु उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार एवं कुछ स्वायत्त संस्थाओं ने एक अभियान कुछ वर्ष पहले प्रारंभ किया। चयनित भाषाओं की वांछित पुस्तकों एवं भाषा अध्यापकों के विशिष्ठ प्रशिक्षण एवं नियुक्ति हेतु राज्य सरकार ने भारतीय भाषा संस्थान का सहयोग आवश्यक समझा। इसी सहयोग की कड़ी में उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार के अनुरोध पर भारतीय भाषा संस्थान ने राज्य के भाषा विभाग के साथ मिलकर असमी, बंगाली, उड़िया, मराठी, गुजराती, सिंधी, कश्मीरी, पंजाबी, कन्नड़, मलयालम, तमिल एवं तेलुगु भाषाओं की पाठ्य-सामग्री के निर्माण हेतु कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से इन सभी भाषाओं की पाठ्य पुस्तकें तैयार की गईं। अब हम भारतीय भाषा ज्योति श्रृंखला में इन पुस्तकों का प्रकाशन कर रहे हैं।

आशा की जाती है कि यह पुस्तक समस्त हिन्दी भाषा-भाषियों के लिए उपयोगी होगी। इसके माध्यम से वे न केवल सम्बन्धित भाषा के अध्ययन में रुचि दिखाएंगे अपितु उसके प्रचार एवं प्रसार में अपना अमूल्य योगदान भी देंगे।

(ओमकार एन. कौल)
निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान

मैसूर
दिनांक:-3.11.2000

भूमिका

हिन्दी भाषा-भाषियों को ध्यान में रखते हुए, हिन्दी माध्यम से अन्य भारतीय भाषाओं का अध्ययन और अध्यापन के लिए तैयार की गई पाठ्य सामग्रियों की श्रृंखला है **भारतीय भाषा ज्योति**। इस श्रृंखला की पुस्तकों की रचना भारत सरकार के भारतीय भाषा संस्थान (मैसूर) तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के सहयोग से संचालित कार्यशालाओं में हुई थी। प्रस्तुत पुस्तक इस श्रृंखला की एक कड़ी है। उत्तर प्रदेश के भाषा केंद्रों में प्रयोग करने के लिए तैयार की गई पुस्तकें अब हरिद्वार के शान्तिकुञ्ज के ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान की भाषा कक्षाओं की अवश्यकता के अनुसार परिष्कृत की गई हैं। ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान द्वारा संचालित तीन महीने की प्रशिक्षण प्रणाली के प्रथम दो महीनों में इन पुस्तकों का क्रमशः भाग एक और भाग दो प्रयोग किया जाएगा।

इन पाठ्य सामग्रियों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात, छात्रों से निम्नलिखित भाषिक अपेक्षाएँ की जाती हैं।

1. तेलुगु भाषी द्वारा भाषा प्रयोग की विभिन्न स्थितियों में किए जानेवाले दिन-प्रतिदिन के वार्तालापों को सुन कर समझना-
2. रेडियो व टी.वी. पर प्रसारित होनेवाली उद्घोषणाओं, समाचारों, विज्ञापनों और अन्य कार्यक्रमों का सार ग्रहण करना-
3. कक्षा में सहपाठियों के साथ अपनी दिनचर्या के विषय में सरल वाक्यों में बातचीत करना एवं तेलुगु भाषियों से इन विषयों पर औपचारिक तथा अनौपचारिक सन्दर्भों में चर्चा करना-
4. भाषा में पुस्तकों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, सूचनापट्टों, इश्तहारों, व्यक्तिगत तथा अन्य प्रकार के पत्रों आदि से संबंधित छोटे छोटे अनुच्छेदों को पढ़ना और साथ ही शब्दकोष और संदर्भ ग्रंथों का उपयोग सीखना-
5. अपनी रुचि के विषयों पर छोटे छोटे गद्यांश लिखना, व्यक्तिगत तथा अन्य प्रकार के पत्र लिखना, परिचित तथा सरल विषयों पर निर्देशित व स्वतंत्र लेख लिखना-
6. शब्दकोष की सहायता लेते हुए तेलुगु से हिन्दी में और हिन्दी से तेलुगु में किसी भी गद्य सामग्री का अनुवाद करना-
7. आँध्रप्रदेश के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों में जानकारी प्राप्त करना-

उपर्युक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इन पाठ्य पुस्तकों की रचना की गई है। भाषा के -श्रवण तथा भाषण कौशलों के विकास के लिए इन पुस्तकों का भाग-1 उपयोगी है और वाचन तथा लेखन कौशलों के विकास के लिए भाग-2 । ये पुस्तकें कक्षा में अध्यापक की सहायता से भाषा सीखने के लिए बनाई गई हैं। इसलिए लिपि सीखने/सिखाने के लिए इन पुस्तकों में अलग से कोई प्रावधान नहीं किया

गया है। अध्यापकों को कक्षाओं में लिपि सिखानी होगी। ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान की कक्षाओं में पहले दिन से ही भाषा तथा लिपि का अध्यापन शुरु होगा और लिपि सिखाने के लिए भारतीय भाषा संस्थान में तैयार की गई अन्य सामग्रियाँ इस्तेमाल की जाएँगी।

तेलुगु भाषा श्रवण तथा भाषण कौशलों के अध्ययन और अध्यापन के लिए तैयार की गई प्रस्तुत पुस्तक में 24 पाठ हैं जो तेलुगु भाषा की संरचनाओं के आधार पर स्तरीकृत वार्तालाप हैं। इस पुस्तक के वार्तालापों का चयन भाषा प्रयोगों की उन सामान्य स्थितियों को लेकर किया गया है, जिन का सामना हमें दिन प्रितिदिन करना पड़ता है। उदाहरण के लिए किसी परिचित या अपरिचित के घर जाना, किसी उत्सव में भाग लेना, महंगाई आदि पर चर्चा करना, मकान बनाने तथा किराये का मकान ढूंढ़ने के बारे में बातचीत करना, डॉक्टर के पास जाना, किसी दर्शनीय स्थल पर घूमने जाना, बाज़ार जाना, पड़ोसियों से बातचीत करना, शादी-ब्याह के बारे में चर्चा करना आदि विषयों को अलग अलग ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया है। इस से विद्यार्थी यह जान सकेगा कि तेलुगु भाषा में निवेदन कैसे करते हैं, आदेश कैसे करते हैं, नम्रता कैसे अभिव्यक्त की जाती है, मना कैसे करते हैं, हास-परिहास कैसे किया जाता है, सांत्वना कैसे दी जाती है आदि।

इस पुस्तक के 24 पाठों में तेलुगु की विभिन्न भाषाई संरचनाओं का प्रयोग स्तरीकृत ढंग से प्रस्तुत किया गया है। ये ही पाठ के शिक्षण बिन्दु हैं। पाठ में दिए गए अभ्यास भी इन्हीं शिक्षण बिन्दुओं पर आधारित हैं। प्रत्येक पाठ का ढाँचा इस प्रकार है।

1. वार्तालाप
2. पाठ में आए नए शब्दों के अर्थ
3. पाठ बिन्दुओं पर आधारित अभ्यास
4. व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक अंशों के विवरण के लिए टिप्पणियाँ

उपर्युक्त 24 पाठों में 20 शिक्षण पाठ और 4 पुनर्भ्यास पाठ हैं। ये पाठ 4 इकाइयों में बाँठे गए हैं और प्रत्येक इकाई में 5-5 शिक्षण पाठ हैं और एक पुनर्भ्यास पाठ। इस प्रकार पाठ 6,12,18 और 24 पुनर्भ्यास पाठ हैं। पुनर्भ्यास पाठों में टिप्पणियाँ नहीं हैं क्योंकि उनमें नए शिक्षण बिन्दुओं का प्रयोग नहीं हुआ है।

भाषाई संरचनाओं पर आधारित वार्तालापों का स्तरीकरण करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि पाठ्य-सामग्री की स्वाभाविकता बनी रहे। अतः बाद के पाठों में सिखाए जानेवाले शिक्षण बिन्दुओं से संबद्ध कुछ संरचनाएँ आरम्भ के पाठों में भी आ गयी हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उस पाठ की विषय-वस्तु के संदर्भ में उनका आना आवश्यक था। ऐसी संरचनाओं को उस पाठ के शब्दार्थ के हिस्से के रूप में दिया गया है।

जैसा कि कहा जा चुका है कि हर पाठ के वार्तालाप के बाद उस वार्तालाप में आए नये शब्दों को दिया गया है। ऐसे बहुत से शब्द हैं जो तेलुगु भाषा में संस्कृत तथा अन्य भाषाओं से आए हैं। इनमें से बहुत से शब्दों का प्रयोग हिन्दी में भी होता है। इस संदर्भ में उन शब्दों पर विशेष ध्यान दिया गया है जो

रूप की दृष्टि से तो दोनों भाषाओं में समान हैं पर उनके अर्थ तेलुगु और हिन्दी में बहुत भिन्न हैं। शब्दों के वे अर्थ पहले दिये गये हैं जो उस पाठ के संदर्भ में उपयुक्त हैं। इसके पश्चात जहाँ आवश्यक समझा गया वे अर्थ भी दिये गये हैं जो सर्वाधिक प्रचलित हैं।

पाठों के अभ्यास, पाठ में सिखाये गए पाठ्य-बिन्दुओं को ध्यान में रख कर तैयार किये गये हैं। इन अभ्यासों का उपयोग सीखे हुए बिन्दुओं को दोहराने तथा परीक्षा के लिए भी किया जायेगा। नियमानुसार छात्र की परीक्षा उन्हीं बिन्दुओं के विषय में ली जायेगी जो सिखाए जा चुके हैं। लेकिन प्रत्येक पाठ में नये वाक्य अवश्य देखने को मिल जाएँगे। सीखी हुई संरचनाओं और शब्दों के सहयोग से विद्यार्थी स्वयं ऐसे वाक्य गढ़ सकेगा जिनका प्रयोग सीखे गए पाठों में नहीं आया है। प्रत्येक अभ्यास में परीक्षा के लिए एक समय पर एक ही बिन्दु को रखा गया है।

अभ्यास में दिये गये अधिकतर प्रश्न भाषा संरचना और शब्दों से सम्बन्धित हैं। कुछ प्रमुख अभ्यास इस प्रकार हैं-

शब्दों को ठीक क्रम में लाकर वाक्य बनाना, वाक्य विस्तार करना, निर्देशानुसार वाक्य रूपों में परिवर्तन करना, एक ही वाक्य को विभिन्न ढंगों में कहना, वाक्यांशों को जोड़कर वाक्य बनाना, उचित शब्दों का चयन करना, वाक्य पूरे करना, कर्ता या कर्म के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया में उचित प्रत्यय लगाना, दिए गए शब्दों से नये शब्द बनाना, प्रश्नों के उत्तर देना आदि। प्रत्येक पाठ में अभ्यास प्रश्नों की संख्या औसतन् 6 से 10 के बीच में है।

प्रथम पाँच पाठों की सम्पूर्ण पाठ्य-सामग्री परिवर्धित देवनागरी में भी है और तेलुगु लिपि में भी। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि विद्यार्थी आरम्भ में भाषा सीखने पर अधिक ध्यान केन्द्रित कर सके। जब वह भाषा से थोड़ा-बहुत परिचित हो जायेगा तो लिपि सीखने में भी उसे सहायता मिलेगी। वैसे अपेक्षा यही की जाती है कि भाषा और लिपि दोनों का शिक्षण साथ-साथ ही आरम्भ किया जाए। छठे पाठ से केवल तेलुगु लिपि का ही प्रयोग किया गया है। क्योंकि अब छात्र तेलुगु लिपि से परिचित हो गये होंगे। व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियों में व्याख्या के लिए सरल और साधारण भाषा का प्रयोग किया गया है। प्रयास यही रहा है कि क्लिष्ट तकनीकी शब्दावली का कम से कम प्रयोग किया जाए। छात्र को चाहिए कि वह व्याकरणिक संरचनाओं का अच्छी तरह अभ्यास कर उन्हें पूरी तरह हृदयंगम कर ले। इससे व्याकरण के नियमों को समझना सरल हो जाएगा।

किसी भी भाषा को पढ़ाने के लिए कोई भी एक तरीका ऐसा नहीं है जो पूरी तरह समर्थ हो या अपने आप में पूर्ण हो, विशेष रूप से द्वितीय भाषा पढ़ाने के लिए। द्वितीय भाषा सीखने के लिए विद्यार्थी को कक्षा के भीतर और बाहर एक-सा ही प्रयास करना होगा। विद्यार्थी सीखी गई संरचनाओं और शब्दों को जितना अधिक दोहराएगा एवं उनका प्रयोग करेगा- उतना ही उसके उच्चारण और बोधन में सुधार होगा। शिक्षक से अपेक्षा की जाती है कि वह सिखाए गई संरचनाओं और शब्दों के अभ्यास के लिए कक्षा में उचित वातावरण पैदा करे। कहने का तात्पर्य यह है कि भाषा को उसके परिवेश में रखकर ही सीखना और सिखाना चाहिए। इससे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया सरल भी होगी और स्वाभाविक भी।

सिखाई गई संरचनाओं और शब्दों का पर्याप्त अभ्यास करवा लेने के बाद शिक्षक को चाहिए कि वह पूरे पाठ को ऊँचे स्वर में पढ़े। शिक्षक का उच्चारण स्पष्ट होना चाहिए। अभिव्यक्ति के अनुसार उसके स्वर में उचित उतार-चढ़ाव होना चाहिए। पाठ का पहला वाचन धीमी गति से किया जाये जिससे विद्यार्थी प्रत्येक ध्वनि, शब्द और वाक्य को स्पष्ट रूप से सुन सके। इसके पश्चात् पाठ को भाषा की स्वाभाविक गति के अनुसार पढ़ना चाहिए। फिर अपने साथ विद्यार्थियों को भी सामूहिक रूप में पाठ को दोहराने के लिए कहना चाहिए। इसके पश्चात् बोधन संबंधी प्रश्न पूछे जाएँ। यदि विद्यार्थियों को प्रश्नों के उत्तर देने में कठिनाई हो तो शिक्षक उनकी मदद करें। इतने अभ्यास के बाद विद्यार्थी स्वतः ही उस पाठ का वाचन कर पायेगा और समझ सकेगा। यदि छात्र के उच्चारण में कोई त्रुटि हो तो शिक्षक उस त्रुटि को दोहराए बिना, सही रूप का परिचय दे। इस अभ्यास के पश्चात् भी विद्यार्थियों के मन में यदि कोई सन्देह या प्रश्न रह जाए तो शिक्षक उसका निवारण करे। हमारे विद्यार्थी वयस्क हैं अतः बार-बार दोहराने में उन्हें हिचक भी हो सकती है और वे इस अभ्यास को अरुचिकर भी पा सकते हैं। ऐसी अवस्था में शिक्षक सुविधानुसार व्यक्तिगत रूप से उनकी सहायता करे। सांस्कृतिक और व्याकरणिक टिप्पणियों को कक्षा में न पढ़वा कर, घर में पढ़ने के लिए कहे। इस के बाद विद्यार्थियों को कोई शंका हो तो अध्यापक उस का निवारण करे।

कुछ पाठों में तेलुगु भाषा के प्रचलित मुहावरों व कहावतों का प्रयोग हुआ है। यदि हिन्दी में भी उसी तरह के मुहावरे हैं तो शिक्षक उनका सहारा लेते हुए अर्थ स्पष्ट करे। यदि हिन्दी में ऐसे मुहावरे न हों तो शिक्षक विभिन्न वाक्यों में उनका प्रयोग करके अर्थ स्पष्ट करे।

प्रत्येक वार्तालाप में सभी वाक्यों का हिन्दी अनुवाद दिया गया है। अनुवाद करते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि हिन्दी भाषा की स्वाभाविकता बनी रहे। पर कहीं कहीं अनुवादित हिन्दी वाक्य बनावटी या अस्वाभाविक भी लग सकते हैं क्योंकि तेलुगु भाषा की कुछ विशेष संरचनाओं का परिचय देने के लिए ऐसा करना आवश्यक था। हिन्दी अनुवाद केवल इसलिए दिये गये हैं जिससे छात्र अर्थ समझ सकें। अनुवाद का प्रयोग तेलुगु भाषा सीखने के लिए न किया जाए। यथोचित प्रसंगों में संरचनाओं एवं शब्दों के अभ्यास द्वारा ही भाषा सीखी जा सकती है।

भाषा शिक्षण को अधिक प्रभावशाली तथा रोचक बनाने के लिए तेलुगु भाषा के परिवेश का अनुभव तथा तेलुगु भाषा भाषियों से सम्पर्क महत्वपूर्ण है। ऐसा प्रयास किया जाए कि छात्रों को तेलुगु भाषा-भाषियों के सम्पर्क में आने तथा संबंधित भाषा के गीत, कविताएँ, वार्तालाप, भाषण आदि सुनने का अवसर मिल सके। साथ ही छात्रों को तेलुगु भाषा के महान् साहित्यकारों, नेताओं तथा अन्य विभूतियों के चित्र भी दिखाए जाए। यदि उपलब्ध हो सकें तो आंध्रप्रदेश राज्य के हस्तशिल्प के नमूनों से कक्षा को सजाया जाए। हो सके तो कक्षा में आंध्रप्रदेश राज्य के प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सास्कृतिक महत्व के चित्र लगाए जाएँ तथा वहाँ की विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परम्पराओं का ऑडियो-वीडियो माध्यम से भी परिचय कराया जाए।

इस पाठ्यक्रम के पश्चात् छात्र से जो अपेक्षाएँ की गयी हैं उनका विवरण इस भूमिका में पहले ही दिया जा चुका है। वास्तव में छात्र ने इन पुस्तकों से कितना सीखा, वह इन पुस्तकों की कसौटी भी है

और मूल्यांकन भी। यह प्रयास प्रायोगिक है। इसमें शिक्षक एवं छात्रों की व्यावहारिक समस्याओं के आधार पर सुधार की बहुत सी संभावनाएँ हैं। इस दिशा में टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत है।

यह भूमिका अधूरी रह जाएगी यदि मैं भारतीय भाषा संस्थान के पूर्व निदेशक **डॉ. ई. अणामलै** तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के पूर्व भाषा-परामर्शी **डॉ. गोविन्द शर्मा रजनीश** के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट न करूँ क्योंकि भारतीय भाषा ज्योति श्रृंखला की पुस्तकों का रूपांकन करने तथा कार्यशालाओं के संचालन का चुनौती पूर्ण उत्तरदायित्व इन्हीं महानुभावों द्वारा मुझे सौंपा गया था। भारतीय भाषा ज्योति श्रृंखला की पुस्तकों का निर्माण काफी समयपूर्व हो गया था पर यह बहमूल्य सामग्री बरसों तक अंधकार के गर्त में छिपी रही। संस्थान के वर्तमान निदेशक **डॉ. ओंकार नाथ कौल** के प्रयासों से ही ये पुस्तके प्रकाश किरण देख पाईं। अतः इनके प्रति आभार प्रकट करना मेरा कर्तव्य है।

पुस्तक के रचयिता **डॉ. के. श्रीनिवासाचार्य, डॉ. पी. नागराज** एवं **डॉ. वै. रेड्डि श्यामला** तथा हिन्दी विशेषज्ञ **कुमारी रेखा शर्मा** के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप ही यह कार्य संपन्न हो सका है। इनके प्रति धन्यवाद ज्ञापन केवल एक औपचारिकता ही होगी।

मैं **श्रीमती स्वर्णाली चौधरी** एवं **श्रीमती उमा नागेंद्र** की बहुत आभारी हूँ जिन्होंने इस पुस्तक का डी.टी.पी कार्य संपन्न किया। इस के साथ ही पुस्तक का आवरण तैयार करने के लिए संस्थान के कलाकार **श्री. मनोहर** के प्रति भी अपनी कृतज्ञता प्रकट करती हूँ।

इन सभी छात्रों एवं शिक्षकों के प्रति मैं अग्रिम रूप से अपना आभार अभिव्यक्त करना चाहती हूँ जो इस सामग्री का उपयोग करेंगे एवं इसके विषय में अपने विचार तथा प्रतिक्रियाएँ हम तक पहुँचाएंगे।

बी. श्यामला कुमारी

मैसूर
30/10/2000

बी. श्यामला कुमारी
रीडर एवं अनुसंधान अधिकारी

तेलुगु-देवनागरी चार्ट

అ	अ	ఎ	ऍ
ఆ	आ	ఏ	ए
ఇ	इ	ఐ	ऐ
ఈ	ई	ఒ	ऑ
ఉ	उ	ఓ	ओ
ఊ	ऊ	ఔ	औ
ఋ	ऋ		

క	क	క్	क्	ధ	ध	ధ్	ध्
ఖ	ख	ఖ్	ख्	న	न	న్	न्
గ	ग	గ్	ग्	ప	प	ప్	प्
ఘ	घ	ఘ్	घ्	ఫ	फ	ఫ్	फ्
ఙ	ङ	ఙ్	ङ्	బ	ब	బ్	ब्
చ	च	చ్	च्	భ	भ	భ్	भ्
ఛ	छ	ఛ్	छ्	మ	म	మ్	म्
జ	ज	జ్	ज्	య	य	య్	य्
ఝ	झ	ఝ్	झ्	ర	र	ర్	र्
ఞ	ञ	ఞ్	ञ्	ల	ल	ల్	ल्
ట	ट	ట్	ट्	వ	व	వ్	व्
ఠ	ठ	ఠ్	ठ्	శ	श	శ్	श्
డ	ड	డ్	ड्	ష	ष	ష్	ष्
ఢ	ढ	ఢ్	ढ्	స	स	స్	स्
ణ	ण	ణ్	ण्	హ	ह	హ్	ह्
త	त	త్	त्	ళ	ळ	ళ్	ळ्
థ	थ	థ్	थ्	క్ష	क्ष	క్ష్	क्ष्
ద	द	ద్	द्				

విషయసూచి
विषयसूची

పాఠం 1
पाठ 1

మొదటి రాక — पहला आगमन

రమేశ్ रमेश्	: అమ్మా ! వీరు పాండేగారు. వీరు మా : अम्मा ! वीरु पाण्डेगारु। वीरु मा ఆఫీసరు. సార్ ! ఈమె మా అమ్మగారు. आफीसरु। सार ! ईमॅ मा अम्मगारु।	माँ ! ये पांडेजी हैं। हमारे अफ़सर हैं। सर ! ये मेरी माताजी हैं।
పాండే पाण्डे	: నమస్తే! : नमस्ते !	नमस्ते ।
కాంతమ్మ कान्तम्म	: నమస్కారమండీ! కూర్చోండి. : नमस्कारमण्डी ! कूर्चोण्डि।	नमस्कार जी। बैठिए।
పాండే पाण्डे	: రమేశ్! నువ్వు కూడా కూర్చో! మీ రమేశ్ : रमेश नुव्वु कूडा कूर्चो ! मी रमेश् మంచి అబ్బాయి. मञ्चि अब्बायि।	रमेश तुम भी बैठो। आपका रमेश अच्छा लड़का है ।
కాంతమ్మ कान्तम्म	: అదంతా మీ అభిమానం. : अदन्ता मी अभिमानम् ।	वह (सब) तो आपका प्रेम है।
పాండే पाण्डे	: ఇదిగోండి! తీసుకోండి! : इदिगोण्डि तीसुकोण्डि !	यह ले लीजिए।
కాంతమ్మ कान्तम्म	: ఇదంతా ఏమిటండీ ? : इदन्ता एमिटण्डी ?	जी यह सब क्या है ?
పాండే पाण्डे	: ఇది పెద్ద బహుమతేమీ కాదు. చిన్న : इदि पॅद्द बहुमतेमी कादु। चिन्न	यह कोई बड़ी सौगात नहीं है । एक छोटी सी भेंट है। पहली बार तुम्हारे यहाँ आया हूँ।

	కానుక ఇది నా మొదటి రాక కదా! कानुक। इदि मा मॉदटी राक कदा! పరవాలేదు తీసుకోండి! परवालेदु तीसुकोंडी!	कोई बात नहीं। ले लीजिए ।
రమేశ్ रमेश्	: పాండేగారూ! ఈవిడ మా వదిన. : पाण्डेगारु ! ईविड मा वदिन।	पांडेजी ये हैं हमारी भाभी।
సుచరిత सुचरित	: నమస్కారమండీ! : नमस्कारमण्डी !	नमस्कार जी।
పాండే पाण्डे	: నమస్కారం! రమేశ్ ! మీ వదినగారు : नमस्कारम् ! रमेश् ! मी वदिनगारु తెలుగువారు కారా? तॅलुगुवारु कारा?	नमस्कार । रमेश, क्या तुम्हारी भाभी जी आंध्र की नहीं है ?
రమేశ్ रमेश्	: ఔనండి! భలే పరిశీలన! ఆవిడ బెంగాలీ. : औनण्डि ! भले परिशीलन ! आविड बॅंगाली। మా అన్న డాక్టరు. ఆవిడ కూడా డాక్టరే. मा अन्न डाक्टरु। आविड कूडा डाक्टरे। వీడు వాళ్ళ బాబు. वीडु वाळ्ळ बाबु !	जी हाँ खूब पहचाना। वे बंगाली हैं। हमारे बड़े भाई डॉक्टर हैं। वे (भाभी जी) भी डॉक्टर हैं । यह उनका बेटा है।
పాండే पाण्डे	: ఇతను ఎవరు? మీ తమ్ముడా? : इतनु ऍवरु ? मी तम्मुडा ?	और यह कौन है ? तुम्हारा छोटा भाई है क्या ?
రమేశ్ रमेश्	: కాదండీ! అతను నా మేనల్లుడు. అంటే : कादण्डी ! अतनु ना मेनल्लुडु. अंटे మా అక్క కొడుకు. అతని పేరు మూర్తి. मा अक्क कॉडुकु. अतनि पेरु मूर्ति. అతను ఇంజనీరు. अतनु इन्जनीरु !	जी नहीं, वह मेरा भतीजा है। यानि हमारी बड़ी बहन का बेटा। उसका नाम मूर्ति है। वह इंजीनियर है।

కాంతమ్మ : कान्तम्म :	పాండేగారూ! మీరు ఫలహారం తీసుకోండి. पांडेगारू! मीरु फलहारम् तीसुकोंडि. సుచరితా! మంచి నీళ్ళు తేమ్మా ! सुचरिता! मञ्चि नीळ्ळु तेम्मा!	पांडेजी, आप यह नाश्ता लीजिए। सुचरिता! पानी (अच्छा पानी पीने का) लाओ।
పాండే : पांडे :	ఇది ఏమిటండీ? इदि एमिटण्डी?	यह क्या (चीज) है ?
కాంతమ్మ : कान्तम्म :	పెసరట్టు. అది ఒక రకం దోసె. ఇవి కాజాలు. पसरट्टु। अदि आक रकम दोसॅ। इवि काजालु। ఇది తీపి పదార్థం. ఇది మా కోడలి వంట. इदि तीपि पदार्थम्! इदि मा कोडलि वण्ट!	पेसरट्टु है। वह एक तरह का दोसा है। ये खाजें हैं। यह एक मिठाई है। यह हमारी बहू ने बनाई है।
పాండే : पाण्डे :	మీ కోడలి వంట అద్భుతమండీ! मी कोडलि वण्ट अद्भुतमण्डी!	आपकी बहू का पकाना (तो) कमाल है।
కాంతమ్మ : कान्तम्म :	కాఫీ తీసుకోండి. काफी तीसुकोण्डी	कॉफ़ी (भी) लीजिए।
పాండే : पाण्डे :	ఇంక సెలవా ? इंक सॅलवा ?	अच्छा क्या अब इजाज़त है?
కాంతమ్మ : कान्तम्म :	మంచిదండీ ! मञ्चिदण्डी ।	अच्छा जी !(धन्यवाद)।

शब्दार्थ

అమ్మ अम्म	माँ	వీరు वीरु	आप (थे)	-గారు -गारु	-जी
మా मा	हमारा (रे, - री)	ఈమె ईमॅ	यह (स्त्री)	నమస్తే नमस्ते	नमस्ते
నమస్కారం नमस्कारम्	नमस्कार	-అండి -अण्डी	-जी	కూర్చో कुर्चो	बैठो
కూర్చోండి कूर्चोंडी	बैठिए	నువ్వు नुव्वु	तू / तुम	కూడా कूडा	भी

మీ मी	आपका (के,-की)	మంచి मञ्चि	अच्छा	అబ్బాయి अब्बायि	लड़का
అది अदि	वह (चीज़)	అంతా अन्ता	सब	అదంతా अदन्ता	वह सब
అభిమానం अभिमानम्	अभिमान	ఇదిగో इदिगो	यह देखो (या यह लो)	ఇదిగోండి इदिगोण्डि	यह देखिए (या यह लीजिए)
తీసుకో तीसुको	लो	తీసుకోండి तीसुकोण्डि	लीजिए	ఇది इदि	यह (चीज़)
అంతా अन्ता	सब	ఇదంతా इदन्ता	यह सब	ఏమిటి एमिटि	क्या
ఏమిటండి एमिटण्डि	क्या जी	పెద్ద पॅद्द	बड़ा	బహుమతి बहुमति	सौगात
ఏమీ एमी	कुछ भी	కాదు कादु	नहीं	చిన్న चिन्न	छोटा
కానుక कानुक	भेंट	నా ना	मेरा (-रे, -री)	మొదటి मॉदटि	पहले
రాక राक	आना	కదా कदा	(ऐसा ही है) न ?	పరవాలేదు परवा लेदु	परवाह नहीं (कोई बात नहीं)
ఈవిడ ईविड	यह (औरत)	వదిన वदिन	भाभी	తెలుగువారు तॅलुगुवारु	तेलुगु लोग (या आंध्र के लोग)
కారా कारा	(वे लोग) नहीं है ?	ఔను औनु	हाँ	ఔనండి औनण्डि	जी हाँ
భలే भले	बढ़िया (शाबाश)	పరిశీలన परिशीलन	परिशीलन	ఆవిడ आविड	वे (स्त्री.)
బెంగాలీ बेंगाली	बंगाली	అన్న अन्न	बड़ा भाई	వీడు वीडु	यह (लड़का, सन्निहित व्यक्ति
వాళ్ళ वाळ्ळ	उनका (-के, -की)	బాబు बाबु	बच्चा (बेटा)	ఇతను इतनु	यह (आदमी)

ఎవరు ऍवरु	कौन	తమ్ముడు तम्मुडु	छोटा भाई	కాదండీ कादण्ड़ी	जी नहीं
అతను अतनु	वह (आदमी)	మేనల్లుడు मेनल्लुडु	भतीजा	అంటే अण्टे	यानि
అక్క अक्क	बड़ी बहन	కొడుకు कॉडुकु	बेटा	పేరు पेरु	नाम
మీరు मीरु	आप (तुम)	ఫలహారం फलहारम्	नाश्ता	మంచినీళ్ళు मञ्चि नीळ्ळु	अच्छा पानी (पीने का)
తేమ్మా तेम्मा	ला बेटी	పెసరట్టు पॅसरट्टु	पेसरट्टु (एक तरह का दोसा)	ఒక अक	एक
రకం रकम	तरह	దోసె दोसॅ	दोसा	ఇది इदि	यह (चीज़)
కాజాలు काजालु	खाजे	తీపిపదార్థం तीपि पदार्थम्	मिठाई	కోడలు(-లి) कोडलु, (-लि)	बहू (-का, -के, -की)
వంట वण्ट	पकाना या पकवान	అద్భుతం अदभुतम्	अद्भुत	అద్భుతమండి अद्भुतमण्डि	अद्भुत है जी
కాఫీ काफी	कॉफ़ी	ఇంక इंक	अब	సెలవు सॅलवु	छुट्टी (इजाज़त है)
మంచిదండీ मञ्चिदण्डी	अच्छा जी (धन्यवाद)				

अभ्यास

I. उदाहरणों के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बढ़ाइए।

(1) ఉదా: దోసె [ఇది / అది]
उदा: दोसॅ [इदि/अदि]
ఇది దోసె [इदि दोसॅ]
అది దోసె [अदि दोसॅ]

1. కాఫీ (काफी)
2. ఫలహారం (फलहारम्)
3. తీపి పదార్థం (तीपि पदार्थम्)
4. పెసరట్టు (पसरट्टु)
5. ఏమిటండీ? (एमिटण्डी?)
6. కాజా (काजा)

(2) ఉదా: రమేశ్ [ఇతను / అతను]
उदा : रमेश् [इतनु/अतनु]
ఇతను రమేశ్ [इतनु रमेश्]
అతను రమేశ్ [अतनु रमेश्]

1. తమ్ముడు (तम्मुडु) 2. పాండే (पाण्डे)
3. ఇంజనీరు (इन्जनीरु) 4. డాక్టరు (डाक्टरु)
5. ఎవరు ? (ऍवरु?) 6. మూర్తి (मूर्ति)

(3) ఉదా: మా వదిన [ఈవిడ / ఆవిడ]
उदा : मा वदिन [ईविड / आविड]
ఈవిడ మా వదిన. (ईविड मा वदिन.)
ఆవిడ మా వదిన. (आविड मा वदिन.)

1. మా అక్క (मा अक्क) 2. మీ బాబు (मी बाबु)
3. వాళ్ళ ఆఫీసరు (वाळ्ळ आफीसरु) 4. బెంగాలీ (बॅंगाली)
5. ఎవరు ? (ऍवरु) 6. తెలుగు (तॅलुगु)

(4) ఉదా: వాళ్ళ బాబు [వీడు]
उदा : वाळ्ळ बाबु [वीडु]
వీడు వాళ్ళ బాబు.(वीडु वाळ्ळ बाबु.)

1. మా తమ్ముడు (मा तम्मुडु)
2. మీ అమ్మగారు (मी अम्मगारु)
3. నా కోడుకు (ना कॉडुकु)
4. వాళ్ళ మేనల్లుడు (वाळ्ळ मेनल्लुडु)
5. మంచి అబ్బాయి. (मञ्चि अब्बायि.)
6. పెద్ద డాక్టరు. (पॅद्द डाक्टरु)

(5) ఉదా: పాండేగారు [వీరు]
उदा : पाण्डेगारु [वीरु]
వీరు పాండేగారు (वीरु पाण्डेगारु)

1. అమ్మగారు (मा अम्मगारु) 2. వదినగారు (वाळ्ळ वदिनगारु)
3. ఆఫీసరుగారు (मा आफीसरुगारु) 3. సుచరితగారు (सुचरितगारु)
5. రమేశ్ (रमेश्) 6. ఇంజనీర్ (इन्जनीर्)

II. उदाहरण के अनुसार कोष्ठकमें दिए गए शब्दों का प्रयोग करके वाक्यों का विस्तार कीजिए।

(1) ఉదా: అబ్బాయి [మంచి / రమేశ్ / మీ]
उदा: अब्बायि [मञ्चि/ रमेश् / मी]
అబ్బాయి (अब्बायि)
మంచి అబ్బాయి (मञ्चि अब्बायि)
రమేశ్ మంచి అబ్బాయి (रमेश् मञ्चि अब्बायि)
మీ రమేశ్ మంచి అబ్బాయి (मी रमेश् मञ्चि अब्बायि)

1. డాక్టరు [మంచి / వదిన / మా]
डाक्टरु [मञ्चि / वदिन / मा]
2. కొడుకు [అక్క / మా / ఇతను]
कॉडुकु [अक्क / मा / इतनु]
3. ఇంజనీరు [పెద్ద / మేనల్లుడు / నా]
इन्जनीरु [पॅद्द / मेनल्लुडु / ना]

4. రాక [మొదటి / నా / ఇది]
राक [मॉदटि / ना / इदि]

5. కాదు [బహుమతేమీ/పెద్ద/అది]
कादु [बहुमतेमी / पॅद्द / अदि]

(2) ఉదా: రమేశ్ అబ్బాయి [మంచి - మీ]
उदाः रमेश् अब्बायि [मञ्चि - मी]
రమేశ్ అబ్బాయి (रमेश् अब्बायि)
రమేశ్ మంచి అబ్బాయి (रमेश् मञ्चि अब्बायि)
మీ రమేశ్ మంచి అబ్బాయి (मी रमेश् मञ्चि अब्बायि)

1. మేనల్లుడు ఇంజనీరు [పెద్ద - నా]
मेनल्लुडु इन्जनीरु [पॅद्द - ना]

2. అక్క ఆఫీసరు [పెద్ద - వాళ్ళ]
अक्क आफीसरु [पॅद्द - वाळ्ळ]

3. అన్న కొడుకు [చిన్న - మా]
अन्न कॉडुकु [चिन्न - मा]

4. సుచరిత వదిన [రమేశ్ - డాక్టరు]
सुचरित वदिन [रमेश् - डाक्टरु]

5. వదిన డాక్టరు [మంచి - మీ]
वदिन डाक्टरु [मञ्चि - मी]

III. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करके उतने ही वाक्य बनाइए जितने शब्द दिए गए हैं ।

ఉదా : ఆవిడ బెంగాలీ డాక్టరు [తెలుగు / మంచి / పెద్ద / తమిళ]
उदा : आविड बॅंगाली डाक्टरु [तॅलुगु / मञ्चि / पॅद्द / तमिळ]

ఆవిడ తెలుగు డాక్టరు ఆవిడ మంచి డాక్టరు
आविड तॅलुगु डाक्टरु आविड मञ्चि डाक्टरु
ఆవిడ పెద్ద డాక్టరు ఆవిడ తమిళ డాక్టరు
आविड पॅद्द डाक्टरु आविड तमिळ डाक्टरु

1. మా అన్న ఇంజనీరు [మేనల్లుడు/ తమ్ముడు/ వదిన]
मा अन्न इन्जनीरु [मेनल्लुडु/ तम्मुडु/ वदिन]
2. అది పెద్ద బహుమతి [చిన్న / మంచి / నా]
अदि पॅद्द बहुमति [चिन्न/ मञ्चि / ना]
3. ఇది నా మొదటి రాక [మా/ మీ/ వాళ్ళ]
इदि ना मॉदटि राक [मा/ मी / वाळ्ळ]
4. ఇతను ఎవరు? [ఇంజనీరు/ డాక్టరు/ ఆఫీసరు]
इतनु ऍवरु? [इन्जनीरु/ डाक्टरु/ आफीसरु]
5. ఫలహారం తీసుకోండి [పెసరట్టు/ కాజాలు/ కాఫీ]
फलहारम् तीसुकोण्डि [पॅसरट्टु/ काजालु/ काफी]

IV. उदाहरणों के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों का पुनर्निर्माण कीजिए ।

ఉదా : ఇది పెసరట్టు. ఇది ఒకరకం దోసె....
उदा : इदि पॅसरट्टु. इदि आकरकम् दोसॅ।

పెసరట్టు ఒక రకం దోసె
पॅसरट्टु आकरकम् दोसॅ।

1. ఇది కాజా. ఇది తీపి పదార్థం.
   इदि काजा। इदि तीपि पदार्थम्।
2. అతను మూర్తి. అతను మా అక్క కొడుకు.
   अतनु मुर्ति। अतनु मा अक्क कॉडुकु।
3. ఈమె సుచరిత ఈమె మా కోడలు
   इमॅ सुचरिता। इमॅ मा कोडलु।
4. ఈవిడ మా వదిన. ఈవిడ బెంగాలీ.
   ईविड मा वदिन । ईविड बॅंगाली।
5. ఇతను నా మేనల్లుడు. ఇతను ఇంజనీరు.
   इतनु ना मेनल्लुडु । इतनु इन्जनीरु ।

(2) ఉదా: మా అన్న డాక్టరు. (వదిన) మా వదిన కూడా డాక్టరే.
उदाः मा अन्न डाक्टरु. (वदिन) मा वदिन कूडा डाक्टरे।

1. మా మేనల్లుడు ఇంజనీరు. (తమ్ముడు) मा मेनल्लुडु इन्जनीरु. (तम्मुडु)
2. కాజాలు మా కోడలి వంట. (దోసె) काजलु मा कोडलि वण्ट. (दोसॅ)
3. రమేశ్ మంచి అబ్బాయి. (మూర్తి) रमेश् मञ्चि अब्बायि. (मुर्ति)
4. సుచరిత మా కోడలు. (రమ) सुचरित मा कोडलु. (रमा)

V. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के दो दो उत्तर दीजिए ।

(1) ఉదా: ఇతను మీ తమ్ముడా?
उदाः इतनु मी तम्मुडा?

1. ఔనండీ ! ఇతను మా తమ్ముడు.
   औनण्डी ! इतनु मा तम्मुडु।
2. కాదండీ ! ఇతను మా తమ్ముడు కాదు.
   कादण्डी ! इतनु मा तम्मुडु कादु।

1. ఈవిడ మీ వదినగారా ?
ईविड मी वदिनगारा ?

2. అతడు మీ మేనల్లుడా ?
अतडु मी मेनल्लुडा ?

3. ఇది మీ కోడలి వంటా ?
इदि मी कोडलि वण्टा ?

4. మీ వదినగారు తెలుగువారా ?
मी वदिनगारु तॅलुगुवारा ?

5. ఇది దోసా?
इदि दोसा ?

6. ఇది కాజా?
इदि काजा ?

(2) రమేశ్ ఆఫీసరు ఎవరు? [పాండేగారు]
रमेश् आफीसरु ऍवरु? [पाण्डेगारु]

1. పాండేగారు (पाण्डेगारु)
2. రమేశ్ ఆఫీసరు పాండేగారు (रमेश् आफीसरु पाण्डेगारु)।

1. రాము వదిన ఎవరు?
रामु वदिन ऍवरु?
(సుచరిత) [सुचरित]

2. మూర్తి మేనల్లుడు ఎవరు?
मूर्ति मेनल्लुडु ऍवरु?
(రాము) [रामु]

3. కాంతమ్మ కోడలు ఎవరు? (సుచరిత)
कान्तम्म कोडलु ऍवरु ? (सुचरित)

4. రమేశ్ తల్లి ఎవరు? (కాంతమ్మ)
रमेश् तल्लि ऍवरु ? (कान्तम्म)

VII. (1) उदाहरण के अनुसार शब्दों का अलग कीजिए।

ఉదా : తేమ్మా = తే + అ + మా
उदा : तेम्मा = ते + अ + मा

1. మంచబ్బాయి (मञ्चब्बायि)
2. ఇతనెవరు (इतनॅवरु)
3. ఆవిడెవరు (आविडॅवरु)
4. ఈవిడెవరు (ईविडॅवरु)
5. మీరుండండి (मीरुण्डण्डि)
6. పెసరట్టుఅండి (पॅसरट्टु आंडि)

(2) उदाहरण के अनुसार शब्दों को जोड़िए।

ఉదా: ఏమిటి - అండి = ఏమిటండి
उदा: एमिटि - अण्डि = एमिटण्डि

1. మంచిది - అండి (मञ्चिदि - अण्डि)
2. తీసుకో- అండి (तीसुको - अण्डि)
3. ఇదిగో - అండి (इदिगो - अण्डि)
4. ఇది - అంతా (इदि - अन्ता)
5. అది అంతా (अदि - अन्ता)
6. పెసరట్టు - అండి (पॅसरट्टु - अण्डि)

VIII. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों का बहुवचन बनाइए।

ఉదా: అక్క - అక్కలు
उदाः अक्क - अक्कलु

1. వదిన	2. సెలవు	3. వంట	4. దోసె	5. కానుక
वदिन	सॅलवु	वण्ट	दोसॅ	कानुक

IX. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए हुए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

ఉదా: రమేశ్ మంచి ——— (అక్క, అబ్బాయి, మూర్తి)
उदाः रमेश् मञ्चि ——— (अक्क, अब्बायि, मूर्ति)
రమేశ్ మంచి అబ్బాయి.
रमेश् मञ्चि अब्बायि.

1. అదంతా మీ ——— (అభిమానం, రమేశ్, అక్క)
   अदन्ता मी ——— (अभिमानम्, रमेश्, अक्क)
2. మీ ——— గారు తెలుగువారు కారా ?(పరిశీలన, వదిన)
   मी ——— गारु तॅलुगुवारु कारा ? (परिशीलन, वदिन)
3. ఇది మా కోడలి ——— (వదిన, డాక్టరు, వంట)
   इदि मा कोडलि ——— (वदिन, डाक्टरु, वण्ट)
4. ఇతను మా అక్క ——— (కాజాలు, కొడుకు, అభిమానం)
   इतनु मा अक्क ——— (काजालु, कॉडुकु, अभिमानम्)
5. ఇది నా మొదటి ——— (రాక, మూర్తి, అన్న)
   इदि ना मॉदटि ——— (राक, मूर्ति, अन्न)

X. पाठ के अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. పాండేగారు ఎవరు ?
   पाण्डेगारु ऍवरु?
2. రమేశ్ ఒదిన ఎవరు ?
   रमेश् ऑदिन ऍवरु ?
3. మూర్తి ఎవరు?
   मूर्ति ऍवरु?
4. పాండేగారి ఫలహారం ఏమిటి?
   पाण्डेगारि फलहारम् एमिटि ?
5. ఎవరి వంట అద్భుతం?
   ऍवरि वण्ट अद्भुतम् ?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में तेलुगु के क्रियारहित वाक्यों का परिचय दिया गया है । जैसे कि

ఇతను అబ్బాయి इतनु अब्बायि	यह लड़का है ।	మీరు పాండేగారు मीरु पाण्डेगारु	आप पांडे जी हैं ।
ఈవిడ వదిన ईविड वदिन	ये भाभी हैं	వీరు అమ్మగారు वीरु अम्मगारु	ये माता जी हैं ।

इस बात पर ध्यान दें कि जहाँ हिन्दी में `है' या `हैं' जैसे क्रिया रूपी शब्दों का प्रयोग होता है तेलुगु के वाक्यों में ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं होता। इसी संदर्भ में यह भी समझिए कि

ఇతను అబ్బాయి కాదు. इतनु अब्बायि कादु	यह लड़का नहीं है ।
మీరు పాండేగారు కాదు. मीरु पाण्डेगारु कादु	आप पांडेजी नहीं है ।

जैसे निषेधात्मक वाक्यों में हिन्दी के `नहीं है' के समान तेलुगु में కాదు (कादु) = `नहीं है' కారు (कारु) `नहीं है' जैसे शब्दों का प्रयोग होता है।

2. निम्नलिखित वाक्यों पर ध्यान दीजिए।

ఇతను మూర్తి इतनु मूर्ति	यह मूर्ति है ।	అతను రమేశ్ अतनु रमेश्	वह रमेश है ।
ఈమె శుభ ईमॅ शुभ	यह शुभा है ।	ఆమె సుచరిత आमॅ सुचरित	वह सुचरिता है ।
వీడు శ్రీరాం वीडु श्रीराम्	यह श्रीराम है ।	వాడు శ్రీధర్ वाडु श्रीधर	वह श्रीधर है ।
ఇది దోసె इदि दोसॅ	यह दोसा है ।	అది కాజా आदि काजा	वह खाजा है ।
ఈవిడ వదినగారు ईविड वदिनगारु	ये भाभी जी हैं ।	ఆవిడ అమ్మగారు आविड अम्मगारु	वे माताजी हैं ।
ఈయన ఆఫీసరుగారు ईयन आफीसरुगारु	ये ऑफ़िसर है ।	ఆయన కోదండరామయ్య आयन कोदंडरामय्य	वे कोदङ रामय्या हैं।

వీరు అమ్మగారు वीरु अम्मगारु	ये माताजी हैं ।	వారు పాండేగారు वारु पांडेगारु	वे पांडेजी हैं ।
వీళ్ళు స్నేహితులు वीळ्ळु स्नेहितुलु	ये मित्र हैं ।	వాళ్ళు విద్యార్థులు वाळ्ळु विद्यार्थुलु	वे छात्र हैं ।
ఇవి కాజాలు इवि काजालु	ये खाजें हैं ।	అవి దోసెలు अवि दोसॅलु	वे दोसें हैं ।

देखिए कि हिन्दी के यह, वह, ये और वे जैसे सर्वनामों में एक के स्थान पर तेलुगु में एक से अधिक सर्वनामों का प्रयोग हुआ है ।

			ए.व	ब.व	ए.व	ब.व
मनुष्यवाचक	पुरुषवाचक	गौरव सूचक	ఈయన ईयन		ఆయన आयन	
मनुष्यवाचक	पुरुषवाचक	साधारण	ఇతను इतनु		అతను अतनु	
मनुष्यवाचक	पुरुषवाचक	छोटे और सन्निहित	వీడు वीडु	వీళ్ళు वीळ्ळु	వాడు वाडु	వాళ్ళు वाळ्ळु
मनुष्यवाचक	स्त्रीवाचक	गौरव सूचक	ఈవిడ ईविड		ఆవిడ आविड	
मनुष्यवाचक	स्त्रीवाचक	साधारण	ఈమె ईमॅ		ఆమె आमॅ	
मनुष्यवाचक	पुरुषया स्त्री	गौरव सूचक	వీరు वीरु		వారు वारु	
मनुष्येतरवाचक			ఇది इदि	ఇవి इवि	అది अदि	అవి अवि

यह भी देखिए कि ఈవిడ (ये), ఈయన (ये), వీరు (ये), ఆవిడ (वे), ఆయన (वे), వారు (वे), - ये सर्वनाम एकवचन की हैं । ये सब गौरवसूचक सर्वनाम हैं।

3. समझिए कि इन वाक्यों में ఇతను (इतनु) जैसे सर्वनाम या అబ్బాయి (अब्बायि) जैसे संज्ञाओं के स्थान నా తమ్ముడు (ना तम्मुडु), మంచి అబ్బాయి (मञ्चि अब्बायि), అక్క కొడుకు (अक्क काडुकु) जैसे शब्दों की जोड़ियों का भी प्रयोग किया जाता है । जैसे कि

ఇతను మా తమ్ముడు	(इतनु मा तम्मुडु)	यह हमारा छोटा भाई है।
మా తమ్ముడు ఇంజనీరు	(मा तम्मुडु इंजनीरु)	हमारा छोटा भाई इंजीनियर है।
ఇతను మంచి అబ్బాయి	(इतनु मञ्चि अब्बायि)	यह अच्छा लड़का है।
మంచి అబ్బాయి డాక్టరు	(मञ्चि अब्बायि डाक्टरु)	अच्छा लड़का डाक्टर है।
ఇతను అక్క కొడుకు	(इतनु अक्क कॉडुकु)	यह (बड़ी) बहन का बेटा है।
అక్క కొడుకు మేనల్లుడు	(अक्क कॉडुकु मेनल्लुडु)	(बड़ी) बहन का बेटा भतीजा (होता) है ।

(1) మా తమ్ముడు (मा तम्मुडु) जैसे वाक्यांशों में आने वाले మా, మీ, నా (मा, मी, ना) जैसे शब्दों पर और మంచి అబ్బాయి (मञ्चि अब्बायि) जैसे वाक्यांशों में आनेवाले మంచి , పెద్ద, చిన్న (मञ्चि, पॅद्द, चिन्न) जैसे शब्दों पर ध्यान दीजिए ।

మా తమ్ముడు	(मा तम्मुडु)	हमारा छोटा भाई	మంచి అబ్బాయి	(मञ्चि अब्बायि)	अच्छा लड़का
మా అక్క	(मा अक्क)	हमारी बड़ी बहन	మంచి వదిన	(मञ्चि वदिन)	अच्छी भाभी
మా కాజాలు	(मा काजालु)	हमारे खाजें	మంచి దోసెలు	(मञ्चि दोसॅलु)	अच्छे दोसें

ऊपर दिए वाक्यांशों में दूसरे शब्द के पुरुषवाचक या स्त्रीवाचक, मनुष्यवाचक या मनुष्येतरवाचक, एकवचन का या बहुवचन का प्रयोग होने से మా, మీ, నా, మంచి, పెద్ద, చిన్న (मा, मी, ना, मञ्चि, पॅद्द, चिन्न) जैसे शब्दों के रूप नहीं बदलते ।

(2) అక్క కొడుకు (अक्क कॉडुकु) जैसे प्रयोगों को भी देखिए ।

అక్క (अक्क) `बड़ी बहन', కొడుకు (कॉडुकु) `बेटा', అక్క కొడుకు (अक्क कॉडुकु) `बड़ी बहन का बेटा'

इस प्रयोग में पहला शब्द जब అక్క (अक्क) जैसी संज्ञा होता है तब तेलुगु में संबंध को सूचित करने वाले (का, के, की)

जैसे प्रयोग की आवश्यकता नहीं है ।

4. इस पाठ में కూర్చో (कुर्चो) बैठो और కూర్చోండి (कुर्चोण्डि) बैठिए
తీసుకో (तीसुको) लो और తీసుకోండి (तीसुकोण्डि) लीजिए

जैसी क्रियाओं का परिचय भी दिया गया है ।

5. यह समझिए कि నమస్కారమండీ (नमस्कारमण्डी) `नमस्कार जी', అదంతా (अदन्ता) `वह सब' కూర్చోండి (कूर्चोण्डि) `बैठिए' जैसे शब्दों में दो अलग अलग शब्दों का मेल है । जैसे कि

(1) నమస్కారం + అండీ = నమస్కారమండీ
नमस्कारम् + अण्डी = नमस्कारमण्डी

देखिए कि यहाँ व्यञ्जन `म्' स्वर `अ' से मिलकर म बन गया है ।

(2) అది + అంతా = అదంతా
अदि + अन्ता = अदन्ता

देखिए कि यहाँ అది का अन्तिम स्वर `-ఇ' (इ) के అంతా (अन्ता) का आरम्भ स्वर అ (अ) से मिलने पर इन दोनों स्वरों में से दूसरा स्वर `అ' (अ) बच गया है और पहले स्वर `ఇ' (इ) का लोप हो गया है।

(3) కూర్చో + అండీ = కూర్చోండీ
कूर्चो + अण्डी = कूर्चोण्डी

यहाँ కూర్చో (कूर्चो) का अन्तिम स्वर `ఓ' (ओ) के -అండీ (-अण्डी) का आरम्भ स्वर అ (अ) से मिलने पर इन दोनों स्वरों में से पहला स्वर ఓ (ओ) बच गया है और दूसरे स्वर అ (अ) का लोप हो गया है।

పాఠం 2
पाठ

రైల్లో ఒక సంభాషణ !

रेल गाड़ी में एक बातचीत !

చౌదరి : ఏమండీ ! ఇది మీ సూట్‌కేసా ?
चौदरि : एमण्डी ! इदि मी सूटकेसा ?

सुनिए, क्या यह आपका सूटकेस है?

శారద : ఔనండి. ఈ ఎర్ర సూట్‌కేసు నాది. ఈ
शारद : औनण्डि । ई ऍर्र सुटकेसु नादि । ई
బెడ్డింగ్ మీదా? ఇక్కడ పెట్టండి. ఈ
बड्डिङ्ग मीदा ? इक्कड पट्टण्डि । इ
సూట్‌కేసు మీద పెట్టండి. పరవాలేదు.
सुटकेसु मीद पट्टण्डि । परवालेदु ।

जी हाँ । यह लाल सूटकेस मेरा है। यह बेडिंग आपका है क्या? यहाँ रखिए। इस सूटकेस पर रखिए! कोई बात नहीं।

చౌదరి : థాంక్సండీ ! నా పేరు చౌదరి. మీరు...
चौदरि : थाङकसण्डी । ना पेरु चौदरि । मीरु...

धन्यवाद। मेरा नाम चौधरी है । आप....

శారద : నా పేరు శారద. వారు మా అత్తగారు. వీళ్ళు
शारद : ना पेरु शारद। वारु मा अत्तगारु। वीळ्ळु
మా పిల్లలు. వీడు మా అబ్బాయి. ఇది మా
मा पिल्ललु । वीडु मा अब्बायि । इदि मा
అమ్మాయి.
अम्मायि ।

मेरा नाम शारदा है। ये मेरी सास हैं । ये हमारे बच्चे हैं। यह मेरा लड़का है। यह मेरी लड़की है।

చౌదరి : మీరు తెలుగువారా?
चौदरि : मीरु तॅलुगुवारा ?

क्या आप तेलुगू हैं ?

శారద : ఔనండి ! మేము తెలుగు వాళ్ళం.
शारद : औनण्डि ! मेमु तॅलुगु वाळ्ळम् ।

जी हाँ। हम तेलुगू हैं।

చౌదరి : అలాగా ! మీ సొంత ఊరు ఏది?
चौदरि : अलागा ! मी सॉन्त ऊरु एदि ?

अच्छा। आप कहाँ के हैं ?

శారద : మాది తిరుపతి. మా వారిది రైల్వే ఉద్యోగం.
शारद : मादि तिरुपति मा वारिदि रैलवे उद्योगम्।
ప్రస్తుతం వారి ఉద్యోగం బెంగళూరులో.
प्रस्तुतम् वारि उद्योगम् बेङगुळूरुलो ।

हम तिरूपती के हैं। मेरे पति रेलवे कर्मचारी हैं। इन दिनों उनका काम बंगलौर में है।

రవణమ్మ : బాబూ! మీది ఏ ఊరు?
रवणम्म : बाबू ! मीदि ए ऊरु ?

बेटे ! तुम्हारा गाँव कौन-सा है ?

చౌదరి : అలహాబాదు.
चौदरि : अलहाबाद ।

मैं इलाहाबाद का हूँ ।

రవణమ్మ : అలహాబాదు గొప్ప పుణ్యక్షేత్రం కదా!
रवणम्म : अलहाबादु गॉप्प पुण्यक्षेत्रम् कदा !

इलाहाबाद एक महान तीर्थस्थान है न ?

చౌదరి : ఔనండి. దాని మరో పేరు ప్రయాగ.
चौदरि : औनण्डि । दानि मरो पेरु प्रयाग ।

जी हाँ । इसका दूसरा नाम प्रयाग है।

నళిని : అది త్రివేణీ సంగమం కదా!
नळिनि : अदि त्रिवेणी सङगमम् कदा !

वह त्रिवेणी संगम है न ?

చౌదరి : ఔను పాపా! నిజమే. మీ అమ్మాయి చాలా
चौदरि : औतु पापा ! निजमे । मी अम्मायि चाला
బుద్ధిమంతురాలండి. నీ పేరు ఏమిటమ్మా?
बुद्धिमन्तुसलण्डि । नी पेरु एमिटम्मा ?

हाँ बेटी । सच है । आपकी लड़की बहुत बुद्धिमति है । तुम्हारा नाम क्या है बेटी ?

నళిని : నళిని.
नळिनि : नळिनि।

नलिनी।

నవీన్ : అంకుల్ నేను?
नवीन : अङकुल नेनु ?

अंकल मैं ?

చౌదరి : నువ్వూ బుద్ధిమంతుడివే బాబు! అక్కా బుద్ధి
चौदरि : नुव्वू बुद्धिमन्तुडिवे बाबु ! नुव्वु अक्का बुद्धि
మంతురాలు, నువ్వు కూడా బుద్ధిమంతుడివే.
मंतुरालु, नुव्वु कूडा बुद्दिमंतुडिवे.
బంగారు బాబువు సరేనా! మరి నీ పేరు ఏమిటి ?
वङगारु बाबुवु सरेना ! मरि नी पेरु एमिटि ?

तुम भी बुद्धिमान हो। तुम्हारी बहन बुद्धिमति है और तुम भी। तुम सोने जैसे बेटे हो। ठीक है न? अच्छा, तुम्हारा नाम क्या है ?

నవీన్ : నేను బుజ్జిని. మా అక్క చిట్టి. నాపేరు నవీన్.
नवीन : नेनु बुज्जिनि । मा अक्क चिट्टि। ना पेरु नवीन ।
मैं बुज्जी हूँ । मेरी बहन चिट्टी है। मेरा नाम नवीन है।

చౌదరి : బుజ్జీ ! అవి ఏమిటి?
चौदरि : बुज्जी ! अवि एमिटि ?
बुज्जी, वे क्या हैं ?

నవీన్ : ఇవి స్కూల్ పుస్తకాలు అంకుల్. నావి మా అక్కవి.
नवीन : इवि स्कूलु पुस्तकालु अङकुल। नावि मा अक्कवि।
वे पाठशाला की पुस्तकें हैं अंकल। मेरी और मेरी बहन की हैं।

చౌదరి : ఆహా ! ఏవి నీవి? ఏవి మీ అక్కవి?
चौदरि : आहा ! एवि नीवि एवि मी अक्कवि ?
अच्छा। कौनसी तुम्हारी और कौनसी तुम्हारी बहन की हैं ?

నవీన్ : ఇవి నావి. అవి మా అక్కవి. నావి అన్నీ కొత్తవే.
नवीन : इवि नावि । आवि मा अक्कवि। नावि अन्नी कॉत्तवे।
వీటి వాసనా కొత్తదే. కొంచెం వాసన చూడండి.
वीटि वासना कॉत्तदे । कॉञ्चॅम् वासन चूडण्डि।
ये मेरी हैं और वे मेरी बहन की। मेरी सब नई हैं । इनकी गन्ध भी नई है, जरा सूंघिए।

చౌదరి : అబ్బో ! భలే కొత్త వాసన.
चौदरि : अब्बो ! भले कॉत्त वासन
बहुत बढ़िया गन्ध है ।

నవీన్ : అంకుల్ అక్క. పుస్తకాలు కొత్తవి కావు. పాతవే.
नवीन : अङकुल अक्क पुस्तकालु कॉत्तवि कावु। पातवे।
अंकल मेरी बहन की किताबें नई नहीं हैं। वे पुरानी हैं ।

నళిని : ఏం కాదు. నీవే పాతవి.
नळिनी : एम् कादु। नीवे पातवि ।
मेरी नहीं पर तुम्हारी (किताबें) पुरानी है।

నవీన్ : కాదు నీవే.
नवीन : कादु नीवे।
नहीं वही तुम्हारी हैं।

శారద : ఏయ్? బుజ్జీ ! చిట్టీ ! గొడవ చెయ్యవద్దు.
शारद : एय ? बज्जी ! चिट्टी ! गॉडव चेय्यवद्दु।
అటు చూడండి ! అంకుల్ పెద్ద పోలీసు.
अट्टु चूडण्डि ! अङकुल पॅद्द पोलीसु।
ऐ बुज्जी, चिट्टी शोर मत मचाओ। ये अंकल बड़े पुलिस अफ़सर हैं।

నళిని : కాదు. అంకుల్ మిలటరీ ఆయన. అవి మిలటరీ
नळिनी : कादु। अङकुल मिलटरी आयन। अवि मिलटरी
దుస్తులు. కదండి అంకుల్.
दस्तुलु। कदण्डि अङकुल।
नहीं अंकल तो मिल्ट्रीवाले हैं। वे मिल्ट्री वालों के कपड़े हैं। है न अंकल?

చౌదరి : ఔనమ్మా ! మీ మాట నిజమే. నేను పోలీసును
चौदरि : औनम्मा नी माट निजमे। नेनु पोलीसुनु
కాను. నేను సైనికాధికారిని. ఈ కాలం పిల్లలు
कानु। नेनु सैनिकाथिकारिनि। ईकालम् पिल्ललु
గట్టి వాళ్ళు. అది సరే పిల్లలూ ! నేను మీతో
गट्टि वाळ्ळु । अदि सरे पिल्ललू । नेनु मीतो
తిరుపతి రానా వద్దా?
तिरुपति राना वद्दा ?

हाँ बेटी तुम्हारी बात ठीक है। मैं पुलिस (वाला) नहीं हूँ । मैं मिल्ट्री अफ़सर हूँ। आजकल के बच्चे होशियार हैं। अच्छा बच्चों, क्या मैं तुम्हारे साथ तिरुपती चलूँ?

నవీన్ : రండి అంకుల్. మీరు ఎంతో మంచివారు.
नवीन : रण्डि अङकुल । मीरु ऍन्तो मञ्चि वारु ।

हाँ चलिए अंकल। आप बहुत अच्छे हैं।

చౌదరి : అయితే నువ్వు గొడవ చెయ్యకు. నళినీ !
चौदरि : अयिते नुव्वु गॉडव चय्यकु नळिनी !
తమ్ముడు చిన్నవాడు కదా ! నువ్వు అక్కవు.
तम्मुडु चिन्नवाडु कदा ! नुव्वु अक्कवु ।
నువ్వు పెద్దదానివి. పోట్లాడవద్దు.
नुव्वु पॅद्द दानिवि। पोटलाड वद्दु।

अच्छा तो फिर शोर मत मचाओ। नलिनी तुम्हारा भाई तो बहुत छोटा है - तुम इसकी दीदी हो - इससे बड़ी हो - लड़ो मत।

నవీన్ : అమ్మా ! నీ ఒడిలో పడుకోనా ?
नवीन : अम्मा ! नी ऑडिलो पडुकोना ?

अम्मा। क्या मैं तुम्हारी गोद में सो जाऊँ ?

శారద : సరే ! ఇలా రా ! పడుకో.
शारद : सरे ! इला रा ! पडुको ।

हाँ। यहाँ आओ।

నవీన్ : అమ్మా ! నిద్ర పోనా ?
नवीन : अम्मा ! निद्र पोना ?

सो जाऊँ।

శారద : నిద్రపోకు నాన్నా ? అదిగో అదే తిరుపతి.
शारद : निद्र पोकु नाना ? अदिगो अदे तिरुपति ।

बेटा, सोना मत। वह देखो तिरुपति आ गया।

शब्दार्थ

ఏమండీ! एमण्डी	क्या जी ! (सुनिए)	ఈ ई	यह, इस	ఎర్ర ऍर्र	लाल (रंग)
నాది नादि	मेरा (-री)	మీది मीद	तुम्हारा (-री), आपका (-के, की)	ఇక్కడ इक्कड	यहाँ
పెట్టండి पॅट्टण्डि	रखिए	-మీద मीद	-पर	వారు वारु	वे
అత్తగారు अत्तगारु	सास जी	పిల్లలు पिल्ललु	बच्चे	అమ్మాయి अम्मायि	लड़की
మేము मेमु	हम	అలాగా अलागा	ऐसा क्या ? (अच्छा)	సొంతఊరు सॉन्त ऊरु	निजी गाँव जन्मस्थान
ఏది एदि	कौनसा (-से, सी)	మాది मादि	हमारा (री)	మా వారిది मा वारिदि	मेरे पति का/की
రైల్వే रैलवे	रेलवे	ఉద్యోగం उद्योगम्	नौकरी	ప్రస్తుతం प्रस्तुतम्	इस समय, इन दिनों
వారి वारि	उनका (-के, -की)	ఏ ए	कौनसा(-से,-सी)	పుణ్యక్షేత్రం पुण्यक्षेत्रम्	धार्मिक स्थल
దాని दानि	उस (मनुष्येतर का(-के, -की)	మరో मरो	और एक (दूसरा, -रे, -री)	త్రివేణీసంగమం त्रिवेणी समगमम्	त्रिवेणीसंगम
పాప पाप	छोटी लड़की, बेटी	నిజం निजम्	सच	బుద్ధిమంతురాలు बुद्धिमन्तुरालु	बुद्धिमति (स. स्त्री)
అమ్మా अम्मा !	मैया !बेटी !)	నేను नेनु	मैं	బుద్ధిమంతుడు बुद्धिमन्तुडु	बुद्धिमान
నాన్నా! नान्ना !	बेटा !(संबोधन)	బంగారు बङ्गारु	सोना (स्वर्ण)	మరి नुरि	फिर
అవి अवि	वे (मनुष्येतर)	పుస్తకాలు पुस्तकालु	पुस्तकें	నావి नावि	मेरे (मनुष्येतर)

ఏవి	एवि	कौनसा
కొత్త	कॉत्त	नया (नए,नई)
అబ్బో !	अब्बों !	वाह !
ఏం	एम्	क्या
చెయ్యవద్దు.	चॅय्यवद्दु	मत करो
దుస్తులు	दुस्तुलु	पोशाक
కాను	कानु	नहीं हूँ
గట్టి	गट्टि	मजबूत, कड़ा
రానా ?	राना ?	आऊँ
ఎంతో	ऍन्तो	कितने ही (बहुत)
చిన్నవాడు	चिन्नवाडु	छोटा लड़का
ఒడి(లో)	ऑडि (-लो)	गोद में
రా	रा	आओ
పోనా	पोना	जाऊँ
అదే	अदे	वही
నీవి	नीवि	तेरे, तुम्हारे
వీటి	वीटि	इनका (-के,-की)
కావు	कावु	नहीं हैं ।
ఏయ్	एय	रे ! (संबोधन)
అటు	अटु	उस तरफ
కదండి	कदण्डि	है न जी
సైనికాధికారి	सैनिकाधिकारी	सैन्याधिकारी
సరే	सरे	ठीक है ।
రానా వద్దా ?	राना कदा ?	आऊँ या नहीं ?
అయితే	अयिते	परन्तु
అక్కవు	अक्कवु	बड़ी बहन हो
పడుకోనా	पडुकोना	लेट जाऊँ
పడుకో	पडुको	लेट जाओ
పోకు	पोकु	मत जाओ
అన్నీ	अन्नी	सभी (मनुष्येतर)
వాసన	वासन	गंध, बू
పాత	पात	पुराने
గొడవ	गॉडव	शरारत
మిలటరీ	मिलटरी	फ़ौज़
మాట	माट	बात
కాలం	कालम्	समय (ज़माना, पीढ़ी)
మీతో	मीतो	तुम्हारे साथ
రండి	रण्डि	आइये
చెయ్యకు	चॅय्यकु	मत करो
పోట్లాడవద్దు	पोट्लडवद्दु	मत लड़ो
ఇలా	इला	इस तरह
నిద్ర	निद्र	नींद
అదిగో	अदिगो	वहाँ देखो

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बढ़ाइए।

ఉదా : సూట్ కేసు [ఎర్ర / ఈ]
उदा : सूटकेसु [ऍर्र / ई]
ఎర్ర సూట్ కేసు
ऍर्र सूटकेसु
ఈ ఎర్ర సూట్ కేసు
ई ऍर्र सूटकेसु

1. అంకుల్ (మంచి/మా) अङकुल (मञ्चि/मा)
2. అక్క (పెద్ద / మీ) अक्क (पॅद्द/मी)
3. పుస్తకాలు (కొత్త /నా) पुस्तकालु (कॉत्त/ना)
4. అబ్బాయి (చక్కని/ఏ) अब्बायि (चक्कानि/ए)
5. పుణ్య క్షేత్రం (గొప్ప/ఈ) पुण्यक्षेत्रम् (गॉप्प/ई)

II. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए उतने ही वाक्य बनाइए जितने शब्द दिए गए हैं ।

(1) ఉదా: గొప్ప [ఇది / అది / ఏది ?]
उदा : गॉप्प [इदि /अदि /एदि ?]
ఇది గొప్పది.
इदि गॉप्पदि
అది గొప్పది.
अदि गॉप्पदि
ఏది గొప్పది ?
एदि गॉप्पदि ?

1. మంచి मञ्चि
2. పాత पात
3. కొత్త कॉत्त
4. వదిన वदिन
5. ఆమె आमॅ

(2) ఉదా: కొత్త [ఇవి / అవి/ కాజాలు / ఏవి?]
उदा : कॉत्त [इवि/अवि/काजालु/एवि ?]
ఇవి కొత్తవి
इवि कॉत्तवि
అవి కొత్తవి
अवि कॉत्तवि
కాజాలు కొత్తవి
काजालु कॉत्तवि
ఏవి కొత్తవి?
एवि कॉत्तवि ?

1. పాత पात
2. నీ नी
3. నా ना
4. అక్క अक्क
5. ఈమె इमॅ

(3) *ఉదా: పెద్ద [ఈమె / ఆమె / వదిన / నళిని / ఎవరు?]*
उदा : पॅद्द [ईमॅ / आमॅ / वदिन / नळिनि / ऍवरु ?]

ఈమె పెద్దది ईमॅ पॅद्ददि	1. చిన్న चिन्न
ఆమె పెద్దది आमॅ पॅद्ददि	2. చక్కని चक्कनि
వదిన పెద్దది वदिन पॅद्ददि	3. మంచి मञ्चि
నళిని పెద్దది नळिनि पॅद्ददि	4. గొప్ప गॉप्प
ఎవరు పెద్దది? ऍवरु पॅद्ददि ?	5. చిట్టి चिट्टी

(4) ఉదా : చక్కని [అతను/ఇతను/వాడు/వీడు/తమ్ముడు/ఎవరు?]
उदा : चक्कनि [अतनु/इतनु/वाडु/वीडु/तम्मुडु/ऍवरु ?]

అతను చక్కని వాడు अतनु चक्कनि वाडु	వీడు చక్కని వాడు वीडु चक्कनि वाडु
ఇతను చక్కని వాడు इतनु चक्कनि वाडु	తమ్ముడు చక్కని వాడు तम्मुडु चक्कनि वाडु
వాడు చక్కని వాడు वाडु चक्कनि वाडु	ఎవరు చక్కని వాడు? ऍवरु चक्कनि वाडु ?

1. పెద్ద पॅद्द	2. చిన్న चिन्न	3. కొత్త कॉत्त	4. నా ना	5. మీ मी

(5) ఉదా: మంచిది [ఈవిడ/ఆవిడ/అమ్మగారు/ఎవరు]
उदा: मञ्चिदि [ईविड / आविड / अम्मागारु / ऍवरु]

ఈవిడ మంచిది ईविड मञ्चिदि	1. చక్కని चक्कनि
ఆవిడ మంచిది आविड मञ्चिदि	2. గొప్ప गॉप्प

అమ్మగారు మంచిది
अम्मगारु मञ्चिदि
ఎవరు మంచిది?
ऍवरु मञ्चियाद ?

3. పెద్ద
पॅद्द
4. చిన్న
चिन्न

(6) ఉదా: డాక్టరు [ఈయన/ఆయన/పాండేగారు/ఎవరు?]
उदा : डाक्टरु [ईयन / आयन / पांडेगारु / ऍवरु ?]

ఈయన డాక్టరు
ईयन डाक्टरु
ఆయన డాక్టరు
आयन डाक्टरु
పాండేగారు డాక్టరు
पाण्डेगारु डाक्टरु
ఎవరు డాక్టరు ?
ऍवरु डाक्टरु ?

1. సైనికాధికారి
सैनिकाधिकारि
2. రైల్వే ఉద్యోగి
रैल्वे उद्योगि
3. క్రీడాకారుడు
क्रीडाकारुडु
4. ఆఫీసరు
आफ़ीसरु

(7) ఉదా: మంచి [ఈయన/ఆయన/పాండేగారు/ఎవరు?]
उदा: मञ्चि [ईयन / आयन / पाण्डेगारु / ऍवरु]

ఈయన మంచి వారు
ईयन मञ्चि वारु
ఆయన మంచి వారు
आयन मञ्चि वारु
పాండేగారు మంచి వారు
पाण्डेगारु मञ्चि वारु
ఎవరు మంచి వారు?
ऍवरु मञ्चि वारु

1. చక్కని
चक्कनि
2. గొప్ప
गॉप्प
3. పెద్ద
पॅद्द
4. చిన్న
चिन्न

(8) ఉదా: పెద్ద [వాళ్ళు / వీళ్ళు / మీరు / ఎవరు?]
उदा: पॅद्द [वाळ्ळु / वाळ्ळु /मीरु / ऍवरु]

వీళ్ళు పెద్ద వాళ్ళు
वीळ्ळु पॅद्द वाळ्ळु

మీరు పెద్ద వాళ్ళు
मीरु पॅद्द वाळ्ळु

వాళ్ళు పెద్ద వాళ్ళు ఎవరు పెద్ద వాళ్ళు
वाळ्ळु पॅद्द वाळ्ळु ऍवरु पॅद्द वाळ्ळु

1. కొత్త 2. గొప్ప 3. చక్కని 4. మీ 5. నా
कॉत्त गॉप्प चक्कनि मी ना

III. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए शब्दों से दो दो शब्द और बनाइए।

(1) ఉదా: విద్యార్థి - విద్యార్థులు - విద्యార్థులం
उदा : विद्यार्थि विद्यार्थुलु विद्यार्थुलम्

1. సైనికాధికారి 2. బహుమతి 3. బుజ్జి 4. చిట్టి
सैनिकाधिकारि बहुमति बुज्जि चिट्टि

IV. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

(1) ఉదా: బాబు [నేను/నువ్వు/మేము]
उदा: बाबु [नेनु / नुव्वु / मेमु]
నేను బాబును మేము బాబులం
नेनु बाबुनु मेमु बाबुलम्
నువ్వు బాబువు
नुव्वु बाबुवु

1. తాత 2. అత్త
तात अत्त
3. నాన్న 4. పోలీసు
नान्न पोलीसु

(2) ఉదా: విద్యార్థి [నేను/నువ్వు/మేము]
उदा: विद्यार्थि [नेनु / नुव्वु / मेमु]
నేను విద్యార్థిని
मेमु विद्यार्थिनि
నువ్వు విద్యార్థివి
नुव्वु विद्यार्थिवि
మేము విద్యార్థులం
मेमु विद्यार्थिलम्

1. సైనికాధికారి 2. బుజ్జి
सैनिकाधिकारि बुज्जि
3. చిట్టి 4. బహుమతి
चिट्टि बहुमति

(3) ఉదా: తమ్ముడు [నేను/ నువ్వు/ మేము]
उदा: तम्मुडु [नेनु / नुव्वु /मेमु]
నేను తమ్ముడిని
मेमु तम्मुडिनि।

(4) ఉదా: మంచి [నేను/ నువ్వు/ మేము]
उदा: मञ्चि [नेनु / नुव्वु /मेमु]
నేను మంచి వాడిని
नेनु मञ्चि वाडिनि।

నువ్వు తమ్ముడివి
नुव्वु तम्मुडिवि।
మేము తమ్ములం
मेमु तम्मुलम् ।

నువ్వు మంచి వాడివి
नुव्वु मञ्चि वाडिनि।
మేము మంచి వాళ్ళం
मेमु मञ्चि वाळ्ळम्।

1. బుద్ధిమంతుడు 2. స్నేహితుడు 3. ఉపాధ్యాయుడు
बुद्धिमन्तुड्डु स्नेहितुड्डु उपाध्यायुड्डु
4. చిత్రకారుడు 5. క్రీడాకారుడు
चित्रकारुड्डु क्रीडाकारुड्डु

1. కొత్త 2. పాత 3. గొప్ప
कॉत्त पात गॉप्प
4. చిన్న 5. పెద్ద
चिन्न पॅद्द

(5) ఉదా: దాని [నేను/ నువ్వు/ మేము]
उदा: दानि [नेनु / नुव्वु / मेमु]
నేను దాని వాడిని
नेनु दानि वाडिनि
నువ్వు దాని వాడివి
नुव्वु दानि वाडिनि
మేము దాని వాళ్ళం
मेमु दानि वाळ्ळम्

(6) ఉదా: వాడి [నేను/ నువ్వు/ మేము]
उदा : वाडि [नेनु / नुव्वु / मेमु]
నేను వాడి దానిని
नेनु वाडि दानिनि
నువ్వు వాడి దానివి
नुव्वु वाडि दानिवि
మేము వాడి వాళ్ళం
मेमु वाडि वाळ्ळम्

1. మా 2. మీ 3. నీ 4. వాడి 5. ఆమె
मा मी नी वाडि आमॅ

1. ఆవిడ 2. వారి 3. మా 4. వాళ్ళ 5. నీ
अविड वारि मा वाळ्ळ नी

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए प्रश्नवाचक वाक्यों का पुनर्निर्माण कीजिए।

(1) ఉదా: ఇది ఎవరి ఊరు? ఈ ఊరు ఎవరిది?
उदा : इदि ऍवरि ऊरु? ई ऊरु ऍवरिदि?

1. ఇది ఎవరి ఇల్లు?
इदि ऍवरि इल्लु?
2. ఇది ఎవరి స్కూలు?
इदि ऍवरि स्कूलु?
3. ఇది ఎవరి సూట్‌కేసు?
इदि ऍवरि सूट्केसु?
5. ఇది ఎవరి ఫోటో?
इदि ऍवरि फोटो?
4. ఇది ఎవరి పుస్తకం?
इदि ऍवरि पुस्तकम्?
6. ఇది ఎవరి దోసె?
इदि ऍवरि दोसॅ?

(2) ఉదా: మీవి ఏ పుస్తకాలు? మీ పుస్తకాలు ఏవి?
उदा : मीवि ए पुस्तकालु ? मी पुस्तकालु एवि ?

1. మీవి ఏ దుస్తులు? मीवि ए दुस्तुलु?
2. మీవి ఏ సూట్ కేసులు? मीवि ए सूटकेसुलु?
3. మీవి ఏ కాజాలు? मीवि ए काजालु?
4. మీవి ఏ ఫోటోలు? मीवि ए फोटोलु?
5. మీవి ఏ వంటలు? मीवि ए वण्टलु?
6. మీవి ఏ దోసెలు? मीवि ए दोसॅलु?

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्य जोड़िये ।

(1) ఉదా: ఇది మీ సూట్‌కేసా? इवि మీ సూట్‌కేసులా?

उदा : इदि मी सूटकेसा? इवि मी सूटकेसुला?

ఈ సూట్‌కేసు మీదా? ఈ సూట్‌కేసులు మీవా?

ई सूटकेसु मीदा? ई सूटकेसुलु मीवा ?

1. ఇది మీ ఇల్లా? ఇవి మీ ఇళ్ళా?
इदि मी इल्ला? इवि मी इळ्ळा?
2. ఇది మీ ఊరా? ఇవి మీ ఊళ్ళా?
इदि मी ऊरा? इवि मी ऊळ्ळा?
3. ఇది మీ పుస్తకమా? ఇవి మీ పుస్తకాలా?
इदि मी पुस्तकमा? इवि मी पुस्तकाला?
4. ఇది మీ దుస్తులా? ఇవి మీ దుస్తులా?
इदि मी दुस्तुलां? इवि मी दुस्तुला?

VII. उदाहरण के अनुसार दिए गए प्रत्येक वाक्य को दोनों प्रकार से बदलिए ।

(1) ఉదా: మీ అన్న బుద్ధిమంతుడు (నువ్వు)
उदा : मी अन्न बुद्धिमन्तुडु (नुव्वु)

నువ్వు కూడా బుద్ధిమంతుడివే.
नुव्वू बुद्धिमन्तुडिवे ।
నువ్వూ బుద్ధిమంతుడివే.
नुव्वु कूडा बुद्धिमन्तुडिवे ।

1. నావి కొత్త పుస్తకాలు. (నీవి)
नावि कात्त पुस्तकालु। (नीवि)
2. ఆవిడ డాక్టరు. (ఈవిడ)
आविड डाक्टरु। (ईविड)
3. వాటి వాసన కొత్తది. (వీటి)
वाटि वासन कॉत्तदि। (वीटि)
4. ఆయన క్రీడాకారుడు. (ఈయన)
आयन क्रीडाकारुडु। (ईयन)

VIII. उदाहरण के अनुसार दिए गए प्रत्येक वाक्य के दोनों प्रकार से प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।

(1) ఉదా: మీ ఊరు అలహాబాదు.
उदा: मी ऊरु अलहाबादु।

మీ ఊరు అలహాబాదు కదా ?
मी ऊरु अलहाबाद कदा?
మీ ఊరు అలహాబాదు కదండి?
मी ऊरु अलहाबादु कदण्डि ?

1. అవి మిలటరీ దుస్తులు.
अवि मिलटरी दुस्तुलु।

2. నువ్వు పెద్ద దానివి.
नुव्वु पॅद्द दानिवि।

3. అలహాబాదు మరో పేరు ప్రయాగ.
अलहाबादु मरो पेरु प्रयाग।

4. అది తిరుపతి.
अदि तिरुपति।

(2) ఉదా: నేను బుజ్జిని. (నవీన్)
उदा : नेनु बुज्जिनि। (नवीन)

నా మరో పేరు నవీన్
ना मरो पेरु नवीन।

1. ఆమె చిట్టి. (నళిని)
आमॅ चिट्टि। (नळिनि)

2. అది అలహాబాదు (ప్రయాగ)
अदि अलहाबादु। (प्रयाग)

3. అతను శ్రీకాంత్. (రవి)
अतनु श्रीकांत। (रवि)

4. ఆయన శ్రీ వేంకటేశ్వరస్వామి (బాలాజీ)
आयन श्री वेंकटेश्वरस्वामि। (बालाजी)

IX. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. శారద సొంత ఊరు ఏది?
शारद सॉन्त ऊरु एदि ?
2. అలహాబాదు మరో పేరు ఏమిటి ?
अलहाबादु मरो पेरु एमिटि ?
3. బుజ్జి మరో పేరు?
बुज्जि मरो पेरु ?
4. నళిని మరో పేరు ఏమిటి?
नळिनि मरो पेरु एमिटि ?
5. కొత్త పుస్తకాలు ఎవరివి?
कॉत्त पुस्तकालु ऍवरिवि ?

टिप्पणियाँ

1. तेलुगु के क्रियारहित वाक्यों के और कुछ नमूने देखिए।

నేను పోలీసును (नेनु पोलीसुनु)	=	मैं पुलिस हूँ।
నువ్వు పోలీసువు (नुव्वु पोलीसुवु)	=	तुम पुलिस हो।
మేము పోలీసులం (मेमु पोलीसुलम्)	=	हम (लोग) पुलिस हैं।

आपने देखा कि इन वाक्योंमें నేను, నువ్వు, మేము (नेनु, नुव्वु, मेमु) सर्वनामों के बाद आनेवाले शब्दों के अंत में यथाक्रम -ను, -వు, -లం (-नु, -वु, -लम) जोड़ा गया है।

నేను విద్యార్థిని (नेवु विद्यार्थिनि।)	=	मैं विद्यार्थी हूँ ।
నేను సైనికాధికారిని (नेनु सैनिकाधिकारिनि।)	=	मैं सैन्याधिकारी हूँ ।
నువ్వు విద్యార్థివి (नुव्वु विद्यार्थिवि।)	=	तुम विद्यार्थी हो ।
నువ్వు సైనికాధికారివి (नुव्वु सैनिकाधिकारिवि।)	=	तुम सैन्याधिकारी हो ।

विद्यार्थी और सैन्याधिकारी दोनों ही `ई' से अन्त होनेवाले शब्द हैं । अतः यहाँ ऊपर प्रयुक्त हुए -ను (नु) का ని (नि) और -వు (वु) का -వి (वि) हो जाता है ।

నేను తమ్ముడిని (नेनु तम्मुडिनि।)	=	मैं छोटा भाई हूँ ।
నేను వాడిని (नेनु वाडिनि।)	=	मैं वह हूँ ।
నువ్వు తమ్ముడివి (नुव्वु तम्मुडिवि।)	=	तुम छोटे भाई हो ।
నువ్వు వాడివి (नुव्वु वाडिवि।)	=	तुम वह हो ।

తమ్ముడు (तम्मुडु) और వాడు (वाडु) आदि जब ను (नु) के साथ आते हैं तो उनमें -ని (नि) जोड़ा जाता है। लेकिन ని (नि) जोड़ने से पहले తమ్ముడు, వాడు (तम्मुडु, वाडु) आदि शब्दों में आनेवाला -డు, -డి (-डु, -डि) बन जाता है। उसी तरह నువ్వు (नुव्वु) के साथ जब ऐसे प्रयोग होते हैं तब भी వి (वि) जोड़ने से पहले డు का డి बन जाता है।

2. देखिए कि उपर्युक्त प्रयोगों में నేను, నువ్వు (नेनु, नुव्वु) आदि शब्द మంచి, చిన్న (मञ्चि, चिन्न) आदि विशेषणों और నా, నీ, మా మీ, వాడి, వీడి (ना, नी, मा, मी, वाडि, वीडि) आदि सर्वनाम रूपों के साथ जुड़ने पर వాడు, వాళ్ళు, (वाडु, वाळ्ळु) అది, అవి (अदि, अवि) बन जाते है। వాడు, వాళ్ళు (वाडु, वाळ्ळु) आदि का प्रयोग निम्नलिखित संदर्भों में होगा।

వాడు (वाडु) - पुरुष एक वचन के साथ

వాళ్ళు (वाळ्ळु) - पुरुष, स्त्री, बहुवचन के साथ

అది (अदि) - मनुष्येतर एकवचन तथा स्त्री के एकवचन के साथ

అవి (अवि) - मनुष्येतर बहुवचन के साथ

3. निम्नलिखित वाक्यों पर भी ध्यान दीजिए ।

एकवचन, आदरसूचक	*बहुवचन*
ఈయన మంచి ఆయన. ये अच्छे हैं।	
ईयन मञ्चि आयन।	వీరు మంచి వారు. ये अच्छे (अच्छी) हैं।
ఈవిడ మంచి ఆవిడ. ये अच्छी हैं।	वीरु मञ्चि वारु।
ईविड मञ्चि आविड।	
ఆయన మంచి ఆయన. वे अच्छे हैं।	
आयन मञ्चि आयन।	వారు మంచి వారు. वे अच्छे (अच्छी) हैं।
ఆవిడ మంచి ఆవిడ. वे अच्छी हैं ।	वारु मञ्चि वारु।
आविड मञ्चि आविड ।	
నేను మంచి వాడిని. मैं अच्छी हूँ।	
नेनु मञ्चि वाडिनि।	మేము మంచి వాళ్ళం. हम अच्छे (अच्छी) हैं।
నేను మంచి దానిని. मैं अच्छी हूँ।	मेमु मञ्चि वाळ्ळम्।
नेनु मञ्चि दानिनि।	
నువ్వు మంచి వాడివి. तुम अच्छे हो।	
नुव्वु मञ्चि वाडिवि।	
నువ్వు మంచి దానివి. तुम अच्छी हो।	
नुव्वु मञ्चि दानिवि।	
నేను నీ వాడిని. मैं तुम्हारा हूँ।	
नेनु नी वाडिनि।	
నేను నీ దానిని. मैं तुम्हारी हूँ।	
नेनु नी दानिनि।	మేము నీ వాళ్ళం. हम तुम्हारे हैं।
నువ్వు నా వాడివి. तुम मेरे हो।	मेमु नी वाळ्ळम्।
नुव्वु ना वाडिवि।	
నువ్వు నా దానివి. तुम मेरी हो।	
नुव्वु ना दानिवि।	

देखिए कि जहाँ वक्ता स्त्री होती है वहाँ संज्ञा के अन्त में आनेवाले -ది (दि) का -దానిని (दानिनि) `मैं' के साथ या -దానివి (दानिवि) `तुम' के साथ हो जाता है।

4. क्रियारहित वाक्यों के निषेधात्मक रूप में निषेध को सूचित करने वाले కాదు (कादु) 'नहीं है' के विविध रूप भी समझिए।

కాదు (कादु)	नहीं है ।	కారు (कारु)	नहीं है । (मनुष्य)
కాను (कानु)	नहीं हूँ ।	కావు (कावु)	नहीं है । (मनुष्येतर)
కావు (कावु)	नहीं हो ।		

5. इस पाठ में కూర్చో (कूर्चो) बैठो కూర్చోండి (कूर्चोंडि) बैठिए जैसी आज्ञार्थक क्रियाओं के निषेधात्मक रूप का भी परिचय दिया गया है।

కూర్చోకు	(कूर्चोकु)	मत बैठो	కూర్చోకండి	(कूर्चोकण्डि)	मत बैठिए
కూర్చోవద్దు	(कूर्चोवद्दु)	मत बैठो	కూర్చో వద్దండి	(कूर्चोवद्दण्डि)	मत बैठिए

ये रूप क्रिया के आज्ञार्थक रूप के साथ -అకు, అకండి, -అవద్దు, - అవద్దండి (अकु, अकण्डि, अवद्दु, अवद्दण्डि) जैसे शब्द रूपों के जोड़े जाने से बनते हैं । जैसे कि

కూర్చో + అకు = కూర్చోకు	मत बैठो	కూర్చో + అకండి = కూర్చోకండి	मत बैठिए
कूर्चो अकु कूर्चोकु		कूर्चो अकण्डि कूर्चोकण्डि	
తే + అకు = తేకు	मत लाना	తే + అకండి = తేకండి	मत लाइए
ते अकु तेकु		ते अकण्डि तेकण्डि	
కూర్చో + అవద్దు = కూర్చోవద్దు	मत बैठ	కూర్చో + అవద్దండి = కూర్చోవద్దండి	मत बैठिए
कूर्चो अवद्दु कूर्चोवद्दु		कूर्चो अवद्दण्डि कूर्चोवद्दण्डि	
తే + అవద్దు = తేవద్దు	मत लाओ	తే + అవద్దండి = తేవద్దండి	मत लाइए
ते अवद्दु तेवद्दु		ते अवद्दण्डि तेवदण्डि	

6. కూర్చోనా (कूर्चोना) बैठूँ ? తేనా (तेना) लाऊँ ? जैसे क्रियारूपों से भी परिचय कीजिए।

ये रूप किसी क्रिया के आज्ञार्थक रूप के साथ -అనా (अना) जोड़े जाने से बनते हैं । जैसे कि

కూర్చో + అనా = కూర్చోనా ? क्या मैं बैठूँ ?

कूर्चो + अना = कूर्चोना ?

రా + అనా = రానా ? क्या मैं आऊँ ?

रा + अना = राना ?

इन रूपों का एक और रूप निम्नलिखित है ।

కూర్చోనా వద్దా ? (कूर्चोना वद्दा?) बैठूँ या नहीं ? రానా వద్దా ? (राना वद्दा ?) आऊँ या नहीं ?

పాఠం पाठ 3

కాలక్షేపం — समय बिताना

సుశీలమ్మ : వదినగారూ! ఎలా ఉన్నారు? బాగున్నారా?
सुशीलम्म : वदिनगारु ! ऍला उन्नारु ? बागुन्नारा ?
మీ అబ్బాయి ఉన్నాడా?
मी अब्बायि उन्नाडा ?

बहन जी कैसी है ? ठीक ठीक हैं ? आपका लड़का (घर पर ही) है क्या ?

సుబ్బమ్మ : ఆ! రండి వదినగారు-మా వాడు ఢిల్లీలో
सुब्बम्म : आ ! रण्डि वदिनगारु । मा वाडु दिल्लीलो
ఉన్నాడు కదా! ఆ! ఏమిటి చెప్పండి ? కబుర్లు
उन्नाडु कदा ! आ ! एमिटि चप्पण्डि ? कबुर्लु
మీరు బాగా ఉన్నారా?
मीरु बागा उन्नारा ?

आइए बहन जी। मेरा बेटा यहाँ नहीं है। वह दिल्ली में है न ? और क्या हालचाल हैं ? ठीक हैं ?

సుశీల : ఆ! ఏదో ఇలా ఉన్నాను. ఔను ఇప్పుడు మీ
सुशील : आ ! एदो इला उन्नानु। ओनु इप्पुडु मी
కొత్త కోడలు ఎక్కడ ఉన్నది?
कात्त कोडलु ऍक्कड उन्नदि ?

ऐसे ही चल रहा है। आपकी नई बहू कहाँ है ?

సుబ్బమ్మ : సుజాత కూడా ఇక్కడ లేదండీ. విజయ
सुब्बम्म : सुजात कुडा इक्कड लेदण्डी । विजय-
వాడలో ఉన్నది.
वाडलो उन्नदि ।

सुजाता भी यहाँ नहीं है। वह विजयवाड़ा में है।

సుశీల : ఔను! మీ కోడలి పుట్టిల్లు విజయవాడ కదా!
सुशील : औनु ! मी कोडलि पुट्टिल्लु विजयवाड कदा !
మొత్తం మీద మీది అదృష్టమే! మీ కోడలు
मॉत्तम मीद मीदि अदृष्टमे ! मी कोडलु

हाँ। आपकी बहू विजयवाडा की है न? आप तो सब तरह से भाग्यशाली हैं। आपकी बहू सुन्दर है। नाजुक सी लड़की ।

చక్కగా ఉన్నది. నాజూకైన అమ్మాయి.
चक्कगा उन्नदि । नाजूकैन अम्मायि ।

సుబ్బమ్మ : ఆ! నిజమేనండీ చాలా చురుకైన పిల్ల.
सुब्बम्म : आ ! निजमेनण्डी चाला चुरुकैन पिल्ल ।
చదువూ, చక్కదనం, మర్యాదా, మంచితనం,
चडव्, चक्कदनम् मर्यादा, मञ्चितनम्,
అన్నీ ఉన్నాయి. మావాడి అదృష్టం. మా
अन्नी उन्नायि । मावाडि अदृष्टम् । मा
అదృష్టం. ఈ రోజులలో అలాంటి పిల్లలు తక్కువ.
अदृष्टम्। ई रोजुललो अलण्टि पिल्ललु तक्कुव।

हाँ - यह ठीक है। वह बहुत चुस्त है, शिक्षित है, सुन्दर है, मर्यादावाली है और गुणी है। यह मेरे बेटे का सौभाग्य है। आजकल तो ऐसी लड़कियाँ गिनी चुनी हैं।

సుశీల : ఆమెకు తల్లి తండ్రీ ఉన్నారా? అన్న
सुशील : अमॅकु तल्लि तण्ड्री, उन्नारा ? अन्न
దమ్ములు ఎంతమంది?
दम्मुलु ऍन्तमन्दि ?

उसके माता-पिता हैं न ? भाई कितने (लोग) हैं ?

సుబ్బమ్మ : ఆ ! వాళ్ళ అమ్మ, నాన్న బాగా ఆరోగ్యంగా
सुब्बम्म : आ ! वळ्ळ अम्म, नान्न बागा आरोग्यङ्गा
ఉన్నారు. ఆమెకు ఒక అన్నా, ఇద్దరు
उन्नारु। आमॅकु ओक अन्ना, इद्दरु
తమ్ముళ్ళూ ఉన్నారు. అందరూ మంచి
तम्मुळ्ळू उन्नारु । अन्दरू मञ्चि
ఉద్యోగాలలో ఉన్నారు.
उद्योगाललो उन्नारु ।

हाँ हाँ उसके माता-पिता काफी स्वस्थ है। उसके एक बड़ा भाई है । और दो छोटे भाई हैं । सब अच्छे अच्छे पदोंपर लगे हैं।

సుశీల : ఆమెకు అక్క చెల్లెళ్ళు ఎందరో?
सुशील : अमॅकु अक्क चॅल्लॅळ्ळु ऍन्दरो ?

इसकी बहनें कितनी हैं ?

సుబ్బమ్మ : వాళ్ళ తల్లి దండ్రులకు ఆమె ఒక్కగానొక్క
सुब्बम्म : वाळ्ळ तल्लिदण्ड्रलकु आमॅ ऑक्कगानॉक्क
కూతురు. ఆమెకు అక్క చెల్లెళ్ళు ఎవరూ లేరు.
कूतुरु । आमॅकु अक्क चॅल्लॅळ्ळ ऍवरू लेरु ।

यह अपने माता-पिता की इकलौती लड़की है। उसकी कोई बहन नहीं है ।

సుశీల : ఔనూ! ఆ అమ్మాయి సుందరంగారి
सुशील : औनू ! आ अम्मायि सुन्दरम्‌गारि
బంధువా ?
बन्धुवा ?

क्या वह लड़की सुन्दरम् जी की रिश्तेदार है ?

సుబ్బమ్మ : అయ్యో బంధువా ఏమిటండీ? సుందరంగారి
सुब्बम्म : अय्यो बन्धुवा एमिटण्डी । सुन्दरम्‌गारि
సొంత తమ్ముడి కూతురే ।
सॉन्त तम्मुडि कूतुरे ।

रिश्तेदार ही नहीं बल्कि सुन्दरम् के अपने भाई की लड़की है ।

సుశీల : అలాగా!
सुशील : अलागा !

अच्छा !

సుబ్బమ్మ : నిమ్మరసం తీసుకోండి. ఈ రోజు ఎండగా
सुब्बम्म : निम्म रसम् तीसुकोण्डि । ई रोजु ऍण्डगा
ఉన్నది కదండీ?
उन्नदि कदण्डी ?

लीजिए। यह शिकंजवी लीजिए। आज बहुत गरमी है न ?

సుశీల : ఔను! అయితే ఇక్కడ మాత్రం చల్లగా ఉన్నది.
सुशील : औनु ! अइते इक्कड मात्रम् चल्लगा उन्नदि ।
ఈ గాలి ఎక్కడిది? వెనుక చెట్లు ఉన్నాయా
ई गालि ऍक्कडिदि ? वनुक चटलु उन्नाया
ఏమిటి?
एमिटि ?

हाँ। पर सिर्फ यहाँ ठण्डक है। यह हवा कहाँ से चल रही है ? घर के पीछे पेड़ हैं क्या ?

సుబ్బమ్మ : ఆ! రండి. ఇదిగో ఇది మా పెరడు. ఇది మా
सुब्बम्म : आ ! रण्डि । इदिगो इदि मा पॅरडु। इदि मा
హాలు కిటికీ వెనుక ఉన్నది కదా? ఈ చెట్ల
हालु किटिकी वनुक उन्नदि कदा ? ई चॅट्ल
గాలే అది. మా అబ్బాయికి ఈ పెరడు అంటే
गाले अदि। मा अब्बायिकि ई पॅरडु अण्टे
ఇష్టం.
इष्टम्।

हाँ। इधर आइए । यह हमारा पिछवाड़ा है । यह हॉल की खिड़की के ठीक पीछे है न ? वहीं से ठण्डी हवा आ रही है। मेरे बेटेको यह पिछवाड़ा बहुत भाता है।

సుశీల : అబ్బో! మీకు చాలా విశాలమైన పెరడు
सुशील : अब्बो ! मीकु चाला विशलमैन परडु
ఉన్నదే! అక్కడ ఉన్న చెట్లు అన్నీ
उन्नदे ! अकूड उन्न चॅट्लु अन्नी
బాగా ఉన్నాయి.
बागा उन्नायि।

अरे वाह ! तुम्हारे घर का पिछवाड़ा तो बहुत विशाल है। वहाँ जो पेड़ हैं सब अच्छे हैं।

సుబ్బమ్మ : ఇదిగోండి! రెండు మామిడి చెట్లూ మూడు
सुब्बम्म : इदिगोण्डि ! रेण्डु मामिडि चॅट्लू मूड्डु
జామ చెట్లూ ఉన్నాయి. చూడండి. ఈ
जाम चॅट्लू उन्नायि । चूडण्डि । ई
చెట్ల గుబుర్ల కింద హాయిగా ఉన్నది కదా!
चॅट्ल गुबुर्ल किन्द हायिगा उन्नदि कदा!
వీటి మధ్య చిన్న మల్లెతీగె కూడా ఒకటి
वीटि मध्य चिन्न मल्लॅतीगॅ कूडा ओकटि
ఉన్నది. అక్కడ ఆ బావి గట్టు పక్కన
उन्नदि । अक्कड आ बावि गट्टु पक्कन
రకరకాల పూల మొక్కలు ఉన్నాయి.
रकरकाल पुल मॉक्कलु उन्नायि।

देखिए दो आम के पेड़ और तीन अमरुद के पेड़ हैं । इन पेड़ोंके झुण्ड के नीचे बहुत अच्छा लगता है। इन पेड़ों के बीच एक छोटी -सी चमेली की चट्लू गुबुर्ल किन्द हायिगा उन्नदि कदा ! बेल भी है। उधर कुएँ के किनारे बहुत से फूलों के पौधे हैं।

సుశీల : నాకు చాలా సంతోషంగా ఉన్నదండీ.
सुशील : नाकु चाला सन्तोषङगा उन्नदण्डी ।

मुझे बहुत खुशी हो रही है ।

సుబ్బమ్మ : నాకు ఈ తోటపనే పెద్ద కాలక్షేపం.
सुब्बम्म : नाकु ई तोट पने पॅद्द कालक्षेपम् ।

मेरे लिए तो बागवानी समय काटने का एक अच्छा तरीका है।

సుశీల : మీది చాలా మంచి కాలక్షేపం పిన్నిగారూ!
सुशील : मीदि चाला मञ्चि कालक्षेपम् पिन्निगारू !

यह तो बहुत अच्छा तरीका है मौसी।

शब्दार्थ

కాలక్షేపం कालक्षेपम्	समय बिताना	ఎలా ऍला	कैसे
మా వాడు मा वाडु	मेरा बेटा	కబురు कबुरु	हाल, खबर
బాగా बागा	अच्छा, कुशल	బాగు बागु	अच्छाई, भलाई
ఏదో एदो	कोई	ఇప్పుడు इप्पुडु	अब
కోడలు कोडलु	बहू	ఎక్కడ ऍक्कड	कहाँ
ఉన్నది उन्नदि	है	లేదండి लेदण्डि	नहीं जी
పుట్టిల్లు पुट्टिल्लु	जन्म स्थल	మొత్తం (మీద) मॉत्तम् (मीद)	सब तरह से
అదృష్టం अदृष्टम्	भाग्य, नसीब	చక్కగా चक्कगा	सुन्दर
నాజూకైన नाज़ूकैन	नाज़ुक	చురుకు चुरुकु	चुस्ती, तंदुरुस्ती
మర్యాద मर्याद	मर्यादा, शील	మంచితనం मञ्चितनम्	अच्छापन, गुणी
ఉన్నాయి उन्नायि	हैं	అలాంటి अलाण्टि	उस तरह
తక్కువ तक्कुव	कम	అన్నదమ్ములు अन्नदम्मुलु	भाई लोग
ఆరోగ్యం आरोग्यम्	स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती	ఇద్దరు इद्दरु	दोनों
అందరూ अंदरू	सब, सभी	అక్కచెల్లెళ్ళు अक्कचॅल्लळ्ळु	बहनें

ఎందరో ऍन्दरो	कितनी है, कितने हैं
ఒక్కగానొక్క ओक्कगानाक्क	इकलौती
లేరు लेरु	नहीं है
సొంత सॉन्त	खुदके
ఎండ(గా) ऍण्ड	धूप
చల్లగా चल्लगा	ठण्डा
ఎక్కడిది ऍक्कडिदि	कहाँ से
చెట్లు चॅटलु	पेड़
హాలు हालु	बैठक
-కి -कि	-की
విశాలమైన विशालमैन	विशाल, चौड़ा
మామిడి చెట్లు मामिडि चॅटलु	आम के पेड़
జామచెట్లు जाम चॅटलु	अमरुद के पेड़
కింద किन्द	नीचे
తల్లిదండ్రులు तल्लि दण्ड्रलु	माता-पिता
కూతురు कूतुरु	बेटी, लड़की
బంధువు बंधुवु	रिश्तेदार
నిమ్మరసం निम्मरसम्	निम्बूरस, शिकंजवी
మాత్రం मात्रम्	सिर्फ
గాలి गालि	हवा
వెనుక वॅनुक	पीछे
పెరడు पॅरडु	घर के पीछे का बगीचा (पिछवाड़ा)
కిటికీ किटिकी	खिड़की
ఇష్టం इष्टम्	पसन्द
రెండు रॅण्डु	दो
మూడు मूडु	तीन
గుబుర్లు गुबुर्लु	बगीचा, बाग, पेड़ों के झुण्ड
హాయిగా हायिगा	आनंददायक

మధ్య मध्य	बीच में, मध्य में	మల్లెతీగ मल्लॅतीग	चमेली की बेल
ఒకటి ओकटि	एक	అక్కడ अक्कड	वहाँ
గట్టు गट्टु	छोटी दीवार	బావి बावि	कुआँ
రకరకాల रकरकाल	विविध, अनेक प्रकार के	పక్కన पक्कन	निकट, नज़दीक
పూలమొక్కలు पूल मॉक्कलु	फूल का पौधा	నాకు नाकु	मुझे
సంతోషంగా संतोषंगा	खुशी से	తోట పనే तोट पने	बागवानी

अभ्यास

I (1) उदाहरणों के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बढ़ाइए ।

(1) ఉదా : కూతురు [తమ్ముడి / సొంత / సుందరంగారి]

उदा : कूतुरु [तम्मुडि / सॉन्त / सुन्दरंगारि]

కూతురు.

कूतुरु।

తమ్ముడి కూతురు.

तम्मुडि कूतुरु।

సొంత తమ్ముడి కూతురు.

सॉन्त तम्मुडि कूतुरु।

సుందరంగారి సొంత తమ్ముడి కూతురు.

सुन्दरमगारि सॉन्त तम्मुडि कूतुरु।

1. గాలి [చల్లని / చెట్ల / ఈ]
   गालि [चल्लनि/चॅट्ल/ई]

2. పిల్ల [చురుకైన/చాలా/కోడలు/మా]
   पिल्ल [चुरुकैन/चाला/कोडलु/मा]

3. కాలక్షేపం [పెద్ద/తోటపనే/నాకు]
   कालक्षेपम् [पॅद्द/तोटपने/नाकु]

(2) ఉదా : ఉన్నాడు [ఢిల్లీలో / వాడు / మా / ఇప్పుడు]
उदा : उन्नाडु [दिल्लीलो / वाडु / मा/ इप्पुडु]

ఉన్నాడు. उन्नाडु।	1. ఉన్నది [హాయిగా /ఇక్కడ] उन्नदि [हायिगा/इक्कड]
ఢిల్లీలో ఉన్నాడు. दिल्लीलो उन्नाडु।	2. ఉన్నది [ఎండగా/ఈరోజు] उन्नदि [ऍण्डगा/ईरोजु]
వాడు ఢిల్లీలో ఉన్నాడు. वाडु दिल्लीलो उन्नाडु।	3. ఉన్నది [సంతోషంగా/చాలా/నాకు] उन्नदि [सन्तोषंगा/चाला/नाकु]
మా వాడు ఢిల్లీలో ఉన్నాడు. मा वाडु दिल्लीलो उन्नाडु।	4. ఉన్నది [పెరడు /వెనుక/కిటికీ/హాలు/మా] उन्नदि [पॅरडु/वनुक/किटिकी/हालु/मा]

II. उदाहरण के अनुसार दिए हुए शब्दों से वाक्यांश बनाइए ।

(1) ఉదా : చురుకు + పిల్ల = చురుకైన పిల్ల
उदा : चुरुकु + पिल्ल = चुरुकैन पिल्ल

1. హాయి + గాలి = 2. నాజూకు + అమ్మాయి = 3. విశాలం + పెరడు =
हायि + गालि = नाजूकु + अम्मायि = विशालम् + पॅरडु =

4. చురుకు + ఎండ = 5. చక్కని + కోడలు =
चुरुकु + ऍण्ड = चक्कनि + कोडलु =

III. उदाहरण के अनुसार दिए हुए शब्दों से नये शब्द बनाइए ।

(1) ఉదా: మంచి - మంచితనం
उदा : मञ्चि - मञ्चितनम्

1. నాజూకు 2. చురుకు 3. చిన్న
नाजुक चुरुकु चिन्न

4. చక్కని 5. గొప్ప 6. పెద్ద
चक्कनि गॉप्प पॅद्द

IV. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों का सही प्रयोग कर के वाक्यों का विस्तार कीजिए ।

(1) ఉదా: ఇది తోట. [నా తమ్ముడు] — ఇది నా తమ్ముడి తోట.
उदा : इदि तोट । [ना तम्मुडु] — इदि ना तम्मुडि तोट ।

1. ఇవి పుస్తకాలు.[చిన్నవాడు]
इवि पुस्तकालु। [चिन्न वाडु]
2. అది కొత్త సూట్‌కేసు. [మా వాడు]
अदि कॉत्त सूटकेसु। [मा वाडु]
3. ఇవి దుస్తులు. [నా స్నేహితుడు]
इवि दुस्तुलु। [ना स्नेहितुडु]
4. అది ఫోటో. [ఒక క్రీడాకారుడు]
अदि फोटो। [ऑक क्रिडाकारुडु]
5. ఇవి పూలు. [మంచి వాసన]
इवि पूलु। [मंचि वासन]
6. ఇది ఇల్లు. [మా పిన్ని]
इदि इल्लु। [मा पिन्नि]
7. అది అదృష్టమే. [మా చెల్లెళ్ళు]
अदि अदृष्टमे। [मा चॅल्लॅळ्ळु]
8. అవి మొక్కలు. [చాలా రకరకాలు]
अवि मक्कलु। [चाला रकरकालु]

V. कोष्ठक में दिए गए हिन्दी शब्दों के समान तेलुगु शब्दों का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए।

1. ఆ బావి ——— (नज़दीक) రకరకాల పూల మొక్కలు ఉన్నాయి.
आ बावि ——— रकरकाल पूल मॉक्कलु उन्नायि।
2. ఈ చెట్టు——— (नीचे) హాయిగా ఉన్నది.
ई चॅटलु ——— हायिगा उन्नदि।
3. ఇది మా హాలు కిటికీ ——— (पीछे) ఉన్నది.
इदि मा हालु किटिकी ——— उन्नदि।
4. మా వాడు ———(दिल्ली में) ఉన్నాడు.
मा वाडु ——— उन्नाडु।
5. ఈ సూట్ కేసు——— (ऊपर) పెట్టండి.
ई सूटकेसु ——— पट्टण्डि।

VI. उदाहरणों के अनुसार दिए गए प्रश्नों के दो दो उत्तर दीजिए ।

ఉదా: (1) కోడలు ఉన్నదా ? — (2) రవి ఉన్నాడా?
उदा: कोडलु उन्नदा ? — रवि उन्नाडा

అవును కోడలు ఉన్నది.
आवनु कोडलु उन्नदि
లేదు కోడలు లేదు.
लेदु कोडलु लेदु।

రవి ఉన్నాడు.
रवि उन्नाडु
లేడు రవి లేడు.
लेडु रवि लेडु।

(3) చెల్లెళ్ళు ఉన్నారా?
चॅल्लॅळ्ळु उन्नारा?
చెల్లెళ్ళు ఉన్నారు.
चॅल्लॅळ्ळु उन्नारु.
లేరు చెల్లెళ్ళు లేరు.
लेरु चॅल्लॅळ्ळु लेरु.

(4) అందంగా ఉన్నానా?
अंदंगा उन्नाना?
అందంగా ఉన్నావు.
अंदंगा उन्नावु.
లేవు అందంగా లేవు.
लेवु अंदंगा लेवु.

1. అబ్బాయి ఉన్నాడా?
अब्बायि उन्नाडा ?

2. అమ్మాయి ఉన్నదా?
अम्मायि उन्नादा ?

3. పూలు ఉన్నాయా?
पूलु उन्नाया ?

4. బాగా ఉన్నదా?
बागा उन्नदा ?

5. బాగా ఉన్నానా?
बागा उन्नाना?

VII. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्य बदलिए ।

ఉదా: నేను చాలా సంతోషంగా ఉన్నాను. [ఆమె/ఆయన/అది]
उदा : नेनु चाला सन्तोषंगा उन्नानु । [आमॅ/आयन/अदि]
నాకు చాలా సంతోషం. [ఆమెకు/ఆయనకు/దానికి]
नाकु चाला सन्तोषम् । [आमॅकु/आयनकु/दानिकि]

1. అతను ఎంతో ఇష్టంగా ఉన్నాడు.
अतनु एन्तो इष्टम्गा उन्नाडु ।

2. నేను ఇక్కడ ఎంతో హాయిగా ఉన్నాను.
नेनु इक्कड़ ऍन्तो हायिगा उन्नानु ।

3. ఆమె ఇప్పుడు ఎంతో సంతోషంగా ఉన్నది.
आमॅ इप्पुडु ऍन्तो सन्तोषंगा उन्नदि ।

4. ఆయన చాలా సంతోషంగా ఉన్నాడు.
आयन चाला सन्तोषंगा उन्नाडु ।

5. అది ఎంతో అందంగా ఉన్నది.
अदि ऍन्तो अन्दंगा उन्नदि ।

VIII. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों को प्रश्नवाचक बनाइए ।

సుజాత సంతోషంగా ఉన్నది.
सुजात सन्तोषंगा उन्नदि ।

సుజాత సంతోషంగా ఉన్నదా?
सुजात सन्तोषंगा उन्नदा ?

1. బాగా ఉన్నాను.
बागा उन्नानु ।
2. ఆమెకు ఇద్దరు అన్నదమ్ములు.
आमॅकु इद्दरु अन्नदम्मुलु ।
3. ఆమె సుందరంగారి బంధువు.
आमॅ सुन्दरम्गारि बन्धुवु ।
4. ఆ అబ్బాయికి కాజా అంటే ఇష్టం.
आ अब्बायिकि काजा अण्टे इष्टम् ।

IX. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. సుశీలమ్మ సుబ్బమ్మని ఏమని అడిగింది?
सुशीलम्म सुब्बम्मनि ऍमनि अडिगिन्दि ?
2. సుశీలమ్మ సుబ్బమ్మ కోడలి గురించి ఏం అన్నది?
सुशीलम्म सुब्बम्म कोडलि गुरिञ्चि एम् उन्नदि ?
3. సుబ్బమ్మ కోడలి గురించి ఏం చెప్పింది?
सुब्बम्म कोडलि गरिञ्चि एम् चॅप्पिन्दि ?
4. సుబ్బమ్మ పెరడులో ఏంఏం ఉన్నాయి?
सुब्बम्म पॅरडुलो एम्एम् उन्नायि ?
5. సుబ్బమ్మ కాలక్షేపం ఏమిటి?
सुब्बम्म कालक्षेपम् एमिटि ?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में ऐसी क्रियाओं के वाक्यों का परिचय दिया गया है जिन के उदाहरण नीचे दिए गए हैं।

నేను ఉన్నాను.	मैं हूँ।	మేము ఉన్నాము.	हम हैं।
नेनु उन्नानु।		मेमु उन्नामु।	
నువ్వు ఉన్నావు.	तुम हो ।	మీరు ఉన్నారు.	आप हैं।
नुव्वु उन्नावु।		मीरु उन्नारु।	
అతడు ఉన్నాడు.	वह (पुरुष) है।	వాళ్ళు ఉన్నారు.	वे (मनुष्य) हैं।
अतडु उन्नाडु।		वाळ्ळु उन्नारु।	

రమేశ్ ఉన్నాడు.	रमेश है।		
रमेश् उन्नाडु।			
ఆమె ఉన్నది.	वह (स्त्री) है।	తమ్ముళ్ళు ఉన్నారు.	भाई हैं।
आमॅ उन्नदि।		तम्मुळ्ळु उन्नारु।	
సుచరిత ఉన్నది.	सुचरिता है।		
सुचरित उन्नदि।			
అది ఉన్నది.	वह (मनुष्येतर) है।	అవి ఉన్నాయి.	वे (मनुष्येतर) हैं।
अदि उन्नदि।		अवि उन्नायि।	
చెట్టు ఉన్నది.	पेड़ है।	చెట్లు ఉన్నాయి.	वे (पेड़ है)।
चॅट्टु उन्नदि।		चॅट्लु उन्नायि।	

इस बात पर ध्यान दीजिए कि ఉన్నాను (उन्नानु), ఉన్నాము (उन्नामु) जैसे ऊपर के सभी क्रियारूप ఉండు (उण्डु) मूल क्रिया के रूपान्तर हैं। एकवचन में स्त्रीवाचक और मनुष्येतरवाचक दोनों के लिए इस का रूप ఉండు (उण्डु) ही ఉన్నది (उन्नदि) है । बहुवचन में मनुष्यवाचक के लिए ఉన్నారు (उन्नारु) और मनुष्येतर वाचक के लिए ఉన్నాయి (उन्नायि) रूप होते हैं।

2. उपर्युक्त वाक्यों के निषेधात्मक रूप क्रमशः निम्न प्रकार हैं।

నేను లేను.	मैं नहीं हूँ।	మేము లేము.	हम नहीं हैं।
नेनु लेनु।		मेमु लेमु।	
నువ్వు లేవు.	तुम नहीं हो।	మీరు లేరు.	आप नहीं हैं।
नुव्वु लेवु।		मीरु लेरु।	तुम (लोग) नहीं हो।
అతడు లేడు.	वह नहीं है।	వాళ్ళు లేరు.	वे (लोग) नहीं हैं।
अतडु लेडु।		वाळ्ळु लेरु।	
రమేశ్ లేడు.	रमेश नहीं है।	తమ్ముళ్ళు లేరు.	भाई नहीं है।
रमेश लेडु।		तम्मुळ्ळु लेरु।	
ఆమె లేదు.	वह नहीं है।		
आमॅ लेदु।	(स्त्री)		
సుచరిత లేదు.	सुचरिता नहीं है।		
सुचरित लेदु।			

అది లేదు.	वह (मनुष्येतर) नहीं है।	అవి లేవు.	वे (मनुष्येतर) हैं।
अदि लेदु।		अवि लेवु।	
చెట్టు లేదు.	पेड़ नहीं है।	చెట్లు లేవు.	पेड़ नहीं हैं।
चॅट्टु लेदु।		चॅट्टु लेवु।	

3. इस पाठ में क्रिया विशेषणों का भी परिचय दिया गया है। ये क्रिया विशेषण तीन प्रकार के हैं।

1. स्थानवाचक

ఇక్కడ	यहाँ	అక్కడ	वहाँ	ఎక్కడ	कहाँ
इक्कड		अक्कड		ऍक्कड	

2. कालवाचक

ఇప్పుడు	अब	అప్పుడు	तब	ఎప్పుడు	कब
इप्पुडु		अप्पुडु		ऍप्पुडु	

3. स्थितिवाचक

ఇలా	इस तरह	అలా	उस तरह	ఎలా	किस तरह
इला		अला		ऍला	

4. निम्नलिखित वाक्यों में -కింద (किन्द) `के नीचे', మీద (मीद) `के ऊपर' आदि का प्रयोग देखिए।

నేను చెట్టు కింద ఉన్నాను. — मैं पेड़ के नीचे हूँ।
नेनु चॅट्टु किन्द उन्नानु।

అతడు సూట్ కేసు మీద ఉన్నాడు. — वह सूटकेस के ऊपर हैं।
अतडु सूटकेस मीद उन्नाडु।

5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए।

నేను అందంగా ఉన్నాను. — मैं सुन्दर हूँ ! (सौन्दर्य से)
नेनु अंदमगा उन्नानु।

ఆమె తెలివిగా ఉన్నది. — वह अकलमंद है ।
आमॅ तलिविगा उन्नदि।

నేను సంతోషంగా ఉన్నాను. — मैं सन्तुष्ट (संतोषसे) हूँ ।
नेनु सन्तोषंगा उन्नानु।

వాళ్ళు హాయిగా ఉన్నారు. — वे आराम से हैं ।
वाळ्ळु हायिगा उन्नारु।

6. ఉండు (उण्डु) क्रिया का विशेषात्मक रूप ఉన్న (उन्न) है। इससे निम्नलिखित शब्द भी बनाए जाते हैं।

అక్కడ ఉన్న చెట్లు. पेड़ जो वहाँ हैं।
अक्कड उन्न चॅट्लु।

చెట్టు కింద ఉన్న మనిషి. आदमी जो पेड़ के नीचे हैं।
चॅट्टु किन्द उन्नमनिषि।

అందంగా ఉన్న అమ్మాయి. लड़की जो सुन्दर है। (सुन्दर लड़की)
अन्दम्गा उन्न अम्मायि।

7. ऊपर के అందంగా, (अन्दम्गा), తెలివిగా, (तॅलिविगा) जैसे लक्षणवाचक क्रिया विशेषणों में से -గా, (गा) 'के' अलावा जो అందం, (अन्दम्) = 'सौन्दर्य' తెలివి, (तॅलिवि) = 'अकल' जैसे शब्द रूप हैं वे यदि संज्ञाएँ हों तो इन के साथ ఐన, (औन) को जोड़नेपर संज्ञाओं से అందమైన, (अंदमैन) = 'सुन्दर', తెలివైన, (तॅलिवैन) = 'अक्लमंद' जैसे विशेषण भी बना सकते है । पिछले पाठ (2) में మంచి, (मञ्चि) 'अच्छा (च्छे, च्छी)' जैसे विशेषणों से बनाई जानेवाली संज्ञाओंके बारे में जो कुछ भी दिया गया है वह इन विशेषणों के विषय में भी सच है । यानि इन विशेषणों से भी ऐसे वाक्य बनाये जा सकते है, जैसे :

వాడు తెలివైన అబ్బాయి. (वाडु तॅलिवैन अब्बाइ।) वह अकलमंद लड़का है।

ఆమె తెలివైన అమ్మాయి. (आमॅ तॅलिवैन अम्माइ।) वह (स्त्री.) अकलमंद लड़की है।

4. నా (ना) = 'मेरा (रे, री)', మీ (मी) = 'तुम्हारा (रे, री)' जैसे सार्वनामिक शब्दों के साथ కు (कु) जोड़ने से निम्नलिखित शब्द रूप भी बनाए जा सकते हैं।

నాకు (नाकु)	मुझे	మాకు (माकु)	हमें
నీకు (नीकु)	तुम्हें	మీకు (मीकु)	तुम्हें
ఇతనికి (इतनिकि)		వీళ్ళకు (वीळ्ळकु)	
ఈమెకు (ईमॅकु)	इसे	వీటికి (विटिकि)	इन्हें
దీనికి (दीनिकि)			
వీడికి (वीडिकि)		వాళ్ళకు (वाळ्ळकु)	
అతనికి (अतनिकि)		వాటికి (वाटिकि)	उन्हें
ఆమెకు (आमॅकु)	उसे		
దానికి (दानिकि)			
వాడికి (वाडिकि)			

-కు (कु) को संज्ञाओं के साथ भी जोड़ा जा सकता है ।

जैसे कि रమేశ్‌కు (रमेश्कु) `रमेश को'

విద్యార్థికి (विद्यार्थिकि) `छात्र को'

इस बात पर ध्यान दीजिए कि -కు (कु) जिस शब्द के साथ जोड़ा जाता है वह यदि -इ से अन्त होनेवाला शब्द हो तो - కు (कु) का रूप కి (कि) हो जाता है।

9. निम्नलिखित वाक्यों को देखिए ।

నాకు తోట ఉన్నది. मेरा एक बगीचा है ।
नाकु तोट उन्नदि।

నాకు ఒక అన్న ఉన్నాడు. मेरा एक भाई है ।
नाकु ऑक्क अन्न उन्नाडु।

నీకు తోట ఉన్నది. तुम्हारा एक बगीचा है ।
नीकु तोट उन्नदि।

इन वाक्यों में

నాకు సంతోషంగా ఉన్నది. मुझे संतोष है।
नाकु सन्तोषंगा उन्नदि।

రమేశ్‌కు హాయిగా ఉన్నది. रमेश को आराम है। (रमेश आराम से हैं।)
रमेशकु हायिगा उन्नदि।

నాకు జ్వరంగా ఉన్నది. मुझे बुखार है।
नाकु ज्वरम्गा उन्नदि।

సుచరితకు ఈ పాట ఇష్టంగా ఉన్నది. सुचरिता को यह गाना पसंद है।
सुचरितकु ई पाट इष्टम्गा उन्नदि।

इस बात पर ध्यान दीजिए कि ऐसे वाक्यों में -ఉండు (उण्डु) के रूपान्तरों में केवल -ఉన్నది (उन्नदि) का प्रयोग किया जाता है। इन वाक्योंमें -గా ఉన్నది (गा उन्नदि) का लोप भी हो सकता है, जैसे

నాకు జ్వరం मुझे बुखार है। సుచరితకు ఇష్టం. सुचरिता को पसंद है ।
नाकु ज्वरम् सुचरितकु इष्टम्।

प्रस्तुत वाक्यों के निषेधात्मक रूप में भी केवल లేదు (लेदु) का प्रयोग होता है । जैसे कि

నాకు సంతోషంగా లేదు. मुझे संतोष नहीं (हो रहा) है ।
नाकु सन्तोषंगा लेदु।

రమేశ్‌కు హాయిగా లేదు. रमेश को आराम नहीं (मिल रहा) है ।
रमेश्कु हायिगा लेदु।

నీకు జ్వరంగా లేదు. तुम्हें (तुमको) बुखार नहीं (हो रहा) है ।
नीकु ज्वरम्गा लेदु।

సుచరితకు ఇష్టంగా లేదు. सुचरिता को पसंद नहीं (आ रहा) है ।
सुचरितकु इष्टम्गा लेदु।

इस बात पर भी ध्यान दें कि సంతోషంగా (सन्तोषंगा) `संतोष से', హాయిగా (हायिगा) `आरामसे', జ్వరంగా (ज्वरम्गा) `बुखार से', ఇష్టంగా (इष्टमगा) `पसंद' जैसे सभी शब्द स्थितिवाचक क्रियाविशेषण हैं। इन वाक्यों में स्थानवाचक व समयवाचक क्रिया विशेषणोंका प्रयोग करके इन वाक्योंको बढ़ा भी सकते हैं ।

जैसे రమేశ్‌కు ఈ చెట్టు కింద హాయిగా ఉన్నది. रमेश को इस पेड़ के नीचे आराम (मिल रहा) है ।
रमेश्कु ई चॅट्टु किन्द हाईगा उन्नदि।

నీకు ఇప్పుడు జ్వరంగా లేదు. तुम्हें (तुमको) अब बुखार नहीं है ।
नीकु इप्पुडु ज्वरम्गा लेदु।

10. निम्नलिखित वाक्यों को भी देखिए ।

మా అబ్బాయికి పెరడు ఇష్టం. हमारे लड़के को पिछवाड़ा पसंद है ।
मा अब्बायिकि पॅरडु इष्टम्।

మా అబ్బాయికి పెరడు ఇష్టంగా ఉన్నది. हमारे लड़के को पिछवाडा पसंद है ।
मा अब्बायिकि पॅरडु इष्टम्गा उन्नदि।

శుభకు నటన ఇష్టం. शुभा को अभिनय पसंद है ।
शुभकु नटन इष्टम्।

శుభకు నటన ఇష్టంగా ఉన్నది. शुभा को अभिनय पसंद है ।
शुभकु नटन इष्टम्गा उन्नदि।

పాఠ
पाठ **4**

ఫలం - ఫలాహారం

फल और मीठा तीखा नाश्ता

పళ్ళ దుకాణంలో......
पळ्ळ दुकाणम्लो......

फल का दूकान में.....

పాండేగారు : ఏమిటయ్యా! బాగా ఉన్నావా ? కొంచెం
पाण्डेगारु : एमिटय्या ! बागा उन्नावा ? कॉञ्चॅम्
ఏవైనా పళ్ళు ఇవ్వు.
एवैना पळ्ळु इव्वु।

कहो - अच्छी तरह से हो ? कुछ थोड़े फल दो।

దుకాణందారు: ఆ! నమస్కారం సార్! బత్తాయి, కమలా,
दुकाणम्दारु : आ ! नमस्कारम् सार । बत्तायि कमला,
ద్రాక్ష...అన్నీ తాజావే. మంచిరసం
द्राक्ष .... अन्नी ताजावे। मञ्चिरसम्
పళ్ళు. ఏవి కావాలండీ?
पळ्ळु। एवि कावालन्डी ?

हाँ - नमस्कार सर । मौसंबी, संतरा, अंगूर सभी ताज़े हैं। अच्छे रसवाले फल हैं। आपको कौनसे (फल) चाहिएँ।

పాండే : వద్దు, వద్దు. నాకు అవి అన్నీ అక్కర లేదు.
पाण्डे : वद्दु । वद्दु । नाकु अवि अन्नी अक्कर लेदु।
అవిగో ఆ పుచ్చ కాయలు ఇవ్వు. చాలు.
अविगो आ पुच्च कायलु इव्वु। चालु।

नहीं-नहीं मुझे इनमें से कोई भी फल नहीं चाहिए। मुझे वे तरबूज ही दे दो। बस।

దు.దా : ఇవా సార్?
दुकाणम्दारु : इवा सार ?

ये वाले सर ?

పాండే : కాదు. ఆ కింది పండు ఇవ్వు. రుచి ఎలా
पाण्डे : कादु । आ किन्दि पण्डु इव्वु। रुचि ऍला
ఉన్నదో? కాని కంటికి ఇంపుగా ఉన్నది.
उन्नदो ? कानी कन्टिकि इंपुगा उन्नदि।

नहीं, इसके नीचेवाला दो। कैसा है खाने में? देखने में तो बहुत सुन्दर लग रहा है।

దు.దా दुकाणम्दारु	: నోటికి రుచిగా కూడా ఉన్నది సార్. దాని : नोटिकि रुचिगा कूडा उन्नदि सार। दानि కంటే ఈ పండు తీయనిది. ఈ ముక్క कण्टे ई पण्डु तीयनिदि। ई मुक्क తినండి. పండు కొయ్యాలా సార్? तिनण्डि। पंडु काय्याला सार ?	सर, खाने में भी बहुत बढ़िया है। यह तरबूज उससे भी ज़्यादा मीठा है। यह टुकड़ा चखकर देखिए। क्या काटूँ ?
పాండే पाण्डे	:కొయ్యక్కర లేదు. ఇంటి కోసం. ఆ ! : कॉय्यक्कर लेदु । इण्टि कोसम् । आ ! కమ్మగా ఉన్నది. ఇంకా ఒక పండు ఇవ్వు. कम्मगा उन्नदि। इङ्का ऑक पण्डु इव्वु ।	नहीं काटने की जरुरत नहीं है। घर के लिए (ले जा रहा हूँ।) वाह ! यह तो बहुत मीठा (स्वादिष्ट) है। एक और तरबूज दे दो।
దు.దా दुकाणम्दारु	: తీసుకోండి సార్. ఏడు రూపాయలకు : तीसुकोण्डि सार । एडु रूपायलकु రెండు. మూడింటికి పది రూపాయలే. रॅण्डु । मूडिण्टिकि पदि रूपायले । మూడు తీసుకోండి. मूडु तीसकोण्डि ।	यह लीजिए सर । सात रुपये के दो। तीन के केवल दस रुपये। तीन ले लीजिए।
పాండే पाण्डे	: రెండు పళ్ళు చాలు. ఇదిగో ఇది : रेण्डु पळ्ळु चालु । इदिगो इदि అక్కర లేదు. अक्कर लेदु ।	दो फल ही काफी हैं। इसे ले लो। यह नहीं चाहिए ।
దు.దా दुकाणम्दारु	: చెప్పండి సార్. ఇంకా ఏం కావాలి? : चॅप्पण्डि सार। इङका एम् कावालि ?	और बताइए सर ! और क्या चाहिए ?
పాండే पाण्डे	: ఇంకా ఏమీ వద్దు. ఒక చిన్న సంచీ : इङ्का एमी वद्दु । ऑक चिन्न सञ्ची కావాలి. డబ్బులు తీసుకో. పళ్ళు సంచీలో कावालि। डब्बुलु तीसको। पळ्ळु सञ्चीलो జాగ్రత్తగా పెట్టు. చాలా దూరం వెళ్ళాలి. जाग्रत्तगा पॅट्टु । चाला दूरम् वॅळ्ळालि ।	और कुछ नहीं चाहिए। मुझे एक छोटासा बैग चाहिए। यह ले लो पैसे। फलों को बैग में सावधानी से डाल दो । मुझे दूर जाना है ।

మిఠాయి దుకాణంలో....
मिठायि दुकाणम्लो..... — *मीठाई का दूकान में......*

దు.దా दुकाणम्दारु	: ఏం సార్ ! బాగున్నారా? : एम सार ! बागुन्नारा ?	कहिए, अच्छे हैं क्या ?
పాండే पाण्डे	: ఆ! ఏమిటయ్యా ! బాగున్నావా? ఏదైనా : आ ! एमिटय्या ! बागुन्नावा ? एदैना స్వీటు ఇవ్వు. स्वीटु इव्वु ।	हाँ ! आप ठीक हैं ? कुछ मिठाई दीजिए ।
దు.దా दुकाणम्दारु	: రసగుల్లా, గులాబ్ జాం, మైసూర్ పాక్... : रसगुल्ला, गुलाबजाम्, मैसूर पाक.... ఏం కావాలి సార్? एम कावालि सार ?	रसगुल्ला, गुलाबजामुन, मैसूरपाक..... क्या चाहिए आपको ?
పాండే पाण्डे	: నాకు ఇవి వద్దు. తెలుగు వంటలు కావాలి. : नाकु इवि वद्दु। तॅलुगु वण्टलु कावालि।	मुझे ये नहीं चाहिए। मुझे कोई तेलुगु मिठाई चाहिए।
దు.దా दुकाणम्दारु	: బందరు లడ్డు, నేతి లడ్డూ, కాజా, అరిసే, : बन्दरु लड्डु, नेति लड्डु, काजा, अरिस, పూతరేకులు... ఏం కావాలి సార్? पुतरेकुलु... एम् कावालि सार ?	बन्दरु लड्डू, घी के लड्डु, खाजा, अरिस, पुतरेकुलु - क्या चाहिए ?
పాండే पाण्डे	: కాజాలు ఇవ్వు. : काजालु इव्वु।	खाजा दे दीजिए ।
దు.దా दुकाणम्दारु	: ఇవి ఇవ్వాలా? ఆ అరమీదివి ఇవ్వాలా : इवि इव्वाला ? आ अरमीदिवि इव्वाला సార్? सार ?	ये वाली दूँ या जो अलमारी में रखी हैं वे वाली दूँ ?
పాండే पाण्डे	: వీటికీ వాటికీ ఏమిటి తేడా? : वीटिकी वाटिकी एमिटि तेडा ?	इनमें और उनमें क्या अंतर है?

దు.దా दुकाणम्दारु	: తేడా ఏమీ లేదు. రెండింటివీ ఒకే : तेडा एमी लेदु ! रण्डिण्टिवी ओक వంట ఒకే రుచి. వీటి కన్నా అవి చిన్నవి. वण्ट ऑके रुचि। वीटि कन्ना अवि चिन्नवि। అంతే. వీటి ధర కంటె వాటి ధర अन्ते। वीटि धर कण्टॅ वाटि धर తక్కువ. వీటి ధర కొంచెం ఎక్కువ. तक्कुव। वीटि धर कॉञ्चॅम् ऍक्कुव।	अंतर तो कुछ नहीं। दोनों एक सी बनी हैं। एक ही स्वाद है। वे इनसे छोटी हैं। बस। उनकी कीमत भी इनसे कम है। इनकी कीमत कुछ अधिक है।
పాండే पाण्डे	: నాకు చిన్నవి అక్కర లేదు. పెద్దవే కావాలి. : नाकु चिन्नवि अक्कर लेदु। पॅद्दवे कावालि। ఒక కిలో ఇవ్వు. చిరుతిళ్ళు ఏమేమి ऑक किलो इव्वु। चिरुतिळ्ळु एमेमि ఉన్నాయి? उन्नायि ?	मुझे छोटीवाली नहीं चाहिए। बड़ी वाली चाहिए। एक किलो दे दीजिए। नमकीन में क्या क्या हैं ?
దు.దా दुकाणम्दारु	: సమోసాలు, గారెలు, వాంపూస, చక్కిలాలు. : समोसालु, गारेलु, वामपुस, चक्किलालु....	समोसा, गारे, बामुस, चक्किलि......
పాండే पाण्डे	: వేరే పదార్థాలు చెప్పు. : वेरे पदार्थलु चॅप्पु ।	और दूसरी चीजें बताओ !
దు.దా दुकाणम्दारु	: చేగోడీలు తీసుకోండి. : चेगोडीलु तीसुकोण्डि।	चेगोड़ी ले लीजिए।
పాండే पाण्डे	: వీటిని వేళ్ళకు పెట్టాలి. అప్పుడు తినాలి : वीटिनी वेळ्ळकु पॅट्टालि। अप्पुडु तिनालि కదా! कदा !	इनको उँगलियों में डालना पड़ेगा तभी खा सकेंगे है न ?
దు.దా दुकाणम्दारु	: అలా ఏమీ చేయక్కరలేదు. పిల్లలకు అలా : अला एमी चेयक्कर लेदु। पिल्ललकु अला ఇష్టం అంతే. ఒక కిలో తీసుకోండి. इष्टम् अन्ते। ऑक किलो तीसुकोण्डि।	नहीं नहीं ऐसा करनेकी जरुरत नहीं है। बच्चों को बहुत पसन्द आएँगे। बस एक किलो ले लीजिए।

పాండే पाण्डे	: మాది చిన్న కుటుంబమే కదా! రెండు : मादि चिन्नकुटुम्बमे कदा । रॅण्डु వందల గ్రాములు చాలు. ఇవి మా అబ్బాయి वन्दल ग्रामुलु चालु । इवि मा अब्बायि కోసం. వాడికి పంటికి గట్టిగా తగలాలి. कोसम्। वाडिकि पण्टिकि गट्टिगा तगलालि।	हमारा तो छोटा-सा परिवार है न? दो सौ ग्राम ही काफी रहेगा। यह मेरे बेटे केलिए है। उसे अपने दाँतों के लिए कोई सख्त चीज चाहिए।
దు.దా दुकाणम्दारु	: అవి పళ్ళా సార్? : अवि पळ्ळा सार ?	क्या वे फल हैं सर ?
పాండే पाण्डे	: ఆ! ఇది ఫలహారం. అది ఫలాహారం. : आ ! इदि फलहारम्। अदि फलाहारम्। హా! హా! హా! हा ! हा ! हा !	हाँ । यह फलाहार है और वह नाश्ता हैं। हा !हा ! हा !

शब्दार्थ

ఏవైనా एवैना	कोई, और कुछ	రసంపళ్ళు रसम् पळ्ळु	रसवाले फल
ఇవ్వు इव्वु	दो	బత్తాయి बत्तायि	मौसंबी
కమలా कमला	संतरा	ద్రాక్ష द्राक्ष	अंगूर
తాజావే ताजावे	ताज़े	కావాలి कावालि	चाहिए
వద్దు वद्दु	नहीं	అక్కరలేదు अक्कर लेदु	नहीं चाहिए
పుచ్చకాయలు पुच्चकायलु	तरबूज	చాలు चालु	काफ़ी है, बस

కింద किन्द	नीचे	పండు पण्डु	फल
రుచి रुचि	रुचि, स्वाद	కన్ను कन्नु	आँख
కంటికి कण्टिकि	आंखों को (देखने)	ఇంపుగా इम्पुगा	सुन्दर
కంటే कण्टे	भी	ఎక్కువ ऍक्कुव	ज़्यादा
తియ్యనిది तिय्यनिदि	मीठा है	నోరు नोरु	मुँह
నోటికి नोटिकि	मुँह के लिये, खाने में	ముక్క मुक्क	टुकड़ा
తిను तिनु	खाना	తినండి तिनण्डि	खाइए
కొయ్యాలి काय्यालि	काटना	కొయ్యక్కర లేదు काय्यक्कर लेदु	काटनेकी जरुरत नहीं
ఇంటికోసం इण्टिकोसम्	घर के लिए	కోసం कोसम्	लिए, के लिए
కమ్మగా कम्मगा	स्वादिष्ट मीठा	ఏడు एडु	सात
రూపాయలు रूपायलु	रुपये	మూడింటికి मूडिण्टिकि	तीन के लिए
సంచీ सञ्ची	बैग, थैली	డబ్బులు डब्बुलु	पैसे
జాగ్రత్తగా जाग्रत्तगा	ठीक तरह से	దూరం दूरम्	दूर

వెళ్ళాలి वळ्ळलि	जाना है	ఏదైనా एदैना	कोई
రసగుల్లా रसगुल्ला	रसगुल्ला	గులాబ్ జాం गुलाबजाम्	गुलाब जामुन
మైసూర్ పాక్ मैसूर पाक	मैसूर पाक	తెలుగు వంటలు तॅलुगु वण्टलु	तेलुगु मिठाई, पदार्थ
బందరు లడ్డు बन्दरु लड्डु	आँध्र के बन्दर गाँव के लड्डू	నేతిలడ్డు नेतिलड्डु	घी के लड्डू
అరిసె अरिस	चावल और गुड़ से बनी मिठाई	పూతరేకులు पूतरेकुलु	आटे से बनी एक मिठाई
ఇవ్వాలా इव्वाला	देना	అర अर	अलमारी (मिठाई की दुकान में मिठाई रखने की जगह)
మీదివి मीदिवि	ऊपर वाली	తేడా तेडा	अंतर, मतभेद
కన్న कन्न	भी	రెండింటివి रॅण्डिण्टिवि	दोनों
ధర धर	कीमत, दाम	చిరుతిళ్ళు चिरुतिळ्ळु	नमकीन
సమోసాలు समोसालु	समोसा	గారెలు गारॅलु	गारे (उड़द दालसे बनी नमकीन चीज़)
వాంపూస वामपुस	चावल, बेसन के बनी हुई चीज़	చక్కిలాలు चक्किलालु	चक्किलालु - चकली (एक नमकीन चीज़)
వేరే वेरे	और	చేగోడీలు चेगोडीलु	चेगोडी - (चावल के आटे से बनी नमकीन चीज़)
వేలు वेलु	उँगली	వేళ్ళకు वेळ्ळकु	उँगलियों को

పెట్టాలి पॅट्टालि	रखना चाहिए	తినాలి तिनालि -	कुछ खाना चाहिए
చేయక్కర లేదు चेयक्कर लेदु	करनेकी जरुरत नहीं है	కుటుంబం कुटुमबम्	परिवार
రెండు వందలు रॅण्डु वन्दलु	दो सौ	గ్రాములు ग्रामुलु	ग्राम

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बढ़ाइए।

ఉదా : లేదు. [అక్కర/అవన్నీ/వద్దు]
उदा : लेदु [अक्कर / अवन्नी / वद्दु]

అక్కర లేదు.
अक्कर लेदु ।

అవన్నీ అక్కర లేదు.
अवन्नी अक्कर लेदु ।

వద్దు అవన్నీ అక్కర లేదు.
वद्दु अवन्नी अक्कर लेदु ।

1. ఉన్నది [ఇంపుగా / కంటికి]
उन्नदि [इम्पुगा / कण्टिकि]

2. చాలు [ఇవ్వు/ పుచ్చకాయలు/ఆ]
चालु [इव्वु/पुच्चकायलु/आ]

3. పెట్టు [జాగ్రత్తగా/సంచీలో/పళ్ళు]
पॅट्टु [जाग्रत्तगा/सञ्चीलो/पळ्ळु]

4. తగలాలి [గట్టిగా/పంటికి/వాడికి]
तगलालि [गट्टिगा/पण्टिकि/वाडिकि]

5. ఇవ్వు [పళ్ళు/రసం/ ఏవైనా/కొంచెం]
इव्वु [पळ्ळु / रसम् / एवैना / कॉञ्चम्]

II. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों में से एक ही शब्द से बने हुए तीन तीन शब्दों को पहचानिए।

ఉదా : నీరు > నీటి > నీటికి
उदा : नीरु > नीटि > नीटिकि

పన్ను पन्नु	కంటి कण्टि	పంటికి पण्टिकि		ఇల్లు इल्लु	పంటి पण्टि	కంటికి कण्टिकि	ఇంటికి इण्टिकि
కన్ను कन्नु	ఇంటి इण्टि	నోటికి नोटिकि	నీరు नीरु	నోరు नोरु	నీటికి नीटिकि	నోటి नोटि	నీటి नीटि

III उदाहरण के अनुसार एकवचन, बहुवचन जोड़ियों को पहचानिए।

ఉదా: నోరు > నోళ్ళు
उदा: नोरु > नोळ्ळु

నీరు नीरु	ఇళ్ళు इळ्ळु	పన్ను पन्नु	నీళ్ళు नीळ्ळु	వేలు वेलु	కన్ను कन्नु	ఊళ్ళు ऊळ्ळु	పండు पण्डु
పళ్ళు पळ्ळु	ఊరు ऊरु	ఇల్లు इल्लु	పళ్ళు पळ्ळु	తిండి तीण्डि	కళ్ళు कळ्ळु	తిళ్ళు तीळ्ळु	వేళ్ళు वेळ्ळु

IV. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दोंमें से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए ।

ఉదా : మంచి రసం --------- మంచి రసం పళ్ళు
उदा : मञ्चि रसम् मञ्चि रसम् पळ्ळु

1. అవిగో ఆ ——— ఇవ్వు. 2. కంటికి ———ఉన్నది. 3. దాని ——— ఈ పండు తీయనిది.
अविगो आ ——— इव्वु। कण्टिकि ——— उन्नदि। दानि ——— ई पण्डु तीयनिदि।

4. మూడింటికి ——— రూపాయలే 5. చాలా ——— వెళ్ళాలి.
माडिण्टिकि ——— रुपायले चाला ——— वेळ्ळलि

(దూరం కంటె కాజా పుచ్చకాయలు పళ్ళు రసం ఇంపుగా పది)
(दूरम् कण्ट काजा पुच्चकायलु पळ्लु रसम् इम्पुगा पदि]

V. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करके नए वाक्य बनाइए।

ఉదా : వీటి ధర తక్కువ. వాటి ధర ఎక్కువ. [కంటె / కన్న]
उदा : वीटि धर तक्कुव। वाटि धर ऍक्कुव। [कण्टॅ / कन्न]

వీటి ధర కంటె వాటి ధర ఎక్కువ.
वीटि धर कण्टॅ वाटि धर ऍक्कुव

వీటి ధర కన్న వాటిధర ఎక్కువ.
वीटि धर कन्न वाटि धर ऍक्कुव

1. గులాబ్ జామ్‌ల ధర ఎక్కువ.
गुलाब जामल धर ऍक्कुव
కాజాల ధర తక్కువ.
काजाल धर तक्कुव

3. బత్తాయిలు తాజావి.
बत्तायिलु ताजावि
కమలాలు తాజావి.
कमलालु ताजावि

2. ఆ పండు ఎక్కువ తీయనిది.
आ पण्डु ऍक्कुव तीयनिदि
ఈ పండు తక్కువ తీయనిది.
ई पण्डु तक्कुव तीयनिदि

4. ఆ ద్రాక్ష ఇంపుగా ఉన్నది.
आ द्राक्ष इम्पुगा उन्नदि
ఈ ద్రాక్ష ఇంపుగా ఉన్నది.
ई द्राक्ष इम्पुगा उन्नदि

5. ఆ పుచ్చకాయ రుచిగా ఉన్నది.
आ पुच्चकाय् रुचिगा उन्नदि
ఈ పుచ్చకాయ రుచి బాగా ఉన్నది.
ई पुच्चकाय् रुचि बागा उन्नदि

VI. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. పళ్ళ దుకాణంలో పాండేగారు ఏం తీసుకొన్నారు?
पळ्ळ दुकाणम्लो पांडेगारु एम् तीसुकॉन्नारु ?
2. ఎన్ని తీసుకొన్నారు?
ऍन्नि तीसुकॉन्नारु ?
3. కమ్మగా ఉన్నది ఏమిటి?
कम्मगा उन्नदि एमिटि ?
4. స్వీట్ ఎంత తీసుకొన్నారు?
स्वीट ऍन्त तीसुकॉन्नारु ?
5. పెద్ద కాజాల ధరకంటె తక్కువ ఏవి ?
पॅद्द काजाल धर कण्टॅ तक्कुव एवि ?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में - చాలు (चालु) `पर्याप्त (काफी) है', కావాలి (कावालि) `चाहिए', వద్దు (वद्दु) `नहीं चाहिए', అక్కర లేదు (अक्कर लेदु) `आवश्यकता (जरुरत) नहीं है' - आदि क्रियाओं का परिचय दिया गया है।
2. इन क्रियाओं का सभी परिस्थितियों में एक ही रूप है।
3. వెళ్ళాలి (वळ्ळालि) `जाना चाहिए', తినాలి (तिनालि) `खाना चाहिए', వెళ్ళక్కర లేదు (वळ्ळक्कर लेदु) `जाने की आवश्यकता नहीं है'। తినక్కర లేదు (तिनक्कर लेदु) `खाने की आवश्यकता नहीं है'। जैसे क्रिया रूपों का भी परिचय दिया गया है। इस प्रकार के क्रिया रूप कार्य करने की आवश्यकता बताते हैं।

పాఠం
पाठ 5

బహుకాల దర్శనం

చౌదరి : ఏమండీ? ఇది గాంధీనగరేనా?
चौदरि : एमण्डी ? इदि गान्धीनगरेना ?
रवि : మీరు ఎక్కడికి వెళ్ళాలి?
रवि : मीरु ऍक्कडिकि वळ्ळालि ?
చౌదరి : గాంధీనగర్!
चौदरि : गान्धीनगर!
రవి : గాంధీనగర్లో ఎన్నో వీధి?
रवि : गान्धीनगरलो ऍन्नो वीधि ?
చౌదరి : ఆరవ వీధి. మీకు కృష్ణారావుగారు తెలుసా?
चौदरि : आरव वीधि । मीकु कृष्णारावुगारु तॅलुसा ?
రవి : కృష్ణారావుగారా?... తెలియదండీ? గాంధీనగర్
रवि : कृष्णारावुगारा ?....तलियदण्डी ! गान्धीनगर

మాత్రం ఇదే. అదిగో అక్కడ ఒక బడి ఉన్నది.
मात्रम् इदे । अदिगो अक्कड ऑक बडि उन्नदि।
చూడండి. అక్కడికి వెళ్ళండి. దాని పక్కదే
चूडण्डि ! अक्कडिकि वळ्ळण्डि। दानि पक्कदे
ఆరవ వీధి!
आरव वीधि।

చౌదరి : థాంక్సండీ!
चौदरि : थाङ्क्सण्डी ।

अपूर्व मुलाकात

(भाई साहब) ! क्या यह गाँधीनगर है ?

जी हाँ । आपको कहाँ जाना है ?

गाँधीनगर।

गाँधीनगर में कौनसी गली ?

छठी गली । क्या आप कृष्णारावजी को जानते हैं ?

कृष्णारावजी ? ... नहीं जानता। गांधीनगर तो यही है। लो, वहाँ एक पाठशाला है। देखिए। वहाँ जाइए। उसीके पास जो गली है वही छठी गली है।

धन्यवाद ।

* * * *

చౌదరి : ఏమండీ! ఇక్కడ మేజర్ కృష్ణారావుగారి
चौदरि : एमण्डी ! इक्कड मेजरे कृष्णरावुगारि
ఇల్లు తెలుసా?
इल्लु तॅलुसा ?

जी (भाई साहब) ! क्या आपको मेजर कृष्णा-रावजी का घर मालुम है।

రఫీక్ : ఆ ! ఎందుకు తెలియదండీ! చాలా బాగా
रफीक : आ ! ऍन्दुकु तॅलियदण्डी ! चाला बागा
తెలుసు. ఇక్కడికి ఎక్కువ దూరం లేదు. ఆ
तॅलुसु। इक्कडिकि ऍक्कुव दूरम् लेदु। आ
టాంకరు బొమ్మ ఉన్న ఇల్లే కృష్ణారావుగారిది.
टाङ्करु बाम्म उन्न इल्ले कृष्णारावगारिदि।

हाँ ! हाँ ! क्यों नहीं ? अच्छी तरह मालुम है। बहुत दूर नहीं है। जिस घर (के परिसर) में टैंकर का नमूना है वही घर कृष्णाराव जी का है ।

చౌదరి : థాంక్సండీ !
चौदरि : थाङ्क्सण्डी ।

(जी) धन्यवाद ।

కృష్ణారావు: ఆ ! రండి రండి ! చౌదరిగారూ బహుకాల
कृष्णाराव : आ ! रण्डि रण्डि ! चौदरिगारु। बहुकाल
దర్శనం. క్షేమమేనా?
: दर्शनम् क्षेममेना ?

अरे आइए आइए चौधरीजी। बहुत दिनों बाद दर्शन दिये हैं आपने। (सब) कुशलमंगल से हैं न ?

చౌదరి : ఆ ! అంతా క్షేమమేనండీ. ఏమిటి విశేషాలు ?
चौदरि : आ ! अन्ता क्षेममेनण्डी ! एमिटि विशेषालु ?

जी हाँ। सब कुशलमंगल है। क्या समाचार है ?

కృష్ణా : మీరే చెప్పాలి. మనం అందరం ఇప్పుడు
कृष्णा : मीरे चप्पालि । मनम् अन्दरम् इप्पुडु
రిటైర్డ్ యోధులం కదా ! మనవాళ్ళు
रिटैर्ड योधुलम् कदा ! मनवाळ्ळु
ఎవరెవరు ఎక్కడెక్కడ ఉన్నారో? నాకు ఏ
ऍवरेवरु ऍक्कडॅक्कड उन्नारो ? नाकु ए
సంగతులూ తెలియవు.
सन्गतुलू तॅलियवु ।

आप ही बताइए। हम सब अब रिटायर्ड जवान हैं न ! हमारे मित्रों में कौन कौन कहाँ कहाँ हैं ? (इस के बारे में) मैं कुछ भी नहीं जानता।

చౌదరి : అది ఏమిటి కృష్ణారావుగారు? నేను మాత్రం
चौदरि : अदि एमिटि कृष्णारावुगारु ? नेनु मात्रम्
ఇప్పుడు కూడా యుద్ధానికి సిద్ధమే.
इप्पुडु कूडा युद्धानिकि सिद्धमे ।

अरे यह क्या है कृष्णारावुजी ? मैं तो अभी भी लड़ाई के लिए तैयार हूँ।

కృష్ణా : నేను మాత్రం సిద్ధంకానా ఏమిటి ? అది సరే!
कृष्णा : नेनु मात्रम् सिद्धम्काना एमिटि ? अदि सरे !
మన మేజర్ నటరాజన్, మేజర్ ముఖర్జీ
मन मेजर नटराजन, मेजर मुखर्जी
ఇప్పుడు ఎక్కడ ఉన్నారు? ఎలా ఉన్నారు?
इप्पुडु ऍक्कड उन्नारु ? ऍला उन्नारु ?
మీకు తెలుసా?
मीकु तॅलुसा ?

तो क्या मैं तैयार नहीं हूँ ? क्यों ? ठीक है। हमारे मेजर नटराजन (और) मेजर मुखर्जी, अब कहाँ हैं। कैसे हैं (बोलोगे) ? आप को मालुम है ?

చౌదరి : ఆ ! నటరాజన్ గారికి ముగ్గురు పిల్లలు కదా !
चौदरि : आ ! नटराजन् गारिकि मुग्गुरु पिल्ललु कदा !
మూడవ అబ్బాయి ఇప్పుడు నేవిలో ఉన్నాడు.
मूडव अब्बायि इप्पुडु नेवीलो उन्नाडु ।
నటరాజన్ గారు ఆ అబ్బాయి దగ్గర సుఖంగా
नटराजन्गारु आ अब्बायि दग्गर सुखङ्गा
ఉన్నారు. ఈ బుజ్జి బాబు ఎవరు?
उन्नारु । ई बुज्जि बाबु ऍवरु ?

हाँ ! नटराजनजी के तीन बच्चे हैं, है न ? तीसरा लड़का अब नेवी में है । नटराजनजी उसी के साथ सुख से रह रहे हैं। यह नन्हा मुन्ना कौन है ?

కృష్ణా : వీడు మా మనవడు. వీడు మా కూతురు దీప
कृष्णा : वीडु मा मनवडु । वीडु मा कूतुरु दीप
కొడుకు, బాబూ! నమస్కారం పెట్టు.
कॉडुकु । बाबू ! नमस्कारम् पॅट्टु ।

यह हमारा नाती है, यानि कि हमारी बेटी दीपा का बेटा । बेटे नमस्ते करो ।

చౌదరి : బాబూ ! నీ పేరేమిటి?
चौदरि : बाबू ! नी पेरेमिटि ?

बेटे ! तुम्हारा नाम क्या है ?

చౌదరి	: మీ మనవడు భలే చురుకైన వాడండి.	आपका नाती बड़ा होशियार है ।
चौदरि	: मी मनवडु भले चुरुकैन वाडण्डि ।	
కృష్ణా	: ఔనండీ! వీడికి అల్లరి ఎక్కువ.	जी हाँ ! लेकिन यह शरारत बहुत करता है।
कृष्णा	: औनण्डी ! वीडिकि अल्लरि ऍक्कुव ।	
చౌదరి	: పరవాలేదు. పిల్లలకు అల్లరే అందం.	कोई बात नहीं। बच्चों की शरारतें ही उन्हें प्यारा बनाती हैं।
चौदरि	: परवा लेदु । पिल्ललकु अल्लरे अंदम् ।	

शब्दार्थ

వెళ్ళాలి वळ्ळालि	जाना चाहिए	వీధి वीधि	गली
ఆరవ आरव	छठा	తెలుసు तॅलुसु	मालुम होना, जानना
తెలియదు तलियदु	मालुम नहीं, जानता नहीं	బడి बडि	पाठशाला, स्कूल
ఎందుకు ऍन्दुकु	किसलिए	బొమ్మ बाम्म	आकृति
ఉన్న उन्न	रहा है, है	విశేషాలు विशेषालु	विशेष, खास
చెప్పాలి चप्पालि	बोलना चाहिए	మనం मनम्	हम
అందరం अन्दरम्	हम सब	యోధులు योधुलु	योद्धा लोग
తెలియవు तलियवु	(हमें) पता नहीं	యుద్ధానికి युद्धनिकि	लड़ाई के लिए
యుద్ధం युद्धम्	लड़ाई, युद्ध	సిద్ధం सिद्धम्	तैयार
సిద్ధమే सिद्धमे	तैयार हूँ	ముగ్గురు मुग्गुरु	तीन आदमी

సుఖంగా सुखङ्गा	खुशीसे	మనవడు मनवडु	पोता
వచ్చు वच्चु	आना	చేయడం चेयडम्	करना, कर सकता हूँ ।
పాడడం पाडडम्	गाना, गा सकती हूँ	దూకడం दूकडम्	कूदना, कूद सकता हूँ ।
తొక్కడం ताक्कडम्	कुचलना	తుపాకీ तुपाकी	बंदूक
కాల్చడం काल्चडम्	चलाना (बंदूक)	లెక్కలు लक्कलु	गणित
నేర్చుకోవాలి नेर्चुकोवालि	सीखना चाहिए	అల్లరి अल्लरि	शरारती, चंचल
అమ్మమ్మ अम्मम्म	नानी	గది गदि	कमरा
అందం अन्दम्	सुंदर		

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बढ़ाइए।

ఉదా: వచ్చు. [కాల్చడం/తుపాకీ/మాకు]
उदा : वच्चु [काल्चडम्/तुपाकी/माकु]

కాల్చడం వచ్చు.
काल्चडम् वच्चु

తుపాకీ కాల్చడం వచ్చు.
तुपाकी काल्चडम् वच्चु

మాకు తుపాకీ కాల్చడం వచ్చు.
माकु तुपाकी काल्चडम् वच्चु

1. వీధి [ఆరవ/పక్కదే/దాని]
   वीधि [आरव/पक्कदे/दानि]
2. లేదు [దూరం/ఎక్కువ/ఇక్కడికి]
   लेदु [दूरम्/ऍक्कुव/इक्कडिकि]
3. చూడండి [ఉన్నది/బడి/అక్కడ/అదిగో]
   चूडण्डि [उन्नदि/बडि/अक्कड/अदिगो]
4. ఉన్నాడు [నేవీలో/ఇప్పుడు/అబ్బాయి/మూడవ]
   उन्नाडु [नेवीलो/इप्पुडु/अब्बायि/मूडव]
5. కదా ! [యోధులం/రిటైర్డ్/ఇప్పుడు/అందరం/మనం]
   कदा ! [योधुलम्/रिटैर्ड/इप्पुडु/अन्दरम्/मनम्]

II. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के दो दो उत्तर दीजिए ।

(1). ఉదా: మీకు కృష్ణారావుగారి ఇల్లు తెలుసా?
उदा : मीकु कृष्णारावुगारि इल्लु तॅलुसा ?

1. తెలుసు - నాకు కృష్ణారావుగారి ఇల్లు తెలుసు.
तॅलुसु - नाकु कृष्णारावुगारि इल्लु तॅलुसु
2. తెలియదు - నాకు కృష్ణారావుగారి ఇల్లు తెలియదు
तॅलियदु - नाकु कृष्णारावुगारि इल्लु तॅलियदु

1. మీకు గాంధీనగర్ తెలుసా?
मीकु गान्धीनगर तॅलुसा ?
2. మీకు పాడడం తెలుసా?
मीकु पाडडम् तॅलुसा ?
3. మీకు హిందీ తెలుసా?
मीकु हिन्दी तॅलुसा ?
4. మీకు చౌదరి తెలుసా?
मीकु चौदरि तलुसा ?
5. మీకు ఈ చిరునామా తెలుసా?
मीकु ई चिरुनामा तॅलुसा ?

(2). ఉదా: మీకు సంగీతం వచ్చా?
मीकु समगीतम् वच्चा?

1. వచ్చు - నాకు సంగీతం వచ్చు.
वच्चु - नाकु संगीतम् वच्चु।
2. రాదు - నాకు సంగీతం రాదు.
रादु - नाकु संगीतम् रादु।

1. మీకు తెలుగు వచ్చా?
मीकु तॅलुगु वच्चा ?
2. మీకు సైకిలు తొక్కడం వచ్చా?
मीकु सैकिलु ताक्कडम् वच्चा ?
3. మీకు తుపాకీ కాల్చడం వచ్చా?
मीकु तुपाकी काल्चडम् वच्चा ?
4. మీకు దూకడం వచ్చా?
मीकु दुकडम् वच्चा ?
5. మీకు వంట చేయడం వచ్చా?
मीकु वण्ट चेयडम् वच्चा ?

III. दिए गए वाक्यों में से गलत और सही वाक्य पहचानिए।

ఉదా: మీకు దూకడం తెలుసా?
उदा : मीकु दूकडम् तॅलुसा ?

మీకు చౌదరి వచ్చా?
मीकु चौदरि वच्चा ?

1. మీకు కృష్ణారావుగారి ఇల్లు వచ్చా? 2. మీకు తెలుగు తెలుసా? 3. నాకు గాంధీనగర్ వచ్చు.
मीकु कृष्णारावुगारि इल्लु वच्चा ? मीकु तॅलुगु तॅलुसा ? नाकु गानधीनगर वच्चु ।

4. నాకు పాడడం వచ్చు.
नाकु पाड्डम् वच्चु ।

5. నాకు పాడడం తెలుసు
नाकु पाड्डम् तॅलुसु ।

IV. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से दो दो वाक्य बनाइए।

ఉదా:'(మేము/మనం) విద్యార్థులు
उदा : [मेमु / मनम्] विद्यार्थुलु

1. మేము విద్యార్థులం
मेमु विद्यार्थुलम्

2. మనం విద్యార్థులం
मनम् विद्यार्थुलम्

1. యోధులు 2. సైనికాధికారులు 3. క్రీడాకారులు 4. చిత్రకారులు 5. పెద్దలు
योधुलु सैनिकाधिकारुलु क्रीड़ाकारुलु चित्रकारुलु पॅद्दलु

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों के साथ जुड़नेवाले दूसरे वाक्य बनाइए।

(1) ఉదా : నాకు తెలుగు రాదు. నేను తెలుగు నేర్చుకోవాలి.
उदा : नाकु तॅलुगु रादु नेनु तॅलुगु नेर्चुकोवालि

1. అతనికి సైకిలు తొక్కడం రాదు.
अतनिकि सैकिलु तॉक्कडम् रादु ।

2. వాడికి తుపాకీ కాల్చడం రాదు.
वाडिकि तुपाकी काल्चडम् रादु।

3. దానికి దూకడం రాదు.
दानिकि दूकडम् रादु।

4. ఆయనకు పాడడం రాదు.
अयानकु पाड्डम् रादु।

(2) ఉదా: నాకు తెలుగు వచ్చు. నేను తెలుగు నేర్చుకోనక్కరలేదు.
उदा: नाकु तॅलुगु वच्चु नेनु तॅलुगु नेर्चुकोनक्करलेदु।

1. అతనికి సైకిలు తొక్కడం వచ్చు.
अतनिकि सैकिलु तॉक्कडम् वच्चु।

2. ఆమెకు వంట చేయడం వచ్చు.
आयकु वण्ट चेयडम् वच्चु।

3. ఆయనకు తుపాకీ కాల్చడం వచ్చు.
आयनरु तुपाकी काल्चडम् वच्चु।

4. దానికి పాడడం వచ్చు.
दानिकि पाडडम् वच्चु।

VI. उदाहरण के अनुसार शब्दों तथा प्रत्ययों को जोड़िए।

ఉదా : చేయు + అడం = చేయడం.
उदा : चेयु + अडम् = चेयडम्

1. దూకు + అడం =	2. పాడు + అడం =	3. తొక్కు + అడం =
दूकु + अडम् =	पाडु + अडम् =	ताक्कु + अडम् =
4. కాల్చు + అడం =	5. చెప్పు + అడం =	6. ఆడు + అడం =
काल्चु + अडम् =	चप्पु + अडम् =	आडु + अडम् =

VII. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. గాంధీనగర్‌లో ——— వీధి.
   गानधीनगरलो ——— वीधि।
2. అక్కడ ఒక ——— ఉన్నది.
   अक्कड ओक ——— उन्नदि।
3. మీకు తుపాకీ ——— వచ్చు.
   मीकु तुपाकी ——— वच्चु।
4. అబ్బాయి ——— సుఖంగా ఉన్నారు.
   अब्बायि ——— सुखङ्गा उन्नारु।
5. టాంకరు బొమ్మ ఉన్న ——— కృష్ణారావుగారిది.
   टाङ्करु बाम्म उन्न ——— कृष्णारावुगारिदि।

[ఇల్లే	దుకడం	దగ్గర	కాల్చడం	పాడడం	ఆరవ	బడి	తొక్కడం]
[इल्ले	दूकडम्	दग्गर	काल्चडम्	पाडडम्	आरव	बडि	तॉक्कडम्]

VIII. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नोंके उत्तर दीजिए।

1. చౌదరికి రవి ఏం సమాధానం చెప్పాడు?
   चौदरिकि रवि एम् समाधानम् चॅप्पाडु ?
2. రఫీక్ చెప్పిన కృష్ణారావు ఇల్లు ఎక్కడ ఉన్నది?
   रफीक चॅप्पिन कृष्णारावु इल्लु ऍक्कड उन्नदि ?
3. మిత్రుని చూసి కృష్ణారావు ఏమన్నారు?
   मित्रुनि चूसि कृष्णारावु एमन्नारु ?

రాకేష్ : రాకేష్! (కృష్ణారావుగారి మనవడు)
राकेष् : राकेश ! (कृष्णारावुगारि मनवड्ु)

राकेश ! (कृष्णारावजीका पोता)

చౌదరి : బాబు ! నీకు ఏం ఏం వచ్చు?
चौदरि : बाबु ! नीकु एम् एम् वच्चु ?

मुन्ना ! तुम क्या क्या जानते हो ?

రాకేష్ : డాన్స్ చేయడం, పాడడం, దూకడం... ఊ ! ...
राकेश : डानस चेयडम्, पाड्डम्, दूकडम् ... ऊ ! ...
ఇంకా... సైకిలు తొక్కడం, తుపాకీ కాల్చడం
इङ्का ...सैकिलु तॉक्कडम्, तुपाकी काल्चडम्
అన్నీ వచ్చు. అంకుల్! మీకు ఈ లెక్కలు వచ్చా?
अन्नीवच्चु। अङ्कुल ! मीकु ई लेक्कलु वच्चा ?

मैं नाचना, गाना, कूदना ...ऊ..और साईकिल चलाना, बंदूक चलाना सभी जानता हूँ अंकल ! आप इन गणित के सवालों का जवाब जानते हैं क्या ?

చౌదరి : రావు బాబూ ! మాకు తుపాకీ కాల్చడం వచ్చు
चौदरि : रावु बाबू ! माकु तुपाकी काल्चडम् वच्चु
అంతే. హా ! హా ! హా !
अन्ते । हा ! हा ! हा !

नहीं बेटे, हम तो बंदूक चलाना जानते हैं, बस उससे ज्यादा कुछ नहीं हा। हा। हा।

రాకేష్! : అయితే అంకుల్! ఇదిగో ! ఇది నా తుపాకీ
राकेश ! : अयिते अङकुल ! इदिगो ! इदि ना तुपाकी
కాల్చండి మరి.
काल्चण्डि मरि ।

तो अंकल ! यह मेरी बंदूक है। चलाइए फिर।

చౌదరి : అబ్బో! నీ తుపాకీ భలేగా ఉన్నదే? హా ! హా !
चौदरि : अब्बो ! नी तुपाकी भलेगा उन्नदे ? हा ! हा !
హా ! నాకు ఇంత పెద్ద తుపాకీ కాల్చడం రాదు.
हा ! नाकु इन्त पॅद्द तुपाकी काल्चडम् रादु,
నీ దగ్గర నేర్చుకోవాలి.
नी दग्गार नेर्चुकोवालि।

वाह भाई वाह । तुम्हारी बंदूक तो बहुत ही बढ़िया है। हा। हा। हा । मैं तो इतनी बड़ी बंदूक चलाना नहीं जानता । मुझे तुम से सीखना है।

కృష్ణా : రాకేష్! ? అల్లరి చేయకు మీ అమ్మమ్మ
कृष्णा : राकेश !? अल्लरि चेयकु मी अम्मम्म
గదిలో ఉన్నది. వెళ్ళు.
गदिलो उन्नदि । वॅळ्ळु ।

राकेश ? तंग मत करो। अपनी नानी के पास जाओ।

4. రాకేష్‌కు ఏం ఏం వచ్చు?
   राकेश्कु एम् एम् वच्चु ?
5. రాకేష్‌ను గురించి కృష్ణారావుతో చౌదరి ఏమన్నారు?
   राकेश्नु गुरिञ्चि कृष्णारावुतो चौदरि एमन्नारु ?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में తెలుసు (तॅलुसु) और వచ్చు (वच्चु) (जानता है या मालुम है) क्रिया के वाक्य प्रस्तुत हैं।

నాకు కృష్ణారావుగారు తెలుసు नाकु कृष्णारावुगारु तॅलुसु	=	मैं कृष्णाराव को जानता हूँ ।
నాకు పాడడం వచ్చు/నాకు పాడడం తెలుసు नाकु पाडडम् वच्चु / नाकु पाडडम् तॅलुसु	=	मुझे गाना आता है । मैं गाना जानता हूँ ।

इन रूपोंको निम्नलिखित ढंग से निषेधात्मक बनाया जाता है ।

నాకు హిందీ రాదు नाकु हिन्दी रादु	=	मुझे हिन्दी नहीं आती ।
నాకు హిందీ తెలియదు नाकु हिन्दी तॅलियदु	=	मैं हिन्दी नहीं जानती ।

जब తెలియదు (तॅलियदु) का प्रयोग प्रश्नार्थक वाक्य में होता है तो इसका अर्थ स्वीकारात्मक हो जाता है। जैसे –

మీకు హిందీ తెలుసా? मीकु हिन्दी तॅलुसा ?	=	क्या तुम हिन्दी जानते हो ?
ఎందుకు తెలియదు? ऍन्दुकु तॅलियदु ?	=	क्यों नहीं जानता ? (अर्थात जानता हूँ)

తెలుసు (तॅलुसु) का प्रयोग जानने के अर्थ में कहीं भी हो सकता है। पर వచ్చు (वच्चु) का प्रयोग सीमित है। ऐसे वाक्य जिनमें किसी कार्य को करने की बात कही जाती है केवल वहीं వచ్చు (वच्चु) का प्रयोग होता है।

నాకు పాడడం వచ్చు. नाकु पाड्डम् वच्चु	=	मुझे गाना आता है ।
నాకు పాడడం తెలుసు. नाकु पाड्डम् तॅलुसु	=	मैं गाना जानती हूँ ।
నాకు హిందీ వచ్చు. नाकु हिन्दी वच्चु	=	मुझे हिन्दी आती है / मुझे हिन्दी मालुम है / मैं हिन्दी जानता हूँ।

पर नीचे दिए हुए वाक्यों में వచ్చు (वच्चु) का प्रयोग नहीं होगा ।

నాకు గాంధీనగర్ తెలుసు. नाकु गान्धीनगर तॅलुसु	=	मुझे गांधीनगर मालुम है। मैं गांधीनगर जानता हूँ।
నాకు కృష్ణారావుగారి ఇల్లు తెలుసు. नाकु कृष्णारावुगारि इल्लु तॅलुसु	=	मुझे कृष्णारावजी का घर मालुम है।

2. स्थानवाचक क्रियाविशेषणों जैसे ఇక్కడ (इक्कड) = यहाँ, అక్కడ (अक्कड) = वहाँ, ఎక్కడ (एक्कड) = कहाँ, आदि का भी परिचय दिया गया है ।

उदा :-

अब ये प्रयोग देखिए :-

	शाब्दिक अर्थ		*स्वीकृत अर्थ*
అక్కడికి వెళ్ళండి अक्कडिकि वेळ्ळण्डि	वहाँ को जाइए	-	वहाँ जाइये ।
ఇక్కడికి రండి इक्कडिकि रण्डि	यहाँ को आईए	-	यहाँ आइये ।
ఎక్కడికి వెళ్ళాలి एक्कडिकि वळ्ळलि	कहाँ को जाना है	-	कहाँ जाना है ।

यहाँ ఇక్కడ (इक्कड), అక్కడ (अक्कड) और ఎక్కడ (ऍक्कड) के साथ `को' का भी प्रयोग करना अनिवार्य है । हिन्दी में ऐसे प्रयोगों में यहाँ, वहाँ, कहाँ के साथ परसर्ग नहीं लगता ।

పాఠం
पाठ
6

సంగీత ప్రియులు / संगीतप्रेमी

విశ్వ నాథం	: గొప్ప కచేరీ అండీ. ఈయన నిజంగా మంచి విద్వాంసుడే. ఆ గాత్రంలో ఎంత మాధుర్యం ఉంది! ఆయన గానంలో ఒక చిత్రమైన చమత్కారం ఉంది.	अद्‌भुत गायन। ये तो सच ही बड़े महान गायक हैं। उनके स्वर में कितना माधुर्य है ! उनके गायन में एक अनोखा चमत्कार सा है।
నర సింహం	: మీకు హిందుస్తానీ సంగీతం ఇష్టమా? : మీకు పాడటం వచ్చా?	आपको हिंदुस्तानी संगीत पसंद है ? क्या आप स्वयं भी गा सकते हैं ?
విశ్వ	: నాకు పాడటం రాదు. సంగీత శాస్త్రం తెలుసు. హిందుస్తానీ, కర్ణాటకా కాదు. సంగీతం ఏదైనా నాకు ఇష్టమే.	मैं गा नहीं सकता । संगीतशास्त्र जानता हूँ। चाहे हिन्दुस्तानी हो या कर्णाटक कोई अन्तर नहीं पड़ता। संगीत जो भी हो मुझे पसंद है।
నర	: వీరు షేక్ సయ్యద్ గారు. గొప్ప సంగీత విద్వాంసుడు.	ये जनाब शेख़ सैयद हैं। ये संगीत के बड़े विद्वान हैं ।
సయ్యద్	: ఆ! నాకు పాడటం అంత గొప్పగా రాదండీ! ఏదో కూని రాగాలంతే.	अरे नहीं। मैं कोई उतना बड़ा गायक नहीं हूँ। ऐसे ही कुछ गुनगुनाता हूँ ।
నర	: ఏమీకాదండీ! ఈయనమాటలు నమ్మకండి. ఈయనకు కొంచెం వినయం ఎక్కువ అంతే.	यह सच नहीं है। इनकी बात मत मानिएगा। ये बस कुछ अधिक विनम्र हैं।
విశ్వ	: సయ్యద్ గారూ! మీ గురువుగారు ఎవరండీ?	सैयद साहब, आपके गुरु कौन हैं ?
సయ్యద్	: పండిట్ భీమ్‌సేన్ జోషిగారండీ.	पंडित भीमसेन जोशी जी हैं ।

విశ్వ :	అలాగా! ఆయన మహా విద్వాంసుడు. ఆయన శిష్యులా మీరు? ఎంత అదృష్టం? ఆయన గాత్రమంటే నాకు ప్రాణం. నాకు వారి కొత్త క్యాసెట్లు కావాలి. దగ్గరలో క్యాసెట్ల షాపు ఎక్కడ ఉంది?	अच्छा ! वे बहुत ही बड़े संगीतविद्वान हैं। ओह ! आप उनके शिष्य है क्या ? कितने भाग्यशाली हैं आप ! उनके गायन में मेरा प्राण है। मुझे उनके नये कैसेट चाहिएँ। यहाँ कैसेट की दुकान कहाँ है ?
నర :	ఇక్కడ ఎక్కడా లేదండి. నా దగ్గర ఆయన క్యాసెట్లు చాలా ఉన్నాయి. తీసుకోండి. మా ఇంటికి రండి. అదిగో అదే మా ఇల్లు.	यहाँ नहीं है। मेरे पास उनके बहुत से कैसेट हैं। हमारे घर आइए। वह (देखिए) सामने ही है हमारा घर।
విశ్వ :	సరే పదండి	ठीक है। आइये चलें।

* * * *

విశ్వ :	నాకు ఈ క్యాసెట్టే కావాలండీ.	मुझे यही कैसेट चाहिए ।
నర :	అదా తీసుకోండి.	अच्छा लीजिए ।
విశ్వ :	థాంక్సండీ! ఇంక సెలవా?	जी धन्यवाद। अब अनुमति है ?
నర :	ఉండిడి. కాఫీ తీసుకోండి.	रुकिए । कॉफ़ी पीकर जाइएगा ।
విశ్వ :	వద్దండీ! నాకు అలవాటు లేదు.	जी नहीं, मुझे आदत नहीं है।
సయ్యద్ :	నాకూ వద్దండీ. నేను కాఫీ తాగకూడదు.	मुझे भी मत दीजिए। मुझे काफी पीना नहीं चाहिए ।
నర :	అయితే సరదాగా కాస్సేపు కూర్చోండి.	अच्छा। तो ऐसे ही बैठ जाइए कुछ देर।
విశ్వ :	సయ్యద్ గారూ! మీకు కర్ణాటక సంగీతం కూడా వచ్చా?	सैयद साहब। आप कर्णाटक संगीत भी जानते हैं ?
సయ్యద్ :	అంత బాగా రాదండీ. కొంత ప్రవేశం ఉంది. ఆంధ్ర ప్రదేశ్‌లో గొప్ప కర్ణాటక సంగీత విద్వాంసులు చాలా మంది ఉన్నారు. వాళ్ళలో కొందరు నాకు తెలుసు.	उतना अच्छा तो नहीं जानता। हाँ ! कुछ जानकारी तो है। आंध्रप्रदेश में कर्णाटक संगीत के बहुत से महान् विद्वान हैं। उनमें से कुछ विद्वानों को मैं जानता हूँ।

విశ్వ	: నరసింహంగారూ! మీకూ సంగీతం వచ్చా?	नरसिंहम साहब। आपको भी संगीत का ज्ञान है क्या ?
నర	: ఆహా! నేను సంగీత విద్వాంసుడిని కాదండీ. సంగీత ప్రియుడిని, ఏదో వినికిడి జ్ఞానం ఉంది అంతే. మీ ఇద్దరి దగ్గరా నేర్చుకోవాలి.	जी नहीं। मैं संगीतज्ञ नहीं हूँ। संगीत प्रेमी हूँ। कुछ सुनने का ज्ञान है, बस। मुझे आप दोनों से सीखना है।

शब्दार्थ

సంగీతప్రియులు	संगीतप्रेमी	కచేరి	सभा
నిజంగా	सचमुच	విద్వాంసుడే	विद्वान
గాత్రం	आवाज़	మాధుర్యం	मधुरता, माधुर्य
గానం	गाना, गीत	చిత్రమైన	निराला
చమత్కారం	चमत्कार	సంగీత శాస్త్రం	संगीतशास्त्र
కర్ణాటక	कर्णाटक	సంగీతం	संगीत
కూనిరాగాలు	गुनगुनाना	నమ్మకం	विश्वास
వినయం	विनय से	మహా	महान्
శిష్యుడు	शिष्य	షాపు	दुकान
అలవాటు	*आदत*	*తాగకూడదు*	*पीना नहीं चाहिए*
సరదాగా	मौज मज़े के लिए	కాస్సేపు	थोड़ी देर
రాదు	नहीं जानता, नहीं आता	కొంత	थोड़ा
ప్రవేశం	प्रवेश, जानकारी	మంది	मनुष्यों का दल, लोग
కొందరు	थोड़े	సంగీతప్రియుడు	संगीतप्रेमी (एकवचन)
వినికిడి	सुन सकता हूँ	సంగీతాస్వాదనకు	संगीत का आनन्द लेना
పాండిత్యం	पांडित्य, पारंगत		

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बढ़ाइए।

ఉదా: [పాడడం/మీకు] వచ్చా

పాడడం వచ్చు

మీకు పాడడం వచ్చు

1. [ఎక్కడా/ఇక్కడ] లేదండి
2. [పాడడం/నాకు] రాదు
3. [ఇంటికి/మా] రండి
4. [మా/అదే/అదిగో] ఇల్లు

II. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से ठीक शब्द चुन कर वाक्य फिर से लिखिए।

1. మీకు <u>హిందూస్తానీ</u> సంగీతం ఇష్టమా? [కర్ణాటక/విద్వాంసుడు/ కూనిరాగాలు]
2. ఆయన <u>గాత్ర</u> మంటే నాకు ప్రాణం [సంతోషం/రాగాలంటే/సంగీత]
3. గొప్ప విద్వాంసులు <u>చాలా</u> మంది ఉన్నారు [ఎన్ని/కొంత/ఏదో]
4. నాకు ఈ <u>క్యాసెట్టే</u> కావాలి [పుస్తకమే/కర్ణాటక/వినికిడి]
5. <u>సంగీతం</u> ఏదైనా నాకు ఇష్టమే [ఫలహారం/మాటలు/వినయం]

III. दिए गए हर एक प्रश्न के दो दो उत्तर दीजिए।

(1) 1. మీకు పాడడం వచ్చా? [వచ్చు/రాదు]

2. మీకు సంగీతం తెలుసా? [తెలుసు/తెలియదు]

3. మీకు సైకిలు తొక్కడం వచ్చా? [వచ్చు/రాదు]

4. మీకు గాంధీనగర్ తెలుసా? [తెలుసు/తెలియదు]

5. మీకు వంట చేయడం వచ్చా? [వచ్చు/రాదు]

(2) 1. స్వీటు ఇవ్వాలా? [ఇవ్వు/వద్దు]

2. కమలాలు కావాలా? [వద్దు/కావాలి]

3. బత్తాయిలు వద్దా? [కావాలి/వద్దు]

4. ఇంకా ఏమైనా కావాలా సార్ ? [వద్దు/చాలు]

5. పత్రిక తేనా? [తే/అక్కరలేదు]

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से ठीक शब्द चुन कर निम्नलिखित वाक्य पूरे कीजिए।

1. గొప్ప _________ అండి.
2. ఆయన గానంలో ఒక చిత్రమైన _________ ఉన్నది.
3. నాకు వారి కొత్త _________ కావాలి.
4. దగ్గరలో క్యాసెట్ల _________ ఎక్కడ ఉన్నది?
5. అదిగో _________ మా _________.

[అదే షాపు కచేరీ కూనిరాగాలు క్యాసెట్లు ఇల్లు హిందూస్తానీ చమత్కారం]

V. अभ्यास कीजिए।

నా	-	మా	మేము	-	మా
నేను	-	నా	మీరు	-	మీ
నువ్వు	-	నీ	మనము	-	మన (మనం)
అతను	-	అతని	తమరు	-	తమ
ఇతను	-	ఇతని	వారు	-	వారి
వాడు	-	వాడి	వీరు	-	వీరి
అది	-	దాని	అవి	-	వాటి
ఇది	-	దీని	ఇవి	-	వీటి
ఏది	-	దేని	ఎవరు	-	ఎవరి
ఏవి	-	వేటి			

VI. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. విశ్వనాథం గాయకుడిని ఏమని మెచ్చుకొన్నాడు?
2. సయ్యద్‌గారిని గురించి నరసింహం విశ్వనాథంకు ఏమని చెప్పాడు?
3. షేక్ సయ్యద్ ఎవరి శిష్యుడు?
4. షేక్ సయ్యద్ గురువును గురించి విశ్వనాథం ఏమన్నాడు?
5. నరసింహం తన గురించి ఏం చెప్పాడు?

పాఠం
पाठ
7

సినిమా సరదా

फिल्म का आनन्द

ప్రకాష్ : సుచరితా! ఇలా రా తొందరగా.	सुचरिता ! जल्दी यहाँ आओ ।
సుచరిత: ఏమిటండీ! సినిమానా. ఇతను ఎవరు? ఇంత ధైర్యంగా ఆ కొండ ఎక్కుతున్నాడు.	क्या बात है ? अरे फिल्म ! यह कौन है ? जो इतने साहस से पहाड़ पर चढ़ रहा है ?
ప్రకాష్ : హీరో కదా కొండలూ ఎక్కాలి, నదులూ దాటాలి. ఆయనకు అసాధ్యం లేదు. హ! హ! హ!	अरे वह हीरो है - उसे पहाड़ों पर भी चढ़ना पड़ेगा और नदियों को भी पार करना पड़ेगा। उसके लिए कुछ भी असाध्य नहीं है। हा... हा... हा..
సుచరిత: మీరు ఉండండీ! మరీనూ! అక్కడ కథ నడుస్తున్నది. ఊరికే మాట్లాడకండి. చూడనివ్వండి ఆ కొండ మీద పులి భయంకరంగా ఉన్నది. అమ్మో నాకు భయం వేస్తున్నది.	बस कीजिए - बहुत हो गया । वहाँ कहानी चल रही है। आप बिना बात बोलते मत जाइए। मुझे देखने तो दीजिए। वहाँ देखिए, पहाड़ पर कितना भयानक शेर है। बापरे ! मुझे बहुत डर लग रहा है ।
ప్రకాష్ : భయపడకు. మనవాడు ఆ పులి వైపు వెళ్ళడంలేదులే. అబ్బో! ఇప్పుడు కొండ మీద నుంచి దూకుతున్నాడు. వాడు నిజం హీరో మాత్రం కాదు. తప్పకుండా డూపే.	डरो मत। वह हमारा हीरो उस शेर की ओर नहीं जा रहा है । बापरे बाप ! यह तो पहाड़ से छलांग मार रहा है । लेकिन यह असली हीरो नहीं हो सकता। निश्चय ही यह नकली है।
సుచరిత: అబ్బ! నేను సినిమా ఆసక్తిగా చూస్తున్నాను. అలా అల్లరి చేయకండి.	ओफ्फो। मैं तो दिलचस्पी से फिल्म देख रही हूँ। आप शरारत मत कीजिए।
ప్రకాష్ : అసలింతకీ ఎందుకు వీడు ఇంత కష్టపడుతున్నాడు?	लेकिन यह इतना जोखिम क्यों उठा रहा है।

సుచరిత: ఆ కొండ కింద విలన్ స్థావరం ఉన్నది. దానిలో హీరోయిన్ ఉన్నది. ఆమెను రక్షించడానికి అతను అంత సాహసం చేస్తున్నాడు.	पहाड़ के नीचे विलेन का अड्डा है। वहीं पर हीरोइन को रखा गया है । उसे बचाने के लिए ही वह इतना जोखिम उठा रहा है।
ప్రకాష్ : సుచరితా! అదిగో ఆ విలన్ పక్కన చూడు, వాడు అచ్చం మీ తమ్ముడులాగా ఉన్నాడు.	वह देखो सुचरिता - विलेन के बराबर में जो आदमी खड़ा है, वह बिलकुल तुम्हारे छोटे भाई की तरह दिखाई देता है।
సుచరిత: ఛీ! వాడికేం ఖర్మండీ. అయినా వాడికీ వీడికీ పోలికేమిటి? వాడు కలకత్తాలో ఎం.బి.ఏ. చదువుతున్నాడు.	छि ! उसका क्या कर्म फूटा है ? उसकी इससे क्या तुलना। वह तो शान से कलकत्ता में एम.बी.ए कर रहा है ।
ప్రకాష్ : మీ హీరో చూడు. ఆ గుండాలను ఎలా కొడుతున్నాడో! వాళ్ళు పిచ్చి వాళ్ళులాగా అన్ని దెబ్బలూ తింటున్నారు. మన వీరుడికి మాత్రం ఒక్క దెబ్బా తగలడం లేదు.	देखो देखो तुम्हारा हीरो गुण्डों की कैसी पिटाई कर रहा है पर उसे खरोंच तक नहीं आई है।
సుచరిత: అబ్బా! సరిగ్గా సమయానికి వార్తలు వస్తు న్నాయే! అ రె ఈ వార్తలు చదువుతున్న ఆవిడ నాకు తెలుసు. ఆమె మన కాలనీ బ్యాంకులోనే పని చేస్తున్నది.	ओफ्फो ! क्या समाचारों को इसी समय शुरु होना था? अरे- देखो यह औरत जो समाचार पढ़ रही है इसे तो मैं जानती हूँ। यह हमारी ही कालोनी के बैंक में काम करती है ।
ప్రకాష్ : వార్తలు ముగుస్తున్నాయి. మళ్ళీ ఈ సినిమా ప్రారంభం. నేను నా స్నేహితుడిని కలవడానికి వెళ్ళాలి.	समाचार खतम हो रहे हैं। फिर से फिल्म शुरु हो गई। खैर मैं तो चला अपने दोस्त से मिलने ।
సుచరిత: అదేమిటి? సినిమా చూడండి.	यह क्या ? सिनेमा देखिये ।
ప్రకాష్ : ఏం సినిమాలెద్దూ: వాళ్ళు చేస్తున్న నటన నాకు నచ్చడం లేదు. నన్ను వెళ్ళనివ్వు.	क्या देखना है इस फिल्म को। मुझे तो इन लोगों की उछल-कूद पसन्द नहीं आ रही है। मुझे जाने दो ।
సుచరిత: సరే మీ ఇష్టం.	तुम्हारी इच्छा ।

शब्दार्थ

తొందరగా	शीघ्र	ఇంత	इतना
ధైర్యంగా	धीरज से	ఎక్కుతున్నాడు	चढ़ रहा है
హీరో	हीरो, कथानायक	ఎక్కాలి	चढ़ना है, चढ़ना पड़ता है
నదులు	नदियाँ	దాటాలి	पार करना है
అసాధ్యం	असंभव	మరీనూ	और भी
నడుస్తున్నది	चल रहा है	ఊరికే	यों ही
మాట్లాడకండి	बात मत कीजिए	చూడనివ్వు	देखने दो
పులి	बाघ, शेर	భయంకరంగా	भयानक रूप से
అమ్మో	बाप रे बाप	వేస్తున్నది	लग रहा है
భయపడకు	डरो मत	మనవాడు	हमारा लड़का
వైపు	की तरफ	వెళ్ళడం లేదులే	नहीं जा रहा है।
నుంచి	से	దూకుతున్నాడు	छलांग मार रहा है ।
తప్పకుండా	अवश्य, निश्चय ही	డూపే	अभिनेता का नकली होना
చూస్తున్నాను	देख रहा हूँ	కష్టపడుతున్నాడు	कष्ट उठा रहा है
విలన్	(कथा में) प्रतिनायक, खलनायक	స్థావరం	अड्डा
దానిలో	उस में	రక్షించడానికి	बचाने के लिए
సాహసం	हिम्मत, साहस	చేస్తున్నాడు	कर रहा है
అచ్చం	ठीक	-లాగా	जैसे
ఖర్మ	दुर्भाग्य	అయినా	फिर भी
పోలిక	रूप में समानता, तुलना	చదువుతున్నాడు	पढ़ रहा है
గూండాలు	गुंडे	కొడుతున్నాడు	पीट रहा है
పిచ్చి	पागल	దెబ్బలు	घूँसे
తింటున్నారు	खा रहे हैं	తగలడంలేదు	नहीं लग रहा है
సరిగ్గా	ठीक है	సమయానికి	समय पर

వార్తలు	समाचार	వస్తున్నాయి	आ रहे हैं
పనిచేస్తున్నది	काम कर रही है	ముగుస్తున్నాయి	खतम हो रहा है
ముగియుట	खतम होना, समाप्त होना	మళ్ళీ	फिर से
ప్రారంభం	शुरु, आरम्भ	కలవడానికి	मिलने के लिए
లెద్దూ	छोड़ दो	చేస్తున్న	जो किया जा रहा है, वह
నటన	अभिनय	నచ్చడంలేదు	पसंद नहीं आ रहा है
వెళ్ళనివ్వు	जाने दो		

अभ्यास

I. कोष्ठक में दिए गए शब्दों का सही प्रयोग करके निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ఉదా: హీరో ఏం చేస్తున్నాడు? [కొండ - ఎక్కు]
హీరో కొండ ఎక్కుతున్నాడు

1. అతను ఏం చేస్తున్నాడు? [కొండ మీద నుంచి - దూకు]
2. తమ్ముడు ఏం చేస్తున్నాడు? [ఎం.బి.ఏ - చదువు]
3. గూండాలు ఏం చేస్తున్నారు? [దెబ్బలు - తిను]
4. ఆమె ఏం చేస్తున్నది? [పాట - పాడు]
5. రాకేష్ ఏం చేస్తున్నాడు? [సైకిల్ - తొక్కు]

II. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित हर एक प्रश्न के दो दो उत्तर दीजिए।

ఉదా: ప్రకాష్ సినిమా చూస్తున్నాడా? [అవును/లేదు]
1. అవును ప్రకాష్ సినిమా చూస్తున్నాడు.
2. లేదు. ప్రకాష్ సినిమా చూడడం లేదు.

1. హీరో పులి వైపు వెళుతున్నాడా?
2. హీరోకి దెబ్బలు తగులుతున్నాయా?
3. సుజాతకు సినిమా నచ్చుతున్నదా?
4. పాండేగారు ఫలహారం తింటున్నారా?
5. రమ డాన్స్ చేస్తున్నదా?

III. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों को वाक्यांशों में बदलिए।

. ఉదా: హీరో దూకుతున్నాడు.

దూకుతున్న హీరో

1. ఆవిడ చదువుతున్నది.
2. కథ జరుగుతున్నది.
3. అతను వస్తున్నాడు.
4. విలన్ దెబ్బలు తింటున్నాడు.
5. రైలు వెళుతున్నది.
6. లలిత సినిమా చూస్తున్నది.

IV. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों को फिर से बनाइए।

ఉదా: నేను వెళ్ళాలి

నన్ను వెళ్ళనివ్వు.

1. నేను చూడాలి
2. నేను పాడాలి
3. నేను కొనాలి
4. నేను చేయాలి
5. నేను తినాలి.
6. నేను నడవాలి.

V. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए हुए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए ।

1. ఇంత <u>ధైర్యంగా</u> ఆ కొండ ఎక్కుతున్నాడు [సులభంగా/ఆలస్యంగా/తొందరగా]
2. అక్కడ <u>కథ</u> నడుస్తున్నది [డూప్/హీరో/సినిమా]
3. అలా <u>అల్లరి</u> చేయకండి [సాహసం/భయం/అందం]
4. వాడు <u>కలకత్తా</u>లో ఎం.బి.ఏ. చదువుతున్నాడు [గది/బ్యాంకు/అహమ్మదాబాద్]
5. సరిగ్గా సమయానికి <u>వార్తలు</u> వస్తున్నాయే [గూండాలు/నీళ్ళు/కొండలు]

VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. హీరో కదా ________ దాటాలి
2. అమ్మో నాకు __________ వేస్తున్నది
3. మనవాడు ఆ పులి __________ వెళ్ళడం లేదులే
4. హీరో ఇప్పుడు కొండ మీద__________ దూకుతున్నాడు.
5. ఎందుకు వీడు ఇంత ...... పడుతున్నాడు.

(కష్ట ధైర్యం వైపు చెట్టు నుంచి ఫలహారం భయం నదులు)

VII. कोष्ठक में दिए गए हिन्दी शब्दों के समान तेलुगु शब्दों का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए।

1. కొండ కింద విలన్ __________ (अड्डा) ఉన్నది.
2. వాడు __________ (ठीक) మీ తమ్ముడులాగా ఉన్నాడు.
3. ఈ __________ (समाचार) చదువుతున్న ఆవిడ నాకు తెలుసు.
4. మళ్ళీ ఈ సినిమా ________ (शुरु) అయింది.
5. వాళ్ళు చేస్తున్న ________ (अभिनय) నాకు నచ్చడం లేదు.

VIII. `क' समूह के शब्दों को `ख' के वाक्यों से ठीक प्रकार जोड़िए।

`क'	`ख'
ఆమె	సినిమా ఆసక్తిగా చూస్తున్నాను.
వాడు	దెబ్బలు తింటున్నారు.
పులి	పుస్తకం చదువుతున్నది.
వాళ్ళు	కొండ ఎక్కుతున్నాడు.
నేను	భయంకరంగా ఉన్నది.

IX. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. హీరో అయితే ఏం చేయాలి?
2. సుచరితకు ఎందుకు భయంవేసింది?
3. హీరో ఎందుకు కష్టపడుతున్నాడు?
4. విలన్ పక్కన ఉన్నవాడు సుచరిత తమ్ముడా?
5. ప్రకాష్‌కు సినిమా నచ్చిందా?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में क्रिया के वर्तमानकालिक रूप का परिचय दिया गया है । तेलुगु में क्रिया के निम्नलिखित रूपों को वर्तमानकालिक रूप कहते हैं ।

నేను ఎక్కుతున్నాను   मैं चढ़ रहा हूँ ।

మేము ఎక్కుతున్నాము	हम चढ़ रहे हैं ।
నువ్వు ఎక్కుతున్నావు	तुम चढ़ रहे हो ।
మీరు ఎక్కుతున్నారు	तुम लोग चढ़ रहे हो ।

2. क्रिया का वर्तमान कालिक रूप निम्नलिखित पद्धति से बनता है। क्रिया का मूल रूप + తూ + ఉండు का (अन्विति के अनुसार) रूप = वर्तमान कालिक रूप।

उदा :

1. ఎక్కు+ తూ + ఉన్నాడు	=	ఎక్కుతున్నాడు	वह चढ़ रहा है ।
దాటు+తూ + ఉన్నాడు	=	దాటుతున్నాడు	वह पार कर रहा है ।
2. నడు + తూ + ఉన్నాడు			
నడు + స్+తూ+ఉన్నాడు	=	నడుస్తున్నాడు	वह चल रहा है ।
3. చూడు + తూ+ఉన్నాడు			
చూస్ + తూ +ఉన్నాడు	=	చూస్తున్నాడు	वह देख रहा है ।
4. రక్షించు + తూ + ఉన్నాడు			
రక్షిస్+తూ+ఉన్నాడు	=	రక్షిస్తున్నాడు	वह रक्षा कर रहा है ।
5. కొట్టు+తూ+ఉన్నాడు			
కొడు+తూ+ఉన్నాడు	=	కొడుతున్నాడు.	वह मार रहा है ।
6. రా+తూ+ఉన్నాడు			
వస్+తూ+ఉన్నాడు	=	వస్తున్నాడు.	वह आ रहा है ।
7. చెయ్యి+తూ+ఉన్నాడు			
చేస్+తూ+ఉన్నాడు	=	చేస్తున్నాడు.	वह कर रहा है ।

इस बात पर भी ध्यान दिया जाये कि वर्तमान कालिक रूप बनाते समय తూ का తు हो जाता है ।

3. वर्तमान कालिक रूप में ఉండు के वर्तमानकालिक रूपों की विभिन्न संदर्भों में अन्विति पाठ तीन में दिखाई जा चुकी है ।

4. वर्तमान कालिक रूप के निषेधार्थक रूप निम्नलिखित ढंग से बनाते हैं। क्रिया का संज्ञा रूप + లేదు.

उदा :

1. ఎక్కడం + లేదు = ఎక్కడం లేదు. वह चढ़ेगा नहीं ।
2. నడవడం + లేదు = నడవడం లేదు. वह चलेगा नहीं ।
3. చూడడం + లేదు = చూడడం లేదు. वह देखेगा नहीं ।
4. రక్షించడం + లేదు = రక్షించడం లేదు. वह रक्षा करेगा नहीं ।
5. కొట్టడం + లేదు = కొట్టడం లేదు. वह मारेगा नहीं ।
6. రావడం + లేదు = రావడం లేదు. वह आयेगा नहीं ।
7. చెయ్యడం + లేదు = చెయ్యడం లేదు. वह करेगा नहीं ।

इसका रूप अन्विति के अनुसार नहीं बदलता, सभी तरह के सर्वनाम व संज्ञाओं के साथ इसका रूप एक सा ही होता है ।

5. वर्तमान कालिक रूप के विशेषणात्मक रूप निम्नलिखित तरह से बनते है ।:-

क्रिया का मूल रूप + తూ + ఉన్న

क्रिया के मूल रूप में आनेवाले बदलाव को संज्ञा के उदाहरणों में देखा जा सकता है ।

यहाँ इस बात पर ध्यान दिया जाये कि ఉన్న, ఉండు (उन्न, उंडु) का विशेषणात्मक रूप है और उसका रूप अन्विति के अनुसार नहीं बदलता ।

उदा :- వెళుతున్న అబ్బాయి = जो जा रहा है वह लड़का ।

వెళుతున్న పిల్లలు = जो जा रहे हैं वे बच्चे ।

వెళుతున్న అమ్మాయి = जो जा रही है वह लड़की ।

6. इस पाठ में వెళ్ళనివ్వు = जाने दो వెళ్ళనివ్వండి = जाने दीजिए

చూడనివ్వు = देखने दो చూడనివ్వండి = देखने दीजिए

जैसे प्रयोगों का भी परिचय दिया गया है।

`అ' से आरम्म होनेवाले प्रत्यय అనివ్వు के साथ जोड़े जाने के संदर्भ में क्रि. व.रू. में जो बदलाव आता है उसी तरह का बदलाव आप पाठ (4) और पाठ (5) में -అలి, -అడం को जोड़ते समय सीख चुके हैं ।

పాఠం 8
पाठ 8

	ఒకరోజు క్రికెట్	एक दिवसीय क्रिकेट मैच
రవి :	టైం ఎంత అయిందిరా రాజూ?	राजू टाइम क्या हुआ है ?
రాజు :	తొమ్మిదింబావు.	सवा नौ ।
రవి :	అయితే ఇంకొక అరగంటలో మ్యాచ్ ప్రారంభం అవుతుంది.	तो अभी आधे घण्टे में मैच शुरु होनेवाला है।
రాజు :	సాధారణంగా మ్యాచ్ సమయానికే మొదలవుతుంది.	वैसे तो मैच टाइम से ही शुरु हो जाता है।
రవి :	రాజూ! ఈ రోజు ఓపెనర్స్‌గా ఎవరు వస్తారు? శ్రీకాంత్ వస్తాడా? రాడా?	आज ओपनिंग कौन कौन कर रहा है? श्रीकान्त आयेगा या नहीं ?
రాజు :	ఎప్పుడూ శ్రీకాంతే ఓపెనర్‌గా వస్తాడు కదా. రెండవ ఓపెనర్స్‌లో తప్పకుండా ఉంటాడు.	हाँ - श्रीकान्त ही तो हमेशा ओपनिंग करता है ना ! दूसरे ओपनर के बारे में मैं नहीं जानता। मगर श्रीकान्त तो ओपनिंग करेगा ही।
రవి :	అదిగో శ్రీకాంత్, మంజ్రేకర్ వస్తున్నారు. ఇవ్వాళ మనమే గెలుస్తామా?!	वह देखो, श्रीकान्त और मंजरेकर आ रहे हैं। आज हम ही जीतेंगे क्या ?
రాజు :	అదంతా ఇప్పుడెందుకురా. ఊరికే మాట్లాడకు. మ్యాచ్ చూడు.	हारजीत की बात अभी से क्यों ? बिना बात की बात मत करो। मैच देखो ।
రవి :	మేం అయితే మా ఊళ్ళో మ్యాచ్ ప్రారంభంలోనే పందాలు కాస్తాం.	हम तो अपने गाँव में मैच के आरम्भ में ही शर्त लगा लेते हैं ।
రాజు :	అవన్నీ మీ ఊళ్ళో చేద్దువు కాని. ఇక్కడ మాత్రం ఊరుకో. అదిగో చూడు బంతి సరిగ్గా బౌండరీ మీద పడుతున్నది. అంపైర్ సిక్సర్ ఇస్తాడో!? ఇవ్వడో!?	वह सब तुम्हारे गाँव में चलता है। यहाँ अभी चुप बैठो। वह देखो। वाह ! गेंद ठीक बाउंड्री पर गिर रही है। अम्पायर छक्का देगा कि नहीं।

రవి :	ఆ! అంపైర్ చేతులు రెండూ పైకెత్తుతున్నాడు. అమ్మయ్య అది సిక్సరే ఈ శ్రీకాంత్ ఇంక జాగ్రత్తగా ఉండాలి. వెంటనే క్యాచ్ ఇస్తాడో ఏమో!?	अम्पायर दोनों हाथ उठा रहा है। शुक्र है भगवान का। छक्का ही है। पर श्रीकान्त को अब ज़रा संभाल के खेलना होगा। कहीं कैच न दे दे।
రాజు :	ఒరేయ్! అపశకున పక్షీ, నువ్వు కాస్సేపు నోరు మూస్తావా మూయవా? ఇట్లాగే వాగుతూ ఉండు. నేను చెంపలు వాయిస్తాను.	अबे मनहूस ! तू कुछ देर केलिए अपना मुँह बन्द करेगा या नहीं ? ऐसे ही बक बक करते रहे तो एक झापड़ रसीद करूँगा।
రవి :	నేను అలా వెళ్ళి మన కోసం ఐస్‌క్రీమ్స్, ఛిప్స్ అవీ తెస్తాను. నువ్వూ రాకూడదూ?	मैं वहाँ जाकर अपने लिए आइसक्रीम और चिप्स वगैरा लेकर आता हूँ। तुम भी चलो न।
రాజు :	నేను రానులే. నువ్వు వెళ్ళు.	नहीं मैं नहीं आता - तू जा।

* * * *

రాజు :	లంచ్ టైం అవుతున్నది, ఇప్పుడా వస్తున్నావు?	लंच होनेवाला है - अब आ रहा है तू।
రవి :	ఆట మాంచి రసపట్టులో ఉన్నది కదా! అక్కడే నిల్చున్నాను. మన వాళ్ళు త్వరగా ఔట్ అవుతున్నారు. కాని రన్ రేట్ వేగంగానే పెరుగుతున్నది.	मैच बड़ा रोमांचक हो रहा है। इसलिए मैं वही देख रहा हूँ। हमारे खिलाड़ी जल्दी जल्दी आउट हो रहे हैं। पर रन संख्या तेज़ी से बढ़ रही है।
రాజు :	వీళ్ళిద్దరూ చెరో పది పరుగులూ తప్పక తీస్తారు. కనుక బలమైన స్కోరు అవుతుంది. గెలిచే అవకాశాలు ఉంటాయి.	ये दोनों निश्चय ही दस दस रन और बना लेंगे फिर तो हमारा स्कोर काफी मज़बूत हो जायेगा। जीतने की सम्भावनाएँ हैं।
రవి :	నేను చెప్పానా? ఈ రేటులో స్కోరు రెండు వందలయాభై కంటే ఎక్కువ కాదు. మధ్యాహ్నం వాళ్ళు రెండు వందల యాభై చేయడం కష్టం కాదు.	मैंने कहा ना इस गति से तो स्कोर दो सौ पचास से अधिक नहीं हो सकेगा। दोपहर में दूसरी टीम केलिए दो सौ पचास रन बनाना कोई मुश्किल नहीं होगा।
రాజు :	లోగీ ఆ దెబ్బతో బాధపడుతున్నాడు కదా. వాళ్ళల్లో బాగా ఫీల్డింగ్ చేసేవాడు ఇతనే. మధ్యాహ్నం బ్యాట్స్‌మెన్‌లలో అతడు ఉండడు.	लोगी को वह चोट बहुत तकलीफ दे रही है। दोपहर बल्लेबाजी में वह नहीं रहेगा।

రవి : ఏం కాదు. విశ్రాంతికి సమయం ఉన్నది కదా! అతను మధ్యాహ్నం ఆడవచ్చు కూడా!	ऐसी बात नहीं है। लंच का समय है। वह उसके बाद खेलने लायक हो जायेगा।
రాజు : ఆ! సరే అందరూ లంచ్‌కి వెళుతున్నారు. మన వాళ్ళు బౌలింగ్ ఎలా చేస్తారో చూద్దాం. ఈ లోగా కాంటిన్‌కి వెళదాం రా. మళ్ళీ రెండున్నర గంటలకు మ్యాచ్ ప్రారంభం అవుతుంది.	ठीक है। अब सब लोग लंच के लिए जा रहे हैं। हमारे खिलाड़ी कैसी बॉलिंग करते है - देखेंगे। चल तब तक हम कैन्टीन हो आयें। ढाई बज़े फिर मैच शुरु होगा।

* * * *

రవి : వీళ్ళు త్వరగానే ఔట్ అవుతున్నారు. ఆ వచ్చే బ్యాట్స్ మెన్ ఎవర్రా రాజూ?	अरे ये लोग तो जल्दी जल्दी आउट हो रहे हैं। वह बल्ले बाज़ जो आ रहा है - वह कौन है राजू ?
రాజు : అతను కెన్ రూథర్ ఫర్డ్. మంచి బ్యాట్స్ మెన్. మన అజహరుద్దీన్ లాగా ఆడతాడు. ప్రపంచం లోనే ధాటిగా బ్యాటింగ్ చేసే ఆటగాళ్ళలో ఒకడు.	ये रूथरफर्ड है। वह तो अच्छा बल्लेबाज है। यह हमारे अज़रुद्दीन की तरह खेलता है। यह विश्व के धुआँधार बल्लेबाजों में गिना जाता है।
రవి : అప్పుడే సగం ఓవర్లు ముగుస్తున్నాయి. ఇంకా వీళ్ళు వంద పరుగులు కూడా చేయలేక పోతు న్నారు. మిగతా వాళ్ళు నూట అరవై పరుగులు ఇంకా మిగిలిన ఓవర్లలో చేర్చక పోవచ్చు.	आधे ओवर तो खतम हो रहे हैं। ये लोग अभी सौ रन तक भी नहीं पहुँचे हैं। बाकी के सौ रन ये बचे हुए आधे ओवरों में नहीं बना पायेंगे।
రాజు : నువ్వు అప్పుడే మాట మారుస్తున్నావు. ఇందాకటి అంచనా ఏమైంది?	तुम अपनी बात बदल रहे हो। तेरे पहले अन्दाज़े का क्या हुआ ?
రవి : ఊరికే మాట వరుసకు అంటాం కాని. నాకు కూడా మనవాళ్ళ గెలుపే కావాలి కదా. మొత్తం మీద ఈ రోజు వీళ్ళు గెలవక పోవచ్చు.	वह तो मैं ऐसे ही कहने के लिए कह रहा था। मैं अपने ही लोगों की जीत चाहता हूँ। आखिर में ये लोग नहीं जीत पायेंगे।
రాజు : ఏమో చెప్పలేం. ఒక రోజు క్రికెట్‌లో ఫలితాలు చాలా అనిశ్చితంగా ఉంటాయి. చూద్దాం ఏం జరుగుతుందో!?	कुछ कहा नहीं जा सकता। एक दिवसीय क्रिकेट का नतीजा विचित्र ही होता है। देखते हैं क्या होता है ।

शब्दार्थ

అయింది	हुआ है	తొమ్మిదింబావు	सवा नौ
అరగంట	आधा घंटा	అవుతుంది	होनेवाला है
సాధారణంగా	सामान्यतः	వస్తారు(డు)	आते हैं, आता है
వస్తాడా! రాడా!	आएगा या नहीं	ఎప్పుడూ	सदा, हमेशा
ఉంటాడు	रहेगा	వస్తున్నారు	आ रहे है
ఇవ్వాళ	आज	గెలుస్తామా	जीतेंगे क्या ?
ఊళ్ళో	गाँव में	పందాలు	शर्तें
కాస్తాం	लगा लेते हैं	చేద్దువుకాని	कर सकते हो, अब तो
ఊరుకో	चुप रहो	బంతి	गेंद
పడుతున్నది	गिर रही है	చేతులు	हाथ
పైకి	ऊपर की तरफ	ఎత్తుతున్నాడు	उठा रहा है
అమ్మయ్య	शुक्र है भगवान का	అపశకునం	अशुभ सूचक
పక్షి	पक्षी	మూస్తావా, మూయవా	बंद करोगे या नहीं
మూయి	बंद करो	ఇట్లాగే	इसी तरह
వాగుతూ ఉండు	बकवास मत करो	చెంపలు వాయిస్తాను	थप्पड़ मारूँगा
అవీ	वे (वगैरह)	తెస్తాను	लाऊँगा
రాకూడదూ?	आओगे ?	రానులే	नहीं आऊँगा
ఇప్పుడా	अब क्या ?	వస్తున్నావు	अभी आ रहे हो ?
మాంచి	अच्छा	రసపట్టు	रोमांच
నిల్చున్నాను	खड़ा रहा था	వేగంగానే	तेज़ी से
పెరుగుతున్నది	बढ़ रही है	చెరో	हर एक
పరుగులు	रन, दौड़ (क्रिकेट के संदर्भ में)	తప్పక	अवश्य
		బలమైన	मज़बूत
తీస్తారు	ले सकते हैं (कर सकते हैं)	అవకాశాలు	मौके
		ఉంటాయి	होते है

రెండు వందల యాభై	दो सौ पचास	చెప్పనా	कहूँ
మధ్యాహ్నం	दोपहर	కష్టం	नामुमकिन
బాధపడు	तक़लीफ	చేసేవాడు	करनेवाला
ఉండదు	नहीं होता है	విశ్రాంతి	विश्राम, दोपहर का भोजन
ఆడవచ్చు	खेल सकता है	వెళుతున్నారు	जा रहे हैं
చేస్తారో	करेंगे, इस बात को	చూద్దాం	देखेंगे
ఈలోగా	इतने में, इसी बीच	వెళదాం	जाएँ
రెండున్నర గంటలకు	ढाई बजे	వచ్చే	आने वाला
ఆడతాడు	खेलेगा	చేసే	करने वाले
ఆటగాళ్ళు	खिलाड़ी	ఒకడు	एक
అప్పుడే	तभी	సగం	आधा
వంద	सौ	చేయలేక పోతున్నారు	कर नहीं पा रहे हैं
మిగతావాళ్ళు	बाकी के लोग	నూటఅరవై	एक सौ साठ
మిగిలిన	बाकी के	చేర్చకపోవచ్చు	नहीं जोड़ते होंगे
మాట మారు స్తున్నావు	बात बदल रहे हो	మార్చు	बदलना
ఇందాకటి	इससे पहले की	అంచనా	अंदाज़ा
మాటవరసకు	बातों ही बातों में	అంటాం	कहते हैं
మొత్తం మీద	कुल मिलाकर	గెలవకపోవచ్చు	नहीं जीतते होंगे
చెప్పలేం	नहीं कह सकते हैं	ఫలితాలు	नतीजा
అనిశ్చితంగా	अनिश्चित	జరుగుతుందో	(क्या) होगा

अभ्यास

I. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(1). ఉదా: మ్యాచ్ ఎన్నింటికి ప్రారంభం అవుతుంది?

మ్యాచ్ అరగంటలో ప్రారంభం అవుతుంది.

1. ఆ క్రీడాకారుడు ఎప్పుడు వస్తాడు?
2. శ్రీకాంతే ఓపెనర్‌గా వస్తాడా?
3. మనమే గెలుస్తామా?
4. అంపైర్ సిక్సర్ ఇస్తాడో? ఇవ్వడో?
5. క్యాంటిన్ నుంచి ఏం తెస్తావు?
6. లోగి ఆడతాడా?

[ఇడ్లీ తెస్తాను గెలుస్తాం వస్తాడు మాటవరస ఆడుతాడు అరగంటలో ఫలితాలు అంచనా]

(2). ఉదా: అంపైర్ సిక్సర్ ఇస్తాడా?
అంపైర్ సిక్సర్ ఇవ్వకపోవచ్చు.

1. మనజట్టు గెలుస్తుందా?
2. ఆట సమయానికే మొదలవుతుందా?
3. శ్రీకాంత్ ఓపెనర్‌గా వస్తాడా?
4. లోగీ ఆడతాడా?
5. లోగీ జట్టు వాళ్ళు గెలుస్తారా?

[ఆడక పోక గెలవక మాట్లాడక నడవక ఇవ్వక మొదలవ్వక పాడక]

II. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए।

1. నువ్వు కాస్సేపు నోరు మూస్తావా? మూయవా? [కొంచెం/ ఎంత/ఇంత]
2. ఇంకొక అరగంటలో మ్యాచ్ ప్రారంభం అవుతుంది. [ఆలస్యం/ముగుస్తుంది/మొదలు]
3. అందరూ లంచ్‌కి వెళుతున్నారు. [దూకు/వస్తు/ఎక్కు]
4. మేము అయితే మ్యాచ్ ప్రారంభంలోనే పందాలు కాస్తాం. [వేస్తాం/చూస్తాం/చేస్తాం]
5. ఇప్పుడా తెస్తున్నావు! [వాగకు/చేయకు/వస్తు]

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. అవన్నీ మీ ______________ చేద్దువుగాని.
2. అదిగో చూడు ________ సరిగ్గా బౌండరీ __________ పడుతున్నది.

3. అంపైర్ ______________ రెండూ పైకెత్తుతున్నాడు.
4. ఆట __________ రస __________లో ఉన్నది.
5. వీళ్ళిద్దరూ చెరో ___________ పరుగులు తప్పక __________.

[తీస్తారు పట్టు చేతులు పడి బంతి ఊళ్ళో మంచి మీద]

IV. कोष्ठक में दिए गए हिन्दी शब्दों के समान तेलुगु शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे कीजिए।

1. మా ఊళ్ళో మ్యాచ్ ప్రారంభంలోనే ____________(शर्त) కాస్తాం.
2. అదిగో చూడు ___________(गेंद) సరిగ్గా బౌండరీ మీద పడుతున్నది.
3. నువ్వు కాస్సేపు __________(मुँह) మూస్తావా? మూయవా?
4. ______________(खेल) మాంచి రసపట్టులో ఉన్నది.
5. అతను _____________(विश्राम) తర్వాత ఆడవచ్చు.

VI. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ఓపెనర్స్‌గా ఎవరు వచ్చారు?
2. శ్రీకాంత్ బాలుకు అంపైర్ సిక్సర్ ఇచ్చాడా?
3. ఆట ఎలా ఉన్నది?
4. కెన్ రూథర్ ఫర్డ్ ఎవరు?
5. ఒక రోజు క్రికెట్ ఫలితాలు ఎలా ఉంటాయి?

VI. `क' समूह के शब्दों को `ख' के वाक्यों से ठीक प्रकार जोड़िए।

`क'	`ख'
బంతి	వస్తున్నావు!
మ్యాచ్	బ్యాట్స్‌మెన్ ఎవరు?
ఇప్పుడా	ఏం జరుగుతుందో?
చూద్దాం	బౌండరీ మీద పడుతున్నది.
వచ్చే	గెలుస్తాం.

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में क्रिया के सामान्य वर्तमान कालिक रूपों का परिचय दिया गया है।

వస్తాడు	=	आता है
చూస్తాడు	=	देखता है
వస్తాను	=	आता हूँ
చూస్తాను	=	देखता हूँ

2. तेलुगु में सामान्य वर्तमान कालिक रूपों के दो अर्थ होते हैं। उदा:

1) धर्म, लक्षण, स्वभाव या आदत । जैसे कि మూర్తి బాగా ఆడతాడు मूर्ति खूब खेलता है ।
మేము పందాలు కాస్తాం हम शर्तें लगा लेते हैं ।

2) भविष्यत काल में क्रिया (काम) का होना या चलना, जैसे నేను రేపు వస్తాను मैं कल आऊँगा।
నువ్వు రేపు వస్తావు तुम कल आओगे।

3. सामान्य वर्तमान कालिक रूप निम्नलिखित प्रकार से बनते हैं ।
क्रिया का मूल रूप + తా + अन्विति के अनुसार -ను प्रत्यय ।

నేను వస్తాను	मैं आता हूँ	మేము వస్తాం	हम आते हैं ।
నువ్వు వస్తావు	तुम आते हो	మీరు వస్తారు	तुम आते हो ।
అతను వస్తాడు	वह आता है		
*ఆమె వస్తుంది	वह आती है	వాళ్ళు వస్తారు	वे आती हैं ।
*అది వస్తుంది	वह आता (ती) है	అవి వస్తాయి	वे आते हैं । (मनुष्येतर)

देखा जाये कि * नक्षत्रांकित रुप यानि स्त्रीवाचक का एकवचन रुप और मनुष्येतर वाचक का एकवचन रुपबनाने में ऊपर बनाए गए -తా का తుం हो जाता है। और मनुष्येतर बहुवचन रूपमें -వి का - యి हो जाता है।

4. सामान्य वर्तमान कालिक रूप का निषेधार्थक रुप निम्नलिखित पद्धति से बनता है ।
क्रिया का मूल रुप + అ + अन्विति के अनुसार ను आदि
उदा :

అనుకో + అ + ను = అనుకోను
రా + అ + ను = రాను
తే + అ + ను = తేను

-అ के साथ जोड़े जाने पर क्रिया के मूल रुप में आनेवाले परिवर्तनों को पाठ (4) और पाठ (5) में बताया गया है । उसे देख लिया जाये । इस बात पर ध्यान दिया जाये कि ऊपर बताये गये అనుకో, రా, తే जैसे क्रियाओं के संदर्भ पाठ (4) व पाठ (5) में बताये गये साधारण नियमों का अपवाद है । अन्विति के अनुसार जोड़े जानेवाले ను आदि के रूप में भी पाठ (2) में बताये गये नियमों के कुछ अपवाद होते हैं। निम्नलिखित सूची में देखिए।

నేను రాను	मैं नहीं आता (हूँ)।	మేము రాము	हम नहीं आते (हैं)।
నువ్వు రావు	तुम नहीं आते (हो)।	మీరు రారు	तुम नहीं आते (हो)।
అతను రాడు	वह नहीं आता (है)।	వాళ్ళు రారు	वे नहीं आते (हैं)।*
*ఆమె రాదు	वह नहीं आती (है)।		(मनुष्य)
* అది రాదు	वह नहीं आता (ती) (है)।	అవిరావు	वे नहीं आते (हैं)।
			(मनुष्येतर)

ध्यान रखिए कि नक्षत्रांकित रूप पाठ (2) में दिये गये (अन्विति) नियमोंके अपवाद हैं । इन रुपोंमें -ది का -దు और -వి का -వు हो गया है।

5. इस पाठ में -

అతడు రేపు రావచ్చు.	वह (पुरुष) कल आ सकता है ।
ఆమె ఇప్పుడు రాకపోవచ్చు.	उसके (स्त्री) अब आने की संभावना नहीं है ।

जैसे संभाव्य भविष्यतकाल के रुपों का भी परिचय दिया गया है । संभाव्य भविष्यत काल का रुप और उसका निषेधात्मक रुप क्रमशः निम्नलिखित ढंग से बनते है ।

क्रिया का मूल रुप + అవచ్చు

क्रिया का मूल रुप + అకపోవచ్చు

పాఠం पाठ 9

వ్యాపార రహస్యం — व्यापार का रहस्य

(వెంకట) రత్నం	: రంగయ్యా! ఆకొత్త గుమాస్తా బాలయ్యను పిలు.	रंगाय्या - उस नये गुमाश्ते बालय्या रमण को बुलाओ।
రంగయ్య	: అలాగేనండి!	अच्छा साहब।
బాల(య్య):	అయ్యా! తమరు పిలిచారట.	साहब - क्या आपने मुझे बुलाया था।
రత్నం	: ఔను బాలయ్యా! ఇందాక పాండేగారి భార్య కూరగాయలు ఏమేమి కొన్నారు? బెండకాయలు ఎంతకి ఇచ్చావు?	हाँ बालय्या। अभी पांडेजी की पत्नी क्या क्या सब्जियाँ खरीद कर ले गईं? उन्हें भिंडी क्या भाव दी ?
బాల	: ఆవిడ బెండకాయలూ, వంకాయలూ, చిక్కుడు కాయలూ, ఉల్లిపాయలూ, మిరపకాయలూ, కరివేపాకు, కొత్తిమీర తీసుకొన్నారండి. ఆవిడ ముందు కిలో బెండ కాయలు అడిగారండి.బెండ కాయలు నాలుగున్నర రూపాయలకు ఒక కిలో చొప్పున అమ్మాలి కదండీ! ఆవిడ మూడున్నరకి అడిగారండి. నేను ఇవ్వలేదండి. అప్పుడు ఆవిడ పావుకిలో తీసుకున్నారండి. నేను ఒక రూపాయి పది పైసలకి పావుకిలో ఇచ్చానండి.	उन्होंने कुछ भिंडी, बैगन, फलियाँ प्याज़, मिर्ची, करी पत्ता, धनिया वगैरह खरीदे। उन्होंने पहले मुझसे एक किलो भिंडी माँगी। भिंडी हम साढ़े चार रू. किलो बेच रहे हैं न ? उन्होंने साढ़े तीन रू. किलो देने के लिए कहा। मैंने नहीं दी। उन्होंने एक पाव भिंडी ले ली । मैंने एक रुपये दस पैसे की एक पाव भिंडी दे दी ।
రత్నం	: నాలుగున్నర రూపాయలో పావు భాగం ఎంత? దాదాపుగా ఒక రూపాయి పద	साढ़े चार रुपये किलो के हिसाब से एक पाव भिंडी कितने की होगी ? करीब १ रु.

మూడు పైసలు కదా. సరుకు తక్కువ తీసుకొంటున్నారు. కనుక మనం ఒకటింబావలా చెప్పవచ్చు. నిన్న చెప్పాను కదా! సరుకు తక్కువ తీసు కొన్న వాళ్ళకు ఎక్కువ ధరకి అమ్మాలి తెలిసిందా?

१३ पैसे की। है न ? हम एक रू. पच्चीस पैसे भी कह सकते हैं। जो ग्राहक थोड़ी मात्रा में ले रहे हैं उनके लिए दाम भी अधिक होगा - समझ गए न ?

బాలు : అలాగే నండీ !

जी हाँ ।

రత్నం : నువ్వు రేపటినుంచీ వెచ్చాలు చూసుకో.

कल से तुम यहाँ आटे दाल की दुकान पर बैठोगे।

బాల : అలాగేనండీ !

जी साहब ।

I I I I

రత్నం : బాలయ్యా! మొన్న లక్ష్మీపతిగారికి పదిగ్రాముల ఇంగువ తొమ్మిదీ ముప్పావలాకి ఇచ్చావా?

बालय्या! यहाँ आओ। क्या तुमने लक्ष्मी-पतिजी को दस ग्राम हींग नौ रुपये पचहत्तर पैसे के हिसाब से दी थी ?

బాల : ఔనండీ!

जी हाँ ।

రత్నం : ఎందుకు? పది గ్రాముల డబ్బా ఖరీదు పన్నులతో సహా తొమ్మిది రూపాయలా అరవైఐదు పైసలు కదా! పది పైసలు ఎక్కువకి ఎందుకు అమ్మావు?

क्यों ? दस ग्राम हींग की डिब्बी का दाम टैक्स समेत नौ रू. पैंसठ पैसे हैं। तुमने १० पैसे अधिक की क्यों बेची ?

బాల : ఆ డబ్బా మీద వాడు ఖరీదు తప్పు రాశాడండి. యాభై గ్రాముల ఇంగువ డబ్బామీద నలభై ఎనిమిది రూపాయలు ముద్రించాడండి. ఆ లెక్కన పది గ్రాములకి తొమ్మిది రూపాయల అరవై పైసలు అవుతుందండి. కానీ తక్కువ తీసుకుంటే ఎక్కువకి అమ్మాలి కదండీ. వాడు పొరపాటు చేశాడండి. అందువల్ల ఆ ముద్రించిన వాడు చేసిన పొరపాటును నేను సరిదిద్దానండి.

डिब्बे पर दाम गलत छपे हैं। ५० ग्राम के डिब्बे पर अड़तालीस रुपये दाम छपे हैं। इस हिसाब से दस ग्राम के दाम होंगे नौ रू. साठ पैसे। अगर कोई कम मात्रा में लेता है तो हम अधिक दाम लगाने हैं न ? डिब्बे पर दाम गलती से छपे हैं। मैं ने इस गलती को सुधार दिया है।

రత్నం : భలే దొరికావు కదయ్యా స్వామీ పరమానందయ్య శిష్యుడివి. ఇదిగో ఇప్పుడు చెబుతున్నాను విను. ఖరీదు ముద్రించిన డబ్బాలను ముద్రించిన ధరకే అమ్మాలి. ఇంగువా, సేమియాలూ, సాంబ్రాణి కడ్డీలూ, అప్పడాలూ, అగ్గిపెట్టెలూ లాంటి వస్తువులన్నీ సీలు చేసిన డబ్బాల్లో ఉంటాయి. వాటిని కంపెనీ నిర్ణయించిన ఖరీదుకే అమ్మాలి. బియ్యం, కందిపప్పూ, మినపప్పూ, జొన్నలూ, గోధుమలూ, బియ్యపిండి, గోధుమపిండీ, రవ్వలాంటి పదార్థాలు అన్నీ విడిగా మనమే అమ్ముతాం. ఇక్కడ మనం కొంత స్వతంత్రించవచ్చు. తెలిసిందా?

हे भगवान, यह परमानन्द का शिष्य मेरे पीछे कहाँ से पड़ गया ! अब कान खोलकर सुनो। जिन डिब्बों पर दाम छपे हैं उन्हें उतने ही दाम में बेचना है। जो माल डिब्बों में है जैसे - हींग, सेंवई, अगरबत्ती, पापड़, माचिस आदि उसे उस कम्पनी द्वारा निर्धारित दाम पर ही बेचना चाहिए। जो सामान खुला है जैसे - चावल, अरहर की दाल, मूँग की दाल, चने की दाल, और गेहूँ का आटा, सूजी आदि को हम अलग से बेच सकते हैं। इन चीज़ों का दाम थोड़ा इधर उधर हो सकता है।

బాల : మరి నూనెలండీ! అవి సీలు డబ్బాల్లోనూ విడిగా కూడా అమ్ముతాం కదా?

लेकिन तेल का क्या करना है ? यह तो खुला भी बिकता है और कनस्तर में भी।

రత్నం : అబ్బా! నీకు సవాలక్ష సందేహాలు, అన్నీ నీకు వివరంగా చెప్పాలి. సాధారణంగా సెనగ నూనె, కొబ్బరి నూనె, ఆముదంలాంటి నూనెలన్నీ విడిగా అమ్మేవే. అయితే కొన్ని కంపెనీలు కొబ్బరి నూనె, ఆముదం లాంటి నూనెలను సీలు వేసిన డబ్బాల్లో సరఫరా చేయడం మొదలు పెట్టాయి కదా. వాటిపై అచ్చు వేసిన ధరకే వాటిని అమ్మాలి. సరే అక్కడ గిరాకీలు వచ్చారు. వాళ్ళ పని చూడు.

हे भगवान तुम्हारे प्रश्नों का तो अन्त नहीं ? (सवा लाख प्रश्न है) तुम्हें तो छोटी सी छोटी बात भी समझानी पड़ती है। सामान्यतः मूँगफली का तेल, खोपरे का तेल, आरण्डी का तेल आदि खुले बिकते हैं। पर कुछ कम्पनियाँ यह तेल बन्द कनस्तरों में भी सप्लाई करती हैं । इन तेलों को कनस्तरों पर छपे दाम के अनुसार ही बेचना चाहिए। देखो उधर कुछ ग्राहक आये हैं, जाओ पूछो उन्हें क्या चाहिए ?

शब्दार्थ

గుమాస్తా	गुमाश्ता	పిలు	बुलाओ
అలాగే(నండి)	ठीक है	తమరు	आप
పిలిచారట	बुलाये	ఇందాక	कुछ देर पहले
కూరగాయలు	तरकारी	కొన్నారు	खरीदे
బెండకాయ(లు)	भिंडी	వంకాయలు	बैंगन
చిక్కుడు(కాయలు)	सेम	కరివేపాకు	मीठा नीम
కొత్తిమీర	धनिया	అడిగారు	पूछा
నాలుగున్నర	साढ़े चार	అమ్మాలి	बेचना है, बेचना चाहिए
మూడున్నర	साढ़े तीन	ఇవ్వలేదు	नहीं दिया
పావు	पाव	ఇచ్చు(ఇచ్చానండి)	दे दिया
భాగం	भाग, हिस्सा	ఎంత?	कितना
దాదాపుగా	लगभग	పదమూడు	तेरह
సరుకు	माल	ఒకటింబావలా	सवा एक रूपया
చెప్పవచ్చు	कह सकते हैं	నిన్న	कल (गुजरा हुआ)
చెప్పాను	कहा था	తెలిసిందా?	समझे हो क्या ?
వెచ్చాలు	पनसारी सामान	చూసుకో	देख लो
మొన్న	परसों (गुजरा हुआ)	ఇంగువ	हींग
ముప్పావలా	पचहत्तर पैसे	డబ్బా	कनस्तर, डिब्बा
ఖరీదు	भाव, दाम	పన్నులు	कर
అరవైఐదు	पैंसठ	అమ్మావు	बेचा है (तुमने)
తప్పు	गलत	రాశాడు	लिखा है
యాభై	पचास	నలభైఎనిమిది	अड़तालीस
ముద్రించాడు	छपा है	లెక్కన	हिसाब से
అరవై	साठ	పొరపాటు	भूल
చేశాడు	किया है	అందువల్ల	इसलिए
చేసిన	किया हुआ	సరిదిద్దు	सुधारना

దొరికావు	मिले हो	స్వామి	मालिक
శిష్యుడు	शिष्य	విను	सुनो
సేమియాలు	सेब	సాంబ్రాణి కడ్డీలు	अगरबत्तियाँ
అప్పడాలు	पापड़	అగ్గిపెట్టెలు	माचिस
వస్తువులు	चीजें	నిర్ణయించిన	निर्धारित
బియ్యం	चावल (बिना पका)	కందిపప్పు	तुअर की दाल
పెసరపప్పు	मूँग की दाल	సెనగపప్పు	चने की दाल
మినపప్పు	उड़द की दाल	జొన్నలు	ज्वार
గోధుమలు	गेहूँ	బియ్యపిండి	चावल का आटा
గోధుమపిండి	गेहूँ का आटा	రవ్వ	सूजी
విడిగా	अलग से	అమ్ముతాం	बेचते हैं
సవాలక్ష	सवालाख (अनेक)	స్వతంత్రించవచ్చు	स्वतंत्रता से कर सकते हैं ।
వివరంగా	विस्तार से		
సెనగనూనె	चना का तेल	కొబ్బరి	नारियल
ఆముదం	आरंडी का तेल	అమ్మేవి	बेचना
సరఫరా (చేయడం)	पहुँचाना	మొదలు (పెట్టాయి)	आरंभ किया है
అచ్చువేసిన	छपे हुए	గిరాకీలు	ग्राहक
వచ్చారు	आए हैं ।	పని	काम

अभ्यास

I. कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बढ़ाइए।

(1) ఉదా: [ఒకటింబావలా/ఆయన] చెప్పవచ్చు

ఒకటింబావలా చెప్పవచ్చు.

ఆయన ఒకటింబావలా చెప్పవచ్చు.

1. [బాలయ్యను/ఇక] పిలవచ్చు
2. [పొరపాటు/వాడు] చేయవచ్చు.
3. [రూపాయ/పదిపైసలకి/పావుకిలో] ఇవ్వవచ్చు.

4. [పదిగ్రాముల/ఇంగువ/తొమ్మిది రూపాయలకు] అమ్మవచ్చు.

5. [వస్తువులను/విడి/అమ్మకంలో/కొంత] స్వతంత్రించవచ్చు.

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करके निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ఇందాక వారు ఏం కొన్నారు? [కూరగాయలు]
2. బెండకాయలు ఎంతకీ ఇచ్చావు? [రూపాయి పదిపైసలు]
3. పదిగ్రాముల ఇంగువ ఎంతకి అమ్మావు? [రూ.9-60]
4. ఇంగువ డబ్బామీద ఏం ముద్రించాడు? [రు. 48.00]
5. కంపెనీ వారు ఏం చేశారు? [పొరపాటు]

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ఆవిడ ముందు కిలో ____________ కాయలు అడిగారండి
2. బెండకాయలు ____________ రూపాయలకు ఒక ____________ చొప్పున అమ్మాలి.
3. సరుకు ____________ తీసుకొంటున్నారు కనుక మనం ____________ చెప్పవచ్చు
4. నువ్వు ____________ నుంచీ ____________ చూసుకో
5. పదిగ్రాముల ఇంగువ తొమ్మిదీ ____________ కి ఇచ్చావా ?

[వెచ్చాలు ముప్పావలా రేపటి తక్కువ బెండ ఒకటింబావలా నాలుగున్నర కిలో]

IV. `क' तथा `ख' समूहों के शब्दों को ठीक प्रकार जोड़िए।

`क'	`ख'
కూరగాయలు	भूल
సరుకు	तेरह
ఇంగువ	तरकारी
పదమూడు	माल
పొరపాటు	हींग

V. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए।

1. బెండకాయలు ఎంతకి ఇచ్చావు ? [తెచ్చావు?/వచ్చావు?/వెళ్ళావు?]
2. ఆ డబ్బా మీద వాడు ఖరీదు తప్పు రాశాడు. [చేశాడు/చెప్పాడు/ముద్రించాడు]
3. వాళ్ళ పని చూడు. [వేసిన/సంగతి/చేసిన]
4. నువ్వు రేపటినుంచి వెచ్చాలు చూసుకో. [ఇంక/నిన్న/మొన్న]
5. ఖరీదు ముద్రించిన డబ్బాలను ముద్రించిన ధరకే అమ్మాలి.[వెచ్చాలు/కూరలను/వస్తువులను]

VI. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. బాలయ్య బెండకాయలను ఎంతకి అమ్మాడు?
2. వెంకటరత్నం బాలయ్యకు మొదటిసారి ఏమని సలహా ఇచ్చాడు?
3. బాలయ్య ఇంగువను ఎందుకు రు.9-60కు అమ్మాడు?
4. డబ్బాల్లోని వస్తువులను ఎలా అమ్మాలి?
5. నూనెలను ఎలా అమ్మాలి

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में వెళ్ళాడు `गया', వెళ్ళాను `गया'

   ఇచ్చాడు `दिया' ఇచ్చాను `दिया' जैसे सामान्य भूतकालिक रुपों का परिचय दिया गया है।

2. नीचे दी गई सूची से समझ लीजिए कि सामान्य भूतकालिक रूप कैसे बनते हैं।

నేను వెళ్ళాను.	मैं गया।	మేమువెళ్ళాము.	हम गये।
నువ్వు వెళ్ళావు.	तुम गये।	మీరు వెళ్ళారు.	तुम गये।
అతను వెళ్ళాడు.	वह गया।		
ఆమె వెళ్ళింది.	वह गयी।	వాళ్ళు వెళ్ళారు.	वे गये (यी)।
అది వెళ్ళింది.	वह गया (यी)।	అవి వెళ్ళాయి.	वे गये (यी)।

3. सामान्य भूतकालिक रूप के निषेधार्थक रुप निम्नलिखित ढंग से बनते हैं । क्रिया का भूत रुप + అ + లేదు रूप अन्विति के अनुसार नहीं बदलता ।

- అ जोड़े जानेवाले नियम के लिए पाठ (4), पाठ (5) और पाठ (8) देखे जा सकते है।

4. सामान्य भूतकालिक रूप के विशेषणात्मक रुप निम्नलिखित पद्धति से बनते हैं । क्रिया का मूल रुप + इన

उदा : వెళ్ళిన అబ్బాయి `जो लड़का गया वह'

వచ్చిన అమ్మాయి `जो लड़की आई वह'

इस बात पर ध्यान दीजिए जाये कि सामान्यतः वर्तमान तथा सामान्य भूतकाल में बननेवाले ये विशेषणात्मक रुप -इన से अन्त होते हैं और दोनों के निषेधात्मक भी एक ही ढंग से बनाया जा सकते हैं।

5. सामान्य भूत कालिक रूप का विशेषणात्मक रुप का निषेधात्मक रुप निम्नलिखित पद्धति से बनता है ।

क्रिया का मूल रुप + అని

उदा : వెళ్ళని అబ్బాయి `जो लड़का नहीं गया वह'

రాని అమ్మాయి `जो लड़की नहीं आयी वह'

-అ के साथ जोड़े जानेपर क्रिया के मूल रुप में होनेवाले परिवर्तन के बारे में पाठ (4) और पाठ (5) की टिप्पणियों की सहायता लीजिए।

6. इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाए कि ऊपर दिए गए भूतकालिक रुपोंका निषेधात्मक विशेषण रूप, वर्तमान काल और सामान्य वर्तमान कालिक के निषेधात्मक रूप एक से होते हैं - अर्थात दोनों के अन्त में -इన जोड़ा जाता है ।

नीचे दिए निषेधात्मक क्रिया विशेषण के रूप देखिए।

उदा : నడవని అబ్బాయి `जो लड़का नहीं चल रहा है वह', `न चलने वाला लड़का'

ఆడని అమ్మాయి `जो लड़की नहीं चलती वह', `न चलने वाली लड़की'

संदर्भ के अनुसार इस रुप का वर्तमान, सामान्य वर्तमान (भविष्यत्) या सामान्य भूतकालिक अर्थ लिया जा सकता है।

పాఠం 10
पाठ 10

బతుకు బతికించు

जियो और जीने दो

సుమ : నమస్కారమండి! నన్ను సుమన్ అంటారు. ఇక్కడ నేను ఒక అభివృద్ధి కార్యక్రమాల సమన్వయ సంస్థను నిర్వహిస్తున్నాను. మా సంస్థ పేరు కల్పతరువు.

नमस्ते भाई साहब। मुझे सुमन कहते हैं। यहाँ मैं एक समन्वयी संस्था को चला रहा हूँ जो विकास कार्यों में संलग्न है। हमारी संस्था का नाम है 'कल्प तरु'।

విద్యాధర్:ఓహో! అలాగా మీ సంస్థ కార్య క్రమాలేమిటి?

अच्छा। तुम्हारी संस्था के कार्यक्रम क्या क्या हैं ?

సుమన్ : బతుకు బతికించు. ఇది మా సూత్రం.

`जियो और जीने दो' यही हमारा मूल मंत्र है।

విద్యాధర్:మీ సూత్రం తమాషాగా ఉన్నదే? అది అంటే ఏమిటో మాకు కొంచెం వివరంగా చెబుతారా?

यह तो बड़ा अटपटा है । क्या आप इसके विषय में विस्तार से बतायेंगे ?

సుమన్ : అవును వినండి. కల్పతరువును రెండేళ్ళ కిందట విశాఖపట్నంలో స్థాపించాం. నెల కిందట మేము ఇక్కడ దాని శాఖను నెల కొల్పాం. దానిలో నవీన్, ప్రవీణ్ అనే ఇద్దరు యువకులు పని చేస్తున్నారు. ఇక్కడ ప్రభుత్వం ద్వారా కానీ, ఇతర సంస్థల ద్వారా కాని నడిచే ప్రజోపయోగ కార్యక్రమాలను మరింత చక్కగా విడిపించే ప్రయత్నం చేస్తాం. ఉదాహరణకు పోయిన సంవత్సరం ప్రపంచ బ్యాంకు ఈ ప్రాంతం లోని ఎత్తిపోతల పథ కాలకు రెండు వందల కోట్ల రూపాయల

जी हाँ सुनिए। कल्पतरू की स्थापना दो वर्ष पहले विशाखापट्टणम में हुई थी । एक महीने पहले हमने यहाँ भी एक शाखा खोली है। इसमें नवीन और प्रवीण नाम के दो युवक काम कर रहे हैं । यहाँ हम सरकार तथा अन्य संस्थाओं द्वारा चलाये जा रहे लोक कल्याण कार्यों को अधिक प्रभावशाली ढंग से चलाने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए गतवर्ष विश्व बैंक ने इस क्षेत्र में सिंचाई परियोजना के लिए दो सौ करोड़ रू. की धनराशि देने की घोषणा की थी। हमारी

సహాయం ప్రకటించింది. ఆ పథకాలను ఈ ప్రాంతంలో విజయ వంతంగా అమలు జరిగేలా చూసేందుకు మాసంస్థ ముందుకు వచ్చింది. ఈ పథకం గురించి రైతులకు వివరించాం. ప్రపంచ బ్యాంకు తదితర నిధులిచ్చే సంస్థలు మా ద్వారా రైతులకు పరికరాలు ఇప్పించాయి. ఇప్పుడు ఈ గ్రామంలోనే ఇరవై ఎత్తి పోతల పరికరాలు ఉన్నాయి.

संस्था ने आगे आकर इस बात का बीड़ा उठाया कि यह योजना इस क्षेत्र में सफलतापूर्वक कार्यन्वित हो। हमने किसानों को इस योजना के विषय में विस्तृत जानकारी दी। विश्व बैंक तथा अन्य सहायता देनेवाली एजेंसियों ने हमारे माध्यम से किसानों को सिंचाई उपकरण उपलब्ध करवाये। आज इस गाँव में सिंचाई के लिए बीस उपकरण हैं ।

విద్యాధర్: ఔను నిజమే! మీరు చేస్తున్నది చాలా మంచి పని. గొప్ప సంఘసేవ.

हाँ यह तो ठीक है। आप बढ़िया काम कर रहे हैं। महान समाज सेवा।

సుమన్ : అబ్బే! మాకు పూర్తి సంఘసేవ దృష్టి ఏమీ లేదండి. మేము ప్రతి ఫలం ఆశించకుండా ఏమీ పని చేయడం లేదు. నిధులు చేరాల్సిన చోటికి చేర్పించడం జరగాల్సిన పనిని జరిపించడం చేస్తూనే మేము మా పనికి తగిన ప్రతిఫలం తీసుకుంటాం. మొన్నటి పథకంలో పని చేసిన యువకులకు నెలకు నాలుగు వేల (రు.4,000/-) రూపాయల వేతనం ఇచ్చాం.

नहीं नहीं ऐसी कोई बात नहीं है । वास्तव में यह पूरी तरह समाज सेवा नहीं है - और अपने परिश्रम केलिए कुछ प्रतिफल बिना भी काम नहीं कर रहे हैं। हमारा कार्य यह देखना है कि धनराशि उचित हाथों में पहुँचे हैं और कार्य ठीक प्रकार से चले - इस केलिए हम उचित वेतन देते हैं। जिन लोगों ने पिछली योजना के अन्तर्गत कार्य किया था उन्हें चार हजार रू. प्रतिमास का वेतन दिया गया था।

విద్యాధర్: ఓహో! బాగా ఉందండి. మీరు చాలా ముక్కు సూటిగా మాట్లాడుతారు. విషయాన్ని స్పష్టంగా వివరిస్తారు కూడా. ఆ! నేను ఇప్పుడు మీకు ఏం చేయగలను చెప్పండి.

आप बहुत स्पष्टवादी हैं और बात को बहुत ही सुलझे ढंग से कह सकते हैं। अच्छा अब बताइए कि आप केलिए क्या कर सकता हूँ ?

సుమన్ : ఇప్పుడు మేం ఒక కొత్త పథకాన్ని చేపడుతున్నాం. దీని కింద ఒక గ్రామంలో వివిధ ప్రత్యామ్నాయ ఇంధన మార్గాలను స్థాపింప

हम एक नई योजना आरंभ करना चाहते हैं। इस योजना के अन्तर्गत हम इस गाँव में ऊर्जा के अन्य विकल्प लगाने जा रहे हैं।

జేస్తున్నాం. అంటే సౌర శక్తి సాధనాలనూ, గాలి మరలనూ, గోబర్ గ్యాస్ ప్లాంట్‌లనూ స్థాపింపజేస్తాం. ఈ పథకానికి కావలసిన ఖాతాను ప్రత్యేకంగా తెరవాలి. ఈ పనిని సులభంగా చేయగలిగే మార్గం తెలియజేస్తారా?

जैसे सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरण, पवन चक्की, गोबर गैस प्लान्ट आदि। इस परियोजना केलिए हम अलग से खाता खोलना चाहते हैं । क्या इस केलिए आप सरल तरीका बतायेंगे ?

విద్యాధర్: దానికేం భాగ్యం. మీరు అకౌంటెంట్ గారిని కలవండి. వారు మీ చేత ఖాతా తెరిపిస్తారు. కాని మీ కార్యక్రమం చాలా ఆసక్తికరంగా ఉంది. గ్రామీణులు ఎంత వరకు సహకరిస్తారో?!

इसमें क्या समस्या है । आप एकाउन्टैट से मिल लीजिये। वह खाता खोलने में आपकी मदद करेंगे। पर आपका कार्यक्रम बहुत रोचक है। देखते हैं कि ग्रामवासी कहाँ तक आपसे सहयोग करते हैं ।

సుమన్ : నిజమే. అయితే ఈ పనులవల్ల కలిగే లాభాలను వాళ్ళు గ్రహించేలా చేస్తే వాళ్ళ చేత ఈ మార్గాలను స్వీకరింపజేయడం పెద్ద కష్టం కాదు. ఇందుకు మేము ఒక ప్రత్యేక ప్రచార కార్యక్రమాన్ని నిర్వహిస్తున్నాం. ముఖ్యంగా ఇంతకు ముందే ఈ మార్గంలోకి మారుతున్న గ్రామీణులు మిగతా వాళ్ళను మారుస్తారు. అంటే మేము ఈ మారిన గ్రామీణుల చేత కొత్తవాళ్ళకు తమ అనుభవాలను చెప్పిస్తాం. అప్పుడు కొత్త వాళ్ళ చేత కూడా ఈ మార్గాలు సహజంగానే అనుసరించబడుతాయి. ఇది మా విశ్వాసమే కాదు. అనుభవం కూడా.

यह तो सच ही है । लेकिन यदि हम उन्हें इन कार्यक्रमों के लाभकारी परिणामों के विषय में समझा पायें तो यह कठिन नहीं होगा। इसके लिए हम एक विशेष प्रचार कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। विशेष रूप से जो किसान इस योजना से पहले ही लाभान्वित हो चुके हैं वे अपने अन्य साथियों को इस विषय में समझायेंगे । हम उन से कहेंगे कि ग्रामवासियों के समक्ष अपने अनुभव बतायें । इससे नये लोग भी इस कार्यक्रम में स्वाभाविक रूप से शामिल हो जायेंगे। ऐसा न केवल हमारा विश्वास है बल्कि अनुभव भी है ।

విద్యాధర్: చాలా బాగా ఉందండీ. మీ ఉపన్యాసంవల్ల మా ఉద్యమానికి కావాల్సిన మార్గాలు స్ఫురిస్తున్నాయి.

यह तो बहुत बढ़िया है । आपके भाषण से हमें अपने आन्दोलन केलिए नई दिशा मिलेगी।

సుమన్ : ఉపన్యాసం అంటున్నారు. ఎక్కువగా మాట్లాడుతున్నానేమో?	आप कह रहे हैं भाषण ? क्या मैं बहुत बोल रहा हूँ ? आपका आन्दोलन, वह क्या है।
విద్యాధర్: ఊరికే సరదాకి అంటున్నాను. మరేం అనుకోకండి.	अरे मैं तो मज़ाक कर रहा था इसे अन्यथा न लें ।
సుమన్ : మీ ఉద్యమమా! అదేమిటండీ?	आपका आन्दोलन ? वह क्या है ?
విద్యాధర్: నేను తీరిక వేళల్లో ఒక పర్యావరణ సంరక్షణ ఉద్యమంలో పని చేస్తూ ఉంటానండీ. మీరు చెప్పింది నిజమే మనం గ్రామీణుల వివేకాన్ని తక్కువగా అంచనా వేయరాదు. ఇప్పుడు మా ఉద్యమంలోనే చూడండి. వ్యాపారస్థులు ఏ గ్రామీణుల చేత చెట్లు పడగొట్టింపజేస్తున్నారో ఆ గ్రామీణులే ఇప్పుడు చెట్లను రక్షిస్తున్నారు. నిజానికి పక్షులూ, జంతువుల చేత ప్రకృతి సంతులనం ఎప్పుడూ కాపాడ బడుతూనే ఉన్నది. మనం మనుషులమే ప్రకృతి సంతులనాన్ని దెబ్బతీశాం. మనిషిలో కూడా ప్రకృతి పట్ల ఉన్న ఆ ఆత్మీయతను మేల్కొల్పడమే జరగాలి. అంతే.	मैं अपने खाली समय में `पर्यावरण' संरक्षण आन्दोलन के लिए काम करता हूँ। आप ठीक ही कह रहे हैं । हमें ग्रामवासियों के विवेक को कम नहीं समझना चाहिए। उदाहरण केलिए हमारा आन्दोलन लीजिए। व्यापारी लोग जिन ग्रामवासियों की सहायता से पेड़ों को कटवा रहे थे आज वही ग्रामवासी पेड़ों की रक्षा कर रहे हैं। हम मनुष्य आज प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ रहे हैं । जब कि पशु-पक्षी इस संतुलन को बनाये रहने की कोशिश करते हैं। यद्यपि मनुष्य के स्वभाव में भी ऐसा है पर उसे जाग्रत करना होगा।
సుమన్ : మీరు భలే లోతైన మనిషండీ ! ఇంతసేపూ నన్నే చెప్పనిచ్చారు. మీరు ఏ మాత్రం బయట పడలేదు. మీ గురించి అంతా ఒకే సారి తెలుసుకోవడం కష్టంలా ఉన్నది. మొత్తం మీద మన ఇద్దరి అభిరుచులు ఒకటే? మళ్ళీ కలుస్తూ ఉందాం.	आप काफी गहरे आदमी हैं। अब तक मुझसे ही बुलवाते रहे। स्वयं कुछ नहीं कहा। एक ही बार में आपके बारे में सब कुछ जान लेना कठिन है । कुछ भी कहिए हम दोनों के शौक एक से है। हम फिर अवश्य मिलेंगे। नमस्ते ।
విద్యాధర్: అలాగే! మంచిదండీ.	अच्छा। नमस्ते ।

शब्दार्थ

అంటారు	कहते हैं	అభివృద్ధి కార్యక్రమాలు	प्रगति के कार्य
సమన్వయసంస్థ	अनुसंधान संस्था	కల్పతరవు	कल्पतरु
కార్యక్రమాలు	कार्यक्रम	బతుకు	(जिंदगी) - जीना
బతికించు	जीने देना	సూత్రం	सूत्र नियम
తమాషా(గా)	मज़े में, अजीब ढंग से	రెండేళ్ళు	दो साल
కిందట	के पहले	స్థాపించు	स्थापित करना
నెల	महीना	శాఖ	शाखा
నెలకొల్పాం	स्थापित किये गए हैं	యువకులు	नौजवान
ప్రభుత్వం	सरकार	ద్వారా	के द्वारा
ఇతర	दूसरे	నడిచే	चलने वाले
ప్రజోపయోగ	जनोपयोगी	మరింత	और भी
నడిపించు	चलाना	ప్రయత్నం	प्रयत्न, कोशिश
చేస్తాం	करते हैं	ఉదాహరణ	उदाहरण
పోయిన	गये हुए	ప్రాంతం	इलाका, क्षेत्र
ఎత్తిపోతల	लिफ्ट इरिगेशन	పథకాలు	योजनाएँ
సహాయం	मदद	అమలు జరిగేలా	असल में, आने के लिए
చూసేందుకు	काम करने के लिए	ముందుకు	आगे
వచ్చింది	आया	గురించి వివరించు	के बारे में समझाना
రైతులు	किसान	తదితర	आदि,
నిధులు	निधियाँ	పరికరాలు	उपकरण
ఇప్పించాయి (ఇప్పించు)	दिलवाए हैं	గ్రామం	गाँव
ఇరవై	बीस	చేస్తున్నది	कर रहा है
మంచిపని	अच्छा काम	సంఘసేవ	समाज सेवा
పూర్తి	पूर्णतया	దృష్టి	दृष्टि, उद्देश्य
ప్రతిఫలం	प्रतिफल	ఆశించు	चाहना

ఆశించకుండా	नहीं चाहते हुए	చేరాల్సిన	जहाँ पहुँचना है (वहाँ)
చోటు	जगह	చేర్పించు	पहुँचाना
జరగాల్సిన	जो किया जाना है (वह)	జరిపించు	करवाना
నాలుగువేలు	चार हजार	వేతనం	वेतन
ఇచ్చాం	दिये हैं	ముక్కుసూటిగా	सीधे
స్పష్టంగా	स्पष्ट रूप से	చేయగలను	कर सकता हूँ
చేపడుతున్నాం (చేపట్టు)	हाथों में लेना	వివిధ	विविध, बहुविध
ప్రత్యామ్నాయ	एकांतर,एक के बाद एक	ఇంధన	ईंधन
మార్గాలు	रास्ते	సౌరశక్తి	सौर ऊर्जा
సాధనాలు	उपकरण	గాలిమరలు	पवनचक्की
కావలసిన	जो चाहिए (वह)	ఖాతా	खाता
ప్రత్యేకంగా	अलग रूप से	తెరవాలి	खोलना चाहिए
సులభంగా	आसानी से	భాగ్యం	भाग्य
దానికేం భాగ్యం	वह क्या बड़ा काम है	చేత	से
కలవండి	मिल लीजिए	తెరిపిస్తారు	खुलवाएँगे
గ్రామీణులు	ग्रामीण जन,गाँव के लोग	ఎంత వరకు	कब तक
సహకరించు	साथ देना	కలిగే	मिलनेवाले
లాభాలు	लाभ	గ్రహించు	समझ लेना
స్వీకరింప జేయడం	स्वीकार करवाना	ప్రచార కార్యక్రమం	प्रचार कार्य
నిర్వహించు	निर्वाह करना	మారుతున్న	बदलवानेवाले
మారుస్తారు	बदलवाते हैं	అనుభవాలు	अनुभव
చెప్పించు	कहलवाना	అనుసరించబడు	अनुसरण किये जानेवाले
విశ్వాసం	विश्वास	ఉపన్యాసం	भाषण
స్ఫురించు	सूझना	మరేం అనుకోకండి	बुरा मत मानिएगा
వేళ	समय	తీరిక వేళల్లో	फ़ुरसत के समय में
పర్యావరణ	पर्यावरण	సంరక్షణ	रक्षा
ఉద్యమం	अभियान	వివేకం	विवेक, बुद्धि

వేయరాదు	नहीं डालना	వ్యాపారస్తులు	व्यापारी
పడగొట్టింపజేయు	गिरवाना	రక్షించు	रक्षा करना
జంతువులు	जानवर	సంతులనం	संतुलन
దెబ్బతీసాం	बिगाड़े हैं	పట్ల	की तरफ, के लिए
ఆత్మీయత	प्रेम	మేల్కొల్పడం	जगाना
జరగాలి	होना चाहिए	లోతైన	गहराई के
ఇంతసేపు	इतनी देर	బయటపడు	बाहर निकलना
బయటపడలేదు	बाहर नहीं निकल पाये	ఒకేసారి	एक साथ
తెలుసుకోవడం	जान लेना	కష్టంలా	कष्ट के रूप में
అభిరుచులు	रूचियाँ	కలిశాయి	मिले हैं
కలుస్తూ	मिलते मिलते		

अभ्यास

I. दिए गए शब्दों में से उदाहरण जैसे पाँच जोड़ी शब्द बनाइए।

ఉదా: బతుకు బతికించు

నడిపించు	చెప్పు	నడుపు	ఇవ్వాలి	చెబుతాడు	నడత
చెప్పించు	ఇచ్చు	నడుస్తాడు	ఇప్పించు	ఇవ్వడం	చేయడం
చేయించు	చేయాలి	బతుకు	చెయ్యి	చెప్పాలి	బతికించు

II. उदाहरण के अनुसार हर एक वाक्य जोड़ी का दूसरा वाक्य पूरा कीजिए।

उदा : నువ్వు బతుకు

ఇతరులను ------------

ఇతరులను బతికించు

1. ఈ రోజు నువ్వు కారు నడుపు.
   రేపు అతనిని కారు ------------
2. నువ్వు ఆ మాట చెప్పు.
   నువ్వే వాడిచేత ఆ మాట ------------
3. ఆ సంస్థవారు రైతులకు పరికరాలు ఇచ్చారు.
   సంస్థ రైతులకు పరికరాలు ------------
4. నువ్వు ఆ పని చెయ్యి.
   నువ్వే వాడిచేత ఆపని ------------

III. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए।

1. మీ సూత్రం తమాషాగా ఉన్నదే? [భలేగా/ఎలాగా/అలాగా]
2. ఈ పథకం గురించి రైతులకు వివరించాం [ఎద్దులు/ప్రజలకు/పిల్లలు]
3. మీరు చేస్తున్నది చాలా మంచిపని [నిజమే/పని/ఎంతో]
4. గ్రామీణులు ఎంతవరకు సహకరిస్తారో [ఎలా/అయితే/చేత]
5. మీరు భలే లోతైన మనిషండీ [బాగా/గుట్టు/చాలా]

IV. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों को ठीक क्रम जगह में रख कर वाक्य बनाइए।

ఉదా: అంటారు నన్ను సుమన్

నన్ను సుమన్ అంటారు.

1. కల్పతరువు పేరు సంస్థ మా
2. సూత్రం మా ఇది
3. మంచి పని చాలా చేస్తున్నది మీరు
4. తెరిపిస్తారు ఖాతా వారు మీ చేత
5. ఉందాం కలుస్తూ మళ్ళీ

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर निम्नलिखित वाक्य पूरे कीजिए।

1. మీ ______________ తమాషాగా ఉన్నదే?
2. కల్పతరువును ________ కిందట విశాఖపట్నంలో స్థాపించాం.
3. మా ద్వారా రైతులకు ____________ ఇప్పించాము.
4. మేము ________ ఆశించకుండా ఏ ____________ చేయడం లేదు.
5. నిధులు చేరాల్సిన ______ చేర్పించడం ____________ పనిని జరిపించడం చేస్తూనే మేం మా ____________ తగిన ప్రతిఫలం తీసుకుంటాం.

[చోటికి పనికి పని జరగాల్సిన సూత్రం పరికరాలు రెండేళ్ళ ప్రతిఫలం]

VI. कोष्ठक में दिए गए हिन्दी शब्दों के समान तेलुगु शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे कीजिए।

1. ప్రపంచ బ్యాంకు ఈ ప్రాంతంలో ఎత్తిపోతల పథకాలకు రెండు వందల __________ (करोड़) రూపాయల ________ (मदद) ప్రకటించింది.
2. ఆ పథకాలను ఈ ప్రాంతంలో విజయవంతంగా అమలు జరిగేలా చూసేందుకు మా సంస్థ ____________ (आगे) వచ్చింది.
3. నెల కిందట మేం ఇక్కడ దాని ___________(शाखा) ను నెలకొల్పాం.
4. ఈ పనిని సులభంగా చేయగలిగే ____________ (रास्ता) తెలియజేస్తారా?
5. వారు మీ చేత ___________ (खाता) తెరిపిస్తారు.

VII. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य बदलिए।

ఉదా : (1). మేము చెట్లను పడగొడుతున్నాము.
మేము వాళ్ళ చేత చెట్లను పడగొట్టింపజేస్తున్నాం.
చెట్లు వాళ్ళ చేత పడగొట్టింపబడుతున్నాయి.

1. మేము ఈ కార్యక్రమాలను నడుపుతున్నాం
2. మేము ఒక శాఖను ఇక్కడ స్థాపించాం
3. మేము ఖాతా తెరిచాం
4. మేము ఈ మార్గాలు స్వీకరించాం
5. మేము ఆ పరికరాలను కొన్నాం

(2). వాళ్ళు ఆ పద్ధతిని అనుసరిస్తున్నారు.
ఆపద్ధతి వాళ్ళ చేత అనుసరించబడుతున్నది.

1. వాళ్ళు ఆ మాటను చెబుతున్నారు.
2. వాళ్ళు ఆ పనిని చేస్తున్నారు.
3. వాళ్ళు ఆ పరికరాలు ఇస్తున్నారు.
4. వాళ్ళు ఆ శాఖను స్థాపిస్తున్నారు.
5. పక్షులు ప్రకృతి సంతులనాన్ని కాపాడుతున్నాయి.

VIII. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. సుమన్ ఏం చేస్తుంటాడు?
2. సుమన్ వాళ్ళ సంస్థ పేరు ఏమిటి?
3. వాళ్ళ సంస్థ ముఖ్య సూత్రం ఏమిటి?
4. సుమన్ వాళ్ళ సంస్థ చేస్తున్నది ఏమిటి?
5. తీరిక వేళల్లో విద్యాధర్ ఏం చేస్తుంటాడు?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में तेलुगु क्रिया के सकर्मक तथा प्रेरणार्थक रूप दिखाये जा रहे हैं। साथ ही कर्मवाच्य प्रयोगों का भी परिचय दिया जा रहा है।

1) తిను `खाना' 2) తాగు `पीना' 3) చదువు `पढ़ना'
4) కొను `लेना' 5) చెప్పు `बताना' 6) చూడు `देखना'

आदि सकर्मक क्रियाएँ है ।

सकर्मक क्रियाओं में - ఇంచు (इंचु) जोड़कर क्रिया के प्रेरणार्थक रूप बनाए जाते हैं ।

उदा. —
చెప్పు + ఇంచు = చెప్పించు
తిను + ఇంచు = తినిపించు
తాగు + ఇంచు = తాగించు
చదువు + ఇంచు = చదివించు

2. प्रेरणार्थक प्रयोगों में कर्ता के साथ - చేత `से' का प्रयोग होता है । इसे संज्ञा के तिर्यक रूप के साथ जोड़ा जाता है । उदा.-

వారు మీ చేత ఖాతా తెరిపిస్తారు
वह तुमसे खाता खुलवाएगा ।

3. इस पाठ में निम्न प्रकार के कर्मवाच्य प्रयोग आए हैं ।

పక్షులు జంతువుల చేత ప్రకృతి సంతులనం కాపాడబడుతున్నది
पशुपक्षियों द्वारा प्राकृतिक सन्तुलन रखा जा रहा है ।
గ్రామీణుల చేత చెట్లు పడగొట్టబడుతున్నాయి.
गाँववालों के द्वारा पेड़ गिराए जाते हैं ।

इस तरह ने प्रयोग बोलचाल की तेलुगु में कम होते हैं । इसका प्रयोग अधिकतर औपचारिक संदर्भ में और समाचार पत्रों में होता हैं ।

कर्मवाच्य के और कुछ उदाहरण देखिए।

కాపాడు + బడు + తున్న-ది = కాపాడబడుతున్నది

రాయబడినది	लिखी जाती है।	రాయబడ్డది	लिखी गयी है।
రాయబడుతుంది	लिखी जाएगी।		

तेलुगु कर्मवाच्य का रूप निम्नप्रकार बनता है।

प्रमुख क्रियाधातु + आ + బడు + वाक्यप्रत्यय + पुरुष लिंग वचन प्रत्यय क्रियाधातु ।

పాఠం 11
पाठ 11

పెళ్ళి సరసాలు		शादी की तैयारी
(సుబ్బా) రావు	: రండి! రండి ! మిశ్రాగారూ! ఆలస్యం. అయింది?	आइए। आइए। मिश्रजी ! बहुत देर कर दी ?
మిశ్రా	: నేను ఆఫీసు పని చేసుకుంటున్నాను. ఆవిడ ఇంటి పని చూసుకుంటున్నది. ఒకళ్ళు ఇంకొకళ్ళ కోసం చూశాం. ఇద్దరికీ ఆలస్యం అయింది.	मैं अपना आफ़िस का काम करने में लगा रहा और ये घर का काम करने में लगी रहीं। बस दोनों एक दूसरे के इन्तजार में रहे इसी में दोनों को देर हो गई।
దీపా(మిశ్రా)	: "నేను సిద్ధంగా ఉన్నాను. మీదే ఆలస్యం" అన్నాను. ఈయన వింటారా? ఈ రోజు కూడా ఆఫీసు ఫైల్సే.	मैंने कहा - "मैं तो तैयार हूँ - आप ही की देरी है" - पर ये (किसीकी) सुनते है क्या? आज भी बस आफ़िस की फाइलें!
రావు	: అదంతా కర్తవ్య దీక్ష అమ్మా! అందరూ ఎవరి సంగతివాళ్ళు పట్టించుకుంటున్నారు. ఆఫీసు సంగతి ఎవరు చూడాలి? అంటారు మిశ్రాగారు. అంతేనా మిశ్రాగారు?	बहनजी यह सब इनकी कर्तव्य परायणता है। मिश्रजी का कहना है कि यदि सब लोग अपने-अपने काम में ही लगे रहे तो आफिस का काम कौन देखेगा। ऐसा ही है न मिश्रजी ?
సుందరి	: అయ్యో రామా! ఇక్కడ కూడ ఆఫీసు గొడవేనా? మీరు ఇక్కడ ఆఫీసు కబుర్లు చెప్పుకోండి. మేము లోపలికి వెడతాం. నాతో రండి దీపామిశ్రా! పెళ్ళికూతురును తయారు చేస్తున్నారు చూద్దురుగాని.	यहाँ भी आफ़िस की कथा ! आप यहाँ आफ़िस की बहस करते रहिये - हम अन्दर चलते हैं। आइये दीपाजी। अंदर दुल्हन को सजाया जा रहा है। आइये देखते हैं।

దీపా	: పెళ్ళికూతురు కనుముక్కు తీరుతో చక్కగా ఉందండీ ! అమ్మాయిది ఏ ఊరు?	दुल्हन के नाक-नक्श तो बहुत अच्छे हैं ! कहाँ की है ?
సుందరి	: ఆ అమ్మాయి మరెవరో కాదు. మా మనవ రాలేనండీ. మా పెద్దమ్మాయి కూతురు. అంటే మా శ్రీనివాస్‌కు అక్కకూతురే. అంటే పెళ్ళికొడుకుకు స్వయానా మేనకోడలే.	अरे यह लड़की कोई दूसरी थोड़े ही है। यह तो मेरी अपनी नातन है। मेरी बड़ी बेटी की बेटी यानि हमारे श्रीनिवास की बहन की बेटी। यानि दूल्हे की अपनी भान्जी।
దీపా	: ఓహో! అలాగా! ఔను నిజమే. అమ్మాయిలో మీ పోలికలు చాలా ఉన్నాయి. కాని ఇది ఏమిటండీ? మీలో మేనకోడలిని పెళ్ళి చేసుకుంటారా?	अच्छा ? हाँ ऐसा ही तो लगता हैं लड़की की शक्ल आपसे बहुत मिलती है। लेकिन ऐसा कैसा है - क्या आपके यहाँ भान्जी से शादी कर देते हैं ?
సుందరి	: ఆ! తెలుగు వాళ్ళలో అలాంటి పద్ధతి ఉన్నదండి. నిజానికి అంతటా మేనకోడలిని చేసుకొనే సంప్రదాయం ఉంది. తెలుగు వాళ్ళలో మేనత్త కూతురిని మేనమామ కూతురిని చేసుకొనే ఆచారం కూడ ఉన్నది. నేను వస్తానండీ పీటల మీద కూర్చోవాలి.	हाँ तेलुगुलोगों में ऐसी प्रथा है तेलुगु लोगों में ही क्यों - तमिळनाडु, कर्नाटक और महा-राष्ट्र में भी ऐसा रिवाज़ है। हमारे यहाँ तो बुआ और मामा की बेटी से भी शादी हो जाती है। अच्छा मैं चलूँ अब मुझे तो मंडप में बैठना है।

I I I I

ఒక ఆవిడ	: అబ్బో! పెళ్ళికూతురు సిగ్గు పడుతున్నది. మొహం చూసుకుంటున్నది కదా! అద్దంలో మామయ్య కనపడుతున్నాడేమో?	अरे वाह ! दुल्हन तो शरमा रही है। शायद आइने में अपना चेहरा देखते देखते मामा भी नजर आ रहे हैं ।
మరొక ఆవిడ	: అక్కడ పురోహితుడు "పెళ్ళికూతురు ఎక్కడ'? అంటున్నారు. త్వరగా ముగించండి సింగారం.	अरे भाई, - इधर पंडितजी जल्दी मचा रहे हैं कि दुल्हन कहाँ है। तुम लोग दुल्हन का सिंगार जल्दी पूरा करो।
దీపా	: అమ్మాయిని బుట్టలో తీసుకువస్తున్నారే! ఎందుకండీ?	यह क्या ? दुल्हन को टोकरी में ला रहे है ?

ప(క్క) ఆ(విడ)	: ఇక్కడ అమ్మాయిని మేనమామలు బుట్టలో తెచ్చే ఆచారం ఉన్నదండీ.	हाँ। यहाँ मामा द्वारा दुल्हन को टोकरी में लाये जाने का रिवाज़ है।
ఒక అవ్వ	: ఈ కాలం పిల్లలు చూడండి! అప్పుడే పెళ్ళి కూతురూ పెళ్ళికొడుకూ తమలో తాము ఎలా గుసగుసలాడుకుంటున్నారో!? మా రోజుల్లో మాకు ఇంత ధైర్యం ఎక్కడిదీ? అబ్బాయి ఏమన్నాడో? ఆ అమ్మాయి తనలో తాను ముసిముసి నవ్వులు నవ్వుకుంటున్నది.	आजकल के नौजवानों को देखो । दूल्हा-दुल्हन अभी से एक दूसरे से फुस-फुसा रहे हैं। हमारे ज़माने में इतनी हिम्मत कहाँ थी। दूल्हे ने ऐसा क्या कहा कि दुल्हन अपने आप में मुस्कुरा रही है ।
ప.ఆ.	: ఆ ఏమందీ ? ఆ ఎదురుగా ఉన్న అవ్వగారి బోసి నవ్వు చక్కగా ఉంది కదా!" అన్నాడండీ.	हाँ हाँ शायद कह रहा है कि बुढ़िया के पोपले मुँह की हँसी कितनी सुन्दर है ।
అవ్వ	: అదేమిటమ్మాయ్! నాతోటా నీకు సరసాలు. నిజంగా అలా అన్నాడా! పెళ్ళికొడుకు!	अरे बेटी मुझे बुढ़िया से मज़ाक तो नहीं कर रही हो ? क्या सचमुच दूल्हे ने ऐसा कहा ?
ప.ఆ	: మరి మీకెందుకండీ? వాళ్ళల్లో వాళ్ళు ఏం మాట్లాడుకుంటున్నారో! రండి సుముహూర్తం సమీపించింది. బెల్లం, జీలకఱ్ఱ పెట్టిస్తున్నారు పురోహితుడు. మూడు ముళ్ళు పడ్డాయి. రండి. అక్షింతలు వేద్దాం.	और नहीं तो क्या ? वे लोग आपस में क्या बात कर रहे हैं, इससे आपको क्या लेना, देना? आइए-आइए। मुहूर्त का समय हो गया है। दुल्हन के सिर पर गुड़ और ज़ीरा रखने की रस्म की जा रहा है। तीन गाँठे लगा दी गई हैं। आइए हम अक्षत डालें।
సుందరి	: దీపాగారూ! ఇలా దగ్గరగా రండి. అబ్బాయి అమ్మాయి తలంబ్రాలు పోసుకుంటున్నారు. ఇది ఒక పెద్ద సరదా!	दीपाजी इधर आइए। देखिए। दूल्हा-दुल्हन एक-दूसरे के सिर पर चावल फेंक रहे हैं। लोग इसमें काफी मज़ा लेते हैं ।
దీపా	: ఔను. పెళ్ళికొడుకు చెల్లెలు చూడండి ! "అన్నయ్యా ! ఎత్తిపొయ్యి" అంటున్నది.	और नहीं तो क्या ? देखिए न इन की छोटी बहन क्या कह रही है ? भैया और डालिए।"
వనజ	: వదినా! అందరూ ఏం చెప్పుకుంటున్నారో చూడు! "ఆ అమ్మాయి చూడు ఎంత	सुन रही हो न लोग क्या कह रहे हैं ? कह रहे हैं कि दुल्हन बहुत तेज है, अभी से दूल्हे

	గడుసుది. అబ్బాయిని అప్పుడే కొంగుకు ముడి వేసుకున్నది" అంటున్నారు.	को अपने पल्लू में बाँध रही है।
పెళ్ళి కూతురు	: తొందర పడకమ్మ! మరదలా ! నిన్ను కట్టుకొనే రాజకుమారుడు త్వరలోనే వస్తాడు.	ननदजी क्यों हो रही हो। जल्दी ही तुम्हें बाँधने वाला राजकुमार भी आने वाला है।
వనజ	: పో! వదినా!	तुम भी।

शब्दार्थ

ఆలస్యం	देरी	అయ్యింది	हुआ
ఆఫీసుపని	ऑफ़िस का काम	చేసుకుంటున్నాను	कर रहा था
ఇంటిపని	घर का काम काज	చూసుకుంటున్నది	देख रही थी
ఒకళ్ళు	एक	ఇంకొకళ్ళు	और एक
చూశాం	देखे हैं	వింటారా?	सुनने
ఫైలు్స	फ़ाइल्स	కర్తవ్యదీక్ష	कर्तव्यपरायणता
సంగతి	बात, विषय	పట్టించుకొను	ध्यान देना
చూడాలి	देखना चाहिए	అయ్యోరామా!	हाय राम !
ఆఫీసుగొడవ	आफ़िस का बहस	పెళ్ళికూతురు	दुल्हन
తయారుచేస్తున్నారు	सजा रहे हैं	చూద్దురు	आप देखें
కనుముక్కుతీరు	सौंदर्य	మనవరాలు	पोती
పెళ్ళికొడుకు	दूल्हा	స్వయాన	खास अपनी
మేనకోడలు	बहन की बेटी	పెళ్ళి చేసుకొను	शा़दी कर लेना
సంప్రదాయం	परंपरा, रिवाज	మేనత్త	बुआ
మేనమామ	मामा	ఆచారం	रिवाज़
వస్తాను	आती हूँ । (जा रही) हूँ	పీటలు	लकड़ी के (शुभासन))
కూర్చోవాలి	बैठना चाहिए	సిగ్గుపడు	शरमाता
మొహం	मुँह, मुखड़ा	చూసుకొను	देख लेना
అద్దం	आइना	మామయ్య	मामा
కనబడు	दिखाना	పురోహితుడు	ब्राह्मण,पुरोहित,पंडितजी

ముగించు	खतम करना	సింగారం	सिंगार
బుట్టలో	टोकरी (में)	ఈకాలం	यह ज़माना
తమలోతాము	आपस में	గుసగుసలాడు	फुसफुसाना
మారోజుల్లో	हमारे जमाने में	ధైర్యం	धीरज, हिम्मत
ఎక్కడిదీ?	कहाँ की	తనలోతాను	अपने आप
ముసిముసినవ్వులు	मुस्कुराहट	నవ్వుకొను	मुस्कुरा लेना
ఎదురుగా	सामने	అవ్వ	बूढ़ी
బోసినవ్వు	पोपले मुँह की हँसी	నాతోటా	मुझे क्या ?
సరసాలు	हँसी की बातें	సుముహూర్తం	मुहूर्त, मुहूरत
సమీపించింది	नज़दीक आया है	బెల్లం	गुड़
జీలకర్ర	जीरा	పెట్టిస్తున్నారు	रखा जा रहा है
మూడుముళ్ళు	तीन गाँठियें	పడ్డాయి	लगे हैं
అక్షింతలు	अक्षत (शुभमय चावल के दाने)	వేద్దాం	फेंके
తలంబ్రాలు	सिर पर बरसाए जानेवाले चावल	పోసుకుంటున్నారు	डाल रहे हैं
ఎత్తిపోయు(ఎత్తిపొయ్యి)	उठा कर गिराना	గడుసుది	चतुर स्त्री
కొంగు	साड़ी का आँचल	ముడివేయు	बाँधना
ముడివేసుకొన్నది	बाँध ली हैं	తొందరపడకమ్మా	जल्दी मत करो
తొందరపడు	जल्दी करना	మరదలు	साली
కట్టుకునే	बाँध लेनेवाला	రాజకుమారుడు	राजकुमार
త్వరలోనే	शीघ्र ही	వస్తాడు	आएगा

अभ्यास

I. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर बनाइए।

1. ఆవిడ <u>ఇంటి</u> పని చూసుకొంటున్నది [ఆఫీసు/సంగతి/తయారు]
2. తెలుగు వాళ్ళలో <u>మేనత్త</u> కూతురిని చేసుకునే ఆచారం ఉన్నది. [ఇంటి/మేనమామ/ఆఫీసు]

3. త్వరగా ముగించండి సింగారం [బుట్టలో/అద్దంలో/అలంకారం]
4. పెళ్ళికొడుకూ పెళ్ళికూతురూ ఎలా గుసగుసలు ఆడుకొంటున్నారో [సరసాలు/సింగారం/ధైర్యం]
5. అందరూ ఏం చెప్పుకొంటున్నారో చూడు! [వస్తున్నారో/అంటున్నారో/ఎక్కుతున్నారో]

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए।

ఉదా: అ. ఆ అమ్మాయి నవ్వుకొంటున్నది (తనలోతాను)
ఆ అమ్మాయి తనలో తాను నవ్వుకొంటున్నది.

1. ఆయన సర్ది చెప్పుకొంటున్నాడు.
2. ఆమె అద్దంలో చూసుకుంటున్నది.
3. పిల్లలు డాన్స్ చేసుకొంటున్నారు.
4. వాళ్ళు ఇద్దరూ ఏదో చెప్పుకొంటున్నారు.
5. పెళ్ళి కొడుకూ పెళ్ళికూతురూ గుసగుసలాడుకొంటున్నారు.

[తనకి తాను తనని తాను తమలో తాము తనలోతాను వాళ్ళల్లో వాళ్ళు ఎవరికివాళ్ళు]

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर निम्नलिखित वाक्य पूरे कीजिए।

1. ఇద్దరికీ ___________ అయింది.
2. అదంతా _________ దీక్ష అమ్మా!
3. మీరు ఇక్కడ ఆఫీసు _____ చెప్పుకోండి.
4. అమ్మాయిలో మీ ___________ చాలా ఉన్నాయి.
5. నేను వస్తానండీ__________ మీద కూర్చోవాలి.

[పీటల కబుర్లు పుస్తకాలు పోలికలు పెట్టెలు ఆలస్యం మాటలు కర్తవ్య]

IV. कोष्ठक में दिए गए हिन्दी शब्दों के समान तेलुगु शब्दों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पूरे कीजिए।

1. ఆ అమ్మాయి మా _______ (पोती)
2. అప్పుడే పెళ్ళికూతురు _______ (दूल्हा) తమలో తాము ఎలా గుసగుసలాడుకుంటున్నారో ?
3. తెలుగు వాళ్ళల్లో ___________ (बुआ) కూతురిని చేసుకునే ఆచారం ఉన్నది.

4. __________ (भाभी) అందరూ ఏం చెప్పుకుంటున్నారో చూడు.
5. తొందర పడకమ్మా_______ (साली) నిన్ను కట్టుకునే రాజకుమారుడూ త్వరలోనే వస్తాడు.

V. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. మిశ్రాగారు తాము రావడం ఎలా ఆలస్యం అయిందని చెప్పారు?
2. అందుకు దీపామిశ్రా ఏమని చెప్పింది?
3. పెళ్ళికూతురు ఎవరని సుందరి చెప్పింది?
4. తెలుగు వాళ్ళలో ఎలాంటి పద్ధతి ఉన్నది?
5. అవ్వతో పక్కన ఆవిడ ఏమని సరసం చేసింది?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में प्रस्तुत कुछ वाक्यों का प्रयोग देखिए।

1. ఆమె తనలో తాను నవ్వుకొంటున్నది. वह अपने आप हँस रही है।

2. అతను తనలో తాను మాట్లాడుకొంటున్నాడు. वह अपने आप बोल रहा है।

ऐसे वाक्यों से कर्ता अपने आप काम करने का बोध होता है। इस को सूचित करने केलिए हिन्दी में जहाँ 'अपने आप' का प्रयोग होता है, तेलुगु में विविध शब्दों के प्रयोग होते हैं। जैसे

తనకి తాను	ఆమె తనకి తాను పాడుకొంటున్నది.	वह अपने आप गा रहा है।
ఎవరికి వారు	వారు ఎవరికివారు పాడుకొంటున్నారు.	वह अपने आप गा रही है।
తమలో తాము	వాళ్ళు తమలో తాము పాడుకొంటున్నారు.	वे अपने आप गा रही हैं।
వాళ్ళల్లో వాళ్ళు	వాళ్ళల్లో వాళ్ళు పాడుకొంటున్నారు.	वे अपने आप गा रही हैं।

2. इस तरह के प्रयोगों में कर्ता द्वारा कर्म के स्वेच्छा या परइच्छा से किए जाने का संकेत रहता है। जैसे -

1) నేను ఆఫీసు పని చేసుకొంటున్నాను. मैं ऑफ़िस का काम अपने लिए कर रहा हूँ ।

2) ఆమె ఇంటి పని చేసుకొంటున్నది. वह घर का काम अपने लिए कर रहा है ।

3. क्रिया के मूल रूपों में - దాం प्रत्यय लगाकर निम्नलिखित रूप बनाये जाते है । -

రండి అక్షింతలు వేద్దాం रండి కలసి పాడుదాం.

आओ अक्षत डालें / फेंकें ! आओ गाना गाएँ

ऐसे वाक्यों से श्रोता को भी अपने कार्य में सम्मिलित करने का बोध होता है।

పాఠం 12
पाठ 12

పుణ్యం పురుషార్థం

पवित्रता और पुरुषार्थ

భవాని : ఇక్కడ ప్రకృతి ఎంతో హాయినీ, పవిత్రమైన అనుభూతినీ కలిగిస్తున్నది. ఇంత యాత్రికుల రద్దీలో కూడా ఇక్కడ ఎంత ఏకాంతంగా ఉన్నది?

यहाँ की प्रकृति बहुत ही शान्ति-दायक और पवित्र अनुभूति जगाने वाली है। यात्रियों की इस भीड़ में भी कितना एकान्त है।

శంకరం : ఔను మరి! ఇక్కడి చెట్లు కొమ్మలూ, ఆకులూ, పూలూ, పళ్ళూ, ఊడలూ, వేళ్ళూ అన్నీ గొప్ప ఓషధులు, ఇక్కడి వాగులూ, వంకలూ, జలపాతాల నీళ్ళు ఈ మందు చెట్ల రసాలను తమలో నింపుకొన్నాయి. ఇక్కడి నేలలో, ఈ చోటులోనే ఏదో ఒక గొప్పశక్తి ఉన్నది. అందు కేనేమో అనేక యుగాలుగా ఈ కొండలూ, కోనలూ, యోగులకూ ఋషులకూ, సిద్ధులకూ, సాధకులకూ తపః ప్రదేశంగా ఉపయోగపడు తున్నాయి. ఇక్కడ ఎందరో రసవాదులు తమ ప్రయోగాలు చేశారు. ఆచార్యులెందరో ఇక్కడ విద్యలు నేర్పించారు. ఎందరో ముముక్షు వులకు ఇక్కడ మోక్షం లభించింది. ఇక్కడి దేవుళ్ళు కోరిన కోర్కెలు తీరుస్తారంటారు. అటు చూడు! మనలాంటి కొత్త దంపతులు ఆ చెట్టుకు బట్టలు కడుతున్నారు. సంతానం కోసం మొక్కుకుంటున్నట్లున్నారు.

हाँ हाँ । यहाँ के पेड़ों की शाखायें, पत्ते, फूल, फल, जड़ें सभी महान् औषधियाँ हैं। यहाँ के नदी, नाले और झरनों का पानी इन औषधियों के रस को अपने में समाये हुए है। यहाँ की धरती में, इस जगह में ही कोई महान शक्ति है। सम्भवतः इसीलिए युगों युगों से यह पहाड़-पहाड़ियाँ, योगियों, ऋषियों, सिद्धों और साधकों की तपः भूमि रही है। यहाँ कितने ही रसवादियों ने अपने प्रयोग किये हैं। कितने ही आचार्यों ने विभिन्न विद्याएँ सिखाई हैं ! कितने ही मुमुक्षियों ने यहाँ मोक्ष पाया है ! कहते हैं कि यहाँ के देवी देवता मनोकामनाओं को पूर्ण कर देते हैं। वह देखो हम जैसे नव दम्पति पेड़ पर कपड़े बाँध रहे हैं।

భవాని : మీరు మాత్రం అప్పుడే అలా మొక్కుకో కండేం?

शायद सन्तान पाने की मनौती कर रहे हैं। आप ऐसा अभी मत कीजिएगा।

శంకరం : అబ్బ! ఎంత ముందు జాగ్రత్త!

बाप रे ! कितनी दूर की सोचती हो।

భవాని : కాదా మరి! ఈ అడవులు చాలా దట్టంగా ఉన్నాయి. ఇందులో భయంకరమైన జంతువులు ఉంటాయా? మొరటుగా ఉండే ఆటవికులు కూడా ఉంటారేమో కదా!

और नहीं तो क्या ? ये जंगल इतने घने हैं। इनमें भयानक जानवर होंगे क्या ? शायद जंगली लोग भी यहाँ रहते होंगें।

శంకరం : ఆ! ఇది మన దేశంలోని కీకారణ్యాల్లో ఒకటి. ఇక్కడ జింకలూ, కుందేళ్ళు వంటి సాధు జంతువులూ, పులులూ, అడవి పందుల వంటి క్రూర మృగాలు, అందమైన రకరకాల పక్షులూ ఎన్నో ఉంటాయి. ఇక్కడి గిరిజనులను చెంచు లు అంటారు. వీళ్ళు మొరటు వాళ్ళు కాదు. గిరిజనులను మొరటువాళ్ళుగా భావించడం పొరపాటు. చెంచులు ఈ క్షేత్రపు ప్రధాన దేవత అయిన భ్రమరాంబను తమ ఆడపడు చుగాను ఇక్కడి ప్రధాన దేవుడైన మల్లికార్జు నుడిని తమ అల్లుడిగానూ భావిస్తారు. ఎప్పు టినుంచో ఈ గిరిజనులు ఈ దేవుళ్ళను నమ్ముకొన్నారు. ఈ అడవులలో ఈ క్రూర మృగాల మధ్య జీవిస్తున్నారు. మనవంటి యాత్రికులతో వీళ్ళు చాలా స్నేహంగా ఉంటారు.

यह जंगल हमारे देश के घने जंगलों में से एक है। यहाँ हिरण-हिरणियाँ और खरगोश जैसे निरीह जानवर तथा शेर, जंगली सुअर जैसे खूँखार जानवर, तथा विभिन्न जातियों के सुन्दर सुन्दर पक्षी बसते हैं। यहाँ की जनजाति के चेंचु लोग इस क्षेत्र की प्रधान देवी भ्रमराम्बा को अपनी ही लड़की मानते हैं। और यहाँ के प्रधान देवता मल्लिकार्जुन को अपना दामाद मानते हैं। कितने ही वर्षों से ये लोग इन्हें अपना कुल देवता मानते आ रहे है ! ये लोग इस जंगल में इन खतर-नाक जानवरों के बीच जीवन बिता रहे हैं। हम जैसे यात्रियों के प्रति ये बहुत ही स्नेह पूर्ण व्यवहार करते हैं।

భవాని : ఎవరు కట్టించారో కాని ఈ దేవాలయాలూ వీటి వాస్తు శిల్పం ఎంతో బ్రహ్మాండంగా ఉన్నాయి. ఈ గోపురాలు నాలుగూ ఒకే విధంగా లేవు కదా! ఎందుకో మీకేమైనా తెలుసా?

किसने इनका निर्माण किया होगा ? इन मन्दिरों की वास्तुकला और शिल्पकला अद्‌भुत है। ये चारों गोपुर एक जैसे नहीं हैं न ? इसका कारण आप जानते हैं क्या ?

శంకరం : ఈ దేవాలయాల కంటె ముందునుంచీ ఈ క్షేత్రం, ఇక్కడి స్వయం భూలింగాలూ ఉన్నాయి. క్రీ.శ. ఒకటి రెండు శతాబ్దాల నుంచీ ఎందరో రాజులు ఇక్కడి దేవాలయాలను వాటి భాగాలను నిర్మింపజేశారు. ఇక్కడి శాసనాలను బట్టి ఈ విషయాలు తెలుస్తూ ఉన్నాయి. వేరు వేరు యుగాల్లో వేరు వేరు రాజులు నిర్మించడం వల్ల ఈ శిల్పాల్లో వైవిద్యం కనపడుతూ ఉంది.

इन मन्दिरों के निर्माण के पहले से ही यह क्षेत्र और इसके स्वयंभू शिवलिंग यहाँ थे। ईसा की पहली और दूसरी शताब्दियों से अनेक राजा इन मन्दिरों और इनके विभिन्न भागों का निर्माण करते आ रहे हैं । यहाँ के शिलालेखों से यह बात स्पष्ट हो जाती है। विभिन्न युगों में विभिन्न राजाओं द्वारा निर्माण किये जाने के कारण इन मन्दिरों की शिल्पकला में वैविध्य सहज ही दृष्टिगत हो जाता है ।

⚘ ⚘ ⚘ ⚘

శంకరం : ఈ ప్రదేశాన్ని శిఖర దర్శనం అంటారు. ఇక్కడి నుంచి శ్రీశైల శిఖరాన్ని దర్శించాలి.

यह स्थान शिखर दर्शन कहलाता है। यहाँ से श्रीशैल शिखर का दर्शन किया जाता है।

భవాని : "శ్రీ శైల శిఖరాన్ని చూసిన వాళ్ళకు మోక్షం లభిస్తుంది" అంటారు కదా!

श्रीशैल के दर्शन से शीघ्र ही मोक्ष की प्राप्ति होती है - ऐसा कहा जाता है न ?

శంకరం : ఔను ఇది చూశావా? ఇవి రాతి మెట్లు. కాలి నడకన వచ్చేయాత్రికుల దారి ఇది. పూర్వం బస్సుల వంటి రవాణాసౌకర్యాలు లేవు కదా! అప్పట్లో భక్తులకు శ్రీశైలం రావడానికి అడవుల గుండా నడవడమే మార్గం. అడవులలో వాళ్ళకు చెంచులే మార్గదర్శకులు, రక్షకులు కూడా.

यह तुमने देखा? ये पत्थर की सीढ़ियाँ है। यह पैदल आने वाले यात्रियों का रास्ता है। पहले बस जैसे यातायात के साधनों की सुविधाएँ नहीं हुआ करती थीं न ? उन दिनों भक्तगण जंगल के रास्ते पैदल चल कर ही श्रीशैल शिखर पहुँचते थे । जंगलों में चेंचु लोग ही उनके मार्गदर्शक थे और रक्षक भी।

భవాని : అంతటి శ్రమకూ ప్రయాసకూ తగిన చోటే ఈ శ్రీశైల క్షేత్రం. అన్నట్టు మా తమ్ముడు "అక్కా! మీరు శ్రీశైలం ప్రాజెక్టు తప్పక చూడండి. చాలా బ్రహ్మాండంగా ఉంటుంది"

वास्तव में श्रीशैल क्षेत्र इस लायक ही है कि इसके लिए इतनी कठिनाईयाँ और कष्ट झेलें जाएँ । हाँ याद आया मेरे छोटे भाई ने कहा था कि दीदी तुम यहाँ श्रीशैल परियोजना

అన్నాడు. అటువైపు వెళదామా.	अवश्य देखना वहाँ अद्‌भुत् बाँध है। उस ओर चलें?

* * * *

భవాని : అమ్మో! ఈ టర్బైన్లు ఎంత పెద్ద యంత్రాలు!! భయంకరంగానూ అందంగానూ కూడా ఉన్నాయి. అవి ఎలా తిరుగుతున్నాయో?	बापरे ये टरबाईन ! कितनी बड़ी बड़ी मशीनें! ये भयानक भी हैं और सुन्दर भी। हाय राम कैसे घूम रही हैं ?
శంకరం : జాగ్రత్త! ముందుకు పడతావేమో! ఇదిగో! ఈ టర్బైన్ల పెద్ద చక్రాలను ఈ నది నీళ్ళే తిప్పుతాయి. అటు చూడు! నది నీరు అక్కడ నిలువ చేయబడుతున్నది కదా! ఎత్తునుంచీ చక్రాల మీద పడుతున్న నీటి వేగం ఈ చక్రాలను తిప్పుతుంది. ఈ యంత్రాలు నీటి యాంత్రిక శక్తిని విద్యుచ్ఛక్తిగా మారుస్తాయి. ఈ ప్రాజెక్టు నిలువ ఉంచే నీరు నీటి పారుదల సౌకర్యాలకు కూడా ఉపయోగపడుతుంది. కొన్ని లక్షల ఎకరాలకు రైతులు ఈ నీటిని ఉపయోగించుకొంటున్నారు. ఇటువంటి ప్రాజెక్టులను బహుళార్థ సాధక పథకాలు అంటారు.	संभाल के ! कहीं आगे की तरफ गिर न पड़ो। इन विशाल चक्रों को नदी का पानी ही घुमाता है। वहाँ देखो वहाँ नदी का पानी एकत्र हो रहा है न, वह जब ऊँचाई से इन चक्रों पर वेग से गिरता है तो चक्र घूमने लगते हैं। ये मशीनें यांत्रिकी ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित कर देती हैं। इस परियोजना के अंतर्गत एकत्र किया गया जल सिंचाई के काम में भी लिया जाता है। किसान लाखों एकड़ ज़मीन की सिंचाई के लिए इस पानी का उपयोग कर रहे हैं । ऐसी परियोजनाओं को ही बहु उद्देशीय परि-योजना कहते हैं ।
భవాని : నెహ్రూగారు " ఈ పథకాలే ఆధునిక దేవాలయాలు" అన్నారు కదా! ఇక్కడ ఒక ప్రాచీన దేవాలయం, ఒక ఆధునిక దేవాలయం పక్కపక్కనే ఉన్నాయి. అంటే పుణ్యం పురుషార్థం ఒకే చోట ఉన్నాయన్నమాట. అబ్బ! ఈ ఎత్తునుంచి దృశ్యం ఎంత మనోహరంగా ఉందో! చూడండి.	नेहरुजी ने कहा था, "ये परियोजना ही आधुनिक मंदिर हैं।" यहाँ प्राचीन और आधुनिक मंदिर एक साथ है। अर्थात पुण्य और पुरुषार्थ यहाँ एक साथ मिल जाते हैं। वाह ! इतनी ऊँचाई से यह दृश्य कितना मनोहारी है । देखिए ।

శంకరం : ఔను మరి! ముఖ్యంగా ఇక్కడ ఒక కొత్త దంపతుల జంట ఉన్నది కదా! అందువల్ల ఈ దృశ్యానికి మరింత అందం వచ్చింది. ఉండు భవానీ! ఒక్క నిమిషం! ఫోటో తీసు కుందాం!	क्यों न हो, इस जैसे नवदंपति जो यहाँ खड़े हैं। इससे इस दृश्य में और भी चार चाँद लग जाते हैं। एक मिनिट ठहरो भवानी - ज़रा एक फोटो खींचले ।
భవాని : దేన్ని దృశ్యాన్నా? కొత్త దంపతులనా?	किसका ? इस दृश्य का या नवदंपति का ?
శంకరం : ఓహో! అమ్మాయిగారిలో చిలిపితనం చిందులేస్తోందే! హ! హ్వ! హ్వ!	वाह भाई वाह,-यह लड़की तो आजकल बड़ी नटखट होती जा रही है। दोनों मिलकर हा - हा - हा ।

शब्दार्थ

పుణ్యం	पुण्य, पारलौकिक फल	పురుషార్థం	पुरुषार्थ, इहलोक का फल
అనుభూతి	अनुभूति	కలిగిస్తున్నది	जमाती है
యాత్రికులు	यात्री	రద్దీ	भीड़
ఏకాంతం	एकांत	కొమ్మలు	शाखाएँ
ఆకులు	पत्र, पत्ते	ఊడలు	पेड़ की शाखाओं से निकलनेवाला
వేళ్ళు	पेड़ के मूल स्थान की जड़		
ఓషదులు	औषधियाँ	వాగులు వంకలు	नाले
జలపాతాలు	झरने	మందు	दवा, औषधी
నింపుకొను	समा लेना	నింపుకొన్నాయి	समा लिए हैं
నేల	धरती	చోటు	जगह
అందుకేనేమో	शायद, इसीलिए	అనేక	अनेक
యుగాలు	युग	కోనలు	पहाड़ों के बीच के क्षेत्र
యోగులు	योगनियाँ	ఋషులు	त्रुटियाँ
సిద్ధులు	सिद्ध लोग	సాధకులు	साधक
తపఃప్రదేశం	तपो भूमि	రసవాదులు	रसवादी

ప్రయోగాలు	प्रयोग	చేశారు	किये
ఆచార్యులు	आचार्य	విద్యలు	विद्याएँ
నేర్పించారు	सिखाएँ	ముముక్షువులు	मुमुक्ष, मोक्ष को चाहने वाले
మోక్షం	मोक्ष, मुक्ति	లభించింది	मिला
కోరిన కోర్కెలు	माँगना, जो चाहना इच्छों	కోరికలు	चाहते, माँगते
తీరుస్తారు	का वे पूरा करते हैं।	బట్టలు	कपड़े
కడుతున్నారు	बाँध रहे हैं ।	సంతానం	संतान
మొక్కుకుంటు		అబ్బా	बाप रे !
న్నట్లున్నారు	मक्षत करना	ముందు జాగ్రత్త	दूर की सोचना
అడవులు	जंगल	దట్టంగా	घने रूप में
జంతువులు	जानवर	మొరటుగా	जंगली तरह के असभ्य
ఆటవికులు	आरण्यवासी	మనదేశం	हमारा देश
కీకారణ్యం	घने जंगल	జింకలు	हिरणियाँ
కుందేళ్ళు	खरगोश	పులులూ	बाघ
అడవిపందులు	जंगली सुअर	క్రూరమృగాలు	खूँखार जानवार
గిరిజనులు	जनजातियाँ	చెంచులు	चेंचु लोग
దేవత	देवता	ఆడపడుచు	घर की लड़की
అల్లుడు	दामाद	భావిస్తారు	मानते हैं
ఎప్పటినుంచో	कब से	నమ్ముకొన్నారు	विश्वास रख लिया है
జీవిస్తున్నారు	जिंदगी बिता रहे हैं	స్నేహంగా	स्नेह से
కట్టించు	निर्माण करना	కట్టించారో	निर्माण किये
దేవాలయాలు	मंदिर	వాస్తుశిల్పం	वास्तु और शिल्प
బ్రహ్మాండంగా	अदभुत रूप में	స్వయంభూ	
శతాబ్దాలు	शताब्दियाँ	లింగాలు	स्वयंभू लिंग
రాజులు	राजा	నిర్మింప జేశారు	निर्माण करवाए हैं
శాసనాలు	शिलालेख	తెలుస్తున్నాయి	मालुम हो रही है
వేరువేరు	अलग अलग	నిర్మించడం	निर्माण करना

వైవిధ్యం	विविधता
దర్శించాలి	देखा जाना चाहिए
రాతిమెట్లు	पत्थर की सीढ़ियाँ
దారి	रास्ता
బస్సులు	बसें
అప్పట్లో	उन दिनों
గుండా	के द्वारा
మార్గదర్శకులు	मार्गदर्शक
అంతటి	उतना
ప్రయాస	परिश्रम
యంత్రాలు	मशीनें
పడతావేమో	कहीं आगे न गिरो
తిప్పుతాయి	घुमाता है
చేయుబడుతున్నది	किया जा रहा है
మారుస్తాయి	बदलवाती है
బహుళార్థసాధక పథకాలు	बहु उद्देश्य परियोजना
ప్రక్కపక్కనే	एक की बगल में एक
మనోహరం	मनोहारी
నిమిషం	मिनट
చిలిపితనం	शरारत
శిఖరదర్శనం	शिखर का दर्शन
లభిస్తుంది	मिलता है
కాలినడక	पैदल चलना
పూర్వం	प्राचीन काल
రవాణాసౌకర్యాలు	यातायात की सुविधाएँ
రావడానికి	आने के लिए
నడవడం	चलना
రక్షకులు	रक्षक
శ్రమ	परिश्रम
అన్నట్లు	हाँ भूल गयी
తిరుగుతున్నాయి	घूम रहे हैं
నదినీరు	नदी का पानी
నిలువ	इकट्ठा
యంత్రశక్తి	यांत्रिक शक्ति, चालक ऊर्जा
నీటిపారుదల	सिंचाई
ఆధునిక	आधुनिक
ప్రాచీన	प्राचीन
దృశ్యం	दृश्य
జంట	जोड़ी (दंपति)
తీసుకుందాం	ले लें
చిందులువేస్తోంది	छलांग लगा रही है ।

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए।

1. ఆ దంపతులు సంతానం కోసం మొక్కుకుంటున్నట్లున్నారు.
2. పిల్లలు ఏదో ఆడుకుంటున్నట్లున్నారు.
3. ఆమె ఏదో పాడుకుంటున్నట్లున్నది.

4. ఆయన ఏదో రాసుకుంటున్నట్లున్నాడు.
5. ఆవిడ కూరగాయలు కొనుక్కుంటున్నట్లున్నారు.

II. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके अपने वाक्य बनाइए।

1. పెట్టుకొను
2. చెప్పుకొను
3. చేసుకొను
4. తీసుకొను
5. మాట్లాడుకొను

III. उदाहरण के अनुसार शब्दों को ठीक क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

ఉదా: ఆమె చదువుతున్నది.
చదువుతున్న ఆమె

1. అబ్బాయి నడుస్తున్నాడు.
2. హీరో దూకుతున్నాడు.
3. ఆమె కష్టపడుతున్నది.
4. రాకేష్ సైకిలు తొక్కుతున్నాడు.
5. సుచరిత వస్తున్నది.

IV. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर फिर से वाक्य बनाइए।

1. ఇక్కడ ఎంత ఏకాంతంగా ఉన్నది? [హాయిగా/అనుభూతిని/ఓషధులు]
2. ఈ శిల్పాల్లో వైవిధ్యం కనబడుతున్నది [శాసనాలను/కొత్తదనం/విషయాలు]
3. అంతటి శ్రమకూ ప్రయాసకు తగిన చోటే ఈ శ్రీశైల క్షేత్రం. [నడవడమే/చెంచులే/ప్రదేశమే]
4. ఈ ప్రాంతంలో పోయిన సంవత్సరం ప్రపంచ బ్యాంకు ఎత్తిపోతల పథకాలకు ఋణసాయం చేసింది [గత/ఈ రోజు/నిన్న]
5. ఇప్పుడు మా ఉద్యమంలోనే చూడండి [మనుషులలోనే/ఆఫీసులోనే/జంతువులలోనే]

VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर निम्नलिखित वाक्य पूरे कीजिए।

1. ఈ చోటులోనే ఏదో ఒక ______________ ఉన్నది.
2. ఎందరో ముముక్షువులకు ఇక్కడ ________ లభించింది.
3. ఇక్కడి దేవుళ్ళు కోరిన ___________ తీరుస్తారంటారు.
4. కొత్త దంపతులు ఆ చెట్టుకు ____________ కడుతున్నారు
5. ఇక్కడి గిరిజనులను ____________ అంటారు

[చెంచులు ఏకాంతం బట్టలు పోయిన మోక్షం కోర్కెలు శిల్పాలు గొప్పశక్తి]

VII. वार्तालाप के आधार पर दिए हुए शब्दों के दूसरे भाग पूरे कीजिए।

1. సాధు ....
2. క్రూర ....
3. ఊడలు ....
4. వాగులు ....
5. కొండలు ....

VIII. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. శ్రీశైలం క్షేత్రంలో ప్రకృతిని చూసి భవాని ఏమన్నది ?
2. ఆ చోటులో ఏమున్నది ?
3. పూర్వకాలంలో భక్తులు శ్రీశైలానికి ఎలా వచ్చేవారు ?
4. భవానీ తమ్ముడు అక్కడ దేన్ని తప్పకుండా చూడమన్నాడు ?
5. బహుళార్థ సాధక పథకాలను గురించి భవాని ఏమన్నది ?

పాఠం 13
पाठ 13

లోకాభిరామాయణం	रामकथा
రామ (నాథం) : ఏమయ్యా! మీరు ఇద్దరూ ఎక్కడికీ బయలుదేరారు?	अरे भाई - आप लोग कहाँ चले ?
బుచ్చి (బాబు) : ఇంకెక్కడి కండీ గురువుగారూ! మేం క్యాంటిన్‌కి వెళ్తున్నాం. మీరు ఇంకా ఏమిటి ఆ ఫైళ్ళతో కుస్తీ పడుతూ కూర్చున్నారు? మీకు కడుపులో ఎలుకలు పరుగెత్తడం లేదా?	और कहाँ जाएँगे गुरुजी, बस कैन्टीन की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। आप तो इन्हीं फाईलों में जूझते रहिए, आप के पेट में चूहे नहीं दौड़ रहे क्या ?
అప్పా (రావు) : ఎందుకు లేవయ్యా ఆయనను కదిలిస్తావు? ఆయన ఇరవై ఏళ్ళుగా అవే ఫైళ్ళు చూస్తూ ఈ ఆఫీసును తానే మోస్తున్నారు. ఆయన ఎన్ని రోజులైనా భోజనం చెయ్యకుండా ఉండగలరు. మహాను భావుడు కదా!	अरे छोड़ो भी। इन्हें क्या मतलब ? बीस साल से इन्हीं फाईलों में आँखें गड़ाये गड़ाये ऑफिस का बोझ यही तो उठाए लिए जा रहे हैं। ये तो बिना भोजन के कितने ही दिन रह सकते हैं ! महान् आत्मा है ना !
రామ : ఏమిటయ్యా అప్పారావ్, నువ్వీ రోజు నా మీదికి దండెత్తుతున్నావు? నాకు కూడా ఆకలి వేస్తూ ఉన్నది. పైగా మీరిద్దరూ వెళుతూ నన్ను పిలుస్తారు కదా! ఇవాళ పిలవలేదు. అందువల్ల అలా అన్నాను అంతే. నేను ఆకలికి తట్టుకోలేను. నేనూ వస్తా నుండండి.	यह क्या अप्पाराव ? आज तुम बिना बात मेरे ऊपर हमला क्यों कर रहे हैं ? मुझे भी तो भूख लग रही है। और मुझसे तो भूख सहन भी नहीं होती ।
బుచ్చి : ఏమీ అనుకోకండి? మీరు ఇన్ని ఏళ్ళుగా ఈ ఆఫీసుకోసం కష్టపడుతున్నారు. కానీ మీకు ప్రమోషన్ రాలేదు. అందుకే మీ మీది అభిమానంతో అప్పారావు అలా అంటున్నాడు. ఆ ఫైలు	इसे अन्यथा न लें। आप तो बरसों से इस ऑफ़िस के लिए कष्ट उठा रहे हैं, लेकिन आपको एक भी प्रमोशन नहीं मिला। अप्पाराव स्नेहवश ही ऐसा कह रहे हैं। इस फाईल को

తరువాత చూడవచ్చు. అక్కడ సీట్లు కొన్నే ఉన్నాయి. జనం గుమిగూడతారు.

आप बाद में भी देख सकते हैं। कैन्टीन में भी देख सकते हैं। कैन्टीन में बैठने की भी जगह बहुत कम है। फिर भीड़ बढ़ती जा रही है।

అప్పా: ఆయనను నెమ్మదిగా కానివ్వు మనం ముందుగా వెళుతున్నాం కదా. ఆయనకు ఒక సీటు పట్టుకోవచ్చు.

उन्हें आराम से आने दो। हम पहले जा ही रहे हैं, उनके लिए भी जगह रोक लेंगे।

బుచ్చి: అప్పారావ్ ఏమిటి ఆలోచిస్తూ తింటున్నావు? కొంచెం ఈ లోకంలోకి రా. మాట్లాడుకుంటూ తిందాం. మన వెంకటేశం ఈ మధ్య మనలను పలకరించకుండా పోతున్నాడు ఎందుకో తెలుసా?

अप्पाराव खाते-खाते किस सोच में पड़ गये ? इस दुनिया में वापस आ जाओ। यह जो हमारा वेंकटेश है न आजकल ठीक से दुआ-सलाम भी नहीं करता। तुम जानते हो क्यों ?

అప్పా: ఔను ఆఫీసునుంచి ఇంటికి కూడా ఆలస్యంగా వెళుతున్నాడు. మొన్న ఒక రోజు రాత్రి తొమ్మిది గంటలకు ఇంటికి వెళ్ళాడట. తానే చెప్పాడు. కాని "అదంతా పెండింగు ఫైళ్ళ పని" అన్నాడే, కారణం నీకు తెలుసా ఏమిటి?

हाँ - आजकल वह आफ़िस से घर भी देर से जाता है। क्या तुम इसका कारण जानते हो ?

బుచ్చి: వాడు ప్రమోషన్ కోసం తాపత్రయ పడుతు న్నాడు. కొత్త ఆఫీసరు వచ్చాడు కదా. వాడు తన మాటలతో ఆయనను బుట్టలో వేయగలడు. కొన్నాళ్ళు ఇట్లాగే `శ్రమజీవి' పోజు పెడతాడు. అప్పుడే వాడు ఆయనను పొగుడుతూ కాకా పడుతున్నాడట. వాళ్ళ సెక్షనులో చెప్పు కొంటున్నారు. ఈ మధ్య తరచుగా బాసు ఇంటికి వెళుతూ ....

वह प्रमोशन के चक्कर में है। अब जो आफ़िसर है वह भी नया है। वह उसे अपनी बातों से फँसा कर जेब में डाल लेगा। वह अभी से चापलूसी करके खूब मक्खन लगा रहा है । ऐसा उसके सैक्शन में कहा जा रहा है। आजकल वह अपने बॉस के घर भी आता जाता........

అప్పా: వెళుతూ?? ఊ!

आता जाता है —— हाँ ?

బుచ్చి: ఆ మనకెందుకు లేవయ్యా.

हम क्यों इस बारे में सोचें ?

అప్పా : ఎట్లాగూ మొదలు పెట్టావుగా! చెప్పు. వెళుతూ ఏం చేస్తున్నాడు?

वैसे भी तुम बता ही रहे हो तो कहो - क्या करता है वह ?

బుచ్చి : మేడంగారికి ఇంటిపనులు చేసి పెడుతు న్నాడట కూడా. వాళ్ళ సెక్షనులోని సుబ్బారావు చెప్పాడు. ఎవరితో చెప్పకు.

वह मैडम के घरके कामों में मदद करता है। ऐसा सुब्बाराव ने कहा जो वेंकटेश के सैक्शन में है। यह बात किसीसे न कहना।

అప్పా : ఓరి వీడి కాకా పాడుగాను. అదన్నమాట తెరవెనుక కథ.

उसकी चापलूसी धूल में मिल जाए। यह तो पर्दे के पीछे की बात है।

రామ : ఛీ!ఛీ!ఛీ! స్వర్గం కోసం కూడా నేను ఇలాంటి పనులు చేయలేను బాబూ! ఏమైనా చేయవ చ్చు కాని ఆత్మాభిమానాన్ని మాత్రం ఎప్పటికీ వదులుకోరాదు.

छीः-छीः-छीः, मुझे तो अगर स्वर्ग भी मिले तब भी ऐसा नहीं कर सकता। कुछ भी किया जा सकता है पर अपने स्वाभिमान को ताक पर नहीं रखा जा सकता।

అప్పా : మీకు ఇంత గొప్ప ఆదర్శాలు ఉన్నాయి కాబట్టే మీరు ఇలా ఉన్నారండీ ఏ ప్రమోషనూ లేకుండా, కాలంతో పాటు మారుతూ ఉండాలి. అప్పుడే మనం అంతో ఇంతో సంపాదించుకో వచ్చు. అంతే కాని మీలాగా ఆదర్శాల మధ్య వేలాడుతూ ఉండరాదు. చూస్తూ ఉండండి నిన్నా మొన్నా చేరిన వెంకటేశం కూడా మీ బాస్ అవుతాడు.

इन्हीं आदर्शोंके चक्कर में तो आप को अभी तक एक भी प्रमोशन नहीं मिला। हमें समय के साथ बदलना चाहिए तभी हम कुछ कमा सकते हैं। बस इतना ही। आपकी तरह आदर्शों के बीच लट के रहने में कोई समझदारी नहीं है ।

బుచ్చి : నువ్వు రోజు రోజుకీ మరీ ఇదిగా మాట్లాడుతు న్నావు అప్పారావ్. లోకంలో ఎందరో అడ్డదారు లను అనుసరిస్తూ పైకి వస్తున్నారు. అలాంటి పద్ధతిలో సులభంగా ఏదైనా సాధించవచ్చు కూడా. అయితే అలా పైకి వెళ్తూ వెళ్తూ వాళ్ళు ఎక్కడో ఒక చోట దెబ్బ తినవచ్చు. వాళ్ళు ఎంత అపకీర్తిని అనుభవిస్తూ బతుకు తున్నారో చూడు. అటువంటి జీవితమూ ఒక జీవితమేనా?

कैसी बात करते हो अप्पाराव? दुनिया में बहुत से लोग उन्नति के शिखर पर पहुँचने के लिए गलत रास्ते का चुनाव करते हैं। इस ढंग से आसानी से कुछ भी किया जा सकता है। लेकिन ऐसे लोग जिस बदनामी की जिन्दगी जीते हैं वह जिन्दगी भी कोई जिन्दगी है ?

రామ : అలా కబుర్లు చెప్పుకొంటూ కూర్చున్నారే మిటీ? ఇక లోకాభిరామాయణం చాలు ఇప్పటికే ఆలస్యం అయింది. కదలండి.	आप लोग बैठे बैठे ऐसे ही गप्पें मारते रहेंगे। अब इस राम कथा को बन्द करो। देर हो रही है। चलो चलें।

शब्दार्थ

బయలుదేరు	रवाना होना, निकलना	గురువు	टीचर
వెళ్తున్నాం	जा रहे हो	కుస్తీ	कुश्ती
కడుపు	पेट	ఎలుకలు	चूहे
కదిలిస్తావు	हिलाना, यहाँ से वहाँ रखना	మోస్తున్నారు	वे उठाकर ले जा रहे हैं ।
చేయకుండా	करो मत, करना नहीं	మహానుభావుడు	बड़ा आदमी
దండెత్తు	चढ़ाई करना, धावा बोलना	ఇవాళ	आज
అందువల్ల	उसके कारण	తట్టుకోలేను	दर्द होना
అనుకోకండి	नहीं तो	ఇన్ని	इतने, इतने सारे
ఏళ్ళు	वर्ष, साल	కష్టపడుతున్నారు	तकलीफ उठाना, कष्ट करना
తరువాత	बाद में	చూడవచ్చు	देख रहा हूँ
కొన్నే	थोड़ा	గుమిగూడు	लोग इकट्ठे हुए हैं
నెమ్మదిగా	धीरे से, धीरे धीरे	రానివ్వు	उसे आने दो
పట్టుకోవచ్చు	वह पकड़ पायेगा	ఈ లోకం	इस दुनिया में
తిందాం	खाऐं	మనలను	हम सब
పలకరించకుండా	बिना कुछ बोले मुँह मोड़ लेना	పోతున్నాడు	वह गया
రాత్రి	रात	తొమ్మిది	नौ
కారణం	कारण, वजह	తాపత్రయం	तकलीफ, कष्ट
బుట్టలో	थैली में	వేయగలడు	डाल सकते है
కొన్నాళ్ళు	कुछ दिन	ఇట్లాగే	इस तरह
శ్రమజీవి	श्रमजीवी, परिश्रमी	ఫోజు	फौज
పొగుడుతూ	तारीफ करना	కాకా	मक्खन लगाना, चापलूसी करना
తరుచు	कभी-कभी	మొదలు	पहले
ఎట్లాగూ	बहुत देर बाद, आखिर	తెరవెనుక కథ	पर्दे के पीछे की कहानी

స్వర్గం	स्वर्ग	ఆత్మాభిమానాన్ని	स्वाभिमान
వదులుకోరాదు	उसे खो मत	మారుతూ	बदलना
సంపాదించు	पैसा कमाना	వేలాడుతూ	लटका हुआ
అడ్డదారులు	गलत रास्तेपर	అనుసరిస్తూ	अनुकरण करना
దెబ్బతిను	मार खाना, चोट खाना	అపకీర్తి	बुरा नाम कमाना
కదలు	हिलना		

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए।

1. ఎందుకు లేవయ్యా ఆయనను కదిలిస్తావు?
2. మీరు ఇన్ని ఏళ్ళుగా ఈ ఆఫీసు కోసం కష్టపడుతున్నారు?
3. ఆత్మాభిమానాన్ని ఎప్పటికీ వదులుకోరాదు.
4. మీలాగా ఆదర్శాల మధ్య వేలాడుతూ ఉండరాదు.
5. ఫైళ్ళతో కుస్తీ పడుతూ కూర్చున్నాడు.

II. उदाहरण के अनुसार दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके नये वाक्य बनाइए।

(1) उदा : రాలేను నేను పార్టీకి రాలేను.

1. తట్టుకోలేను.
2. నిలవలేను.
3. చెప్పలేను.
4. చదవలేను.
5. రాయలేను.

(2) उदा : అతనే వద్దని చెప్పాడట.

1. వెళ్ళాడట.
2. రాశాడట.
3. మాట్లాడట.
4. తిన్నాడట.
5. పాడాడట.

(3) उदा : సాధించవచ్చు.

సహనంతో ఏపనినైనా సాధించవచ్చు.

1. తినవచ్చు.
2. చేయవచ్చు.
3. చూడవచ్చు.
4. పట్టుకోవచ్చు.
5. చెప్పవచ్చు.

III. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों को जोड़िए।

(1) उदा : ఆయన ఎన్ని రోజులైనా భోజనం చేయరు.
ఆయన అలాగే ఉండగలరు. [చేయకుండా]
ఆయన ఎన్ని రోజులైనా భోజనం చేయకుండా ఉండగలరు.

1. నన్ను చూసినా వెంకటేశం పలుకరించడు.
వెంకటేశం అలాగే పోతున్నాడు. [పలుకరించకుండా]
2. ఆయన ఈ ఊరు వస్తే మా ఇంటికి రాడు.
ఆయన ఉండడు. [రాకుండా]
3. వాడు నాతో చెప్పడు.
వాడు వెళ్ళడు. [చెప్పకుండా]
4. వాడు ఏ పనీ చేయడు.
వాడు ఊరికే ఉండడు. [చేయకుండా]
5. నేను కొత్త సినిమాను చూడను.
నేను ఉండను. [చూడకుండా]

(2) उदा: అతడు ఫైళ్ళలో కుస్తీపడుతున్నాడు.
అతడు కూర్చున్నాడు.
అతడు ఫైళ్ళతో కుస్తీ పడుతూకూర్చున్నాడు.

1. వాడు మాట్లాడుతున్నాడు.
వాడు తింటున్నాడు.
2. ఆమె పాడుతున్నది.
ఆమె డాన్స్ చేస్తున్నది.
3. ఆయన చూస్తున్నారు.
ఆయన రాస్తున్నారు.
4. ఆయన పేపరు చదువుతున్నారు.
ఆయన కాఫీ తాగుతున్నారు.
5. వాళ్ళు పాడుతున్నారు.
వాళ్ళు పని చేస్తున్నారు.

IV. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य फिर से लिखिए ।

1. ఇంకా ఏమిటి ఆ <u>ఫైళ్ళతో</u> కుస్తీ పడుతూ కూర్చున్నారు. [పాఠం/పై/పక్క]
2. మీ <u>మీది</u> అభిమానంతో అప్పారావు అలా అన్నాడు. [కింది/పై/పక్క]

3. మనం ముందుగా వెళుతున్నాం కదా. [వెంటనే/తిందాం/బుట్ట]
4. అదన్నమాట తెరవెనుక కథ. [అసలు/సంగతి/మాత్రం]
5. లోకంలో ఎందరో అడ్డ దారులను అనుసరిస్తూ పైకి వస్తున్నారు. [ఒక/పైకి/పక్క]

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर निम्न वाक्य पूरे कीजिए ।

1. మీకు కడుపులో __________ పరుగెత్తడం లేదా?
2. ఆయన ఎన్ని రోజులైనా __________ చేయకుండా ఉండగలరు.
3. నాకు కూడా __________ వేస్తూ ఉన్నది.
4. ఆయనకు ఒక __________ పట్టుకోవచ్చు.
5. వాడు ప్రమోషన్ కోసం __________ పడుతున్నాడు.

[తాపత్రయ ఏళ్ళుగా ఆకలి ఫైలు సీటు శ్రమజీవి ఎలుకలు భోజనం]

VI. कोष्ठक में दिए हुए हिन्दी शब्दों के समान तेलुगु शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे कीजिए।

1. మీరు __________ (आज) నన్ను పిలవలేదు.
2. ఆయనకు __________ (पेट) లో నొప్పిగా ఉన్నది.
3. వెంకటేశం __________ (श्रमजीवी) ఫోజు పెడుతున్నాడు.
4. ఒక రోజు రాత్రి __________ (नौ) గంటలకు ఇంటికి వెళ్ళాడట.
5. నేనైతే __________ (स्वर्ग) కోసం కూడా ఇలాంటి పనులు చేయలేను.

VII. वार्तालाप के आधार पर निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. కుస్తీ పడుతూ
2. ఆఫీసును తానే
3. నేను ఆకలికి
4. అదంతా పెండింగు
5. ఆదర్శాల మధ్య
6. దండెత్తు

VIII. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. క్యాంటిన్‌కి వెళుతూ బుచ్చిబాబు రామనాధాన్ని ఏమన్నాడు?
2. రామనాధాన్ని గురించి అప్పారావు ఏమన్నాడు?
3. వెంకటేశం గురించి బుచ్చిబాబు ఏం చెప్పాడు?
4. వెంకటేశం కథ విని రామనాధం ఏమన్నాడు?
5. ఈ పాఠంలో `లోకాభిరామాయణం' ఏమిటి?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में वर्तमान कालिक कृदंत प्रयोगों का परिचय दिया गया है। जैसे

1) మీరు వెళుతూ నన్ను పిలుస్తారు కదా!	आप जायें तो मुझे बुलाना।
2) మీరు ఇంకా ఏమిటి ఆ ఫైళ్ళతో కుస్తీ పడుతూ కూర్చున్నారు?	आप तो इन्हीं फाईलों से जूझते रहिए।

क्रियाओं के मूल रूप में -తూ प्रत्यय जोड़कर यह रूप बनाया जाता है । जैसे

వెళ్ళు + తూ = వెళ్ళుతూ/వెళుతూ	जाते
పడు + తూ = పడుతూ	पड़ जाना

2. पूर्वकालिक का निषेधात्मक रूप का भी परिचय दिया गया है। जैसे

1) ఈ మధ్య వెంకటేశం మనలను పలకరించకుండా పోతున్నాడు.	आजकल वेंकटेश हम से बात किए बिना चला जा रहा है।
2) మీకు నన్ను పిలవకుండా వెళుతున్నారు.	आप मुझे बुलाए बिना जा रहे हैं।

क्रिया के मूल रूप में - అకుండా जोड़कर यह निषेधात्मक रूप बनाया जाता है । जैसे

పలకరించు + అకుండా = పలకరించకుండా

పిలవక + అకుండా / పిలువ్ + అకుండా = పిలవకుండా   नहीं (न) बुलाकर

3. पाठ में आए हुए निम्न मुहावरों तथा कहावतों के प्रयोग पर ध्यान दीजिए।

   i) इस पाठ का शीर्षक లోకాభిరామాయణం - `रामकथा' है । पर यहाँ रामकथा से तात्पर्य, किसी के विषय में कानाफूसी करना या आलोचना करना है।

   ii) ఫైళ్ళతో కుస్తీ పడుతూ కూర్చోను - फाइलों से कुश्ती लड़ बैठना - इसका शाब्दिक अर्थ है फाईलों से जूझना यानि किसी कार्य को अनचाहे रूप में लम्बे समय तक करना ।

   iii) కడుపులో ఎలుకలు పరుగెత్తు - पेट में चूहे दौड़ना - इसका शाब्दिक अर्थ है - पेट में चूहें कूदना यानि बहुत भूख लगना।

   iv) ఆదర్శాల మధ్య వేలాడు. - आदर्शों के बीच में लटकना - इसका शाब्दिक अर्थ है - आदर्शों के मध्य लटकना अर्थात् बदली हुई परिस्थितियों में भी आदर्शों को न छोड़ना । यानि बहुत आदर्शवादी होना।

పాఠం 14
पाठ 14

కాలేజీ కవిపుంగవుడు	कॉलेज के कवि श्रेष्ठ
అరుణ : ఓయ్ కరుణా! ఇవాళ మా క్లాసులో ఏం జరిగిందో తెలుసా?	ऐ करुणा ! जानती हो आज क्लास में क्या हुआ ?
కరుణ : ఏం జరిగిందే? ఆ హిస్టరీ మాస్టరు మళ్ళీ ఏదైనా అయోమయం పని చేశాడా ఏమిటి?	क्या हुआ भाई ? इतिहास के अध्यापक ने आज फिर कोई गड़बड़ कर दी क्या ?
అరుణ : అబ్బ! మాస్టార్ల సంగతి కాదే, మన కాలేజీలో అభినవ భావ కవిసార్వభౌముడు కామేశ్వర రావు లేడూ? వాడి వీర గాథ ఇది.	अरे नहीं। अध्यापकों की बात नहीं है। हमारे कालेज का जो आधुनिक छायावादी कवि कामेश्वर राव है न यह उसी की वीरगाथा है।
కరుణ : అంటే ఏమిటే? మళ్ళీ అతను ఎవరి వెంటైనా పడ్డాడా ఏమిటి?	क्या मतलब - ? क्या वे फिर किसी के पीछे पड़ गये ?
అరుణ : ఎవరి వెంటైనా ఏమిటి? నిన్న వాడి కళ్ళు నా మీదనే పడ్డాయి.	किसी और के पीछे क्या ? आज तो उसकी आँखें मेरे ही ऊपर लगी थी ।
కరుణ : అమ్మో! ఏం చేశాడేమిటి?	हाँ ! क्या कर दिया ?
అరుణ : ఎవరి దగ్గరైనా వాడిది ఒకే పద్ధతి. ముందు నోటు పుస్తకమో పేపరో ఏదో ఒకటి అమ్మాయిల డెస్కు మీద పెట్టి ఎక్కడికైనా వెళతాడు. తరువాత వచ్చి అరె! నా పుస్తకం ఇక్కడికి ఎలా వచ్చింది?" అంటాడు. ఏమీ తెలియ	अरे हर लड़की के साथ उसका एक ही ढंग होता है। पहले अपनी नोटबुक, पेपर या कोई और चीज किसी लड़की के डैस्क पर छोड़ देता है और फिर कहीं गायब हो जाता है। बाद में आकर, बनता हुआ पूछेगा कि यह

నట్లుగా మనం "నాకు తెలియదండీ" అన్నాం అనుకో అప్పుడు అతను పరవాలేదు లేండి, `మీకు కవిత్వం ఇష్టం అనుకుంటాను. చదివి ఇవ్వండి" అని మన సమాధానం కూడా వినకుండా వెళ్ళిపోతాడు.

यहाँ कैसे आया? यदि हमने कहा कि हम कुछ नहीं जानती तो कहेगा - कोई बात नहीं - मैं जानता हूँ कि आपको कविता बहुत पसन्द है। एक बार पढ़ लो फिर दे देना। फिर हमारे उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना उड़न छू हो जाता है।

కరుణ : అంటే! అలా పరిచయం చేసుకుని స్నేహం పెంచుకుంటాడేమో? ఈ స్నేహం క్రమక్ర మంగా పెరిగి పెరిగి అభిమానంగా మారి, అభిమానం అనురాగంగా మారవచ్చు. ఇలా సినిమాటిక్‌గా ఊహించుకుంటాడేమో!

यानि इस तरह जान पहचान करके मित्रता बढ़ाने की कोशिश करता है। फिर फिल्मी ढंग से कल्पना कर लेता है। मित्रता आत्मी-यता में बदल जाएगी और आत्मीयता प्रणय में बदल जाएगी।

అరుణ : ఔను సరిగ్గా ఊహించావ్. కాని పాపం ఇంత వరకూ ఒక్కసారి కూడా వాడి ఆశలు ఫలించ లేదు. ఏ సుందరీ వాడిని వరించలేదు. వాడి పిచ్చి తెలిసి ఇప్పుడు అమ్మాయిలంతా వాడి గురించి ఎగతాళిగా మాట్లాడుకుంటారు. ఎవరైనా నవ్వులాటకు "హల్లో కామేశ్వరరావు గారూ! ఏవైనా కొత్త కవితలు రాశారా? అంటారు అనుకో, ఇక వాడికి పట్ట పగ్గాలు ఉండవు. రోజు రోజుకీ తన పాపులారిటీ పెరిగిపోతున్న దనుకుంటాడు.

तुमने ठीक समझा। पर बेचारे की इच्छा अब तक एक बार भी पूरी नहीं हुई। किसी भी सुन्दर लड़की ने उसे घास नहीं डाली। (या पास नहीं फटकने दिया) अब तो सभी उसका `पाठालापन' जान गये हैं। सारी लड़-कियाँ उसे लेकर खूब मज़ाक उड़ाती हैं। और यदि कोई हँसी-हँसी में कहे - हैलो कामेश्वर राव जी कोई नयी कविता बनी ! तो वह फूला नहीं समाता, उसे लगता है कि दिन प्रति दिन उसकी पॉपुलारिटी बढ़ती ही जा रही है।

కరుణ : అయ్యో పాపం! అతనికి అసలు సంగతి ఎప్పటికి తెలుస్తుందో కదా! నువ్వు అతని కవితలు ఎప్పుడైనా విన్నావా?

बेचारा। उन्हें सच्चाई कब मालुम होगी ? क्या तुमने कभी उनकी कविताएँ सुनी हैं ?

అరుణ : ఆ! విని విని విసుగువచ్చింది. చిన్న అవకాశం వస్తే వదిలి పెట్టడుగా!	हाँ ! (उनकी कविताएँ) सुनकर मैं ऊब गयी हूँ। यदि उसे अवसर मिले, तो वह छोड़ेगा नहीं ।
కరుణ : ఆ! అది సరే, నిన్న కూడ అట్లాగే చేశాడా?	हाँ बताओ तो कल भी ऐसा ही किया क्या?
అరుణ : చేద్దామనుకున్నాడు. పాలిటిక్స్ క్లాస్ అయిపో యింది. అందరూ బయటికి వెళుతున్నారు. నేను మీ క్లాస్ వైపుకు వద్దామనుకుని బయలు దేరుతున్నాను. ఇంతలో డెస్కు మీద రంగు రంగుల అట్టవేసిన పుస్తకం కనిపించింది. వెంటనే నాకు అర్థం అయిపోయింది. ఇవాళ ఆ మహానుభావుడి గాలి ఇటు మళ్ళిందే అనుకున్నాను.	करना तो चाहता था। पालिटिक्स की क्लास खत्म हुई। सब लोग बाहर जा रहे थे। मैं भी तुम्हारी क्लास की तरफ आनेकी सोच रही थी। निकल ही रही थी कि अपने डैस्क पर एक रंगबिरंगी किताब दिखाई दी। मैं तुरन्त समझ गई। सोचा कि उस महाशय की हवा का रुख आज मेरी तरफ है।
కరుణ : ఊ! అప్పుడు? వచ్చాడా అతను.	अरे रे रे तब ? आ गये वे ?
అరుణ : ఆ! రాకుండా ఉంటాడా కవిగారు? నిన్న చక్కగా ముస్తాబు అయి వచ్చారు. నల్లని ప్యాంటులో తెల్ల చొక్కా టక్ చేసి, ప్యాంటు జేబుల్లో చేతులు పెట్టుకుని విలాసంగా అడుగులు వేస్తూ వచ్చాడు.	आता क्यों नहीं - कवि महोदय कल खूब सजधज कर आये थे। काली पैन्ट में सफेद कमीज़ को टक किये हुए, पैन्ट की जेबों में हाथ डाले भटकते हुए कदम रखते हुए वह आया ।
కరుణ : ఆ! వచ్చి?	हाँ, आकर ?
అరుణ : అంతకు ముందు మా రోజీ అరటిపండు తిని తొక్క అక్కడే పడవేసినట్లుంది. మన సుంద రాంగుడు ఆ తొక్క మీద కాలువేసి జర్రున జారి పడ్డాడు. వాడి కాలు తగిలి పక్కనే ఉన్న కుర్చీ పడి పోయింది. ఆ హడావుడిలో వాడి పెన్ను క్యాపు ఎగిరి పడిపోయి చొక్కా జేబంతా ఇంకుతో తడసిపోయింది. తెల్ల చొక్కా	इससे पहले जो हमारी रोज़ी है न उसने केला खा कर शायद छिलका वहीं फेंक दिया था और हमारे सुन्दर वदन का पैर उस पर पड़ा वह फिसल गया। उसके पैर की ठोकर से साथवाली कुर्सी भी गिर पड़ी। इस गड़बड़ में उसके पैन का ढक्कन निकल कर दूर जा पड़ा । और उसकी

మీద నీలి మరకలతో కవిగారి అందం మరింత ఇనుమడించింది.	कमीज़ की जेब पूरी तरह स्याही से भर गई। सफेद कमीज़ पर स्याही के नीले धब्बों ने कवि श्रेष्ठ की शान और बढ़ा दी।
కరుణ : అయ్యయ్యో పాపం! అప్పుడు?	अरे बेचारा । तब ?
అరుణ : నాకు ఫక్కున నవ్వు వచ్చింది. ఇంతలో కుర్చీ పడ్డ శబ్దం విని అక్కడికి జనం పోగయ్యారు. అక్కడ పడి ఉన్న ఆ మహాశయుడిని చూసి వాడి మీద విరుచుకు పడ్డారు. "ఇంక ఇప్పుడు కుర్చీల వెంట పడ్డావా మహాశయా!" అన్నది కరుకుగా మా రోజీ. అందరూ పడీ పడీ నవ్వారు.	मेरी हँसी फूट पड़ने को हुई । इतने में कुर्सी गिरने की आवाज़ से लोग वहाँ इकठ्ठे हो गये। इस महाशय को वहाँ गिरा देखकर इसपर टूट पड़े। रोज़ी ने पूछा - क्यों महाशय अब कुर्सियों के पीछे भी पड़ने लगे हो ? सब लोग ठहाका लगा कर हँस पड़े ।
కరుణ : పాపం. ఎవరూ అతన్ని లేవదీయలేదా?	बेचारा - किसी ने उसे उठाया नहीं ?
అరుణ : పాపమెందుకు? వాడికి తగిన శాస్తి అయిందనుకున్నారందరూ. వాడే నెమ్మదిగా లేచి అందరి వైపూ తిరిగి చూశాడు. తలదించుకుని నిలబడ్డాడు. అందరూ వాడిని చెడా మడా తిట్టారు. అంతలో ప్రిన్సిపాల్ గారు వచ్చి "ఏమిటయ్యా ఈ గొడవంతా?" అన్నారు కోప్పడుతూ. "మరచి పోయానండి నా పుస్తకాన్ని అక్కడ, చూడలేదండీ ఈ అరటి తొక్కను ఇక్కడ..." అన్నాడా అభినవ కవి భయం భయంగా. "బాబోయ్! ఇప్పుడు కూడా కవిత్వం చదివి వినిపిస్తున్నావా నాయనా?' అన్నారు ప్రిన్సిపాల్‌గారు. అది విని ప్రిన్సిపాల్‌తో సహా అందరూ మరోసారి గొల్లుమన్నారు.	इसमें बेचारे की क्या बात है। उसे अपनी करनी का फल मिल गया। वह स्वयं धीरे धीरे उठ खड़ा हुआ और गर्दन घुमाकर सबकी तरफ देखा । फिर सिर झुकाकर खड़ा हो गया। सबने उसे जी भरकर गालियाँ दी। इतने में प्रिंसीपल भी वहाँ आ गये और गुस्से में पूछने लगे - यहाँ यह क्या गड़बड़ हो रही है ? हमारे अभिनव कवि शिरोमणि डरते डरते बोले - "भूलसे अपनी किताब यहाँ रख दी, वहाँ देखा नहीं। पड़ा था केले का छिलका यहाँ।" प्रिंसीपल तुरंत बोले- अभी भी कविता सूझ रही है। इससे सब लोग एक बार फिर ठहाका लगाकर हँस पड़े।
కరుణ : మరి ఆ అబ్బాయి?	फिर उस युवक का क्या हुआ ?

అరుణ : ఆ వాడేం చేస్తాడే పిచ్చి మొహమా! నేను పుస్తకం తీసి ఇచ్చాను. గొణుగుతున్నట్లుగా థ్యాంక్స్ చెప్పి వెనక్కి తిరిగి చూడకుండా చక చకా వెళ్ళి పోయాడు. ఇంక జన్మలో తన కవిత్వంతో అమ్మాయిల జోలికి పోక పోవచ్చు మన కవి పుంగవుడు.	और क्या होगा पगली ? मैंने ही उसकी किताब उठाकर उसे पकड़ा दी उसने फुस-फुसाते हुए धन्यवाद कहा और रफू चक्कर हो गया। अब वह इस जन्म में तो कमसे कम अपनी कविता लेकर लड़कियाँ के पीछे नहीं पड़ेगा।

शब्दार्थ

ఓయ్	ए !	హిస్టరీమాస్టారు	इतिहास के अध्यापक
అయోమయం	गड़बड़ में पड़ना	సంగతి	विषय, समाचार
అభినవ	नये जमाने के	సార్వభౌముడు	सार्वभौम
వీరగాథ	वीरगाथा	వెంటైనా	साथ में
పడ్డాడా	वह गिर गया	అమ్మో	भय से चिल्लाना
ఒకేపద్ధతి	अलग अलग प्रकार	అరె	अरे
అన్నాం	कहा है, बताया है	అనుకో	सोचो
పరవాలేదు	चिंता मत करो	అనుకుంటారు	मैं सोचता हूँ
సమాధానం	समाधान	వినకుండా	बिना सुने चल देना, अनसुनी करना
పరిచయం	परिचय		
స్నేహం	दोस्ती, मित्रता	పెంచుకొనుట	पाल लेना, गोद लेना
క్రమక్రమంగా	क्रम के अनुसार	పెరిగి	बढ़ना
అభిమానం	अभिमान	మారవచ్చు	बदला, बदलाव
ఊహించు	सोचो	ఆశలు	आशाएँ
ఫలించు	सफल होना, एकत्रित होना	సుందరీ	सुन्दर लड़की
వరించలేదు	पसंद नहीं आई	పిచ్చి	पागल
ఎగతాళి	मज़ाक, दिल्लगी	నవ్వులాటకు	मजाक के लिए
పట్టపగ్గాలు	सीमा	పెరిగిపోతూ	बढ़ते हुए
వినివిని	सुनसुन कर	విసుగు	तंग करना

అవకాశం	अवकाश, समय	వదిలిపెట్టు	छोड़ दो
వద్దామనుకుని	आनेकी सोची	అట్టవేసిన	पुट्ठा चढ़ाना
కనిపించింది	दिखाई दिया	అర్థం	अर्थ
అయిపోయింది	हो गया, खतम हुआ	మళ్ళిందే	टहलना, धूमना
ముస్తాబు	तैयार होना	నల్లని	काला
తెల్లచొక్క	सफेद कमीज	విలాసంగా	ऐशो-आराम
అడుగు(లు)	कदम, पैर	అరటిపండు	केले
తొక్క	छिलका	పడవేసి	गिराना
సుందరాంగుడు	हँसीन	జర్రున	धम्से (आवाज के साथ)
జారుట	फिसलना	తగిలి	टकराना
హడావుడి	हड़बड़ीमें, जल्दीमे	ఎగిరి	उड़ान
జేబంతా	पूरा जेब	తడసి	भीगना, गीला होना
నీలిమరకలు	नीले धब्बे	ఇనుమడించింది	दुगुना करना
ఫక్కున	तुरंत	నవ్వు	हँसी
శబ్దం	आवाज़	జనం	लोग
పోగయ్యారు	इकठ्ठा होना, समूह	పడిఉన్న	गिरा हुआ
మహాశయుణ్ణి	महाशय	విరుచుకుపడ్డారు	झगड़ते झगड़ते एक दूसरे के ऊपर गिरना
కరుకుగా	गुस्सेसे कुछ कहना		
పాపం	गरीब बेचारा	లేవదీయు	हाथ पकड़ कर उठाना
తగిన	उचित, योग्य	శాస్తి	सबक सिखाना
చెడామడా	थप्पड़ लगाना	తిట్టారు	डाँट दिया
గొడవంతా	झगड़ा खत्म होने के बाद	కోప్పడుతూ	गुस्सा हो कर (गए)
మరిచిపోవు	भूल जाना	భయంభయంగా	भयभीत होकर
వినిపించు	सुनाई दिया (गाना)	గొల్లుమను	हायतोबा मचाना
పిచ్చిమొహమా	पगली !	గొణుగుతున్నట్లు	गुनगुनाना
చక చకా	जल्दी, तीव्र गतिसे	జన్మలో	जन्मसे
జోలికి	उनके पास	పోకపోవచ్చు	नहीं जा सकता

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए।

1. ఏం జరిగిందో తెలుసా?
2. పరవాలేదు లేండి.
3. తిరిగి చూశాడు.
4. పండు తిని తొక్క పారవేసింది.
5. లేచి తలదించుకుని నిలబడ్డాడు.
6. ఆ అట్టవేసిన పుస్తకం ఇవ్వు.
7. చదివి ఇవ్వండి.
8. తిరిగి చూడకుండా వెళ్ళాడు.
9. ఏ సుందరీ వాడిని వరించలేదు.
10. స్నేహం క్రమక్రమంగా పెరిగి పెరిగి అభిమానంగా మారింది.

II. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके नये वाक्य बनाइए।

(1). *उदा: ఏవైనా*

అక్కడ ఏవైనా ఉన్నాయా?

1. ఏదైనా
2. వెంటైనా
3. దగ్గరైనా
4. ఎక్కడికైనా
5. ఎప్పుడైనా

(2). *उदा: తెలియనట్లుగా*

ఏమీ తెలియనట్లుగా ఉంటాడు.

1. వినట్లుగా
2. చూడనట్లుగా
3. అననట్లుగా
4. చేయనట్లుగా
5. చదవనట్లుగా

(3) *उदा: ఎగతాళిగా*

అతను ఎగతాళిగా మాట్లాడడు

1. అనురాగంగా
2. అభిమానంగా
3. క్రమక్రమంగా
4. విలాసంగా
5. సినిమాటిక్‌గా

(4) *उदा: ఉందనుకుంటాడు.*

తనపై ప్రేమ ఉందనుకుంటాడు.

1. పెంచుకుంటాడు.
2. ఊహించుకుంటాడు.
3. మాట్లాడుకుంటాడు.
4. అనుకుంటాడు.
5. లేదనుకుంటాడు.

(5) उदा: పడిపోయింది.
పుస్తకం కింద పడిపోయింది.

1. తడిసిపోయింది.
2. ఎగిరి పోయింది.
3. జారి పోయింది.
4. వెళ్ళి పోయింది.
5. వినిపోయింది.

III. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर फिर से वाक्य बनाइए।

1. ఆ హిస్టరీ మాస్టారు మళ్లీ ఏదైన అయోమయం పని చేశాడా? [సంగతి/తిరిగి/పని]
2. వాడి కళ్ళు నా మీదనే పడ్డాయి. [పైనే/దూరాన్నే/పక్కనే]
3. ఏవైనా కొత్త కవితలు రాశారా? [నవ్వులు/పద్యాలు/ఆశలు]
4. చిన్న అవకాశం వస్తే వదలిపెట్టడు. [ఎగిరితే/వెళ్ళితే/దొరికితే]
5. కవిగారు నిన్న చక్కగా ముస్తాబు అయి వచ్చారు. [తయారు/తడిసి/ఎగిరి]

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. చొక్కా జేబంతా __________ తో తడిసి పోయింది.
2. నీలి మరకలతో కవిగారు ______ మరింత ఇనుమడించింది.
3. కుర్చీ పడ్డ ______ విని అక్కడికి __________ పోగయ్యారు.
4. "ఇంక ఇప్పుడు _________ ల వెంట పడ్డవా మహాశయా!"
5. అందరూ వాడిని __________ మడా తిట్టారు.

[జనం ఎవరి చెడా మాస్టార్ల ఇంకు శబ్దం అందం కుర్చీ]

V. कोष्ठक में दिए गए हिन्दी शब्दों के समान तेलुगु शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे कीजिए ।

1. అలా పరిచయం చేసుకొని __________ (दोस्ती) పెంచుకుంటాడు.
2. ఇప్పుడు అమ్మాయిలంతా వాడిని గురించి ______ (मजाक) గా మాట్లాడుకొంటారు.

3. ప్యాంటు జేబుల్లో చేతులు పెట్టుకొని విలాసంగా _________ (कदम) వేస్తూ వచ్చాడు.
4. __________ (काला) ప్యాంటులో తెల్ల చొక్కా టక్ చేశాడు.
5. మన సుందరాంగుడు ఆ ___________ (छिलका) మీద కాలువేసి జర్రున జారి పడ్డాడు.

VI. वार्तालाप के आधार पर निम्नलिखित अधूरे वाक्य पूरे कीजिए।

1. ఎవరి దగ్గరైనా ....
2. డెస్కు మీద పెట్టి ....
3. ఇక వాడికి పట్ట ....
4. కాలు వేసి జర్రున ....
5. అందం మరింత ....

VII. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. అరుణ ఎవరి వీరగాథ చెప్పింది?
2. ఆ వీరుడి పద్ధతి ఏమిటి?
3. విలాసంగా అడుగులు వేస్తూ వచ్చిన అతనికి ఏం జరిగింది?
4. "ఏమిటయ్యా! ఈ గొడవంతా?" అన్న ప్రిన్సిపాల్ ప్రశ్నకు అభినవ కవి ఏమని సమాధానం చెప్పాడు?
5. చివరగా అభినవ కవి గురించి అరుణ ఏమన్నది?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में उद्‌बोधक क्रिया रूपों का परिचय दिया गया है । उदा :

1. నీ దగ్గరకు వద్దామనుకొన్నాను. — मैं ने सोचा था तुम्हारे पास पहुँचेगा ।
2.. ఇవాళ ఆ పని చేద్దామనుకొన్నా. — मैं ने सोचा था आज वह काम करेगा ।

क्रिया + उद्‌बोधक रूप में + అనుక్ जोड़कर ऐसे वाक्य बनाए जाते हैं । जैसे

వద్దు + దాం + అనుకొ = వద్దాంఅనుకొ = వద్దామనుకొ

చేయు + దాం + అనుకొ = చేద్దాం అనుకొ = చేద్దామనుకొ

2. दिए हुए मुहावरों तथा कहावतों के प्रयोग पर ध्यान दीजिए ।

i) పట్ట పగ్గాలు ఉండవు - **शाब्दिक** अर्थ है पकड़ने के लिए धागे न होना ! इसका प्रयोग बहुत अधिक प्रसन्नता की स्थिति में होता है। हिंदी में हम कह सकते है - `फूला न समाना' या खुशी के मारे जमीन पर पाँव न पड़ना ।

ii) జనం పోగవ్వు - का अर्थ सामान्यतः वस्तुओं के लिए होता है पर यहाँ लोगों के सन्दर्भ में हुआ है। इसका अर्थ होगा - बहुत से लोगों का एकत्र होना ।

iii) విరుచుకుపడు - का अर्थ है `टूट पड़ना' यानि किसी व्यक्ति को बहुत से लोगों द्वारा अपने क्रोध का या परिहास का पात्र बनाया जाना ।

iv) గొల్లుమను - हँसने की ध्वनि ।

v) పడీపడీ నవ్వు - ठहाका मार कर या खिलखिलाकर हँसना ।

vi) నవ్వులాట - मज़ाक उड़ाना

vii) గాలి ఇటు మళ్ళు - शाब्दिक अर्थ - हवा का इस ओर आना अर्थात किसी व्यक्ति का मज़ाक बनाते बनाते अचानक दूसरे व्यक्ति को अपना निशाना बनाना ।

పాఠం 15
पाठ 15

మా రోజుల్లో....
हमारे ज़मानेमें ....

శేషు బాబు : తాతయ్యా! నాయనమ్మా! మీరు ఇక్కడున్నారా పెరట్లో మేము మీ కోసం అన్ని గదులూ వెదికి వచ్చాము. నాయనమ్మా! నాకూ చెల్లాయికీ ప్రైజులు వచ్చాయి స్కూల్లో.

दादाजी, दादी आप लोग यहाँ हैं पिछवाड़े में? हम एक एक कमरे में आपको ढूँढ़कर आये हैं। दादी मुझे और छोटी बहन को स्कूल में इनाम मिले हैं ।

రుక్మిణమ్మ : మా నాయనే! మా బంగారే! నాకు తెలుసురా, నీ వన్నీ మీ తాతయ్య పోలికలే. మీ తాతయ్య కూడా చిన్నప్పటి నుంచే పరుగు పందెంలో దూకడంలోనూ, ఈతలోనూ చెడుగుడులాంటి ఆటల్లోను బోలెడు బహుమతులు తెచ్చుకునే వారు. అందరూ "జగజ్జట్టీ జగన్నాథం" అని పొగిడే వాళ్ళు.

मेरे राजा, मेरे सोना, मैं जानती थी। तुम तो बिलकुल अपने दादा पर गए हो। तुम्हारे दादा भी जब छोटे थे तब दौड़ में, कूद में, तैराकी में और कबड्डी जैसे खेलों में बहुत से इनाम जीता करते थे। सबलोग उन्हें `जगज्जगदी जगन्नाथम्' कहकर प्रशंसा करते थे।

శిరీష : నాయనమ్మ! అన్నయ్యకు ప్రైజులు వచ్చింది ఆటల్లో కాదు, డ్రైవింగ్‌లో, పెయింటింగ్‌లో, డిబేట్‌లో క్విజ్‌లో. నాకేమో రన్నింగ్‌లోనూ, లాంగ్ జంప్‌లోనూ ప్రైజులు వచ్చాయి.

दादी, भैयाको इनाम खेलकूदमें नहीं बल्कि ड्राइंग में, पेंटिंग में, डिबेट में और क्विज़ में मिले हैं।

జగన్నాథం : వెరీగుడ్! మా శిరీష బంగారు. ఇలారామ్మా! నా ఒళ్ళో కూర్చో. నువ్వు పెద్దయి పరుగుల రాణి పి.టి.ఉషలాగా, కావాలి. ఔను రుక్మిణీ! వీడు ఈ బొమ్మలు గీయడం, రంగులు వేయడం ఇవన్నీ నీ పోలికలే అయిఉంటాయి. నువ్వు ఎంత పెద్ద ముగ్గులు పెట్టేదానివి.

वेरी गुड ! हमारी सोने जैसी बिटिया ! यहाँ आओ मेरी गोद में बैठो। बड़ी होकर तुम स्प्रिंट क्वीन (धाविका रानी) पी.टी. उषा की तरह बनना। पर लगता है कि शेषबाबू में चित्र खींचने, उनमें रंग भरनेकी प्रतिभा तुम्हीं से आई है। याद है कितनी बड़ी बड़ी रंगोलियाँ

	వీధిలో నడిచేందుకు స్థలమే ఉండేది కాదు.	बनाया करती थीं? इतनी बड़ी कि गली में चलने के लिए भी रास्ता नहीं बचता था।
రుక్మిణమ్మ	: అబ్బ! ఊరుకోండి. మీరు రిటైరు అయి పదేళ్ళు అయింది. మనవళ్ళు పెద్ద వాళ్ళ వుతున్నారు. అయినా మీ చిలిపితనం పోలేదు. వీడికి వాళ్ళ నాన్న లక్షణాలు వచ్చి ఉంటాయి. వీళ్ళ నాన్న బ్రహ్మాండంగా ఉపన్యసించేవాడు. సభల్లో వాదించేవాడు. వాడి టీచర్లంతా "మోహన్ గొప్ప వ్యక్తి అవుతాడు. తిరుగులేని లాయరు అవుతాడు" అని ఆశీర్వదించే వాళ్ళు. అదుగో వాడూ మాటల్లోనే వచ్చేశాడు. మోహన్ నీకు నూరేళ్ళాయుష్షు.	हटो भी - आप को रिटायर हुए दस साल होने को आये हैं, पोता, पोती भी बड़े हो गए है पर आपकी यह छेड़छाड़ की आदत नहीं जाती। हाँ शेष बाबू ने ये गुण अपने पिता से लिए होंगे। इसका बाप तो बहुत अच्छा भाषण दिया करता था और सभाओं में वाद-विवाद किया करता था। उसके शिक्षक आशीर्वाद दिया करते थे कि मोहन बड़ा होकर धुरन्धर वक्ता बने। बेजोड़ वकील बने। लो, बात करते करते वह भी आ गया - मोहन, तुम सौ साल जिओगे।
మోహన్	: పిల్లలూ! మీరు ఇంటికి వచ్చి ఎంతసేపయింది. నేను కోర్టునుంచి మీకోసం స్కూలుకు వెళ్ళి వస్తున్నాను. ఎందుకు అలా ముందుగా వచ్చేశారు? నేను ఎంత కంగారు పడ్డాను.	बच्चो ! तुम्हें स्कूल से आये कितनी देर हो गई? मैं तुम्हें लेने के लिए कोर्टसे आते समय तुम्हारे स्कूल होकर आया हूँ। तुम पहले क्यों चले आये? मैं तो घबरा ही गया था।
శిరీష	: సారీ నాన్న! మాకు ప్రైజులు వచ్చాయని టీచరు చెప్పారు. నాయనమ్మ తాతయ్యలతో "నేను ముందు చెప్పేయాలి! నేను ముందు చెప్పేయాలి" అని పోటీ పడ్డాం. నీ కోసం ఎదురు చూడకుండా బస్సు ఎక్కి వచ్చేశాం. ఇక్కడేమో అన్నయ్యే ముందు చెప్పేశాడు.	सॉरी पिताजी। हमारी टीचर जी ने कहा कि, हमें इनाम मिले हैं। हम दोनों में होड़ लगी थी। मैंने कहा कि मैं पहले दादा दादी को यह बताऊँगी और भैया कहते थे कि वे पहले बताएंगे। इसलिए आप का इन्तजार किये बिना बस से घर आ गए। और यहाँ पहुँचते ही भैया ने पहले बता दिया।
శేషుబాబు	: మేం జాగ్రత్తగానే వచ్చాం నాన్నగారూ.	हम लोग बहुत सावधानी से आये हैं।

జగన్నాథం : పోనీలేరా! అప్పుడప్పుడు అలా బస్సుల్లో రావడం కూడ మంచిదే లేకపోతే నీమీద ఆధారపడటమే వాళ్ళకు అలవాటు అవుతుంది. కాని స్వతంత్రత అలవాటు కాదు. మా రోజుల్లో మేం ఎంతెంత దూరాలు నడిచి వేళ్ళేవాళ్ళం. మా పల్లె నుంచి పట్నంలోని స్కూలుకు ఆరు మైళ్ళ దూరం అంటే ఇప్పటి భాషలో పదికిలో మీటర్లు ప్రతి రోజు నేను అంతదూరం నడచి వెళ్ళి నడిచి వచ్చేవాడిని. ఎప్పుడైనా "నాన్న! మనకు ఎద్దుల బండీ ఉంది కదా! నేను బండిలో వెళ్ళనా?" అని అడిగాను అనుకో ఇంక మానాన్న "వెధవా! సోమరిపోతూ!" అని నానా తిట్లూ తిట్టి "నీ జీవితాన్నంతా ఎద్దుల బండే మోస్తుందా! ఎవరి కాళ్ళ మీద వాళ్ళు నిలబడటం నేర్చుకోవాలి" అని కోప్పడేవాడు అందువల్ల...

अब जाने भी दो बेटा ! कभी कभी बस से आना जाना चाहिए - नहीं तो पूरी तरह तुम पर ही निर्भर हो जायेंगे। इनमें आत्मनिर्भरता नहीं आ पायेगी। हमारे जमानेमें हम लोग कोसों पैदल चला करते थे। हमारे शहर का स्कूल हमारे गाँव से छः मील दूर था। यानि आजकल की भाषा में कहे तो दस किलोमीटर! मैं हररोज इतनी दूर पैदल जाया करता था और पैदल ही आया करता था। कभी अगर भूले से पिताजी से कह भी दिया कि मैं आज बैलगाड़ी में चला जाऊँ तो पिताजी आलसी, कामचोर और न जाने क्या क्या गालियाँ देने लगते। और डाँटकर कहते थे कि क्या अपनी जिन्दगी को भी बैलगाड़ी में हाँककर ले जाओगे ? हर मनुष्यको अपने पैरोंपर आप खड़ा होना चाहिए। इसीलिए ......

మోహన్ : అలా కాదు నాన్నగారూ! మీరు ప్రతి విషయాన్ని మీ రోజులతో పోల్చి చూస్తారు. అప్పటికీ ఇప్పటికీ పరిస్థితుల్లో చాలా మార్పు వచ్చింది. పైగా అది పల్లెటూరు. ఇది నగరం. ఇక్కడ జీవితం రోజుకొక గండంగా ఉంటుంది. బయటికి వెళ్ళిన మనిషి ఇంటికి ఎలా చేరుతాడా? అని భయపడుతూ ఉంటారు వీళ్ళు. వీడు చాలా సార్లు తానే చెల్లాయిని వెంట బెట్టుకుని వస్తానని మొండికి వేస్తూ ఉంటాడు. అందుకే "జాగ్రత్త నాయనా! జాగ్రత్తమ్మా! రోడ్డు పక్కగా నడవండి" అని బుజ్జగించి చెబుతూ

ऐसा नहीं है पिताजी, आप तो हर बात की तुलना अपने जमानेसे करने लगते है। तब से अब तक परिस्थितियों में कितना अन्तर आ चुका है। फिर वह गाँव था और यह शहर - यहाँ तो हर रोज एक नया खतरा। बाहर गया आदमी शाम को सही सलामत घर पहुँचेगा कि नहीं इस की चिन्ता लगी रहती है। शेषबाबू अक्सर यहीं जिद्द करता है कि छोटी बहन को वही घर लायेगा। इसलिए रोज मैं इन्हें समझाता रहता हूँ कि संभलकर आना, सड़क के किनारे किनारे ही चलना। हाँ ठीक

	ఉంటాను వీళ్ళకు. ఆ! అది సరే! ఇటురండి పిల్లలూ! ఎవరెవరికి ఏమేం ప్రైజులు వచ్చాయో చెప్పండి.	है। बच्चों, अब इधर आओ। अच्छा बताओ किस किसको कौन कौनसा प्राइज़ मिला है ?
రుక్మిణమ్మ :	నువ్వు చిన్నప్పటి నుంచి ఏమీ మారలేదురా మోహను! కోర్టునుంచి వచ్చి పది నిమిషాలు కూడా కాలేదు. కాస్త కాళ్ళు మొహం కడుక్కొని తీరికగా వచ్చి అన్నీ అడగవచ్చు కదా! చిన్నప్పుడు కూడా కాలేజి నుంచి వచ్చీరాగానే ఇలాగే ఇంట్లో సంగతులన్నీ అడిగే వాడివి. ఏదో ఒక వాదన పెట్టుకుని కూర్చునే వాడివి. తిండి తిప్పలు పట్టించుకునే వాడివి కాదు.	तुम बचपन से जरा भी नहीं बदले हो मोहन ! कोर्ट से आये दस मिनट भी नहीं हुए है। अरे जरा हाथ मुँह धो लेते फिर आराम से सब बातें पूछ लेते। बचपन में भी ऐसे ही कॉलेज से लौटा करते थे और घर की सब बातें पूछा करते थे। रोज़ किसी न किसी बहस में पड़ जाते थे। और फिर खाने पीने तक का भी ध्यान नहीं रहता था।
జగన్నాథం :	అప్పుడు మీ అమ్మ "ఆహా మా అబ్బాయి కదా! ఎంత చక్కగా ఉపన్యసిస్తున్నాడు?" అని మురిసి పోయేది. అంతే కదూ రుక్మిణీ!	और तुम्हारी माँ मन ही मन खुश हुआ करती कि बेटा कितना अच्छा भाषण देता है। है न रुक्मिणी ?
రుక్మిణమ్మ :	అబ్బ! మీరు ఊరుకోండి.	छोड़ो भी।
రాధ :	ఆ! ఇంక అందరూ లేవండి. టిఫెన్ రెడి అయి చాలా సేపయింది. పిల్లలు మిమ్మల్ని టిఫెన్‌కి పిలిచి చాలా సేపయింది. ముందు ఆ స్కూలు బట్టలు మార్చుకొని కాళ్ళు చేతులు కడుక్కొని రండి. అత్తయ్యగారూ! మామయ్యగారు! రండి. ఏమండీ! మీరూ రండి.	अच्छा अब सब लोग उठिए। नाश्ता तैयार है। बच्चों कितनी देर से नाश्ता ठण्डा हो रहा है - उठो जल्दी से कपड़े बदलो। माताजी पिताजी, आप भी चलिए। सुनिए आप भी आइए।

शब्दार्थ

వెదికి	खोजना	పోలికలు	एकरुपता, हमशकल
పరుగుపందెం	दौड़ प्रतियोगिता	దూకడం	कूदना

ఈత	तैरना	చెడుగుడు	कबड्डी
బోలెడు	ज्यादा, बहुत	తెచ్చుకొను	लाना
జగజట్టీ	मशहूर खिलाड़ी	పోగిడే	इकट्ठे होना
ఒళ్ళో	गोदमें	పరుగులరాణి	दौड़नेवाली रानी
గీయడం	लकीरें खीचना	ముగ్గులు	रंगोली
స్థలం	जगह, स्थल	ఊరుకో	चुप बैठो
ఉపన్యసించు	भाषण	వాదించు	चर्चा करना
వక్త	वक्ता	ఆశీర్వదించు	आशीर्वाद
నూరేళ్ళాయుష్షు	सौ साल जियो	కంగారు	घबराहट, परेशानी
లక్షణాలు	लक्षण, निशान	పోనీలేరా	जाने दो
లేకపోతే	वह नहीं है तो (उसके बिना)	ఆధారపడు	आश्रित होना
స్వతంత్రత	स्वतंत्रता	ఎంతెంత	कितना बड़ा (वि.)
దూరాలు	दूर	పట్నం	शहर
ఎద్దులబండీ	बैलगाड़ी	వెళ్ళనా	जाने दो
సోమరిపోతు	आलस	మోస్తుంది	ढोना, उठाना, वहन करना
కోప్పడు	गुस्सा करना	అందువల్ల	इसलिए
పోల్చి	तुलना करना	పరిస్థితులు	परिस्थितियाँ
మార్పు	बदला	నగరం	नगर
గండం	खतरा, आफ़त	వెంటబెట్టుకుని	अपने साथ तो आओ
మొండికి	धीर	చిన్నప్పటి	बचपन, छुटपन
సంగతులు	विषय	వాదన	वादविवाद करना
తిండితిప్పలు	कुछ खाये पिये बिना भटकना	పట్టించుకొను	ध्यान देना
కడుక్కొని	धोना	చాలాసేపు	ज्यादा वक्त, ज्यादा समय
మిమ్మల్ని	आप	బట్టలు	कपड़ा
మార్చుకుని	बदलना	కాళ్ళు	पैर
చేతులు	हाथ		

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए ।

1. మాటల్లోనే వచ్చేశాడు.
2. పోనీలేరా.
3. అలవాటు కాదు.
4. ఎంతెంత.
5. వెళ్ళనా.
6. చెబుతూ ఉండు.
7. వచ్చీరాగానే.
8. మొండికి వేయు.
9. తిండి తిప్పలు.
10. మురిసిపోవు.

II. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए।

ఉదా: బహుమతులు తెచ్చుకొను

ఆయన బహుమతులు తెచ్చుకునేవారు

1. ముగ్గులు పెట్టు
2. నడచి వచ్చు
3. వాదన పెట్టుకొను
4. మురిసి పోవు
5. నడచి వెళ్ళు

[వాళ్ళు ఆమె పోలిక వాడు నువ్వు మేం తిరుగు ఆయన]

III. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से उपयुक्त शब्द चुनकर फिर से वाक्य बनाइए।

1. నీవన్నీ మీ <u>తాతయ్య</u> పోలికలే. [నాన్న/చెక్క/కన్ను]
2. వీధిలో నడిచేందుకు <u>స్థలమే</u> ఉండేది కాదు. [గది/చోటు/అడుగు]
3. తిరుగులేని <u>లాయరు</u> అవుతాడు. [తాత/నాన్న/నాయకుడు]
4. మీ కోసం <u>స్కూలుకు</u> వెళ్ళి వస్తున్నాను. [ఆఫీసుకు/సభల్లో/కోర్టునుంచి]
5. నేను ఎంత <u>కంగారు</u> పడ్డాను. [ఎందుకు/తొందర/ఆధారపడు]

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर निम्नलिखित वाक्य पूरे कीजिए।

1. మేము ఎంతెంత ________ నడిచి వెళ్ళేవాళ్ళం.
2. నీ జీవితాన్నంతా ఎద్దుల __________ మోస్తుందా.
3. ఎవరి ________ మీద ________ నిలబడటం నేర్చుకోవాలి.
4. రోడ్డు __________ గా నడవండి.
5. ఇంట్లో సంగతులన్నీ ________ వాడివి.

[పక్క కంగారు బండే లాయరు అడిగే కాళ్ళు దూరాలు వాళ్ళు]

V. वार्तालाप के आधार पर दिए गए अधूरे वाक्य पूरे कीजिए ।

1. జగజ్జట్టి . . . . .
2. పరుగుల . . . . .
3. స్కూలు . . . . .
4. ఎద్దుల . . . . .
5. తిరుగులేని . . . . .

VI. `क' और `ख' विभागों के वाक्यों को सही प्रकार जोड़िए।

`क'	`ख'
స్కూల్లో నాకూ చెల్లాయికి	మాకు ప్రైజులు వచ్చాయని
నేను ఎంత కంగారు	పోలికలే
వీడు చాలా సార్లు	ప్రైజులు వచ్చాయి
ఇక్కడ జీవితం	పడ్డాను
టీచరు చెప్పారు	మొండికేస్తుంటాడు
నీవన్నీ మీ తాతయ్య	రోజుకొక గండంగా ఉంటుంది

VII. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नोंके उत्तर दीजिए ।

1. స్కూల్లో ప్రైజులు వచ్చాయని శేషుబాబు చెప్పగా రుక్మిణమ్మగారు ఏమన్నారు?
2. శిరీష ప్రైజు తెచ్చుకొన్నందుకు జగన్నాథంగారు ఏమన్నారు?

3. శేషుబాబుకు వచ్చిన బహుమతి గురించి జగన్నాథంగారు ఏమన్నారు?
4. తండ్రికి మోహన్ ఏమని సమాధానం చెప్పాడు?
5. కొడుకు గురించి చెబుతున్న రుక్మిణమ్మగారిని జగన్నాథంగారు ఏమన్నారు?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में स्वाभाविक (आदत सूचक) भूतकाल रूपों का परिचय दिया गया है ।

उदा: 1) మోహన్ సభల్లో వాదించే వాడు. मोहन सभा में बहस किया करता था।

2) వాడు బోలెడు బహుమతులు తెచ్చుకొనేవాడు. वे बहुत इनाम लाया करते थे ।

क्रिया के मूल रूप के अंतिम अक्षर को - ఉ को - ఏ में बदल दिया जाता है, और फिर इस रूप में వాడు/ వాళ్ళు/-డి/-ని आदि जोड़कर यह रूप बनाया जाता है। जैसे

వాదించు ---> వాదించ్ + ఉ + ఏ = వాదించే+వాడు = వాదించేవాడు

తెచ్చుకొను--> తెచ్చుకొన్ + ఉ + ఏ = తెచ్చుకొనే + వాడు = తెచ్చుకొనేవాడు

2. पाठ में आए हुए निम्न मुहावरों तथा कहावतों के प्रयोग पर ध्यान दीजिए ।

i) నూరేళ్ళాయుష్షు = सौ साल के आयुष्षु - सौ साल जियो - आशीर्वाद ।

ii) ఎవరి కాళ్ళమీద వాళ్ళు నిలబడాలి = अपने पैरों पर खड़े होना ।

పాఠం / पाठ 16

పండుగ సంబరం

त्योहार का उल्लास

పరంధామయ్య : ఏమిటోయ్? పార్వతీ!ఇల్లంతా సర్దేస్తున్నావ్. ఇక్కడి వస్తువులు అక్కడా, అక్కడి వస్తువులు ఇక్కడా పెట్టేస్తున్నావ్. అవీ ఇవీ కొనేస్తున్నావు. ఏవేవో వండే స్తున్నావ్. ఈ హడావుడంతా ఎందుకో?

क्यों भई पार्वती ? पूरा घर ठीक करती जा रही हो। यहाँ का सामान वहाँ और वहाँ का सामान यहाँ रखे जा रही हो। तरह तरह की चीजें खरीदती जा रही हो। न जाने क्या क्या पका रही हो। यह धूमधाम सब क्या है भाई।

పార్వతమ్మ: ఎందుకేమిటండీ? వచ్చేది సంక్రాంతి పండుగ కదా! రేపు పండుగకి అల్లుడుగారు వస్తే ఎంత సందడి? ఎంతపని?

क्या क्या पूछ रहे हो। जानते नहीं कि संक्रान्ति का त्योहार आने वाला है। कल त्योहार के दिन जब दामाद आ जाएँगे तो-? कितना काम कितनी भागदौड़ !

పరంధా : భలేదానివి. వస్తే అంటావేమిటి? పండుగకు కొత్త అల్లుడు రాకుండా ఉంటాడా? అయినా నీ చాదస్తం కాకపోతే పండుగ జనవరి 14 వ తేదిన కదా! ఇప్పుడీ డిసెంబరు నెలాఖరు నుంచే ఈ కంగారంతా ఎందుకు? ఇప్పుడే ఇవన్నీ సర్దిపెడ్తే అప్పటికి అంతా షరా మామూలుగా తయారయి పోదూ.

यह भी खूब कही ! कहती है जब दामाद आ जाएँगे। अरे त्योहार का दिन और नया दामाद नहीं आएगा। कितनी नियम की पक्की हो। नहीं तो त्योहार तो चौदह जनवरी को है। अभी से दिसंबर के आखिर से ही इतनी उत्साहित क्यों हो ? अभी से सब ठीक ठाक कर दोगी तो त्योहार आने तक फिर वैसे का वैसा हो जायेगा !

పార్వతమ్మ: ఇప్పటినుంచి కొంచెం కొంచెంగా చేసుకుంటేనే కాని అప్పటికి ఒక కొలిక్కిరావు పనులు. పైగా కొత్త అల్లుడిని చూడాలని నలుగురూ వస్తే ఇల్లు కొంచెం శుభ్రంగా

अभी से थोड़ा थोड़ा करूंगी तभी तो त्योहार आने तक सब कुछ पूरा हो पायेगा। फिर दामाद को देखने के लिए जब आस-पास के चार लोग इकठ्ठे होंगे तो घर

ఉండకపోతే ఎలా? ఔను, ఇంతకీ మీరు అల్లుడుగారిని పండక్కి రమ్మని ఉత్తరం రాశారా?

साफ सुथरा दिखना चाहिए न? हाँ अपने दामादजी को त्योहार पर आने के लिए पत्र लिख दिया है ?

పరంధా : ఇప్పటి నుంచీ ఎందుకు? అయినా ఇంటి అల్లుడికి మామగారింటికి విచ్చేయమని ప్రత్యేకంగా ఆహ్వానాలు పంపాలా ఏమిటి? తెలుగు వాడైతే ఈ ఆచారం తెలుస్తుంది. తానే వస్తాడు.

अभी से क्यों? फिर वह तो घर का ही लड़का है। उसे ससुराल पधारने के लिए विशेष निमंत्रण की जरूरत है क्या? यदि वह तेलुगु है तो इस परंपरा को अच्छी तरह से जानता होगा, और वह खुद ही आ जाएगा।

పార్వతమ్మ: భలేవారే! బాగా ఉంది. మీ వాలకం పిలవనిదే ఎవరు వస్తారు ఎక్కడికైనా? మా నాన్నగారు పిలవక పోతే మీరు ఎప్పుడైనా వచ్చేవారా! మా పుట్టింటికి ఆహ్వానిస్తూ మర్యాదగా కబురు పంపితే కూడా స్వయంగా రాలేదు అనో, ఉత్తరం రాయలేదు అనో, భీష్మించుకు కూర్చునే వారు కాదూ.

क्या बात करते हो ! तुम भी खूब हो। निमं-त्रण के बिना भी कहीं कोई जाता है ? क्या तुम मेरे पिताजी के बिना बुलाए कभी मेरे मायके गये थे क्या ? अगर उन्होंने आदर पूर्वक भी कभी किसी को बुलवाने के लिए भेजते तुम कहा करते थे कि वे खुद बुलाने नहीं आये या फिर कहते कि उन्होंने बुलाने के लिए चिट्ठी नहीं लिखी और मुँह फुलाके बैठ जाया करते थे ।

పరంధా : ఆ పాత సంగతులన్నీ ఇప్పుడెందుకు? వస్తే వస్తాడు రాకపోతే రాకపోతాడు. నేను మాత్రం "అల్లుడుగారూ! మీరు మా మీద దయ ఉంచి మా ఇంటిని పావనం చేయక పోతే మా ఊళ్ళో ఎవరూ సంక్రాంతి పండుగ చేసుకోరు" అంటూ కాళ్ళు పట్టుకుని బతిమాలుతూ ఉత్తరం మాత్రం రాయలేను.

ये सब पिछली बातें क्यों दुहरा रही हो ? आना है तो आएगा नहीं तो न सही। मैं उस के पाँव पड़कर मिन्नत करके "आप कृपा करके अपने चरण स्पर्श से हमारे घर को पवित्र नहीं करेंगे तो इस गाँव में संक्रांति कोई नहीं मनाएगा।" ऐसे लिखूँगा नहीं।

పార్వతమ్మ: బతిమాలడమెందుకు? మామూలుగా "అమ్మాయీ అల్లుడు సంక్రాంతి పండక్కి రండి" అంటూ రెండు ముక్కలు రాసేయ

आपसे मिन्नत करने के लिए कौन कह रहा है। दो शब्द ही लिख देते कि "बेटी और दामाद संक्रांति पर यहाँ आ जाओ। ठीक है

	వచ్చు కదా! పోనీలెండి. నా పెద్ద అబ్బాయి రాసి పెడ్తాడు. మీరు అలా బిగుసుకు కూర్చుంటే నేను వాడి చేత రాయిస్తాను.	मेरा बेटा लिख देगा। अगर आप ऐसे ही मुँह फुलाकर बैठे रहे तो मैं उसी से ही लिखवालूँगी।
పరంధా :	సరే నీ ఇష్టం. రాయిస్తే రాయించుకో పంట కోతల రోజులు. బోలెడు పని ఉంది. పొలంలో మనం వాళ్ళ వెంట ఉండి పని చేస్తేనే పని చక చకా అవుతుంది. లేకపోతే కోత పని ఆలస్యం అయిపోతుంది.	अच्छा जैसी तुम्हारी इच्छा। अगर उससे लिखवाना है तो लिखवा लो। आजकल तो फसल काटने के दिन हैं। बहुत काम पड़ा है खेत में। उन लोगों के पीछे पड़कर ही काम चटपट पूरा करवाया जा सकता है, नहीं तो काम में देरी हो जाएगी।

పార్వతమ్మ:	అరె అమ్మాయి! అల్లుడుగారూ వచ్చేశారే! అంతా కులాసాయేనా? ఉత్తరం అందిందా? ఇదేమిటి అమ్మాయీ ముందుగా ఒక ఉత్తరం ముక్క రాస్తే స్టేషన్‌కు మీ తమ్ముడితో బండి పంపించే వాళ్ళం కదా!	अरे बेटी दामाद तो आ ही गए। आओ आओ। सब कुशलमंगल तो है न? क्या पत्र नहीं मिला? तुम कम से कम अपने आने के दो शब्द ही लिख देती। तुम्हारे भाई को तुम्हें लिवा लाने के लिए स्टेशन भेज देती।
అల్లుడు :	మామగారే పండుగ మూడు రోజులూ ఉండేలా రమ్మనీ 13 వ తేదీ ఆదివారం భోగి పండుగ అనీ అందుకని శనివారం సాయంత్రానికి చేరేలా వస్తే బాగా ఉంటుందనీ రాస్తూ ఏ బండికి రావలసిందీ స్టేషన్లో దిగితే తాను ఎక్కడ నిలబడి ఉండేదీ అనీ వివరంగా రాసేశారుగా అందుకని మేం ఉత్తరం రాయిక పోతే ఏంలే అనుకున్నామండీ.	ससुर जी ने हमें सब विस्तार से लिख दिया था कि हम लोगों को त्योहार के तीनों दिन रूकना होगा। तेरह तारीख इतवार को भोगी का त्योहार है। इसलिए उन्होंने हमें शनिवार की शाम को ही यहाँ पहुँच जाने के लिए लिखा था। उसी पत्र में यह भी लिख दिया था कि हमें किस गाड़ी से आना है, कहाँ उतरना है, वे कहाँ खड़े रहेंगे। इसीलिए हमने सोचा कि पत्र लिखने कि जरूरत क्या है ?
పార్వతమ్మ:	అరే! ఈయన గుట్టు బంగారంగానూ! ఉత్తరం రాసేశారన్నమాట! అయితే స్టేషన్‌కు కూడా తానే వచ్చారా?	अरे ये भी अपने रहस्यों को कितने छुपाकर रखते हैं। अच्छा इन्होंने पत्र भी लिख दिया था और स्टेशन भी गए थे लेने।

అమ్మాయి: అదేమిటి? నాన్నగారు ఉత్తరం రాసినట్లు, స్టేషన్‌కు వచ్చినట్లు నీకు తెలియదామ్మా?	अरे ! पिताजी ने हमें पत्र लिखा और वे स्टेशन आये, यह बात तुम्हें नहीं मालूम थी ?
పరంధా : ఔనమ్మాయ్ మీ అమ్మను ఆశ్చర్య పరచాలి అని అలా చేశాను. ఏం పార్వతి ఎలా ఉంది మా దెబ్బ. పండుగ సంబరం ఇదే మరి. ఏం అల్లుడు?	हाँ बेटी । और नहीं तो क्या। मैं तुम्हारी माँ को अचम्भे में डालना चाहता था। क्यों पार्वती देखी न मेरी चाल ?

शब्दार्थ

సర్దు	ठीक से जोड़ो	వస్తువులు	वस्तुएँ, चीजें
పెట్టు	रखना	అవీ, ఇవీ	वह, यह
కొను	खरीदना	వండు	पकाना
హడావిడి	हड़बड़ी में	ఎందుకో	किसलिए
వచ్చేది	आ रहा है	వస్తే	अगर वह आया तो
సందడి	लोगों का शोरगुल	ఎంతపని	कितना काम हुआ
భలేదానివి	अच्छी लड़की, अच्छी बच्ची	కొత్తఅల్లుడు	नया दामाद
రాకుండా	अन्दर मत आने दो	అయినా	तब भी
చాదస్తం	नियम के पक्के	కాకపోతే	नहीं तो
నెలాఖరు	महीने का आखिर	నుంచే	से .... (तक)
ఇప్పుడే	अभी अभी	ఇవన్నీ	यह सब
సర్దిపెట్టు	ठीक से जोड़कर रखो	షరామామూలు	वैसे का वैसा
చేసుకొను	करनेके बाद	కొలికి	आँख की कोर
చూడాలని	देखना है	ఉండకపోతే	नहीं रहे तो
ఇంతకీ	इसके बावजूद	పండక్కి	त्योहार के लिए
రమ్మని	आओ	ఇంటల్లుడు	घर जमाई
మామగారిల్లు	ससुर का घर	విచ్చేయు	पधारना
ప్రత్యేకంగా	अलग से	ఆహ్వానాలు	स्वागत है

పంపాలా	भेजना है क्या?	ఆచారం	रीति रिवाज
తానే	अपने	భలేవారే	कैसे लोग (आप)
వాలకం	ढंग, बर्ताव, छल	పిలవనిదే	बिन बुलाये
పిలవకపోతే	अगर नहीं बुलाया तो	వచ్చేవారా!	आते थे क्या
స్వయంగా	खुद, स्वयं	భీష్మించుట	ज़िद करना, हठ करना
పాతసంగతులు	पुरानी बातें	పావనం	पवित्र
పట్టుకుని	पकड़कर	బతిమాలు	मनाना
బిగుసుకు	कसाव	రాయిస్తేరాయించు	लिखना है तो लिखो
పంట	फसल	కోతలు	डींग मारना, लम्बी
పొలం	जमीन, खेत		चौड़ी हाँकना
చకచకా	तेजीसे	ఆలస్యం	देर से
మూడురోజులు	तीन दिन	బోగిపండుగ	भोगी (संक्रांती त्योहारका
చేరేలా	(पत्र) पहुँचने तक		पहला दिन)
ఏ బండికి	कौनसी गाड़ीसे	గుట్టు	रहस्य
బంగారంగానూ	सोना जैसा होना	ఆశ్చర్యపరచాలి	आश्चर्य करना चाहिए
దెబ్బ	मार, चोट	పండుగసంబరం	त्योहार का उल्लास
ఇదే మరి	इसी तरह ही		

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए।

1. భీష్మించుకు కూర్చొను.
2. షరా మామూలు.
3. చాదస్తం కాకపోతే.
4. రాసినట్లు.
5. వస్తే వస్తాడు.
6. రాకపోతే రాకపోతాడు.
7. రాయిస్తే రాయించుకో.
8. కబురు పంపు.
9. పిలవనిదే ఎవరు వస్తారు.
10. రాలేదు అనో.

II. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का ठीक प्रयोग करके वाक्य फिर से बनाइए ।

(1) ఉదా : మా ఇంట్లో ఎవరూ పండుగ చేసుకోరు. [మీరురారు]
మీరు రాకపోతే మా ఇంట్లో ఎవరూ పండుగ చేసుకోరు.

1. మీరు ఎప్పుడైనా వచ్చేవారా? [నాన్నగారు పిలవరు]
2. అల్లుడుగారు ఎలా వస్తారు? [మీరు ఉత్తరం రాయరు]
3. పొలంలో కోత పనులు చకచకా సాగవు. [నేను దగ్గర ఉండను]
4. అప్పటికి పనులు పూర్తి కావు. [ఇప్పటి నుంచే చేసుకోను]
5. ఊరు చేరుకోలేం? [బస్సు దొరకదు]

(2) ఉదా : ఎంత సందడి. [అల్లుడుగారు వస్తే ఎంత సందడి].

1. ఎంత హడావుడి. [పండుగ రావాలి]
2. పనులు తొందరగా అవుతాయి. [దగ్గరుండి పని చేయాలి]
3. బస్సు అందుతుంది. [ఇప్పుడే వెళ్ళాలి]
4. ఇల్లు, శుభ్రంగా ఉండక పోతే ఎలా ? [నలుగురు రావాలి]
5. వాళ్ళకు రేపటికి అందుతుంది. [ఇవాళ ఉత్తరం రాయాలి]

III. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए ।

1. వచ్చేది <u>సంక్రాంతి</u> పండుగ కదా! [ఉగాది/పండుగ/వస్తువులు]
2. అల్లుడుగారిని పండుగకి రమ్మని <u>ఉత్తరం</u> రాశావా? [ముక్క/జాబు/కబురు]
3. మా నాన్నగారు <u>పిలవక</u> పోతే మీరు ఎప్పుడైనా వచ్చేవారా? [రమ్మనక/పలికితే/పిలిస్తే]
4. కోతల రోజులలో <u>బోలెడు</u> పని ఉన్నది. [కోతపని/రాస్తే/చాలా]
5. స్టేషన్‌కు మీ తమ్ముడితో <u>బండి</u> పంపించే వాళ్ళం కదా! [ఎద్దులు/పిల్లలు/కారు]

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. అయినా నీ ___________ కాకపోతే పండుగ జనవరి 14 వ తేదీన కదా!
2. పండుగకి __________ గారు వస్తే ఎంత ____________________.
3. ఇప్పుడే ఇవన్నీ ___________ పెడ్తే అప్పటికి అంతా షరా __________ తయారయి పోదూ.
4. మర్యాదగా ______________ పంపితే కూడా స్వయంగా రాలేదు.
5. మీరు మా మీద _____________ ఉంచి మా ఇంటిని _____________ చేయాలి.

[కబురు మామూలుగా సందడి అల్లుడు సర్ది పావనం దయ చాదస్తం]

V. वार्तालाप के आधार पर निम्न शब्दों के दुसरे भाग पुरे कीजिए।

1. రాయిస్తే . . . .
2. వస్తే . . . .
3. రాకపోతే . . . . .
4. చేస్తే . . . . .
5. వెళితే . . . . .

VI. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. పార్వతమ్మ ఎందుకు హడావుడి పడుతోంది?
2. పార్వతమ్మ హడావుడి చూసి పరంధామయ్య ఏమన్నాడు?
3. "అల్లుడిని రమ్మనమని ఉత్తరం రాయమంటే" పరంధామయ్య ఏమన్నాడు?
4. పరంధామయ్య అల్లుడికి ఏమని ఉత్తరం రాశాడు?
5. పండుగ సంబరం అంటే పరంధామయ్య ఏమని చెప్పాడు?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में तेलुगु के हेतु हेतुमद्‌भूत वाक्यों का परिचय दिया गया है ।

उदा 1. అల్లుడు వస్తే ఎంత సందడి ? — दामाद आने तो कितना शोर ?

2. నలుగురు వస్తే ఇల్లు శుభ్రంగా ఉండాలి కదా। — कोई आए तो घर सफ़ेद से रहना है ना !

क्रिया के मूल रूप में - ఇతే जोड़कर ऐसे वाक्य बनाए जाते हैं । जैसे

వచ్చు + ఇతే = వస్తే

2. क्रिया के मूल रूप में - **అకపోతే** जोड़कर निषेधात्मक वाक्य बनाए जाते हैं । जैसे

పిలువు + అకపోతే = పిలవకపోతే

ఉండు + అకపోతే = ఉండకపోతే

వచ్చు -> రా + అకపోతే = రాకపోతే

3. पाठ में आए हुए निम्न मुहावरों तथा कहावतों के प्रयोग पर ध्यान दीजिए ।

i) ఒక కొలిక్కివచ్చు - एक तरफ़ आना

ii) పిలవని పేరంటం - प्रीतिभोज में न बुलाना

iii) కాళ్ళు పట్టుకొను - पैर पकड़ना - प्रार्थना करना

iv) ఇంటిని పావనం చేయు - घर को पवित्र करना (आने से)

v) ఈయన గుట్టు బంగారంకాను - इनका रहस्य सोना होना - एक प्रकार का आशीर्वाद (मन की मुराद पूरी होना)

పాఠం 17
पाठ 17

ఇల్లు కట్టి చూడు

मकान बनाकर देखो

వనజ : రండి పావనీ! నేను మీ కోసమే చూస్తున్నాను. ఇదీ మేము కట్టుకుంటున్న ఇల్లు. రెట్టింపు కూలీ ఇచ్చి రాత్రీ పగలూ పనిచేయిస్తున్నాం. అయినా ముందుకు సాగటం లేదు. గోడలు లేపారంతే. ఇంకా కప్పు వేయించాల్సి ఉన్నది. ద్వార బంధాలూ, తలుపులూ, కిటికీలూ పెట్టించాల్సి ఉన్నది. వైరింగ్ చేయించాల్సి ఉంది. గచ్చు బండలు పరిపించాల్సి ఉన్నది. ఇంకా చాలా పని ఉన్నది.

आइए पावनीजी - मैं आप ही की राह देख रही थी। यही है वह मकान जिसे हम बना रहे हैं। दुगुनी मज़दूरी देने पर और दिन-रात काम करवाने पर भी काम आगे नहीं खिसक रहा है। केवल चार दीवारी खड़ी कर दी है बस! अभी छत डलवानी है। दरवाजों की चौखटे, दरवाजे और खिड़कियाँ भी लगवानी है। वायरिंग करवानी है। फर्श में टाइल्स लगवानी है। अभी तो बहुत काम बाकी है।

పావని : ఔను నిజమేనండీ, అందుకే కదా అన్నారు "ఇల్లు కట్టి చూడు, పెళ్ళి చేసి చూడు" అని మేం హౌసింగు బోర్డు వాళ్ళ స్కీంలో చేరాం కాబట్టి సరిపోయింది. కానీ లేకపోతే మేము ఇలాగే తిప్పలు పడవలసి వచ్చేది.

हाँ आप ठीक ही कह रही हैं। तभी तो कहते हैं - 'मकान बनाकर देखो और शादी करके देखो (जैसे बेटी की शादी)' हम तो हाऊसिंग बोर्ड की स्कीम में शामिल हो गये थे, नहीं तो हमें भी इतनी ही मुसीबतें उठानी पड़तीं ।

వనజ : ఔను మేమూ ఇప్పుడు అనుకుంటున్నాం. అలాంటి స్కీంలో దేంట్లోనైనా చేరి ఉంటే బాగా ఉండేది అని. ఆ రోజున మన ఆఫీసులో హౌసింగు బోర్డు స్కీం సంగతి చెప్పారట. నాకు గడవు తేది ముగిసిన తరువాత తెలిసింది. ముందే ఎవరైనా చెప్పి ఉంటే, నేనూ

हाँ वही तो अब हम भी सोच रहे हैं। यदि ऐसी ही किसी स्कीम में शामिल हुए होते तो अच्छा होता। मुझे पता चला कि एक दिन हमारे ऑफ़िस में भी हाऊसिंग बोर्ड स्कीम की बात चली थी। लेकिन मुझे इसका पता आख़िरी तारीख़ निकलने के बाद ही चला।

ఆ స్కీంలో చేరే దానిని. "మీకు ఆ ఉద్దేశ్యం ఉందని మీరు నాతో చెప్పిఉంటే నేను మీకు చెప్పే వాడిని కదా" అని ఆఫీసరుగారు కూడ బాధ పడ్డారు.

अगर किसी ने मुझे पहले बता दिया होता तो मैं भी इस स्कीम में शामिल हो जाती। हमारे ऑफिसर भी पछता रहे थे यदि उन्हें पहले इस बात का पता होता कि मैं भी इस स्कीम में शामिल होना चाहती हूँ तो वे मुझे सूचित कर सकते थे ।

పావని : ఇప్పుడు మాత్రం ఏమయిందిలెండి. సొంతంగా ఇల్లు కట్టుకోవడంలో ఉండే లాభాలూ కొన్ని ఉన్నాయి. ముఖ్యమైనది, మన ఇల్లు మనమే కష్టపడి కట్టించుకున్నాం అనే తృప్తి. రెండవది, మన ఊహలూ, ఆలోచనలూ, ఆకాంక్షలకూ తగినట్లుగా కట్టుకొని మన కలలను నిజం చేసుకోవచ్చు. ఇప్పుడు మా సంగతే చూడండి. వాళ్ళే కట్టి ఇచ్చారు అన్న మాటేగాని మా అవసరాలకు తగినట్లుగా ఇంటిని తీర్చి దిద్దుకో వాలంటే మేమూ అంతకి అంతా మళ్ళీ ఖర్చు పెట్టు కోవాల్సి వచ్చింది. అంత శ్రమా మళ్ళీ పడాల్సి వచ్చింది. అసలు మేము ఇప్పుడు విచారిస్తున్నాం. ఈ స్కీంలో చేరక పోయి ఉంటే మనం మనకు కావలసినట్లు కట్టుకునే వాళ్ళం కదా!" అని.

अब भी क्या हुआ है ? स्वयं मकान बनाने के अपने ही लाभ है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि कष्ट उठाकर अपना मकान बनाने में एक प्रकार की सन्तुष्टि मिलती है। दूसरी बात यह है कि हम अपनी कल्पनाओं, विचारों और आवश्यकताओं के अनुसार मकान बनाकर अपने स्वप्न को साकार कर सकते हैं। अब हमारी ही बात ले लीजिए। हालाँकि कहने के लिए तो उन्होंने ही हमें मकान बना कर दिया। लेकिन जब हमने उसमें अपनी इच्छा के अनुसार परिवर्तन किया तो खर्चा उतना ही आ गया। उतनी ही मेहनत भी करनी पड़ी। अब हम पछता रहे हैं कि यदि हम उस स्कीम में शामिल नहीं हुए होते तो अपना मनचाहा मकान बना सकते थे।

వనజ : అదీ నిజమే ననుకోండి. ఇక్కడేమో ఎవరో ఒకరు దగ్గర ఉంటేనే కాని పని సరిగా నడవడం లేదు. మా పిల్లలైనా పెద్ద వాళ్ళయి ఉంటే బాగా ఉండేది. అది సరే మనం మాటల్లోనే ఉండి పోయాం. రండి లోపలికి నడుద్దాం. ఇల్లు చూద్దురుగాని.

यह भी ठीक है। पर यहाँ जब तक कोई खड़ा होकर काम न देखे तो काम नहीं चलता। फिर हम दोनों को जब चाहे छुट्टियाँ मिलना भी कठिन है। अगर हमारे बच्चे ही बड़े होते तो अच्छा होता। वे कुछ हाथ बटा सकते थे। यह तो ठीक है। अरे हम तो बातों में ही लगे रह गए, चलिए आइए मकान देखें।

పావని : ఇది తలుపులాగా ఉన్నది.

यह तो कोई दरवाज़ा लगता है।

వనజ : ఇది ముఖ ద్వారం. దీంట్లోంచి లోపలికి నడిచి వస్తే వరండా వస్తుంది. దీనిలో నుంచి వీధిలోకి చూడ వచ్చు. ఎవరైనా ఇంట్లోకి వస్తుంటే కన బడుతుంది. వరండాకు ఈ పక్క గోడమీదుగా మెట్లను కట్టిస్తున్నాం. అయితే ఈ మెట్లు ఇంటి బయట నుంచి మేడ మీదకు వెళతాయి.

हाँ यह मुख्य द्वार है। इसमें से अन्दर जाकर बरामदा आता है। मुख्य द्वार के ठीक बगल में एक बड़ी खिड़की आएगी। उसमें से गली में झाँककर देख सकते हैं। यदि कोई हमारे घर आ रहा हो तो पता लग सकता है। बरामदे के साथ वाली दीवार के पास हम सीढ़ियाँ बनवा रहे है। ये सीढ़ियाँ बाहर की तरफ से ऊपर जायेगी ।

పావని : ఈ మెట్లు లోపల నుంచే ఉంటే బాగా ఉండేదేమోకదా! భద్రతా ఉండేది కదా!

यदि ये सीढ़ियाँ अन्दर की ओर होती तो शायद अच्छा रहता। इसमें थोड़ी सुरक्षा रहती।

వనజ : భవిష్యత్తులో మాకు మేడమీద మరో అంతస్థు కట్టించి అద్దెకు ఇచ్చే ఆలోచన ఉన్నది. అప్పుడు మెట్లు ఇంట్లో నుంచి ఉంటే చోటు ఉండదు కదా!

भविष्य में हमारा विचार ऊपर एक और मंजिल बनाकर उस में किरायेदार रखने का है। उस हालत में अन्दर सीढ़ियाँ रखने से प्राइवेसी नहीं रहेगी न ?

పావని : ఓహో! అలాగా! మంచి ముందు చూపే.

यह अच्छा बात है। बहुत दूर की सोचती हैं।

వనజ : అలా రండి! వరండా దాటి లోపలికి వస్తే ఈ హాల్లోకి వస్తాం. ఇదే మా మధ్య గది. ముఖ్యమైన గది. దీన్నే భోజనాల గదిగా కూడా ఉపయోగించుకొంటాం. ఇక్కడ భోజనాల బల్ల, కుర్చీలు పెట్టు కోవచ్చు. ఆ మూల టీ.వి. ఆ పక్క సోఫా, ఈ పక్క కుర్చీలు, టీపాయి పెట్టుకుంటాం. హాల్లోంచి ఇటు పక్కగా వంటగదిలోకి, పడక గదిలోకి తలపులు ఉన్నాయి. ఈ వెనక స్నానాల గది, మరుగుదొడ్డి ఉన్నాయి. స్నానాల గదిలో నుంచి పడకగదిలోకి తలుపులు పెట్టించాం.

इस तरफ आइये। बरामदा पार कर हम हॉल में पहुँच जायेंगे यही हमारा खास कमरा है। इस कमरे को हम खाने के कमरे के रूप में भी उपयोग करना चाहते हैं। यहीं खाने की मेज़ और कुर्सियाँ रख सकते हैं। उस कोने में टी.वी, इस तरफ सोफ़ा और उसतरफ कुर्सियाँ तथा तिपाई रखेंगे। हॉल की इस दीवार में रसोई घर के लिए और सोनेके कमरे के लिए दो अलग अलग दरवाजें निकलेंगे। यहाँ पीछे गुसलखाना (स्नान गृह) और पखाना

है। इनमें जाने के लिए सोने के कमरे से दरवाजे निकालनेवाले हैं ।

పావని : అంతే ఒక విధంగా మీ పడకగది అలంకరణ గది, చదువుకునే గదిగా కూడా ఉపయోగ పడుతుం దన్నమాట. మొత్తం మీద మీ ఇంటి ప్లాను బ్రహ్మాండంగా ఉన్నదండీ. తక్కువ స్థలంలో ఎక్కువ సౌకర్యాలు, పొందికగా ఉన్నది. ఎవరు గీసి ఇచ్చారండీ ప్లాను.

इसका अर्थ यह हुआ कि तुम्हारे सोने का कमरा एक तरह से प्रसाधन तथा पढ़ाई करने के काम में भी आ सकेगा । कुल मिलाकर तुम्हारे घर की प्लान बहुत बढ़िया है। कम जगह और अधिक सुविधाएँ। अपने आपमें सम्पूर्ण है। यह प्लान किसने बनाई है?

వనజ : మా అన్నయ్య సివిల్ ఇంజనీరండి. అతనే గీసి ఇచ్చాడు. అయితే, ఈ వంటగది ఇంకా కొంత విశాలంగా ఉండాల్సిందని అనిపించిందండీ, మొన్న మన సెక్షన్ ఆఫీసరు విమలగారు వాళ్ళ ఇంటి వంటగది ఇరుకుగా ఉండటం చూస్తే.

मेरे बड़े भाई सिविल इन्जीनियर हैं - उन्होंने ही यह प्लान बनाई हैं। पर मुझे अब लगता है कि यह रसोईघर थोड़ा सा और बड़ा होना चाहिए था। परसों अपनी सेक्शन ऑफिसर विमल की रसोई देखी जो काफी भिंची-भिंची सी थी - उसे देखकर ही यह विचार आया।

పావని : వనజా! మీరు ఏమీ అనుకోకపోతే నేను ఒక మాట చెప్తాను. వాళ్ళు ఇల్లు చూచి, వీళ్ళ ఇల్లు చూచి మన ఇంటితో పోల్చు కుంటూ కూర్చుంటే ఇట్లాగే. ఈ గది ఇలా ఉండాల్సింది, ఆ గది ఇలా ఉండాల్సింది అని అనిపిస్తూనే ఉంటుంది. మన అవసరాలను బట్టి, ఆలో చనలను బట్టి మనం కట్టించుకోవాలి. మా వారు కూడ ఇలాగే. ...ఇది ఇలా ఉంటే బాగా ఉండే దేమో, అది ఇక్కడ ఉంటే బాగా ఉండేదేమో అంటూ ఉంటే నేను ఇదే చెప్పాను.

आप अगर बुरा न माने तो एक बात कहूँ ? इसका घर देखेंगी, उसका घर देखेंगी और फिर अपने घर की तुलना करेंगी तो मन में यही होता रहेगा कि - यह कमरा यहाँ होना चाहिए था। हमें तो अपनी इच्छाओं के अनु-सार, आवश्यकताओं के अनुसार ही घर बनाना चाहिए। हमारे पति भी जब इसी तरह कहते थे कि .....' यह ऐसा होना चाहिए था, वह इधर होना चाहिए था, तब मैं उनसे भी यहीं कहा करती हूँ।

వనజ : ఔను పావని! నాకు ఈ సంశయాలు ఎంతకీ తగ్గడం లేదు.

हाँ पावनी, मेरे मनमें संशय जरा भी कम नहीं होता !

పావని : ఇప్పుడు చూడండి ఈ గది. నాకు బాగానే

अब इसी को देखिए। मुझे यह कमरा ठीक ही

ఉన్నది అనిపిస్తూ ఉన్నది. మీ గదుల్లో ఎక్కడికి అక్కడ బోలెడన్ని గోడ బీరువాలు, బీరువాల్లో, బోలెడన్ని అరలూ ఉన్నాయి. కనుక ఇంటి సామగ్రి అంతా చాలా వరకు ఆ బీరువాల్లో సర్దేసుకోవచ్చు. విమల గారి ఇంట్లో బీరువాలు ఇన్ని లేక పోవడం వల్ల ఇరుకుగా అనిపిస్తున్నది.	लग रहा है। आपके सभी कमरोंकी दीवारों में कई अल्मारियाँ हैं - अल्मारियों में कई खाने हैं। इससे घर का अधिकतर सामान तो इन अल्मारियों में ही समा जायेगा। विमलाजी के घरमें इतनी अल्मरियाँ नहीं हैं। इसीलिए वह काफी भिंचा भिंचा सा दीखता है।
వనజ : నిజంగానా? హమ్మయ్య ఇప్పుడు నా మనసు చాలా స్థిమిత పడింది.	सच कह रही हैं? मुझे बहुत तसल्ली मिली।
పావని : ఇలా అనిపించడం సహజమే ఇక వస్తానండీ. మావారు, పిల్లలు నా కోసం ఎదురు చూస్తుంటారు.	अरे ऐसी बातें तो मन में आना स्वाभाविक है। अच्छा अब चलूँ ? घर में पति और बच्चे मेरी प्रतिक्षा कर रहे होंगे।

शब्दार्थ

కట్టుకుంటున్న ఇల్లు	मकान बनाना पूरा नहीं हुआ	రెట్టింపు	दुगुना
కూలీ	मज़दूरी	రాత్రీ పగలు	रात-दिन
సాగటం	लंबा होना, फैलाना	గోడలు	दीवारें
లేపు	नींद से उठाना	కప్పు	ऊपर
వేయించాల్సి ఉంది	करना पड़ेगा	ద్వార బంధాలు	ज्योढ़ी, दरवाज़े की चौखट
తలుపులు	दरवाजा		
గచ్చు బండలు	फर्श	పరిపించు	चुनवाना
చేరు	पहुँचना	కాబట్టి	ऐसा है तो
సరిపోయింది	सब ठीक हुआ	పడవలసి వచ్చేది	गिरनेवाले थे
గడువు	अवधि	ముగియు	अंत
ఉద్దేశ్యం	उद्देश्य	బాధపడు	दुखी होना
మాత్రం	सिर्फ	కష్టపడు	कष्ट करना
కట్టించు	बांधना	తృప్తి	तृप्ति, समाधान

ఊహలు	कल्पनाएँ	ఆలోచనలు	आलोचना
ఆకాంక్షలు	इच्छा, आकांक्षा	కలలు	सपना
అవసరాలు	अवसर	తీర్చిదిద్దు	ठीक से जोड़कर रखना
శ్రమ	श्रम, कष्ट	విచారించు	विचार करना
చేరకపోవు	नहीं पहुँच पाया, सका	చేదోడు	मदद करना
వాదోడు		ముఖద్వారం	घर के सामने का भाग
దీంట్లోంచి	उसके अंदर से	నడిచి	चलाना, संभालना
వరండా	बरामदा	వస్తుంది	आ रही हूँ।
వస్తుంటే	अगर आते हैं तो	మెట్లు	सीढ़ियाँ
బయట	बाहर	మేడ	ऊपर की मंज़िल
వెళతాయి	जाती है	భద్రత	सुरक्षा
భవిష్యత్తు	भविष्य	అంతస్థు	पहली मंजिल
అద్దె	किराया, भाड़ा	చాటు	आड़, ओट
ముందు చూపు	जागरुक रहना	దాటు	पार करना, कुदान, उछलना
మధ్యగది	बीच का कमरा		
బల్ల	मेज़	కుర్చీ	कुर्सी
మూల	महत्वपूर्ण	(ఆ) పక్క	बाजूमें
వంటగది	रसोई घर	పడక గది	सोनेका कमरा
స్నానాల గది	गुसलखाना	మరుగు దొడ్డి	पाखाना, शौचालय
అలంకరణ గది	सज्जागृह	చదువుకునే గది	पढ़ाई का कमरा
స్థలం	जगह, स्थान	పొందికగా	ठीक तरह से
గీసి ఇవ్వు	नक्शा खींचना	ఇరుకుగా	तंग
ఒక మాట	एक बात	అనిపించు	इच्छा हुई
సంశయాలు	संशय, संदेह	తగ్గడం(లేదు)	कम होता नहीं
గోడ బీరువా	दीवारमें बनी अल्मारी	సామగ్రి	सामग्री
వరకు	वहाँ तक	హమ్మయ్య	ओह
స్థిమితపడు	तसल्ली होना	ఎదురు (చూడు)	सामनेका (सामने देखो)

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए ।

1. కట్టుకుంటున్న ఇల్లు.
2. కట్టుకోవడంలో ఉండే లాభాలు.
3. కట్టించుకున్నాం అనే తృప్తి.
4. గోడమీదుగా.
5. ఇచ్చే ఆలోచన.
6. ముందే ఎవరైనా చెప్పి ఉంటే, నేనూ ఆస్కీంలో చేరేదానిని.
7. మీకు ఆ ఉద్దేశ్యం ఉన్నదని మీరు నాతో చెప్పి ఉంటే నేను మీకు చెప్పే వాడిని కదా.
8. ఈ స్కీంలో చేరక పోయి ఉంటే మనం మనకు కావలసినట్లు కట్టుకునే వాళ్ళం కదా.
9. పిల్లలు పెద్ద వాళ్ళయి ఉంటే బాగా ఉండేది.
10. చేదోడు వాదోడు.

II. उदाहरण के अनुसार वाक्य फिर से बनाइए ।

उदा. ఇంకా కప్పు వేయించవలసి ఉన్నది.
ఇంకా కప్పు వేయించాల్సి ఉన్నది.

1. తలుపులూ, కిటికీలు పెట్టించ వలసి ఉన్నది.
2. వైరింగ్ చేయించవలసి ఉన్నది.
3. గచ్చు బండలు పరిపించవలసి ఉన్నది.
4. మేము ఇలాగే తిప్పలు పడవలసి వచ్చేది.
5. అంతా మళ్ళీ ఖర్చు పెట్టుకోవలసి వచ్చింది.

III. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए ।

1. మేము ఇలాగే <u>తిప్పలు</u> పడవలసి వచ్చేది. [ఇబ్బందులు/చేరాలి/ఉండాలి]
2. మన ఆకాంక్షలకు <u>తగినట్లుగా</u> ఇల్లు కట్టుకోవచ్చు. [కావలసినట్లు/సరిపడా/ఊహలకు]
3. మా పిల్లలు పెద్దవాళ్ళయి ఉంటే కొంత <u>చేదోడుగా</u> ఉండేవాళ్ళు.
[సొంతంగా/సహాయంగా/అలాగా]

4. ఎవరైనా ఇంట్లోకి వస్తుంటే <u>కనపడుతుంది.</u> [చూడవచ్చు/పడుతుంది/వెళతాయి]
5. ఈ మెట్లు ఇంటి <u>బయట</u> నుంచి మేడ మీదకు వెళతాయి. [గోడనుంచి/హాల్లోకి/లోపల]

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर निम्नलिखित वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ఇంకా ____________ వేయించాల్సి ఉన్నది.
2. మేము హౌసింగు బోర్డు వాళ్ళ స్కీంలో __________ కాబట్టి సరిపోయింది.
3. నాకు __________ తేది ముగిసిన __________ తెలిసింది.
4. అయితే ఈ ___________ ఇంకా కొంత విశాలంగా ఉండాల్సింది.
5. నాకు ఈ __________ ఎంతకీ తగ్గడం లేదు.

[వంటగది తరువాత లాభాలు సంశయాలు చేరాం కప్పు చేదోడుగా గడువు]

V. कोष्ठक में दिए गए हिन्दी शब्दों के समान तेलुगु शब्दों का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए ।

1. మన సొంత ఇల్లు మనమే కట్టించుకున్నాం. అనే ___________ (तृप्ति)
2. ఇది __________ (दरवाजा) లాగా ఉన్నది.
3. ఈ ____________ (सीढ़ियाँ) లోపల నుంచే ఉంటే బాగా ఉండేదేమో కదా!
4. ___________ (सुरक्षा) ఉండేది కదా!
5. తక్కువ ______________ (जगह) లో ఎక్కువ సౌకర్యాలు.

VI. वार्तालाप के आधार पर निम्नलिखित शब्दों के दूसरे भाग जोड़कर उन्हें पूरे कीजिए ।

1. గోడ . . . . 2. వంట . . . . 3. ద్వార. . . . .
4. గడువు . . . . 5. తీర్చి . . . . 6. ముందు

VII. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. ఇంటి పనులు ఇంకా ఏం ఏం చేయించాల్సి ఉందని వనజ చెప్పింది?
2. సొంతంగా ఇల్లు కట్టు కోవడంలో ఏం లాభాలు ఉన్నాయని పావని చెప్పింది?
3. వనజ ఏం ఇబ్బందులను చెప్పింది?
4. వనజ వాళ్ళ వంటగది గురించి పావని ఏమని చెప్పింది?
5. వనజ మనసు ఎలా స్థిమిత పడింది?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में पाँच प्रकार के वाक्योंका परिचय दिया गया है।

1) కప్పు వేయించాల్సి ఉన్నది.	छत डलवानी है।
2) కిటికీలు పెట్టించాల్సి ఉన్నది.	खिड़कियाँ लगवानी हैं।
3) బండలు పరిపించాల్సి ఉన్నది.	फर्श लगवाना है।
4) అంత శ్రమా మళ్ళీ పడాల్సి వచ్చింది.	उतनी मेहनत फिरसे करनी पड़ी।
5) ఈ గది ఇలా ఉండాల్సింది.	यह कमरा इस तरहसे होना चाहिए।

ऊपर दिये गये वाक्यों के क्रियारूप कार्य की अनिवार्यता का बोध कराते हैं। इसे क्रियारूप में - అల్సి जोड़कर बनाया जाता है।

1) ముందే ఎవరైనా చెప్పి ఉంటే నేనూ ఆస్కీంలో చేరేదాన్ని.	अगर मुझे पहले किसी ने बता दिया होता तो मैं भी उस स्कीम में शामिल हो जाता।
2) పని ముందుకు సాగడం లేదు.	काम आगे नहीं बढ़ रहा है।

इन वाक्योंके क्रियारुपों में अवास्तविक भूत का भाव मिलता है । पूर्ण भूतकाल क्रिया रुपमें ఉంటే / -ఏ (ఉండు-ఏ) प्रत्यय जोड़कर अवास्तविक क्रिया बनती है।

3.1) ముందుగా చేరాం కాబట్టి సరిపోయింది.	ठीक हुआ, हम पहले ही पहुँच गए।
2) కొత్త చోటు కాబట్టి ఉత్సాహంగానే ఉన్నది.	वह जगह नई है, फिर भी हम मज़ा लेते हैं।
3) సమయానికి వచ్చాం కాబట్టి అసలు సంగతి తెలిసింది.	सही वक्त आ पहुँचने पर असल ख़बर मालूम हुआ।

यह देखिए कि विविध प्रकारके वाक्य -కాబట్టి शब्द के प्रयोग से कैसे जोड़ जाते हैं।

4. 1) "మేము ఆ స్కీంలో చేరి ఉంటే బాగా ఉండేది" అని చెప్పారట.	आपने कहा कि, अच्छा होता हम लोग भी उस स्कीम में शामिल रहे होते ।
2) " మా వంటగది ఇరుకుగా ఉన్నది" అని అన్నారట.	आपने कहा कि, हमारे रसोई-घर(कमरा) की जगह तंग है ।

इन वाक्योंमें -అని `अनि' शब्द (जो हिन्दी के `कि' के प्रयोग के समान है) जोड़कर वाक्योंको जोड़ा जाता है। ध्यान दें कि तेलुगु में मुख्य वाक्य -అని `अनि' के बाद आया है। हिंदी में मुख्य वाक्य `कि' के पहले नहीं आता है।

5. वार्तालाप के नीचे दिए गए प्रयोग पर ध्यान दीजिए।

i) "ఇల్లు కట్టి చూడు, పెళ్ళి చేసి చూడు" — `मकान बनाकर देखिए और (बेटीकी) शादी करके देखिए ।'

इस पाठ में आयी इस कहावत का अर्थ है कि, मकान बनाना उतना ही मुश्किल है जितना कि बेटी की शादी कराना। बेटी की शादी कराना जितनी बड़ी बात है, मकान बनाना भी उतनी ही बड़ी बात है (उतनी मुश्किल है।)

ii) "చేదోడు వాదోడు" — `यह तो अच्छा ही है अगर बातें करने के लिए और काम करनेके लिए कोई साथी हो!'

iii) "మాటల్లోనే ఉండిపోవు" — `काफी देर तक बातचीत में लगे रहना'।

పాఠం पाठ 18

సాహితీ సమాగమం

साहित्यिक मिलाप

రావు : ఏమిటి సింగ్? కాఫీ తాగుతూ ఏదో నవల చదువుతూ కూర్చున్నారు?

यह क्या डॉ. सिंह? कॉफी पीते-पीते कोई उपन्यास पढ़ा जा रहा है क्या?

సింగ్: ఆ నేను తెలుగు నవలే చదువుతున్నాను. "వేయి పడగలు" అనే తెలుగు నవలకు పి.వి. నరసింహ రావుగారు "సహస్ర ఫణ్" పేరుతో చేసిన అనువాదం చాలా గొప్పగా ఉంది. భారతీయ సంస్కృతి పట్ల రచయితకు ఉన్న తీవ్రమైన అభిమానం పాశ్చాత్య సంస్కృతి ప్రభావం వల్ల అది దెబ్బ తింటోందన్న ఆయన ఆవేదన చూసి నాకు ఒళ్ళు జలదరించింది. మూల నవల చదివితే బాగా ఉంటుందేమో అనిపిస్తూ ఉన్నది.

जी हाँ उपन्यास ही पढ़ रहा हूँ । यह पी. वी. नरसिंहराव द्वारा अनुवादित तेलुगु उपन्यास `वेइपडगळ्ळु' का हिन्दी रुपान्तर है `सहस्यपर्ण' इसे पढ़ते पढ़ते मेरा पूरा शरीर रोमांचित हो उठता है। इसमें भारत की महान् संस्कृति के प्रति लेखक का प्रेम और पाश्चात्य प्रभाव के कारण इस संस्कृति में हुए ह्रास को लेकर लेखक की वेदना दोनों ही स्पष्ट रूप से झलकते हैं। मुझे अब लग रहा है कि इस उपन्यास को मूल रूप में भी पढ़ना चाहिए।

రావు : ఔను నిజమే! రవీంద్రనాథ్ ఠాగూర్ ఒక చోట గీతాంజలికి తానే చేసిన ఇంగ్లీషు అనువాదాన్ని గురించి మాట్లాడుతూ అంటారు," ఎంత నిజాయితీ గల మధ్యవర్తి అయినా మీ ప్రేయసి చిరునవ్వులు యథాతథంగా మీకు అందించలేడు కదా! అట్లాగే అనువాదాలు ఎన్నటికీ మూల రచనల స్వారస్యాన్ని మీకు పూర్తిగా అందించ

आप ठीक कहते हैं। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने गीतांजलि के अपने अंग्रेजी अनुवाद के विषय में चर्चा करते हुए कहा है - "संदेश वाहक चाहे कितना ही ईमानदार क्यों न हो वह आपकी प्रेयसी की मधुमुस्कान को आप तक यथावत् नहीं पहुँचा सकता। इसी प्रकार अनुवाद भी मूल रचना की सरसता का यथा-

లేవు అని. అయితే మంచి అనువాదాలు మూల రచన చదవాలి అని మీకు అనిపించేలా చేయగలవు. వేయి పడగలు రాసిన కీర్తిశేషులు విశ్వనాథ సత్యనారాయణ గారు ఈ శతాబ్దికి చెందిన భారత దేశపు మహా రచయితలలో ఒకరు ఆయన చేపట్టని సాహిత్య ప్రక్రియ లేదు. నవల, కథానికా, నాటకం, నాటికా, కావ్యం, లఘు కావ్యం, శతకం, గేయకావ్యం, సాహిత్య విమర్శా, వ్యాసం లాంటి అన్ని సాహిత్య ప్రక్రియలలోనూ ఆయన పుంఖాను పుంఖాలుగా రచనలు చేసి గొప్ప వారసత్వాన్ని మనకు మిగిల్చి వెళ్ళారు.

वत् आप तक पहुँचाने में असमर्थ है।" हाँ अनुवाद आपके मनमें मूल रचना पढ़ने की उत्सुकता अवश्य जगा सकता है। `वेइपडगळु' के लेखक स्वर्गीय विश्वनाथ सत्यनारायण जी की गणना इस शताब्दीके महान् भारतीय लेखकों में की जाती है। साहित्य की कोई भी विधा ऐसी नहीं थी जिसपर उनकी लेखनी का अधिकार न हो। उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, महाकाव्य, खण्डकाव्य, शतकम्, निबन्ध आदि विधाओं में अनेक रचनाओं को विश्वनाथजी शट परंपरा के रुपमें रचकर एक महान् विरासत पीछे छोड़ गये हैं।

సింగ్: ఔను వారి "శ్రీమద్రామయణ కల్పవృక్షం" అనే మహకావ్యానికి జ్ఞాన పీఠ బహుమతి కూడ లభించింది కదా!

उनके `श्रीमद् रामायण कल्पवृक्षम्' नामक ग्रंथ को ज्ञानपीठ पुरस्कार भी मिला था न ?

రావు : ఔను అది భారతీయ భాషలలో వచ్చిన గొప్ప రామాయణాలలో ఒకటి. ఈ రామాయణం లోనే కాదు, విశ్వనాథ వారి రచనలు అన్నింటిలో ప్రపంచ సాహిత్యాలలోను, వివిధ ప్రాచీన అధునిక శాస్త్రాలలోనూ ఆయనకు ఉన్న అపార విజ్ఞానం, భారత జాతీయత, సం ప్రదాయాలపట్ల తీవ్ర అభిమానం, అధునిక సమ స్యల పట్ల ఆయనకున్న అవగాహన, నిశిత పరి శీలన, అధునిక సమస్యలకు పరిష్కారంగా భారతీయ సంస్కృతి ఉపయోగపడుతుందన్న ఆయన సందేశం కనపడతాయి. "తరతరాలుగా ఈ దేశంలో ఏది జ్ఞానం అని భావించబడుతూ ఉన్నదో

हाँ, यह महाकाव्य भारतीय भाषाओं में लिखी गईं महान् रामायणों में से एक है। को विश्व-साहित्य और विभिन्न विश्वनाथजी प्राचीन तथा आधुनिक शास्त्रों का असीमित ज्ञान था। भारतीय राष्ट्रीयता और परम्परा के प्रति उनमें दृढ़ आस्था भी। आधुनिक समस्याओंके विषय में भी उन्हें अच्छी जानकारी थी। मनुष्य तथा उसकी मनोवृत्तियों के वे अच्छे द्रष्टा थे। उनका सन्देश यह था कि भारतीय संस्कृति ही आधुनिक समस्याओं का एकमात्र समाधान हैं। ये सभी विषय न केवल उनके रामायण ग्रन्थ में बल्कि अन्य सभी रचनाओं में भी देखने को

దానిని నేను నా రచనల ద్వారా అందించే ప్రయత్నం చేస్తున్నాను" అని ఆయన ఎప్పుడూ అనేవారు. "విశ్వనాథవారు భారతీయ పునర్జీవనోద్యమాన్ని సాహిత్యం ద్వారా నడిపించారు" అని పి.వి. నరసింహరావుగారు ఒక చోట అన్నారు. చిన్న చిన్న వాక్యాలతో అందమైన తెలుగు నుడికారంతో వారి శైలి కూడా ఆకర్షణీయంగా ఉంటుంది.

मिलते हैं। वे प्रायः कहा करते थे "इस देश में सदियों से जिस ज्ञान की परम्परा चली आ रही है उसे तो मैं अपनी रचनाओं के माध्यम से अभिव्यक्त करता आ रहा हूँ।" पी.वी. नरसिंहराव एक स्थान पर कहते हैं - "विश्वनाथजी ने साहित्य के माध्यम से भारतीय पुनर्जागरण का निर्वाहन किया है।" वे छोटे छोटे वाक्यों में और मुहावरेदार तेलुगु में लिखा करते थे। उनकी यह शैली बहुत आकर्षक होती थी।

సింగ్: అలాగా! మీ మాటలు వింటే నాకు ఆయన మీద ఉన్న గౌరవం మరింత పెరుగుతున్నది. నేను ఆయన రచనలు తప్పక చదువుతాను.

अच्छा ! आपकी बातें सुनकर उनके प्रति मेरी श्रद्धा और भी बढ़ती जा रही है। मैं उनकी अन्य रचनाओं को भी अवश्य पढ़ूँगा।

రావు : అయితే ఒక చిన్న సమస్య ఉన్నదండీ. మీరు మాట్లాడుతున్న తెలుగు, ఆయన నవలలోని తెలుగుకీ కొంచెం తేడా ఉంటుంది. ఆయన ప్రాచీన కావ్య భాషలో రాస్తారు. ఈ శైలిని గ్రాంధిక శైలి అంటారు. ఇటీవల దాకా తెలుగులోని ఆధునిక రచనలను కూడా గ్రాంధిక శైలి లోనే రాసేవారు. మీకు ఈ శైలి తేడావల్ల ఏమైనా ఇబ్బంది కలిగితే కలగవచ్చు. అయితే ఇక్కడ గమనించాల్సిన విషయం ఒకటి ఉంది. సూరదాస్, తులసీదాస్‌లు వాడిన ప్రాచీనమైన బ్రజ్, అవధి లాంటి హిందీ భాషలకీ, నేటీ ఖడీ బోలికి ఉన్నంత పెద్ద తేడా, తెలుగులోని గ్రాంధిక శైలికీ మీరు మాట్లాడుతున్న భాషకీ లేదు. మీరు ఏదో అడిగారు కదా అని, నేను

लेकिन यहाँ एक समस्या है। आप जो तेलुगु बोलते है और उनके उपन्यास जिस तेलुगु में लिखे हैं उन दोनों में थोड़ा सा अन्तर है। वे प्राचीन काव्य शैली में लिखते थे। इस शैली को `ग्रान्थिक शैली' कहते है। कुछ दिन पहले तक तो तेलुगु की आधुनिक रचनायें भी ग्रान्थिक शैली में लिखी जा रही थीं। शैली के इस अन्तर के कारण आपको थोड़ी सी कठिनाई हो सकती है। लेकिन यहाँ एक ध्यान देने योग्य बात है। सूरदास और तुलसीदास जिस प्राचीन ब्रज और अवधी भाषाओं में लिखा करते थे। उनमें और खड़ी बोली के बीच में जितना अन्तर है उतना तेलुगु की ग्रान्थिक और बोलचाल की भाषामें नहीं है। आपने तो ज़रा सी

నా ఉపన్యాస ధోరణిలో మిమ్మల్ని విసగింపటం లేదు కదా!

సింగ్: అబ్బే! మీరు అలా ఎందుకు అనుకుంటున్నారు? మీరు నాకు చాలా కావాల్సిన విషయాలనే చెబుతున్నారు. అయితే గ్రాంథికమైన తెలుగు నేర్చుకోవడం పెద్ద కష్టం కాదు అంటారు. నేను తప్పకుండా ఆ ప్రయత్నం చేస్తాను. నేను అలా నేర్చుకోకపోతే బోలెడంత తెలుగు సాహిత్యాన్ని చదివి ఆనందించే అవకాశాన్ని పోగొట్టుకొంటాను. అయితే రావుగారు! నేను అప్పుడు మాట్లాడుతున్న భాషలో గొప్ప నవలలూ అలాంటి సాహిత్యం ఉంటే చెబుతారా?

రావు : ఓ! తప్పకుండా మీరు మాట్లాడుతున్న భాషను వ్యవహారిక భాష అంటారు. చలం, బుచ్చిబాబు, గోపిచంద్, కొడవటిగంటి కుటుంబరావు లాంటి నవలా రచయితలు వ్యావహారిక భాషలోనే గొప్ప నవలలు రచించేవారు. చలం స్త్రీలకు అన్ని విధాల స్వేచ్ఛ కావాలని సందేశం ఇస్తూ, సూటిగా, ధాటిగా, ధారగా ప్రవహించే రసవత్తరమైన శైలిలో "మైదానం', `అమీనా' `దైవ మిచ్చిన భార్య' వంటి నవలలు రచించారు. గోపిచంద్ రచించిన `అసమర్థుని జీవిత యాత్ర', బుచ్చిబాబు రచించిన `చివరకు మిగిలేది' కుటుంబ రావుగారి `చదువు' నవలలు నాటికీ నేటికీ గొప్ప `క్లాసిక్స్' గా మిగిలిపోయాయి. తరువాత తరంలో రా.వి. శాస్త్రిగారు, రంగ నాయకమ్మ గారు, లత, రావూరి భరద్వాజ

चर्चा छेड़ी थी। कहीं मैं ने अपने इस लम्बे भाषण से आपको परेशान तो नहीं कर दिया?

अरे आप कैसी बातें करते हैं ? आपकी बातें तो मेरे लिए उपयोगी ही हैं। तो आपका कहना है कि ग्रान्थिक तेलुगु को सीखना उतना कठिन नहीं है। फिर तो मैं प्रयत्न अवश्य करूँगा। यदि मैं ऐसा नहीं कर पाया तो तेलुगु के इतने बड़े साहित्य को पढ़ने के आनन्द से वंचित रह जाऊँगा। राव साहब, जो तेलुगु मैं बोलता हूँ उसमें उपन्यास आदि पढ़ने के लिए सुझाएंगे क्या ?

क्यों नहीं ? अवश्य बताऊँगा। आप जिस तेलुगु में बात कर रहे हैं उसे व्यावहारिक भाषा कहते हैं। चलम्, बुच्चिबाबू, गोपीचंद, कुटुम्बराव आदि उपन्यासकारों ने व्यावहारिक भाषा में ही महान् उपन्यास लिखे हैं। चलम् का संदेश था कि स्त्रियों को सभी तरह का स्वातंत्र्य मिलना चाहिए। इस सन्देश को लेकर उन्होंने बहुत ही स्पष्ट आक्रमक, धाराप्रवाह और सरस शैली में मैदानम्, अमीना, दैव मिच्चिनभार्या जैसे उपन्यासों की रचना की है। गोपीचन्द द्वारा रचित असमर्थुनी जीवित यात्रा, बुच्ची बाबू द्वारा रचित चीबरकु मिगलेडी. तथा कुटुम्बराव द्वारा रचित चदवु की गणना आज भी महान् कृतियों में होती है। उसके बाद की पीढ़ी में रा.वि.शास्त्री, रंगनायकम्मा, लता, रावुरी भरद्वाज जैसे अनेक

లాంటి గొప్ప నవలా రచయితలు ఎందరో గొప్ప రచనలు చేసి ఎన్నో సాహితీ ఖండాలను మనకు అందించారు. ఇంకా ఈ తరంలో వివిధ పద్ధతుల్లో ఆసక్తికరమైన నవలలు రాస్తూ సంచలనం సృష్టిస్తున్న రచయితలూ, రచయిత్రులూ ఎందరో ఉన్నారు.

महान् उपन्यासकार हुए हैं। सभी उपन्यासकारों ने अनेक महान् रचनाएँ की और हमारे लिए साहित्य की अनुपम कृतियाँ छोड़ गये। वर्तमान पीढ़ी में ऐसे बहुत से उपन्यासकार हैं जिन्होंने विभिन्न ढंगों से रोचक उपन्यास लिखकर साहित्य जगत में तहलका मचा दिया है।

సింగ్: అయ్యో! నాకు ఇంతకు ముందే ఈ పేర్లన్నీ తెలిసి ఉంటే ఎంత బాగా ఉండేది. ఇప్పటికి నేను ఇవన్నీచదివేసి ఉండే వాడిని కదా! నేను ఇంతకు ముందే ఎప్పుడైనా మిమ్మల్ని అడగాల్సింది.

काश, मैं इन उपन्यासकारों को पहले जानता होता। अब तक मैं इन सभी उपन्यासों को पढ़ डालता। मुझे आपसे इस विषय में पहले ही पूछना चाहिए था।

రావు : సింగ్‌గారు! మీ కుతూహలం, ఉత్సాహం, ఆసక్తి చూస్తే నాకు గొప్ప హుషారుగా ఉంది. ఈ వయస్సులో కూడా మీకు కొత్త విషయాలు తెలుసుకోవడంమీద ఎంత ఆసక్తి ఉంది? ఇంత తీవ్రమైన ఆసక్తి ఉంటే ఏదో ఒక మార్గం ద్వారా మీకు అన్ని విషయాలు తెలుస్తాయి. ఈ కృషిలో మీకు నేనే మాత్రం ఉపయోగపడగలిగినా నాకు సంతోషమే.

सिंह जी आपका यह कुतूहल, उत्साह और रुचि देखकर मुझमें भी एक उमंग सी हिलोरे ले रही है। इस उम्र में भी आपमें नए विषयों को जानने की कितनी उत्सुकता है। यदि आपकी जिज्ञासा इतनी तीव्र है तो इन विषयों का जानने का कोई न कोई मार्ग अवश्य निकल आएगा, इस अनुष्ठान में यदि मैं थोड़ा सा भी आपके काम आ सका तो मैं इसे अपना सौभाग्य समझूंगा।

సింగ్: చాలా కృతజ్ఞతలండీ. మీరు ఏమీ అనుకోకపోతే మిమ్మల్ని నేను అప్పుడప్పుడూ ఇలా ఇబ్బంది పెడుతూ ఉంటాను. నాకు ఇలాంటి విషయాలు తెలియ చెప్పండి. మన ఈ సాహితీ సమాగమం ఇలా కొనసాగుతూ ఉంటుందని ఆశిస్తాను.

बहुत बहुत धन्यवाद ! यदि आपको बुरा न लगे तो मैं कभी कभी आपको ऐसे ही कष्ट देता रहूँगा। इन विषयों पर मुझे जानकारी देते रहिएगा।

రావు : సంతోషంగా.

मुझे खुशी होगी।

शब्दार्थ

తాగు	पेय, पीने की चीजें	నవల	उपन्यास
వేయి పడగలు	एक हजार फन (नाग के), सहस्त्र फण	చేసిన	करना
అనువాదం	अनुवाद	భారతీయ	भारतीय
సంస్కృతి	संस्कृति	తీవ్రమైన	तीव्रता (गंभीरता)
పాశ్చాత్య	पाश्चात्य, पश्चिम की	ప్రభావం	प्रभाव, असर
ఆవేదన	वेदना, दुःख	జలదరించు	रोमांचित होना
మూల(నవల)	प्रमुख उपन्यास	చదివితే	किताब पढ़नेसे
ఒకచోటు	रस्ता, मार्ग	నిజాయితీ	प्रामाणिक, ईमानदार
మధ్యవర్తి	मध्यवर्ती	ప్రేయసి	प्रेयसी
చిరునవ్వులు	हँसता हुआ	యథాతథంగా	जैसा था वैसा (उसी रुपमें)
అందించు(లేదు)	देना नहीं	రచనలు	रचना
స్వారస్యం	सरस	పూర్తిగా	पूरी तरह से
చదవాలి	पढ़ना चाहिए	కీర్తిశేషుడు	स्वनाम धन्य
చెందిన	अपने	ఒకరు	अकेला
చేపట్టని	कुछ भी बाकी न छोड़ना	సాహిత్య ప్రక్రియ	साहित्य प्रक्रिया
కథానిక	छोटी कथाएँ, कथन	నాటకం	नाटक
నాటిక	नाटिका	కావ్యం	काव्य
లఘుకావ్యం	लघुकाव्य	శతకం	शतक, शती
గేయకావ్యం	गेय काव्य	సాహిత్య విమర్శ	साहित्य विमर्श
వ్యాసం	निबंध	పుంఖాను పుంఖాలు	सिलसिलेवार
వారసత్వం	विरासत	మిగుల్చు (ల్చి)	बचाकर रखना
కల్పవృక్షం	कल्पवृक्ष	ప్రపంచసాహిత్యం	प्रपंच साहित्य
ప్రాచీన	प्राचीन	ఆధునిక	आधुनिक
అపార	अपार	విజ్ఞానం	विज्ञान
జాతీయత	जातीयता	అవగాహన	बोध

నిశిత	गूढ़	పరిశీలన	परिशीलन
పరిష్కారం	परिष्कार, संपादन	సందేశం	संदेश
తరతరాలు	पीढ़ियाँ	భావించబడు	समझना, सोचना
పునర్జీవనోద్యమం	पुनर्जागरण	నుడికారం	शब्दों का चमत्कार
శైలి	शैली	ఆకర్షణీయం	आकर्षित करने योग्य
వింటే	अगर सुने तो	గౌరవం	गौरव
మరింత	ज्यादा	పెరుగుతున్న	बढ़ना, ज्यादा होना
కావ్యభాష	काव्य की भाषा	గ్రాంథిక శైలి	ग्रंथ शैली
ఇటీవల	अभी अभी	ఇబ్బంది	कष्टमें, तकलीफों में
కలిగితే కలగవచ్చు	होगा तो होगा	గమనించు	ध्यान देना
ఉపన్యాసం	भाषण, व्याख्यान	ధోరణి	सिलसिला, क्रम, ढंग
విసిగించు	ऊब जाना	పోగొట్టుకొను	खो देना
వ్యవహారికభాష	व्यावहारिक भाषा	స్త్రీలు	स्त्रियाँ
విధాల	तरह	స్వేచ్ఛ	स्वेच्छारु
సూటిగా	सीधी तरहसे	ధాటిగా	ज़ोर से
ధారగా	धाराप्रवाह	ప్రవహించే	प्रवाह
రసవత్తరమైన	रसपूर्ण, रससे परिपूर्ण	నాటికి	तब
నేటికి	अब	మిగిలిపోవు	बाकी रहना
సాహితీఖండం	साहित्यखण्ड	సంచలనం	आंदोलन, हलचल
సృష్టించు	सृजन करना, निर्माण करना	చదివేసి	पढ़कर पूरा हुआ
కుతూహలం	कुतूहल	కృషి	कृषि
కృతజ్ఞతలు	कृतज्ञता		जब तब

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए ।

1. భారతీయ సంస్కృతిపట్ల రచయితకు ఉన్న తీవ్రమైన అభిమానం.
2. భారతీయ సంస్కృతి దెబ్బ తింటోందన్న ఆయన ఆవేదన.

3. ఒళ్ళు జలదరించింది.
4. మూల నవల చదివితే బాగా ఉంటుందేమో అనిపిస్తున్నది.
5. గీతాంజలికి తానే చేసిన ఇంగ్లీషు అనువాదం.
6. యథా తథంగా మీకు అందించలేదు కదా!
7. మూల రచన చదవాలి అని మీకు అనిపించేలా చేయగలవు.
8. పుంఖాను పుంఖాలుగా రచనలు చేసి గొప్ప వారసత్వాన్ని మనకు మిగిల్చి వెళ్ళారు.
9. మీ మాటలు వింటే నాకు ఆయన మీద ఉన్న గౌరవం మరింత పెరుగుతున్నది.
10. ఇబ్బంది కలిగితే కలగవచ్చు.

उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों को जोड़िए ।

ఉదా: వీరు అనువాదం చేశారు.
అది బాగా ఉన్నది.
వీరు చేసిన అనువాదం బాగా ఉన్నది.

1. నేను ఒక పుస్తకం చదివాను.
ఆ పుస్తకం వెల ఎక్కువ.
2. నేను స్వీటు తిన్నాను.
ఆ స్వీటులో తీపి తక్కువ.
3. మీరు మా మాటలు విన్నారు.
ఆ మాటలు మరచిపోండి.
4. నేను ఒక చొక్కా కొన్నాను.
అది రంగు వెలసింది.
5. మీరు ఒక పాట పాడారు.
ఆ పాట చాలా బాగా ఉన్నది.

वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए ।

1. ఆయన మీద ఉన్న గౌరవం మరింత <u>పెరుగుతున్నది.</u>
(నడిపించుతున్నది/విసిగించుతున్నది/ఇనుమడించుతున్నది)

4. ఉపన్యాస . . . . .
5. సాహితీ . . . . .

VII. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नोंके उत्तर दीजिए ।

1. తను చదువుతున్న నవల గురించి సింగ్ ఏం చెప్పారు?
2. అనువాదం గురించి రావు ఏం చెప్పారు?
3. విశ్వనాథ వారి గురించి రావు ఏం చెప్పారు?
4. వ్యవహారిక భాషకూ గ్రాంథిక శైలికీ గల తేడాను రావు ఎలా వివరించారు?
5. ఇంకా తెలుసుకోవాలన్న సింగ్ ఆశక్తిని గురించి రావు ఏం అన్నారు?

పాఠం 19
पाठ 19

జగన్నాథుడి రథం కదిలింది

जगन्नाथ का रथ चल पड़ा

మల్లేశం : నమస్కారం రాజయ్యగారు వీరు నా మిత్రులు. కిషన్, ఎల్లేష్. నా పేరు మల్లేశం.

नमस्कार राजय्याजी। ये मेरे मित्र है, किशन और एल्लेश। मेरा नाम मल्लेशम् है।

రాజయ్య: నమస్తే రండి. ఇలా కూర్చొండి. ఏం తీసుకుంటారు. చల్లటివా ? వేడివా ?

नमस्ते - आइए यहाँ बैठिए। क्या लेंगे - ठंडा या गरम ?

మల్లేశం : ఏం ఫరవాలేదండీ. మేము మీతో ఏదో మా ప్రాంతపు మంచీ చెడ్డా ముచ్చటిద్దామని వచ్చాం. మీరు ఎన్నో పనుల ఒత్తిడిలో ఊపిరాడకుండా ఉంటారు. కదండీ. మేం మిమ్మల్ని ఇబ్బంది పెట్టడం లేదనుకుంటా!

रहने दीजिए। हम अपने क्षेत्र की दुख-तकलीफ के बारे में चर्चा करने आए हैं। आप पर तो काम का पहले ही इतना बोझ है कि साँस लेने की फुर्सत नहीं है - कहीं हम आपको कष्ट तो नहीं दे रहे हैं ?

రాజయ్య: ఇబ్బందా! ఇబ్బందేమిటి బాబూ, భలేవాడివే. నాకు చాలా సంతోషం. మీలాంటి ఉత్సాహ వంతులైన కుర్ర వాళ్ళతో మాట్లాడటం అంటే నేను మీ ప్రతినిధిగా శాసనసభకు వెళ్ళిందే మన అందరి కష్టసుఖాలూ అక్కడ చెప్పి మనకు కావలసిన చట్టాలు శాసనసభ చేత చేయించేందుకు. మీరు ఏం చెప్పదలచుకు న్నారో అదంతా నిస్సంకోచంగా నిర్మొహ మాటంగా చెప్పండి. మీ సలహాలూ సూచ

कष्ट? कैसा कष्ट? क्या बात करते हो? मुझे तो तुम जैसे नौजवानों से बातें करनेमें बड़ा आनंद मिलता है। मैं विधान सभा में आपका प्रतिनिधि बनकर गया था इसलिए कि सबके सुख दुख को वहाँ बता सकूँ और विधान सभा से सबके लिए उपयोगी कानून बनवा सकूँ। तुम्हें जो कुछ भी कहना है, निस्संकोच हो कर कहो, खुलकर कहो। तुम्हारे सलाह-सुझावों को मैं पूरी तरह अमल में लाने की

నలు నేను తప్పక పాటిస్తాను. ముందు ఈ నిమ్మరసం తీసుకోండి. ఎండలో వచ్చినట్లు న్నారు.

कोशिश करूंगा। पहले यह शिकंजवी पी लो। तुम लोग गरमी के कारण थके हुए दीखते हो।

కిషన్ : థాంక్సండీ. మేము సలహాలు ఇవ్వదగినంత పెద్దవాళ్ళం కాదు లెండి. ఏదో కొంత మా మనసులో మాట మీతో చెప్పుకుంటే మీరు చేయదగిన పని చేస్తారు కదా అని వచ్చాం. మేము వచ్చి చెప్పకపోతే ఎక్కడెక్కడ ఏం ఏం జరుగుతున్నదో ఎవరెవరికి ఏం ఏం సమస్యలున్నాయో అవన్నీ మీకు తెలియడం సాధ్యం కాదు కదండీ. మేము వచ్చింది మా ఊరికి బస్సువేయించడాన్ని గురించి మాట్లాడేందుకండీ.

धन्यवाद। हम लोग इतने बड़े थोड़े ही हैं कि आपको सलाह दे सकें। हम तो यह सोच कर आये हैं कि अपनी बात दिल खोल कर आपसे कह सकें। फिर आप जो भी उचित समझें - करें। यदि हम यहाँ आकर आपको यह सब न बताएँ तो आपके लिए यह जानपाना तो असम्भव ही होगा कि कहाँ क्या चल रहा है और किसकी क्या समस्या है। आज हम यहाँ यह बात करने आये हैं कि हमारे गाँव के लिए बस सेवा आरम्भ की जाए।

రాజయ్య: ఓహో! అలాగా మీది ఏ ఊరు?

अच्छा ! तुम्हारा गाँव कौन सा है ?

ఎల్లేష్ : మాది మూల పల్లి అండీ. స్వాతంత్ర్యం వచ్చి ఇన్నేళ్ళయినా మా ఊరి పరిస్థితి ఎక్కడ వేసిన గొంగళి అక్కడే అన్నట్లుగా ఉన్నదండీ. మా ఊరికి చుట్టుపక్కల పది కిలోమీటర్ల పరిధిలో ఎక్కడా రైల్వేస్టేషను కానీ, బస్సుస్టాండు కానీ లేదు. మేము ఏ ఊరికి వెళ్ళాలన్నా కనీసం పది పన్నెండు కిలో మీటర్లు కాలి నడకన పడిపోవాలండీ. పైగా మేమంతా కాలి నడకనే ఆముదాల పురం వెళ్ళి చదువుకున్నాం.

हम मूल पल्लि के हैं। आज़ादी मिलने के इतने साल बाद भी हमारे गाँव की दशा वैसी की वैसी है। हमारे गाँव की दस मील की परिधि में कहीं भी कोई स्टेशन या बस स्टॉप नहीं है। कहीं भी जाने के लिए कम से कम दस मील पैदल चलना पड़ता है। हमने भी आमुदाला पुरम में रोज पैदल चलकर अपनी पढ़ाई पूरी की है।

రాజయ్య: ఔను. నాకు మూలపల్లి ఎందుకు తెలియదూ. మీ గ్రామ సర్పంచు ఎల్లయ్య కదా! ప్రసిద్ధ

अरे मूलपल्लि नहीं जानूंगा ? तुम्हारे गाँव का सरपंच एल्लय्या है न ? प्रसिद्ध नेता मन्तनाला

	నాయకుడు మంతనాల నారాయణరావుగారిది కూడా మూలపల్లే కదా! ఔను ఈ చుట్టు పక్కల ఎన్ని ఊళ్ళకు బస్సు, విద్యుత్తు సౌకర్యాలు లేవో, అన్ని ఊళ్ళకూ ఆ సౌకర్యాలు కల్పించడం గురించి కూడా మొన్న శాసన సభలో నేను ప్రస్తావించడం జరిగింది. గౌరవ నీయులైన రవాణాశాఖా మంత్రిగారూ కూడా వచ్చే రెండు మూడు సంవత్సరాల్లో ఈ గ్రామాలన్నింటికీ బస్సు విద్యుత్ సౌకర్యాలు కల్పిస్తామని హామీ ఇచ్చారు కూడా. కనుక మూల పల్లికి ఈ సంవత్సరం బస్సూ, విద్యుత్తు సౌకర్యాలు తప్పక ఏర్పడతాయి.	नारायण राव का गाँव भी तो मूलपल्लि है न ? अभी पिछले रोज़ ही तो मैंने आसपास के जिन जिन गाँव में बिजली और बस की व्यवस्था नहीं है वहाँ उन सुविधाओं की तुरन्त व्यवस्था किये जाने का प्रस्ताव रखा था। माननीय परिवहन मंत्री ने भी आश्वासन दिया था कि दो-तीन सालोंमें इन सभी गाँवों में बस और बिजली की व्यवस्था कर देंगे। इसलिए मूल-पल्लिमें इस वर्ष के अन्दर अन्दर बस और बिजली की व्यवस्था अवश्य हो जायेगी।
ఎల్లేష్ :	అలా కాదండీ, ఇలా గత నలభై ఏళ్ళ నుంచీ అన్ని ప్రభుత్వాల వాళ్ళూ హామీలు ఇస్తూనే ఉన్నారు. కాని ఆచరణలో మాత్రం జరిగింది శూన్యం. అందువల్ల మీరు మా ఊరికి బస్సూ, విద్యుత్తు వచ్చేలా ప్రభుత్వం ఉత్తర్వులు జారీ చేసేట్లు తీవ్రంగా ప్రయత్నించాలని మా అభ్యర్థన.	लेकिन ऐसा होता कहाँ है ? पिछले पचास वर्षों से सभी सरकारें ऐसा ही आश्वासन देती आ रही हैं। पर वास्तव में तो कुछ भी नहीं हुआ है। इसलिए हमारी आपसे प्रार्थना है कि आप इस दिशा में शीघ्रातिशीघ्र कोई कदम उठायें जिससे सरकार हमारे गाँव में बिजली और बस की व्यवस्था के लिए आदेश निकाले।
రాజయ్య:	నిజమే. . . నీ పేరు ఏమిటన్నావు. . .	हाँ यह तो सच है परन्तु ...... तुमने नाम क्या बताया था ?
ఎల్లేష్ :	ఎల్లేష్	एल्लेश ।
రాజయ్య:	ఆ!ఎల్లేష్!చట్టాలు చేయించడం ప్రభుత్వాన్ని నడిపించడం మనకు ఇక్కడి నుంచి ఎంత సులభంగా అనిపిస్తుందో నిజానికి అంత సులభంగా ప్రతి పనికీ అక్కడ సవాలక్ష అడ్డంకులు. నేను ఎంత తీవ్రంగా మన	हाँ एल्लेश - कानून बनाना और सरकार को चलाना यहाँ बैठकर जितना आसान दिखता है वास्तव में इतना है नहीं। वहाँ तो हर काम में सैकड़ों रुकावटें होती है। मैं जितना अधिक प्रयास अपने क्षेत्र के लिए करता हूँ उतना ही

ఇక్కడ గమనించాల్సిన విషయం ఒకటి ఉన్నది. (ఇబ్బందులు/సంగతి/కష్టాలు)
మీకు నేనే మాత్రం ఉపయోగ పడగలిగినా నాకు సంతోషమే. (సహాయ/సూటిగా/ధారగా)
నాకు ఇంతకు ముందే ఈ పేర్లన్నీ తెలిసి ఉంటే ఎంత బాగా ఉండేది.
(అవన్నీ/పుస్తకాలన్నీ/ఇవన్నీ)
నేను తప్పకుండా ఆ ప్రయత్నం చేస్తాను. (పని/చూస్తాను/ఆసక్తి)

ोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए ।

మూల ________ చదివితే బాగా ఉంటుందేమో అనిపిస్తున్నది.
అనువాదాలు ఎన్నటికీ మూల__________ స్వారస్యాన్ని పూర్తిగా _________ లేవు.
ఆయన చేపట్టని సాహిత్య _________ లేదు.
అది__________ భాషలలో _______ గొప్ప రామాయణాలలో ఒకటి.
. విశ్వనాథవారు భారతీయ పునర్జీవనోద్యమాన్ని _________ ద్వారా నడిపించారు.

న భారతీయ సాహిత్యం నవల రచనల కీర్తి శేషుడు ప్రక్రియ అందించ]

ोष्ठक में दिए गए हिन्दी शब्दों के समान तेलुगु शब्दों का प्रयोग करके निम्नलिखित ाक्य पूरे कीजिए ।

ఏదో ________ (उपन्यास) చదువుతూ కూర్చున్నారు.
వారు చేసిన ___________ (अनुवाद) చాలా గొప్పగా ఉన్నది.
ఆయన _____________ (संदेश) కనపడతాయి.
చిన్న చిన్న _____________ (वाक्य) తో అందమైన తెలుగు నుడికారంతో వారి శైలి
ఆకర్షణీయంగా ఉంటుంది.
నాకు ఆయన మీద ఉన్న గౌరవం _________ (ज्यादा) పెరుగుతున్నది.

र्तालाप के आधार पर दिए गए शब्दों के दूसरे भाग जोड़कर पूरे कीजिए ।

వేయి . . . . .
కీర్తి . . . . .
కల్ప . . . . .

ప్రాంతం కోసం ప్రయత్నిస్తానో అంతే తీవ్రంగా మరో శాసన సభ్యుడు తన ప్రాంతం కోసం ప్రయత్నిస్తాడు. అన్ని ఊళ్ళకీ ఒకే సారి సౌకర్యాలు చేసేందుకు ఉన్న బడ్జెటు చాలదు. అందువల్ల ఎవరి పనీ జరగకుండా నిలచి పోతూ ఉంటుంది. అయితే ఈ సారి అట్లా జరగదులే. మొన్న మేమంతా కలసి ఈ సమస్య గురించి చర్చించాం. ఈ సంద ర్భంగా మేము ఒక నిర్ణయానికి రావడం జరిగింది. బడ్జెట్‌లో ఏ సంవత్సరానికి ఏ సౌకర్యానికి ఎంత మొత్తం కేటాయించ బడిందో ఆ సంవత్సరానికి అంత మొత్తాన్ని అన్ని ప్రాంతాలకు సమానంగా విభజించడం, ఆయా ప్రాంతాలకు ఈ విధంగా లభించిన మొత్తంలో ఎన్ని ఊళ్ళకు సౌకర్యాలు కల్పిం చగలమో అన్ని ఊళ్ళను ఎన్నుకుని వాటిని మాత్రం అభివృద్ధి పరచడం జరగాలి అని. ఈ మేరకు మా అందరికీ మధ్య ఒప్పందం కుదిరింది. ఈ సంవత్సరం ఆ విధంగా ఏ ఏ ఊళ్ళను ఎన్నుకున్నారో వాటిలో మూలపల్లి కూడా ఉన్నది.

दूसरे विधायक अपने अपने क्षेत्रों के लिए करते हैं। सभी गाँवों के लिए एकसाथ सुविधाएँ जुटा पानेके लिए बजट पर्याप्त नहीं होता। नतीजा यह निकलता है किसी का काम नहीं होता - सबके काम रुके रहते हैं। पर इस बार ऐसा नहीं होगा। अभी उस रोज ही हम सब लोगों ने इस समस्या के बारेमें खूब चर्चा की। इस सन्दर्भ में हम सभी एक निष्कर्ष पर पहुँच गए है। वह निर्णय यह है कि जिस साल जिन सुविधाओंके लिए जितने खर्च का बजट होता है उसे समान रुपमें सभी क्षेत्रोंमें बाँट दिया जाये। इन क्षेत्रों के लिए जितने बजट का प्रावधान है उतने में कितने गाँवों को सुविधाएँ दी जा सकती है इसे ध्यान में रखते हुए गाँवों का प्राथमिकता के अनुसार चयन किया जाता है। इसके बाद उन चुने हुए गाँवों को विक-सित करने का काम किया जाता है। यहाँ तक तो हम सब के बीच सहमति हो गई है। इस साल ऐसे जिन गाँवों को चुना गया है उसमें मूलपल्लि भी एक है।

కిషన్ : నిజమా సార్.

क्या यह सच है सर ?

ఎల్లేష్ : మొత్తం మీద జగన్నాధుడి రథం కదిలిం దన్నమాట.

आखिर में जगन्नाथ का रथ चल पड़ा। है ना ?

మల్లేషం: చాలా సంతోషం సార్. ఈ విషయం ముందే చెప్పారు కారు.

हम बहुत खुश हैं सर ! यह बात अपने पहले ही बता दी होती ।

రాజయ్య: హ హ్హ హ్హ హ్హ ముందే నేను చెప్పేస్తే మీరు ఇంత సేపు కూర్చుని ఉండే వారు కారు. మనం ఇంత తీరికగా మనసు విప్పి మాట్లాడుకోగలిగే వాళ్ళమూ కాదు. అందు వల్ల ఎప్పుడు మీకీ శుభవార్త చెప్పాలో అప్పుడే చెబుదాం లెమ్మని ఊరుకున్నాను.	हाँ हाँ - अगर मैं पहले ही बता देता तो तुम लोग इतनी देर यहाँ बैठे रहते क्या ? हम आराम से दिल खोल के बात नहीं कर सकते थे । मैं ने सोचा कि जब इस शुभ समाचार को बताना अच्छा होगा तभी बताऊँगा ।
కిషన్ : మీరు భలే కులాసాగా మాట్లాడతారు సార్. ఇంక మేము వస్తాం సార్.	आप काफी मजेदार ढंग से बात करते हैं सर ! अच्छा अब हम चलें ?
ఎల్లేష్ : వెళ్ళి వస్తాం సార్.	चलते हैं सर ।
మల్లేశం : వెళ్ళి వస్తాం సార్.	चलते हैं सर ।
రాజయ్య: మీకు ఎప్పుడు నన్ను కలవాలనిపిస్తే అప్పుడు నిస్సంకోచంగా వచ్చేయండి. మీలాంటి కుర్రవాళ్ళే ఈ రోజు దేశానికి కావాలి.	तुम लोग जब भी मुझसे बात करना चाहो तो निसंकोच चले आया करो। अब तो हम अच्छे दोस्त बन गए हैं। भविष्य में एक दूसरे के काम आ सकते हैं।
మల్లేశం : అలాగే సార్. థాంక్స్. వస్తాం.	ऐसा ही होगा सर ! धन्यवाद ।

शब्दार्थ

మిత్రులు	मित्र, दोस्त	చల్లటివి	ठण्डा (जैसे)
వేడివి	गरम (जैसे)	ప్రాంతము	प्रांत
మంచి, చెడు	अच्छा बुरा	ముచ్చటించు	गप्पें लड़ाना
ఒత్తిడి	तेजी	ఊపిరాడకుండా	दम घुटना
ఇబ్బంది	कष्ट, तकलीफ	ఉత్సాహవంతులు	उत्साही
ప్రతినిధి	प्रतिनिधि	శాసనసభ	संसद
నిస్సంకోచం	निस्संकोच	నిర్మోహమాటం	निस्संकोच
ఇవ్వదగిన	दे सकते हैं	చేయదగిన	कर सकता

సాధ్యం	मुमकिन, साध्य	స్వాతంత్ర్యం	स्वातंत्र्य
కాలినడక	चल के जाना	ప్రసిద్ధనాయకుడు	प्रसिद्ध नेता
ప్రస్తావించడం	प्रस्तावना करना, भूमिका, बाँधना, प्रारंभ करना	హామీ	हामी
		ఆచరణ	आचरण
శూన్యం	शून्य, नहीं के बराबर	తీవ్రంగా	तीक्ष्ण
అభ్యర్థన	प्रार्थना	నడిపించడం	चलाना
సులభం	सुलभ	సవాలక్ష	सैकड़ो
అడ్డంకులు	रुकावटें	చర్చించు	चर्चा करना
సందర్భం	संदर्भ	కేటాయించు	हिस्सों में विभाजित करना
విభజించు	भाग करना		
ఒప్పందం	सम्मति	ఎన్నుకున్న	चुना गया
రథం	रथ	శుభవార్త	शुभ समाचार
కులాసాగా	खुशीसे		

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए ।

1. మీరు ఎన్నో పనుల ఒత్తిడిలో ఊపిరాడకుండా ఉంటారు.
2. కావలసిన చట్టాలు శాసనసభచేత చేయించేందుకు.
3. సలహాలు ఇవ్వదగినంత పెద్దవాళ్ళం కాదు లెండి.
4. మీరు చేయదగిన పని చేస్తారు కదా అని వచ్చాం.
5. బస్సు వేయించడాన్ని గురించి మాట్లాడేందుకండి.
6. ఎక్కడ వేసిన గొంగళి అక్కడే అన్నట్లుగా ఉన్నది.
7. కాలి నడకన పడిపోవాలండీ.
8. కాని ఆచరణలో మాత్రం జరిగింది శూన్యం.
9. మా ఊరికి బస్సూ, విద్యుత్తు వచ్చేలా చూడాలి.
10. ప్రభుత్వం ఉత్తర్వులు జారీ చేసేట్లు తీవ్రంగా ప్రయత్నించాలని మా అభ్యర్థన.

II. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

i. ఉదా: చూడదగినంత.

అది చూడదగినంత చిత్రం కాదు.

1. చెప్పదగినంత.
2. ఇవ్వదగినంత.
3. మాట్లాడదగినంత.
4. చేయతగినంత.
5. తీసుకోతగినంత.

III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्यों को जोड़िए।

ఉదా: మీరు ఏం చెప్పదలచుకున్నారు?

దాన్ని నిస్సంకోచంగా నిర్మొహమాటంగా చెప్పండి. (అదంతా)

మీరు ఏం చెప్పదలచుకున్నారో అదంతా నిస్సంకోచంగా నిర్మొహమాటంగా చెప్పండి.

1. ఎవరెవరికి ఏం ఏం సమస్యలున్నాయి?
   ఆ సమస్యలు మీకు తెలియడం సాధ్యకాదు కదండి (అవన్నీ)
2. ఎన్ని ఊళ్ళకు బస్సు విద్యుత్ సౌకర్యాలు లేవు?
   ఆ ఊళ్ళకు బస్సు విద్యుత్ సౌకర్యాలు కల్పించడం జరగుతుంది. (అన్ని)
3. ఎప్పుడు మీకు ఈ శుభవార్త తెలుస్తుంది?
   మీరు మాకు విందు చేయాలి. (అప్పుడు)
4. ఏ రోజున మీ ఊరికి బస్సు సౌకర్యం వస్తుంది?
   నేను చాలా సంతోష పడతాను. (ఆ రోజున)
5. ఎంత భాగం పనిచేశారు?
   ఆ భాగానికి డబ్బు ఇస్తారు. (అంత)

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ఏదో మా ప్రాంతపు మంచీ ________ ముచ్చటిద్దామని వచ్చాం.
2. మీరు ఎన్నో పనుల __________ ఊపిరాడకుండా ఉంటారు.

3. మీరు ______ చెప్పదలచుకున్నారో __________ నిస్సంకోచంగా చెప్పండి.
4. మా మనస్సులో __________ మీతో చెప్పకుంటే మీరు చేయదగిన __________ చేస్తారు కదా _______ వచ్చాం.
5. మొన్న శాసన సభలో ప్రస్తావించడం __________.

[ఏం సౌకర్యాలు చెడ్డపని అని అదంతా మాట ఒత్తిడిలో జరిగింది]

V. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए ।

1. మీలాంటి <u>ఉత్సాహవంతులైన</u> కుర్రవాళ్ళే ఇప్పుడు దేశానికి కావాలి.
(చురుకైన, విశాలమైన, దగ్గరైన)
2. మీరు ఏం చెప్పదలచుకున్నారో అదంతా <u>నిస్సంకోచంగా</u> చెప్పండి.
(ఎండగా, నిర్మొహమాటంగా, చలిగా)
3. మేము వచ్చింది మా ఊరికి <u>బస్సు</u> వేయించడాన్ని గురించండి.
(రోడ్డు, మీటర్లు, సూట్‌కేసు)
4. ఆ సౌకర్యాలు కల్పించడం గురించి కూడా <u>మొన్న</u> నేను శాసన సభలో ప్రస్తావించడం జరిగింది.
(ఎల్లుండి, రేపు, నిన్న)
5. ప్రతీ పనికీ అక్కడ సవాలక్ష, <u>అడ్డంకులు.</u>
(ప్రశ్నలు, ఆనందం, ఆదారాలు)

VI. पाठ के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. మల్లేశం, కిషన్, ఎల్లేష్‌లు రాజయ్యను ఎందుకు కలుసుకొన్నారు?
2. వారికి రాజయ్య మొదట ఏమని సమాధానం చెప్పారు?
3. ఎల్లేష్ తమ ఊరి గురించి రాజయ్యకు ఏమని తెలిపాడు?
4. రాజయ్య వారికి ఏమని హామీ ఇచ్చారు?
5. చివరకు రాజయ్య ఏం తెలిపారు?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में 1) ఏ - कौन, क्या, कौन-सा, जो .....

ఆ - वह .... 2) ఎన్ని - कितने ..... అన్ని - सब, उतने सर्व ..... 3) ఎంత - कितना... అంత - उतना, सारा, 4) ఎప్పుడు - कब .... అప్పుడు - तब, जब ....., 5) ఎక్కడ - कहाँ అక్కడ - वहाँ ....., आदि का परिचय दिया गया है।

निम्नलिखित वाक्यों पर ध्यान दीजिए ।

1) ఏ రోజునైతే గ్రామాలు అభివృద్ధి చెందుతాయో ఆ రోజునే దేశం అభివృద్ధి చెందుతుంది.
2) చుట్టుపక్కల ఎన్ని ఊళ్ళకు బస్సు సౌకర్యం లేదో అన్ని ఊళ్ళకు ఆ సౌకర్యం కల్పించబడుతుంది.
3) ఆ పని ఎంత సులభంగా అనిపిస్తుందో నిజానికి అంత సులభంగా ఉండదు.
4) మీకు ఎప్పుడు నన్ను కలవాలనిపిస్తే అప్పుడు నిస్సంకోచంగా వచ్చేయండి.
5) ఎక్కడ వేసిన గొంగళి అక్కడే అన్నట్టు.

2. జరిగింది - हो जाना, मूल क्रिया में `हो जाना' जोड़कर भाववाच्य क्रिया रूप वाक्यों को बनाया जाता है। उन का भी इस पाठ में परिचय दिया गया है। दिए हुए उदाहरण पर ध्यान दीजिए।

उदाः 1) ఉత్తర్వులు జారీ చేయడం జరిగింది.

2) ఈ సందర్భంగా మేము ఒక నిర్ణయానికి రావడం జరిగింది.

ध्यान दीजिए कि జరిగింది शब्द जोड़ने पर क्रिया के अर्थ पर ज्यादा बल का अर्थ मिलता है।

3. निषेधात्मक प्रत्यय -కారు का प्रयोग देखिए।

उदा : 1) ఈ విషయం ముందే చెప్పారు కారు

2) ఆ సంగతి ముందే చెప్పేస్తే మీరు ఇంతసేపు కూర్చుని ఉండేవారుకారు.

-కా निषेधात्मक प्रत्यय में -రు आदर सूचक प्रत्यय भी लगा है।

4. वार्तालाप में दिए गए निम्न प्रयोग पर ध्यान दीजिए ।

1. మంచీ చెడ్డా - अच्छा और बुरा - समस्याओं पर विचार करना ।
2. `ఎక్కడ వేసిన గొంగళి అక్కడే' అన్నట్టు - जहाँ कंबल छोड़ा था वहाँ ही रहेगा - बहुत वक्त से काम नहीं चलना।
3. వెన్ను తట్టు - पीठ थपथपाना - प्रोत्साहन देना।

పాఠం पाठ 20

వడ్లగింజలో బియ్యపుగింజ — अनोखा मुकद्दमा

పద్మ నాభం	: బ్రహ్మానందంగారూ అలా మీలో మీరు నవ్వు కుంటూ కూర్చొకపోతే కాస్త మాక్కూడా మీ ఆనందాన్ని పంచవచ్చు కదా!	यह क्या वकीलसाहब- अपने आप ही हँसते जाएँगे - क्या ? हमें भी तो कुछ बताइए।
బ్రహ్మా నందం	: ఒక కోర్టులో తమాషా కేసు ఒకటి వచ్చిందండీ. కేసును ఎలా పరిష్కరించడమా? ఏమని తీర్పు చెప్పడమా? అని జడ్జిగారు కూడ సతమతమై పోయారు.	एक कोर्ट में एक बड़ा ही अजीब और मजेदार मुकदमा आया। यहाँ तक कि जजसाहब भी परेशानी में पड़ गए कि इस केस को कैसे सुलझाया जाये ? क्या फैसला सुनाया जाये ?
పద్మ నాభం	: ఏం కేసో? జడ్జిగారిని కూడా అంత తిప్పలు పెట్టిన కేసంటున్నారు తప్పక విని తీరాల్సిందే. కొంచెం వివరంగా చెబుతారా?	क्या केस था? आप कह रहे हैं कि जज साहब भी परेशानी में पड़ गये तब तो इसके बारेमें अवश्य सुनना होगा। जरा खोलकर बताइए ना !
బ్రహ్మా నందం	: కొంచెం ఏం ఖర్మ నాకేమైనా పనా పాడా. గోళ్ళు గిల్లుకుంటూ కూర్చోవటమేగా పూస గుచ్చినట్లు చెబుతా వినండి. ఒక బుద్ధి మంతుడు తన మిత్రుడి మీద దావా వేసి కోర్టు కెక్కాడు. కోర్టులో కేసు నడుస్తున్నది. వాది తరఫు లాయరు బల్ల గుద్ది వాదిస్తున్నాడు. ప్రతివాది తరపు లాయరు ఇంకా గట్టిగా గొంతు చించు కొని వాదిస్తున్నాడు. అవతలి	जरा क्यों - मुझे ऐसा कौनसा काम पड़ा है ? मैं तो वैसे भी बैठा बैठा मक्खियाँ मारता रहता हूँ। हर बात को विस्तार से बता दूँगा। एक अक्लमन्द ने अपने मित्र पर दावा किया और कोर्ट आया। केस कोर्ट में चलता रहा। वादी पक्ष का वकील मेज़ को बजा बजा कर दलीलें दे रहा था। प्रतिवादी पक्ष का वकील उससे भी ऊँचे स्वर में बहस कर रहा था। इस पक्ष

	వాళ్ళు వాదించిన కొద్దీ ఇవతలి వాళ్ళు మరింత రెచ్చిపోతున్నారు. ఎంతకీ వీళ్ళ వాదనలు తెగక పోవడంతో కేసును వాయిదాలు వేస్తున్నారు. వాది తరఫు వకీలూ ప్రతివాది తరఫు వకీలూ హోరా హోరీగా వాదించు కుంటూనే ఉన్నారు. జడ్జిగారు వింటూనే ఉన్నారు.	का वकील जितनी अधिक बहस करता जाता है वैसे ही दूसरा वकील सुन सुन कर आग बबूला होता जाता। इनकी बहस खतम होने में नहीं आती थी और अदालत बार बार वरखास्त हो जाती थी। इस तरह वादी और प्रतिवादी पक्षों के वकील गरमागरम बहस करते ही गए, जजसाहब सुनते ही गए ।
పద్మ నాభం :	మూడ్రోజుల దాకా ఇలా మీరు చెబుతూనే ఉంటారు. నేను వింటూనే ఉంటాను. ఇంతకీ ఆ కేసు ఏమిటండీ?	लगता है आप भी वैसे ही तीन दिन तक बोलते जाएँगे और मैं सुनता जाऊँगा। आखिर वह केस है क्या ?
బ్రహ్మా నందం :	మీరు నన్ను చెప్పనిస్తేనా? చెప్పేది కాస్త ఓపిగ్గా వినండి. అది పరువు నష్టం దావా. ముద్దాయినీ ముద్దాయి తరఫు సాక్షులనీ ప్రవేశ పెట్టారు.	आप जब मुझे बोलने देंगे तब न! मैं जो कह रहा हूँ उसे जरा आराम से सुनिए। वह तो मानहानि का मुकादमा था। अपराधी और अपराधी के पक्ष के सभी गवाहों को पेश किया गया ।
పద్మ నాభం :	అయ్యా బ్రహ్మానందం గారూ. ఒక పక్క పరువు నష్టం దావా అంటారు. మరో పక్క ముద్దాయి అంటారేమిటండీ.	अरे ब्रह्मानन्दजी एक तरफ तो आप इसे मानहानि का मुकदमा बता रहे हैं फिर उसमें अपराधी कहाँ से आ गया?
బ్రహ్మ నందం :	అదేలెండీ. నిందితుడనీ నిందితుడి తరఫు సాక్షులను వాది తరఫు వకీలు వాళ్ళను నానా ప్రశ్నలూ వేసి ముప్పు తిప్పలు పెట్టి మూడు చెరువుల నీళ్ళు తాగిస్తున్నాడు.	हाँ हाँ मैं भी तो वही कह रहा था। अभियुक्त और अभियुक्त के पक्ष के सभी गवाहों को पेश किया गया। वादी पक्ष के वकील ने उनसे तरह तरह के प्रश्न पूछ कर उनकी नाकों दमकर दिया ।
పద్మ నాభం :	బ్రహ్మానందంగారూ ఇలా మీరు ఎంతసేపు చెప్పినా ఆ కేసు తెగేట్లు లేదు కాని మీకు ఏ పని లేక పోవచ్చు. అవతల నాకు బోలెడు పని ఉన్నది. నా దారిన నన్ను వెళ్ళనివ్వండి.	ब्रह्मानंदजी - आप ऐसे ही कहते गए तो केस कभी खतम नहीं होगा। मुझे ढेरों काम पड़ा है - मुझे अपने रास्ते जाने दीजिए ।

బ్రహ్మ నందం : మీకు ముక్కు మీద కోపంలా ఉన్నదే? అంత తొందర పడుతారెందుకు? సరే! నేను మీకు అసలు సంగతి చెబుతాను కూర్చోండి. పుల్లారావు, ఎల్లారావు ఆప్త మిత్రులు ఒక శుభముహూర్తాన వాళ్ళిద్దరి మధ్య చిన్న గొడవ వచ్చింది.

अरे आपकी तो नाक पर ही गुस्सा रखा रहता है। इतनी भी क्या जल्दी है ? ठीक है अब मैं असली कहानी पर आता हूँ। बैठिए। पुल्लाराव और यल्लाराव दो धनिक मित्र थे। एक दिन शुभ मुहूर्त में अचानक उन दोनों के बीच झगड़ा छिड़ गया ।

పద్మ నాభం : గొడవ వచ్చింది శుభముహూర్తం ఎట్లా అవుతుందండి?

एक तरफ आप झगड़ा छिड़ने की बात कह रहे हैं दूसरी तरफ शुभ मुहूर्त भी कह रहे हैं।

బ్రహ్మ నందం : ఏదో మాట వరుసకు అట్లా అన్నాను లెండి. మీరు అడుగడుగునా ఇలా అడ్డుపడుతూంటే ఎట్లా మాట్లాడడం? ఆ! ...గొడవ వచ్చి పుల్లారావు, ఎల్లారావును `నీ నాలుక పడిపోనూ!' `నీ ఇల్లు కూలి పోనూ'! అని శాపనార్థాలూ పెట్టాడు ఇంతలో వర్షం వచ్చి ఎల్లారావు ఇల్లు నిజంగానే కూలిపోయింది. దీంతో ఎల్లారావుకు పుల్లారావు మీద కోపం వచ్చింది. పుల్లారావు నలుగురిలో తనను పట్టుకుని తిట్టడం కారణంగా పరువుగా బతుకుతున్న తనకు అవమానం జరిగింది! అని, తన ఇల్లు కూలి పోవడంతో తానూ తన పిల్లలూ నిరాశ్రయులమయ్యామనీ ఇది కూడ పుల్లారావు శాపం పెట్టడం కారణం గానే జరిగింది. కనుక తనకు పరువు నష్టం కిందా నష్ట పరిహారం కిందా కోర్టువారు పుల్లారావు నుంచీ మూడు లక్షల రూపాయలు ఇప్పించి తనకు న్యాయం చేయవలసిందిగా అభ్యర్థిస్తున్నాననీ అప్పీలు చేస్తూ ఎల్లారావు కోర్టులో కేసువేశాడు.

अरे वह तो बातों बातों में ही ऐसा कह देते है। अगर आप हर कदम पर ऐसे अटकाते रहेंगे तो मैं कैसे बात करूंगा ? हाँ सुनिए। झगड़ा छिड़ गया। पुल्लाराव ने यल्लाराव को खूब कोसा कि तेरी जीभ कट जाये, तेरा मकान गिर जाये – इस बीच बरसात ने आकर यल्लाराव का घर ही गिरा दिया। इससे यल्लाराव पुल्लाराव पर आग बबूला हो गया। यल्लाराव ने यह कहते हुए अदालत में अपील की - 1. पुल्लाराव ने चार लोगों के बीच पकड़कर मुझे गालियाँ दीं जिससे सम्मान से जीते आ रहे मेरे परिवार की मानहानि हुई 2. मकान गिर जाने से मैं, मेरी पत्नी और बच्चे सभी बेघर हो गये हैं। यह भी पुल्लाराव के कोसने के कारण हुआ है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए अदालत पुल्लाराव से मुझे मानहानि तथा सम्पत्ति नष्ट होनेकी ऐवजमें तीन लाख रुपये मुआवजे में दिलवाए !

పద్మ నాభం :	భలే! విచిత్రంగా ఉన్నదే ఇంతకీ ఇలా మూఢ నమ్మకం మీద ఆధారపడిన ఆరోపణ ఉన్న తలతిక్క కేసును కోర్టువాళ్ళు ఎట్లా స్వీకరించా రండీ ఇంతకీ వాది తరఫు వకీలు ఎవరో?	बड़ी हैरानी की बात है। ऐसे अन्धविश्वास के आधारपर दायर किए गए मुकदमें को किस अदालत ने स्वीकार कर लिया? वादी पक्ष का वकील कौन था ?
బ్రహ్మ :	ఇంకెవరు? మిస్టర్ బ్రహ్మానందం, ఎం.ఏ.ఎల్. ఎల్.ఎమ్.	और कौन हो सकता है? श्री. ब्रह्मानन्द एम्. ए. एल-एल-एम् !
పద్మ నాభం :	ఓహో! అదా సంగతి నేను అప్పుడే అనుకున్నాను, ఇటువంటి కేసులు చేపట్టిన దిట్ట మీరు కాక వేరే ఎవరు అయి ఉంటారు అని. అప్పుడప్పుడు అలా గాలివాటుగా వచ్చే ఇలాంటి కేసులేగా మీకు కాలక్షేపం.	यह बात है ? मैं तभी समझ गया था कि ऐसे ऊट-पटाँग केसों को स्वीकार करनेवाला महा-नुभाव आपके सिवाय और कौन हो सकता है? ऐसे ही कभी कभी हवा में उड़कर आनेवाले केसों में ही तो आपका समय कटता है।
బ్రహ్మా నందం :	ఇప్పుడు అదంతా ఎందుకు లేండి. రామాయణంలో పిడకల వేట. జరిగింది చెబుతా వినండి. ఒక రోజు సాయంత్రం మా గుమాస్తా ఎల్లారావును వెంట బెట్టుకుని వచ్చాడు. కేసు పూర్వా పరాలన్నీ విని ఇందులో కేసు వేసేంత పెద్ద పాయింటే ముందయ్యా `వడ్లగింజ లో బియ్యపు గింజా!' వర్షం రావడం చేత నీ యిల్లు కూలిపోయింది కానీ, పుల్లారావు శాప నార్థాల వల్ల కాదు. మీ యిల్లు బలహీనంగా ఉండి ఉంటుంది. అందువల్ల పుల్లారావు ఏమీ అనక పోయినా వర్షానికి అది కూలి పోయి ఉండేదే అని చిలక్కి చెప్పినట్లు ఎంత వివరంగా చెప్పినా వినిపించు కుంటేనా! మీరే ఎలాగైనా ఈ కేసును వాదించి తీరాలి. అంతే	अब बीच में ये सब बातें क्यों लाते हो ? जो हुआ मैं बताऊँगा सुनिए। एक शाम को मेरा गुमाश्ता यल्लाराव को साथ लेकर आया। मैं ने केस को शुरु से आखिर तक सुना। इसमें कोर्ट जाने की और मुकाद्दमा दायर करने की बात है? आपका घर तो बरसात ने गिराया था नकि पुल्लाराव ने! तुम्हारा मकान कमजोर रहा होगा। पुल्ला-राव यदि कुछ न भी कहता, बरसात फिर भी मकान गिरा देती। यह बात मैं ने उसे ऐसे समझाने की कोशिश की जैसे कोई तोते को पढ़ाता है। पर वह मेरी सुनता तब न! यल्लाराव ने गर्दन हिलाकर साफ इन्कार कर दिया। और जिद करने लगा कि

కాకుండా, మీరు నా తరఫున ఈ కేసును వాదిస్తానని ఒప్పుకోనిదే నేను ఇక్కడ నుంచీ కదలనని మొరాయించి కూర్చున్నాడు. నాకు వీలు కాదయ్యా బాబూ! అంటే వినడే. సరే ఇక వీడు వదిలేట్లుగా లేడు అని నష్ట పరిహారంగా కాకపోయినా పరువు నష్టంగానైనా ఈ కేసు ఒప్పుకొన్నాను. నేను వదిలేసినప్పటికీ వీడు ఇంకొకడి దగ్గరికైనా వెళ్ళడం ఖాయం. రాకరాక వచ్చిన కేసు ఎందుకు వదులుకోవాలి?

जब तक आप इस केस को अपने हाथों में लेने का वादा नहीं करेंगे, मैं यहाँ से एक कदम भी नहीं हटाऊँगा। मैं ने सोचा कि आज तो यह मेरा पीछा नहीं छोड़नेवाला। यदि मैं ने मना कर दिया तो यह किसी दूसरे वकील के पास अवश्य जायेगा। सालों बाद तो एक केस हाथ लगा है उसे भी जाने दूँ ? यदि यह मुआवजे का केस न भी बन पाया तो मानहानिका केस तो बन ही जाएगा।

పద్మనాభం : బాగా ఉన్నదండీ! బ్రహ్మానందం గారూ! ఇంతకీ ఆ కేసు ఏమైందీ? జడ్జిగారు ఏం తీర్పు చెప్పారు?

यह तो अच्छा है। ब्रह्मानन्दजी, तो उस केस के अन्त में क्या हुआ ? जज साहब ने फैसला क्या सुनाया ?

బ్రహ్మానందం : ఇంకేం చెబుతారూ! "ఈ కేసు పూర్వాపరాలు సాక్ష్యాలు, వాద ప్రతివాదాలను అన్నీ సూక్ష్మంగా పరిశీలించిన మీదట కోర్టువారు ఈ కింది నిర్ణయానికి చేరుకోవడమైనది. ఈ కేసులో ఆరోపించబడినట్లు పుల్లారావు ఇల్లు కూలిపో యింది అని అంగీకరించడానికి తగిన కారణం లేదు. కనుక ఎల్లారావు ఇల్లు కూలిపో వడం యాధృచ్ఛిక సంఘటనగా మాత్రమే కోర్టువారు భావించడం జరుగుతున్నది. ఇక నష్ట పరిహారం సంగతి. పుల్లారావు ఎల్లారావును తిట్టింది నలు గురిలో కాదు ఏకాంతంగా. అది కూడా స్నేహ పూర్వకంగా మాత్రమే అని నిరూ పించ బడటం వల్ల ఈ కేసునుకొట్టివేయడం జరుగుతున్నది" అని జడ్జీగారు తీర్పు చదివి వినిపించారు. అలా మనకేసు కాస్తా వీగిపోయింది.

और क्या सुनाएँगे? जजसाहबने फैसला सुनाया, "इस केस की सभी गवाहियों और बहसोंपर गौर करते हुए अदालत इस फैसले पर पहुँचती है कि इस बात के पर्याप्त प्रमाण नहीं है कि यल्लाराव का घर पुल्ला-राव के कोसने के कारण गिरा। यल्लाराव का घर गिरना केवल एक संयोग था। अब मुआवजे की बात :- पुल्लारावने यल्लाराव को गालियाँ सबके सामने नहीं बल्कि अकेले में दी थीं। और वह भी स्नेहपूर्ण ढंग से ! इसमें मानहानि का प्रश्न ही नहीं उठता। इसलिए इस केस को बर्खास्त किया जाता है। इसप्रकार सालों बाद मिला एक केस भी खाक में मिल गया।

शब्दार्थ

పరిష్కరించు	समाधान खोजना	సతమతం	सुलझन
తిప్పలు	कठिन, जटिल	వినితీరాల్సింది	निश्चित रुपसे
వివరంగా	समझाकर	ఖర్మ	कर्म, नसीब
గోళ్ళుగిల్లుకుంటూ	नाखून काटते बैठना	పూసగుచ్చినట్లు	विस्तृत विवरण देना
బుద్ధిమంతుడు	बुद्धिमान	దావా	दावा
తరఫు	तरफ, ओरसे	బల్లగుద్ది	बहस करना
వాదించు	चर्चा करना	గొంతుచించుకొను	गला फाड़ फाड़कर बहस करना
రెచ్చిపోవు	गुस्सेसे पागल होना	తెగకపోవుట	अंतहीन
వాదన	चर्चा	వకీలు	वकील
వాయిదా	किश्त	ముక్కు మీద కోపం	गुस्सा नाक पर रहना
హోరాహోరీ	जोर शोर से	మాటవరసకు	ऐसे ही, व्यर्थ ही
చిన్నగొడవ	झगड़ा (आपसमें) (चिड़चिड़ा)	అడుగడుగునా	हर कदम पर
అడ్డుపడు	रुकावट लाना	గొడవ	झगड़ा
నాలుక	जीभ	కూలిపోనూ	वह गिर जाये
నానాశాపనార్థాలు	गाली गलौज करना	వర్షం	बारिश, ज़ोर की बारिश
మండిపోవు	गुस्सा होना	తిట్టటం	गुस्सा करना
పరువునష్టం	मानहानि	నిరాశ్రయులు	निराश्रित
లక్ష	लक्ष, लाख	అప్పీలు	अपील
విచిత్రం	विचित्र	మూఢనమ్మకం	अंधविश्वास
ఆరోపణ	आरोप	స్వీకరించు	स्वीकार करना
దిట్ట	साहसी, दृढ़	గాలివాటు	अफवाहें
పిడకలవేట	गोबर के उपले	పూరాపరాలు	पारम्परिक, आगे पीछे का
వడ్లగింజ	धान	బియ్యపుగింజ	चावल के बीज
బలహీనం	कमज़ोर	చిలక్కిచెప్పినట్లు	धीरज के साथ कहना

కదలనని	हिलूंगा नहीं	వదిలేట్లు	छोड़ना
నష్టపరిహారం	हरजाना, मुआवजा	ఖాయం	स्थायी, कायम
తీర్పు	फैसला, समझौता	సాక్షులు	साथी
వాదప్రతివాదాలు	वादविवाद	సూక్ష్మం	सूक्ष्म
పరిశీలించు	गूढ़ निरीक्षण	ఆరోపించడం	आरोप करना
అంగీకరించు	मंजूर करना, मान लेना	యాధృచ్ఛికసంఘటన	आकस्मिक, अकस्मात
భావించు	मुझे लगता है	ఏకాంతం	एकांत
స్నేహపూర్వకం	स्नेहपूर्वक	నిరూపించు	साबित करना
కొట్టివేయు	बरखास्त करना	వీగిపోయింది	घटा, हार गया (केस में)

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए ।

1. అలా మీలో మీరు నవ్వుకుంటూ కూర్చోకపోతే కాస్త మాక్కూడా మీ ఆనందాన్ని పంచవచ్చు కదా.
2. ఎంతకీ వీళ్ళ వాదనలు తెగక పోవడంతో కేసును వాయిదాలు వేస్తున్నారు.
3. మీరు అడుగడుగునా అడ్డుపడుతుంటే ఎట్లా మాట్లాడడం?
4. మూడు లక్షల రూపాయలు ఇప్పించి తనకు న్యాయం చేయవలసిందిగా అభ్యర్థించాడు.
5. మీ ఇల్లు బలహీనంగా ఉండి ఉంటుంది.
6. ఎంత వివరంగా చెప్పినా వినిపించుకుంటేనా.
7. ఈ కేసు గెలుస్తుందేమో చూద్దామని.
8. కోర్టువారు ఒక నిర్ణయానికి చేరుకోవడమైనది.

II. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों को जोड़िए ।

ఉదా: మీలో మీరు నవ్వుకుంటూ కూర్చున్నారు.
మాక్కూడా మీ ఆనందాన్ని పంచండి.
అలా మీలో మీరు నవ్వుకుంటూ కూర్చోకపోతే కాస్త మాక్కూడా మీ ఆనందాన్ని పంచవచ్చుకదా.

1. మీ పాటికి మీరు చేసుకుంటున్నారు.
   మాక్కూడా చేసి పెట్టండి.
2. మీ అంతట మీరే ఆ పని చేస్తున్నారు.
   మాక్కూడా ఆ పని చెప్పండి.
3. అంతా నీవే తింటున్నావు.
   మాక్కూడా అట్టే పెట్టు.
4. అక్కడికి తనొక్కతే వెళుతున్నది.
   మమ్మల్నికూడా తీసుకుపొమ్మను.
5. పేపరు నీవొక్కడివే చదువుతున్నావు.
   నన్ను కూడా చదవనివ్వు.

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. మీలో మీరు __________ కుంటూ కూర్చోకపోతే కాస్త మాక్కూడా మీ __________ పంచవచ్చు కదా.
2. గోళ్ళు _______ కుంటూ కూర్చోవటమేగా.
3. పూస ___________ నట్లు చెబుతా వినండి.
4. వాది వాళ్ళను నానా ___________ వేసి ముప్పు _____________ పెట్టి మూడు చెరువుల నీళ్ళు తాగిస్తున్నారు.
5. కేసు పూర్వా _________ విని ఇందులో కేసు ____________ పెద్ద పాయింటేముంది.

[పరాలన్నీ గుచ్చి వకీలు తరఫు ప్రశ్నలు వేసేంత తిప్పలు నువ్వు ఆనందాన్ని గిల్లు]

IV. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य बदलिए।

ఉదా. కేసు వదులుకోవాలి .
కేసు వదులుకొనితీరాలి.

1. వివరంగా చెప్పాలి.
2. వాయిదా వేయాలి.
3. కేసు గెలవాలి.
4. నేను వెళ్ళాలి.
5. మీరే వాదించాలి.
6. నిరూపించబడాలి

V. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए।

1. మూడ్రోజుల దాకా ఇలా మీరు చెబుతూనే ఉంటారు. (రెండ్రోజుల/నిన్న/మొన్న)
2. చెప్పేది కాస్త ఓపిగ్గా వినండి. (తీరిక/సరిగ్గా/కొద్ది)
3. మీరు ఎంత సేపు చెప్పినా ఆ కేసు తెగెట్లు లేదు. (గట్టి/ఏం/గంట)
4. వర్షం రావడం చేత మీ ఇల్లు కూలి పోయింది. (వల్ల/లో/నుంచి)

VI. वार्तालाप को ध्यान में रखते हुए, उदाहरण के अनुसार निम्न शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए।

ఉదా: పనా - పాడా.

1. ముప్పు__________ 2. తల __________
3. పూర్వా __________ 4. హోరా __________
5. వాద __________ 6. అవతల __________

VII. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

ఉదా: చేరుకోవడమైనది

కోర్టువారు ఒక నిర్ణయానికి చేరుకోవడమైనది

1. చెప్పడమైనది 2. మాట్లాడడమైనది 3. చూడడమైనది
4. రాయడమైనది 5. తెలియజేయడమైనది. 6. అంగీకరించడమైనది

VII. पाठ के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. బ్రహ్మానందం, నవ్వుకు కారణం ఏమిటి?
2. బ్రహ్మానందం చెప్పిన కేసు ఎలాంటిది?
3. ఇంతకీ ఆ కేసును వాదించినది ఎవరు?
4. కేసులో అసలు పాయింటు ఏమిటి?
5. చివరికి కేసు ఏమైంది?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में తీరాల్సిందే / తీరాలి होना ही चाहिए जैसे क्रिया रूप के वाक्यों का परिचय दिया गया है।

ఉదా: 1) ఈ కవిత మీరు తప్పక వినితీరాల్సిందే.
2) మీరే ఎలాగైనా ఈ కేసును వాదించి తీరాలి.

भूतकाल क्रिया में తీరాల్సిందే जोड़ने से कार्य करने की अनिवार्यता तथा बल का बोध होता है ।

2. नीचे दिये गये मुहावरों तथा कहावतों के प्रयोग पर ध्यान दीजिए ।

i) ఏనా పాడా. - काम और बुरा - कोई काम करने का नहीं

ii) గోళ్ళు గిల్లుకుంటూ కూర్చోను. - बैठे-बैठे नाखून, नाखून का नाचना बैठना - झख मारना, कुछ सूझना नहीं तो करेगा काम ?

iii) పూసగుచ్చినట్లు. - गुरिया का चुमाना जैसे - कोई विषय को समझाना, विस्तृत विवरण देना

iv) గొంతు చించుకోను. - गला फाड़ डालना - गला फाड़कर चिल्लाना

v) నీ నాలుక పడిపోను. - तुम्हारी जीभ गिर जाए - (जीभ कट जाए)

vi) నీ ఇల్లు కూలిపోను. - तुम्हारा घर ढह जाए

vii) రామాయణంలో పిడకల వేట. - रामायण में उपले का शिकार - कोई असंगत घटना होता है।

viii) వడ్ల గింజలో బియ్యపు గింజ. - धान में चावल, धान के बीज में चावल का बीज - एक छोटी सी बात

ix) చిలక్కి చెప్పినట్లు. - तोते को बोली सिखाना जैसे, (सुव्यक्त बोलना)

x) గోరంతలు కొండంతలుగా చేయు. - नाखून जैसे विषय को पहाड़ जैसे बड़ा करना - तिल का ताड़ बनाना

సుందరం :	లేదండీ. నిన్న నేను చూసేసరికి నూట రెండు, నూటమూడు డిగ్రీలు ఉన్నదే?	जी नहीं - कल जब मैं ने देखा था तो एक सौ दो - एकसौ तीन डिग्री था।
డా//శ్రీదేవి :	పోనీలెండి ఇప్పుడు తగ్గిపోవడం మంచిదే కదా! విరోచనం సాఫీగానే అవుతున్నదా? నిద్ర బాగా పడుతున్నదా? ఆకలి ఎట్లా ఉన్నది?	हाँ फिर तो अच्छा है। इसका मतलब तो यह है कि अब आपका बुखार उतर गया है। पखाना साफ़ होता है ? नींद अच्छी आती है? भूख कैसी है ?
సుందరం :	లంఖణం పరమౌషధం అన్నారు కదండీ. మూడు రోజుల నుంచీ పచ్చి మంచి నీళ్ళు కూడా ముట్టలేదండీ. విరేచనం ఏం అవుతుందండీ? నిద్ర ఎక్కడ పడుతుంది? నడిచేప్పుడు వళ్ళు తూలుతున్నదండీ. ఇప్పుడైతే కొద్దిగా నడవగలుగుతున్నానండీ. నిన్నంతా బొత్తిగా నడవలేకపోయాను.	'लंघनम् परम् औषधम्' ऐसा कहा जाता है न? इसलिए तीन दिन से मैं ने पानी की बूंद भी नहीं ली ! चलते समय शरीर लड़खड़ा रहा है। अब तो कुछ देर तक चल भी पा रहा हूँ। कल तो बिलकुल खड़ा भी नहीं हुआ जा रहा था।
డా//శ్రీదేవి :	మీరలా ఉపవాసం చేసిన కొద్దీ మరీ నీరస పడతారు. మీకు మలేరియా గిలేరియా ఏం లేదు. ఇప్పటికి మందులు రాసి ఇస్తున్నాను. ఇప్పుడూ, రాత్రికి, పడుకునే ముందు వేసు కోండి. రక్త పరీక్ష, మూత్ర పరీక్ష చేయిం చుకుని రిపోర్టులు తీసుకొని రేపు రండి.	आपको मलेरिया वलेरिया कुछ नहीं है। अब के लिए ये दवाइयाँ लिखकर दे रही हूँ। अब और फिर बाद में रात को सोने से पहले खा लीजिए। खून और पेशाब टैस्ट करवा लीजिए। फिर कल आइए ।

♣ ♣ ♣ ♣

సుందరం :	ఇదిగోండి! డాక్టరమ్మగారూ రిపోర్టులు, నాకేదో భయంగా ఉన్నదండీ. ఎలాగైనా మీరు నాకీ జబ్బు నయం చేయాలి. భార్యా పిల్లలు గలవాడిని.	यह लीजिए डॉ.साहब मेरी रिपोर्ट। मुझे तो बहुत डर लग रहा है। बाल बच्चेवाला हूँ। किसी न किसी तरह मुझे ठीक कर दीजिए।
డా//శ్రీదేవి :	అయ్యో! అలా దిగులు పడి మొహం	ऐसे मुँह क्या लटका रखा है ? यह देखिए

	వేల్లాడ వేస్తారెందుకండీ? ఇటు చూడండీ. రిపోర్టులన్నీ నార్మల్‌గా ఉన్నాయి. అను మానం పెనుభూతం అన్నారు కదా! అన్నింటిలోకీ అనుమానం, భయం పెద్ద జబ్బులు. మీకు ఖచ్చితంగా మీ జబ్బు ఇది అని తెలిసే వరకూ మీ అంతట మీరే అలా నిర్ణయాలు చేసుకో కూడదు. చెప్పాను కదా! మీ జ్వరం మలేరియా కాదు, మామూలు జ్వరమే అని. నిన్న రాసిచ్చిన మందులు వాడారా?	रिपोर्ट तो बिलकुल ठीक है। पहले आप अपने मन से यह डर निकाल दीजिए। सन्देह का घुन आपको अन्दर अन्दर खाए जा रहा है। सन्देह और भय सबसे बड़ी बीमारियाँ है। मैं ने कहा था न आपका बुखार मलेरिया नहीं है। जब तक आप यकीन के साथ यह न कह सकें कि आपकी बीमारी क्या है, आपको ऐसे किसी नतीजे पर नहीं पहुँचना चाहिए। यह तो साधारण बुखार है। कल जो दवाइयाँ मैं ने लिखकर दी थी - क्या वे खाईं ?
సుందరం :	వాడేనండీ. కొంత నయంగానే ఉన్నది. కానీ చాలా నీరసంగా ఉన్నది.	जी हाँ खाई है। अब तो पहले से ठीक लग रहा है। पर काफी कमज़ोरी है।
డా//శ్రీదేవి :	ఎందుకు ఉండదు? అలా మూడు రోజులుగా కడుపు మాడ్చి ఏ మందు పడితే ఆ మందల్లా మింగి మింగీ మరీ ఈ పరిస్థితి కొని తెచ్చుకున్నారు. ఏదైనా మందు వాడే ముందు డాక్టర్ని సంప్రదించ కూడదూ? ఇలాగే చాల మంది ఏ జలుబో, దగ్గో కడుపు నొప్పో, తలనొప్పో, వళ్ళు నొప్పులో వచ్చినా వెంటనే తమ సొంత పాండిత్యాన్ని ఉపయోగించి తోచిన మందల్లా వాడేస్తున్నారు. ఒకటి రెండు మందుల పేర్లూ జబ్బుల పేర్లు తెలిసే సరికి తమకు తామే డాక్టరుగా భావిం చుకుంటున్నారు. తీరా ఆ మందులు సరిపడక పోయే సరికి బాబోయ్ కొంప మునిగి పోయిందంటూ అటూ ఇటూ	कमज़ोरी क्यों नहीं लगेगी ! आपने तीन दिन पेट को भूखा जला दिया। जो मन में आयी वह दवाई खा ली - अब यह हालत बना ली है अपनी ! आप लोग कोई भी दवाई खाने से पहले डॉ. की सलाह क्यों नहीं लेते ? इसी तरह बहुत से लोग ज़रा से खाँसी जुकाम, पेट दर्द और सिरदर्द या बदनदर्द जैसी छोटी छोटी बीमारियाँ के लिए अपने डाक्टरी ज्ञान का इस्तेमाल करते हैं और जो मन में आए खा लेते हैं। एक दो बीमारियाँ और दवाइयों के नाम पता चल जाए तो अपने आप को डॉ. समझने लगते हैं। और जब खाई हुई दवाइयों का शरीर पर ग़लत असर हो जाता है तो इधर उधर रोते फिरते हैं कि हाय मैं बरबाद हो गया, मेरा घर तबाह हो गया। इस प्रकार

పరిగెత్తి `కోతిపుండు బ్రహ్మరాక్షసి' లా
చేసుకుంటున్నారు తమ చేజేతులారా తమ
ఆరోగ్యాన్ని పాడు చేసుకుంటున్నారు.

एक छोटीसी बीमारी को बड़ा बना देते हैं। वो कहावत है ना? `तिलका ताड़ बनाना! अपने ही हाथों अपनी सेहत को नुकसान पहुँचा लेते हैं।

సుందరం : నిజమేనండి. మీరు చాలా సరిగ్గా చెప్పారు.
అయితే డాక్టరుగారూ నా ఆరోగ్యం బాగా
పాడైపోయినట్లేనా అండీ. ఇక నయ
మవ్వదంటారా?

आपने तो बिल्कुल ठीक कहा डॉ. साहब ! आपका कहना है कि मेरी तबीयत पूरी तरह खराब हो गई है। अब इलाज बहुत मुश्किल है।

డా//శ్రీదేవి : మీరు మళ్ళీ మొదటికే వచ్చారా! `పిచ్చి
కుదిరింది రోకలి తలకు చుట్టమన్నాడట'
వేనుకటికొకడు నేను ఇంత సేపూ చెప్పింది
ఇదే కదండీ. మీరు అలా మీ సమస్యను
భూతద్దంలో పెట్టి చూసుకుని కంగారు పడ
కండీ అని. అంటే జలుబు, దగ్గు లాంటి
చిన్న చిన్న అనారోగ్యాలను కూడా క్షయ,
మధుమేహం, రక్తపోటు, గుండెపోటు, పక్ష
వాతం లాంటి పెద్ద రోగాలుగా ఊహించు
కుని భయపడటం మంచిది కాదు అని నా
ఉద్దేశ్యం. ఏదైనా అనుమానం వస్తే వెం
టనే డాక్టరును కలవ వచ్చు కదా! ఆలోగా
తమ వంటి మీద తాము సొంత ప్రయో
గాలు చేసుకోవడాన్ని గురించి చెప్పాను
అంతే. మీకు జబ్బూ గిబ్బూ ఏమీ లేవు.
నీరసం తగ్గే వరకు కొంచెం విటమిన్ మం
దులూ, టానిక్కులూ తీసుకోండి. మీకు
అసలు ఈ కంగారు తగ్గ నంతవరకూ ఎన్ని
మందులు తీసుకున్నా ఏమీ ఉపయోగం లేదు.

आप घूम-फिर कर फिर वहीं आ गये। आप की हालत तो बस उस आदमी की सी है जिसने कहा था `मेरा पागलपन ठीक हो गया है (इस खुशीमें) मूसल को मेरे सिर से बाँध दो। अब तक मैं यही कहती आ रही थी कि आप अपनी समस्याओं को दूरबीन से देखकर घबराइए मत । यानि खाँसी, जुकाम जैसी छोटी छोटी बीमारियों को तपेदिक, मधुमेह, ब्लड प्रेशर, दिलकी बीमारी, लकवा आदि समझकर डर जाना अच्छा नहीं हैं। मैं यही कह रही थी कि रोगी डॉ. की सलाह लिए बिना अपना इलाज खुद करने लग जाते है। बस इतना ही ! आपको बीमारी-उमारी कुछ नहीं है। जब तक कमजोरी नहीं जाती आप विटामिन की गोलियाँ और टॉनिक लेते रहिए। जब तक आपके मनमें यह चिन्ता कम नहीं होती आप पर कोई दवाई असर नहीं करेगी।

సుందరం :	ఔనండీ! మీరు సరిగ్గా చెప్పారు. మీ దగ్గరికి రాక ముందు చాలా భయపడ్డానండీ. ఇప్పుడు నాకు చాలా ధైర్యం వచ్చిందండీ. వెళ్ళొస్తానండీ. ఇంజక్షను ఏమీ తీసుకోవాల్సిన అవసరం లేదా అండీ?	आपने बिलकुल ठीक कहा। आपके पास आने-से पहले मैं वाकई बहुत डरा हुआ था। अब मुझे तसल्ली मिल गई है। अच्छा अब मैं जा सकता हूँ क्या ? आप कह रही है कि किसी इन्जेक्शन विंजेक्शन की ज़रूरत नहीं है।
డా//శ్రీదేవి :	అవసరంలేదండీ బాబూ! ఆ మాత్రలూ, గొట్టాలూ, మందు సీసా తీసుకున్నారు కదా? ఉండండీ, మీరు వెళ్ళేలోగా మీకు ఇంకా ఏవైనా సందేహాలుంటే అడగండి.	अरे भई, कह तो दिया कोई ज़रूरत नहीं है। वे गोलियाँ, कैप्सूल, दवा की शीशी सब ले लिया है न? श्रीमान एक मिनट ठहरिए जरा - यहाँ से जाने से पहले अपने सभी सन्देहों का निवारण अच्छी तरह कर लीजिए।
సుందరం :	ఏం లేవండీ. వెళ్ళొస్తానండీ.	कुछ नहीं डॉ. साहब। चलता हूँ।

शब्दार्थ

మలేరియా	हैज़ा, मलेरिया	జ్వరం	बुखार
చీటిలు	पुर्ज़ा, रुक्का	లక్షణాలు	लक्षण
వైద్యశాస్త్రం	वैद्यशास्त्र	నయం	बीमारी ठीक होना
ఆసుపత్రి	अस्पताल	నీరసం	कमजोरी
పెనం	कढ़ाई	ముద్ద	कौर, पिंड
మింగుడు	निगलना	నొప్పి	दर्द
తట్టుకోలేక	असाध्य	బయటపెట్టు	बाहर निकालो
విరోచనం	दस्त	సాఫీగా	सीधा
లంఖణం	बिना कुछ खाए पिए (उपवास)	పరమౌషధం	रामबाण औषधी
పచ్చిమంచినీళ్ళు	यहाँ तक कि पानी भी नहीं लिया	ముట్టలేదు	छुआ भी नहीं
		ఒళ్ళు	शरीर
తూలుతూ	डगमगाना, लड़खड़ाना	బొత్తిగా	बिल्कुल

ఉపవాసం	उपवास	నీరసం	कमजोर
రక్తపరీక్ష	रक्त परीक्षण	మూత్రపరీక్ష	मूत्र परीक्षा
జబ్బు	बीमारी	వేల్లాడవేయు	लटकना
పెనుభూతం	मज़बूत राक्षस (बहुत बड़ी बीमारी)	కడుపుమాడ్చి	खाली पेट रहना
		మింగి మింగీ	निगल निगलकर
సంప్రదించు	परामर्श लेना	జలుబు	ठण्ड
దగ్గు	खाँसी	కడుపునొప్పి	पेट दुखना
పాండిత్యం	पांडित्य	తోచిన	याद आना, सूझना
భావించు	मुझे लगता है	కొంప	मकान, घर
కోతిపుండు	बंदर की चोट	బ్రహ్మరాక్షసి	ब्रह्म राक्षसी
చేజేతులా	अपने हाथ	రోకలి	मूसली (कूटनेवाली)
భూతద్దం	ताल वीक्ष (लेन्स्), दूरबीन	క్షయ	क्षयरोग
మధుమేహం	मधुमेह, शक्करकी बीमारी	రక్తపోటు	रक्तचाप
గుండెపోటు	छाती में दर्द उठना	పక్షపాతం	लकवा मारना
రోగాలు	बीमारियाँ	మాత్రలూ	गोलियाँ
గొట్టాలు	संपुटिका, नलियाँ	మందుసీసా	औषधी की बोतल (दवाई की)

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए ।

1. ఎన్నిమందులు వాడినా తగ్గటం లేదు.
2. ఏమిటి? అలా గడగడా చెప్పుకుపోతున్నారు?
3. ఇంతకు ముందు మరో డాక్టరు దగ్గరేమైనా చూపించుకొన్నారా?
4. అంతా తెలిసిపోతే మీ అంతట మీరే నయం చేసుకోకపోయారా?
5. మొదట ముద్ద మింగేటప్పుడు గొంతులో నొప్పిగా ఉండేది.
6. ఇప్పుడైతే కొద్దిగా నడవగలుగుతున్నాను.

7. నిన్నంత బొత్తిగా నడవలేక పోయాను.
8. మీకు ఖచ్చితంగా మీ జబ్బు ఇది అని తెలిసేవరకూ మీ అంతట మీరే అలా నిర్ణయిం చేసుకోకూడదు.
9. సొంత పాండిత్యాన్ని ఉపయోగించి తోచిన మందల్లా వాడేస్తున్నారు.
10. తీరా ఆ మందులు సరిపడక పోయేసరికి కంగారు పడిపోతున్నారు.

II. उदाहरण के अनुसार दी गई शब्द जोड़ियों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

ఉదా: నడవగలుగు/నడవలేక

ఇప్పుడు నడవగలుగుతున్నాను.

ఇప్పుడు నడవలేక పోతున్నాను.

1. చెప్పగలుగు/చెప్పలేక
2. చేయగలుగు/చేయలేక
3. చూడగలుగు/చూడలేక
4. మాట్లాడగలుగు/మాట్లాడలేక
5. వినగలగు/వినలేక

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ఎన్ని మందులు వాడినా _______ లేదండి.
2. నాకు ఉన్నవన్నీ _________ లక్షణాలేనండి.
3. వళ్ళు _________ ఉన్నది.
4. మూడు రోజుల నుండి పచ్చి _________ కూడా ముట్టలేదండి.
5. సమస్యను ________ లో పెట్టి చూసుకొని ________ పడకండి.

[భూతద్దం మలేరియా మందల్లా కంగారు మంచినీళ్ళు తగ్గటం పాండిత్యాన్ని వెచ్చగా]

IV. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य फिर से बनाइए।

ఉదా: వళ్ళు తూలుతున్నది. (నడుచు)

నడిచేప్పుడు వళ్ళు తూలుతున్నది.

1. గొంతు నొప్పి పుడుతున్నది. (మింగు)
2. చలి వేస్తున్నది. (మింగు)
3. మంచి నీళ్ళు తాగాలి. (మాత్ర మింగు)
4. ఆయనను చూసిరా. (వెళ్ళు)
5. తలనొప్పిగా ఉన్నది. (చదువు)

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों के दूसरे शब्द लिखिए।

ఉదా: జబ్బు _ గిబ్బు

1. చలి _
2. సుస్తీ _
3. ముద్ద _
4. జలుబు _
5. మలేరియా _

VI. पाठ के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. సుందరం డాక్టరుతో ఏమని చెప్పాడు?
2. సుందరం తెచ్చిన రిపోర్టులను చూసి డాక్టరు శ్రీదేవి ఏమన్నది?
3. "కోతి పుండు బ్రహ్మరాక్షసి" అని డాక్టరు ఎందుకన్నది?
4. సుందరానికి ఉన్న అసలు జబ్బు ఏమిటి?
5. ఈ పాఠం వల్ల మీరు తెలుసుకున్నది ఏమిటి?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में समय को बताने वाले उपवाक्यों का परिचय दिया गया है।

उदा : 1. నడిచేటప్పుడు వళ్ళుతూలుతున్నది। चलते समय शरीर लड़खड़ा रहा है।

2. పడుకునేప్పుడు ఈ మాత్ర వేసుకోండి. सोते समय यह गोली खा लीजिए।

ऐसे उपवाक्य क्रिया के क्रिया विशेषण कृदन्त के रूप में అప్పుడు लगाकर बनाये जाते हैं।

2. क्रियार्थक संज्ञा रूप वाले वाक्यों का भी इस पाठ में परिचय दिया गया है।

उदा: 1) ముద్ద మింగుడు పడటం లేదు. निगलते समय गले में दर्द होता था ।

2) గడ గడా చెప్పుకుపోవడం. फट फट बोले ही चले जाना !

-అటం/-అడం प्रत्यय क्रिया रूप में जोड़कर एक प्रकार की क्रियार्थक संज्ञा बनाई जाती है ।

2.1 निषेधात्मक वाक्यों में भी यह जोड़ा जाता है।

उदा: 1. గడా గడా చెప్పుకుపోవడం లేదు.

फट फट बोले ही चले नहीं जा रहना।

3. मुहावरों तथा कहावतों का प्रयोग देखिए ।

i) అనుమానం పెనుభూతం - संदेह (एक) बड़ा भूत है - संदेह का घुन

ii) కొని తెచ్చుకొని - लेकर ले आना - समस्याओं को निमंत्रण देना

iii) కొంప మునిగిపోవు - घर डूबता जायेगा - घर डूबना, सर्वनाश होना

iv) 'కోతిపుండు బ్రహ్మరాక్షసి'-बंदर का फोड़ा बड़ा होना जैसे - छोटे विषय से बड़ा होना ।

v) పిచ్చికుదిరింది రోకలి తలకు చుట్టమన్నాడట. - उसने कहा, पगलपन चंगा हो गया मूसल को सिर की घूमना - पागल आदमी का पागलपन नहीं चंगा होना।

vi) లంఖణం పరమౌషధం - लंघन महान औषधी है - उपवास करना एक अच्छी दवा है।

పాఠం 22
पाठ 22

ఒడలు - బళ్ళు | व्यापार के उतार चढ़ाव

కిషన్	: మీరు ఎక్కడి దాకా వెళుతున్నారు?	आप कहाँ तक जा रहे हैं ?
సుబ్బయ్య	: సికిందరాబాదు దాకా మీరు ఎక్కడి దాకా?	सिकन्दराबाद तक। और आप कहाँ तक?
కిషన్	: నేనూ సికిందరాబాదు దాకా వస్తున్నాను. మీరు ఏం చేస్తుంటారు?	मैं भी सिकन्दराबाद तक ही जा रहा हूँ - आप क्या करते हैं ?
సుబ్బయ్య	: వ్యాపారం.	व्यापार ।
కిషన్	: అలాగా! `నవరత్నాలన్నీ ఒక చోట' అన్నట్లు మనం ఇద్దరం వ్యాపారులం ఒక చోట కలిశామన్నమాట.	अच्छा। कहते हैं कि नवरत्न एक साथ मिल जाते हैं। लगता है उसी तरह हमारा और आपका भी यहाँ मिलन हो गया।
సుబ్బయ్య	: మీరు తెలుగు ధారాళంగా మాట్లాడు తున్నారే? పైగా చక్కటి తెలుగు మాట్లాడు తున్నారు. మీరు ఎక్కడి వాళ్ళు?	आप तेलुगु तो बहुत धारा प्रवाह बोल लेते हैं - और काफी अच्छी बोल लेते हैं। असल में आप हैं कहाँ के ?
కిషన్	: మాది ఉత్తరప్రదేశ్. ఇప్పుడు బొంబాయి లో ఉంటున్నాను. వ్యాపారస్థులకు నాలుగు భాషలు రావడంలో విశేషం ఏమి ఉన్నది? ఇలా ప్రయాణాల్లో తిరుగుతున్నప్పుడు, ఎక్కడికైనా వెళ్ళినప్పుడు అక్కడ మీ బోటి నలుగురు పెద్ద మనుషులతో కలసి తిరుగు తుంటాను కదా. ఏదో కొద్దిగా ఆ	हम उत्तर प्रदेश के हैं। पर अब बम्बई में रह रहा हूँ। अरे व्यापारियों के लिए चार भाषाएँ जानना कोई बड़ी बात थोड़े ही है? जब भी कहीं बाहर गए तो आप जैसे चार बड़े लोगों के बीच उठना - बैठना हो जाता है। बस उसी की हवा लग गई। आपने यह तो बताया नहीं कि आप क्या व्यापार करते हैं।

	వాసన అంటుతుంటుంది. ఔను ఇంతకీ మీరు ఏం వ్యాపారం చేస్తుంటారో? చెప్పారు కారు.	
సుబ్బయ్య :	దళారీ వ్యాపారం చేస్తుంటా నండి. సరకులు టోకున పంపిణీ చేయడం దానికి కమీషన్ తీసుకోవడం ఇదీ నా వృత్తి.	मैं दलाली का व्यापार करता हूँ। माल का थोक में विवरण करता हूँ और उसके लिए कमीशन लेता हूँ। यही मेरा धन्धा है।
కిషన్	: మీరు టోకు వ్యాపారులకు టోకు వ్యాపారి అన్నమాట. పెద్ద పెద్ద టోకు వ్యాపారు లంతా మీ దగ్గర చిల్లర వ్యాపారులన్న మాట. అంతేనా . . . మీ పేరేమిటన్నారు?	फिर तो यूँ कहिए कि आप थोक व्यापारियों के भी थोक व्यापारी हैं। बड़े बड़े थोक व्यापारी भी आपके पास आकर - खुचरा व्यापारी बन जाते हैं। वैसा ही है न ... आपने अपना क्या नाम बताया?
సుబ్బయ్య :	సుబ్బయ్య. మరి మీ మేరు?	सुब्बय्या। अब आप का शुभ नाम?
కిషన్	: నా పేరు కిషన్‌లాల్ అండీ సుబ్బయ్యగారూ!	मेरा नाम किशन लाल है, सुब्बय्या जी !
సుబ్బయ్య :	మీరు బాగా మాటలు నేర్చుకున్నవారు. మరీ నన్ను మునగ చెట్టు ఎక్కిస్తున్నారు.	आप बातें खूब बना लेते है? मुझे तो आप बिना बात आसमान पर चढ़ा रहे है।
కిషన్	: భలేవారే! మాటలు నేర్వకుండా వ్యాపారం మీరు మాత్రం చేస్తున్నారేమిటి? బతకడానికి మాటలు నేర్చాకే మనమంతా దేశం మీదికి బయలుదేరుతాం. ఏమంటారు సుబ్బయ్య గారూ? ఔనూ! మీది అంచనాల మీద ఆధారపడిన వ్యాపారం కదండీ?	क्या बात कर रहे हैं ? आप व्यापार क्या बातें बनाये बिना ही कर लेते हैं। हम व्यापारी तो दुनियादारी सीखने के बाद और बातें बनाना सीखने के बाद ही देश भ्रमण पर निकलते हैं। आपका क्या ख्याल है सुब्बय्याजी ? आपका व्यापार तो अटकलों पर ही चलता है।
సుబ్బయ్య :	ఆ! సరిగ్గా చెప్పారు. ఎప్పటి కప్పుడు పెద్ద మార్కెట్‌తో సంబంధం పెట్టు కొని ఉండాలి. సరకుకు ధరలు హెచ్చు తగ్గులను దృష్టి లో పెట్టుకోవాలి. ధర పెరిగి తగ్గిందా? కొన్ని గంటల్లో ఏం జరగబోతోంది? అని అంచనా	आपने ठीक कहा। हमें लगातार बड़े बाज़ार से सम्पर्क बनाये रखना पड़ता है। मार्केट के उतार चढ़ाव का ध्यान रखना पड़ता है। अगले कुछ घण्टों में माल का दाम बढ़ेगा या घटेगा इसकी अटकलें लगानी पड़ती है।

	వేయాలి. ధర కొద్దిగా పెరగగానే ఇంకా పెరిగి పోతుందని అనుకోలేం. అది తగ్గుతూ తగ్గుతూ ఉండగా అకస్మాత్తుగా ఆకాశానికి పెరిగిపోనూ పోవచ్చు. పెరుగుతూ పెరుగుతూ ఉండగా ఉన్నట్టుండి అధఃపాతాళానికి పడిపోనూ పోవచ్చు. ఎప్పుడు ఏం జరుగుతుంది? అన్నది ఎన్నో పరిస్థితులను బట్టి ఉంటుంది. వ్యాపారం చేయడానికి ఈ పరిస్థితుల పట్ల సరైన అవగాహన ఉండాలి. ఈ అంచనా కొంచెం అటూ ఇటూ తారుమారు అయిందా క్షణాల్లో లక్షలకులక్షలు మునిగి పోవాల్సివస్తుంది. అంచనా సరిపోయిందా అదే క్షణంలో లక్షల కొద్దీ లాభమూ వచ్చేయవచ్చు. ఒకరకమైన జూదం లాంటిది అనుకోండి. అయితే ఎంత దెబ్బ తగిలినప్పటికీ వ్యాపారంలో పూర్తిగా దివాలా తీయడం అనేది సాధారణంగా జరగదు.	यदि भाव जरा सा बढ़ जाये तो इसका यह अर्थ नहीं होगा कि यह आगे भी बढ़ता रहेगा। इसी तरह भाव के घटने पर भी यह नहीं कहा जा सकता कि वह पूरी तरह गिर जायेगा। घटते - घटते अचानक भाव आसमान को छूने लगेंगे या चढ़ते चढ़ते अचानक पाताल में जा धसेंगे। कब क्या हो जायेगा यह बहुत सी परिस्थितियों पर निर्भर रहता है। व्यापार करने वालों में इन परिस्थितियों की अच्छी समझ होनी चाहिए। यदि कोई भी अटकल ज़रा भी इधर उधर हो गई तो समझों कि लाखों रूपया डूब गया। और अगर तुक्का ठीक लग गया तो समझों कि लाखो रूपयों के वारे न्यारे हो गये। समझ लीजिए कि यह भी एक तरह का जुआ है। लेकिन कितना भी बड़ा धक्का क्यों न लगे इस व्यापार में दिवाला नहीं निकलता।
కిషన్	: సరిగ్గా మా షేర్ల వ్యాపారంలాంటిదే లేండి.	यह भी हमारे शेयरों के व्यापार की तरह ही है।
సుబ్బయ్య	: ఓహో! మీది షేర్ల వ్యాపారం అన్న మాట.	अच्छा तो आप शेयर व्यापारी है?
కిషన్	: ఆ! ప్రస్తుతం ఆ కంపార్ట్‌మెంట్‌లో ఉన్నాను. మళ్ళీ ఎప్పుడు మారిపోతానో నాకే తెలియదు. ఇప్పటి వరకూ చిల్లర కొట్టు నుంచీ ఎగుమతి దిగుమతుల దాకా లోకంలో ఉన్న అన్ని రకాల వ్యాపారాలూ	हाँ अभी तक तो उसी कम्पार्टमैंट में हूँ। पर कब उसे बदल डालूँ यह मैं स्वयं भी नहीं जानता। आज तक मैं छोटी सी दुकान से शुरु करके आयात्-निर्यात् तक दुनिया के सभी काम कर चुका हूँ। कटी

	చేశాను. దారం తెగిన గాలిపటంలా అలా అలా కొట్టుకుపోతుంటాను.	पतंग की तरह मैं आकाश में उड़ता रहता हूँ ।
సుబ్బయ్య :	ఈ తెగిన గాలిపటమే ఇంత పెద్ద వ్యాపారం చేస్తున్నది కదా?	कटी पतंग ही सही पर व्यापार को तो ऊँचाई पर ही ले गई हैं।
కిషన్ :	అది ఏమీ లేదండీ! నాకు ఈ మధ్య స్టార్ కలసి రావడం లేదు. ఒకప్పుడు నా పరిస్థితి పట్టిందల్లా బంగారంగా ఉండేది. ఇప్పుడు కొంచెం గడ్డు రోజులుగా ఉన్నాయి. ఎటుపోయినా కొంచెం ఎదురే అవుతున్నది. సొంత మనుషులే వెన్ను పోటు పొడుస్తున్నారు.	ऐसा कुछ नहीं है। आज कल अपने सितारे कुछ अच्छे नहीं हैं। एक जमाना था कि जिस चीज़ को हाथ लगाता था, सोना बन जाती थी। आजकल समय कुछ कठिन चल रहा है। जो कुछ भी करता हूँ नतीजा उल्टा ही निकलता है। मेरे अपने लोग ही पीठ में छुरा भौंक रहे हैं ।
సుబ్బయ్య :	అయ్యో పాపం! అలాగా!	यह तो दुख की बात है ।
కిషన్ :	ఒక ఉదాహరణ చెబుతా వినండి. నాకు ఒక సబ్బుల కంపెనీ ఉండేది. మా దూరపు బంధువు ఒకడు దాని మేనేజరుగా ఉండే వాడు. అతనిపై పూర్తి విశ్వాసంతో ఈ కంపెనీ లావాదేవీలన్నీ అతనికే వదిలి పెట్టి జమా ఖర్చుల పుస్తకాలు కూడా అతని స్వాధీనంలోనే ఉంచే వాడిని. నేను ఒకసారి విదేశాలకు వెళ్ళి ఉండగా అతను ఇక్కడ అంతా అతలా కుతలం చేసేశాడు. "ఇల్లు పీకి పందిరి వేశాడు". నేను తిరిగి వచ్చే సరికి ఏం ఉన్నది? కంపెనీ అప్పులలో ఉన్నది. గిడ్డంగి కుదువ పెట్టాం. భయంకరమైన వడ్డీ రేట్లతో అప్పులు చేశాను.	एक घटना सुनाता हूँ - मेरी एक सोप कम्पनी थी। मेरा एक दूर का रिश्तेदार उसमें मैनेजर था। मैंने उस पर पूरी तरह भरोसा करके सारा हिसाब किताब उसी को सौंप दिया और जमा खर्च का खाता भी उसी के हवाले रख दिया। एक बार जब मैं विदेश गया हुआ था उसने यहाँ सब गड़बड़ घोटाला कर डाला। व्यापार की हालत बिलकुल खराब हो गई। जब मैं वापस आया तो क्या देखता हूँ ? कम्पनी पूरी तरह कर्जे में डूबी थी। मुझे गोदाम गिरवी रखना पड़ा। ऊँचे ब्याज पर कर्जा लिया। मैंने बहुत कुछ किया पर हालत ज्यों कि त्यों रहीं। अन्त में मैं दिवालिया हो गया।

	ఏం చేసినా సర్దు బాటుకాలేదు. చివరికి నెత్తిన గుడ్డవేసుకోవాల్సి వచ్చింది.	
సుబ్బయ్య :	మీరు దేశాంతరం వెళుతున్నప్పుడు అన్ని జాగ్రత్తలూ పడాల్సింది. అతను మీ కంపెనీ లావాదేవీలు చూస్తున్నప్పుడు కూడా అతనిపై ఒక కన్ను వేసి ఉండాల్సింది. ఇటువంటి, `ఏరు దాటాక తెప్ప తగలేసే' రకాలకు చోటివ్వడం మంచిది కాదు.	बाहर जाते समय आपको सब ओर से सतर्क होकर जाना चाहिए था। जब वह हिसाब किताब देखा करता था तो उस पर एक आँख रखनी चाहिए थी। जो लोग जिस नाव में नदी पार करते हैं और उसे जला देते उन पर कभी विश्वास नहीं करना चाहिए।
కిషన్ :	నిజమేనండీ! అయితే ఇలా జరుగుతుందని మనం ముందుగా కలగంటామా? ఆదృష్టం మనలను కనికరించనప్పుడు మనం ఎంత ప్రయత్నం చేసినా ఏం లాభం చెప్పండి?	आप ठीक ही कह रहे हैं। पर हमें कोई सपना थोड़े ही आता है कि ऐसा होगा। जब समय ही हमारे साथ न हो तो हम कितनी भी कोशिशें क्यों न करें, कोई फायदा नहीं होता।
సుబ్బయ్య :	వ్యాపారమన్న తర్వాత అంతేననుకోండి. `ఒడలు బళ్ళౌతాయి. బళ్ళు ఒడలౌతుం టాయి. అలాగని, `గాలిలో దీపం పెట్టి, దేవుడా' అనలేం కదా. మన ప్రయత్నం మనం చెయ్యాలి. సరేలేండి. ఆ తరువాత మీరు ఎలా నిలదొక్కుకున్నారు?	हाँ। मैं यह समझ सकता हूँ व्यापार धन्धा ही ऐसा है जिसमें राजा भिखारी हो सकता है और भिखारी राजा। लेकिन किसी चीज को पूरी तरह भाग्य के सहारे छोड़ देना भी तो उचित नहीं है। अपनी ओर से हमें भी सतर्क रहना चाहिए। चलिए इसे जाने दीजिए। फिर आपने कैसे संभाले ?
కిషన్ :	మీ బోటి వాళ్ళు కొందరు చేయూతనిచ్చా రు కాబట్టి సరిపోయింది కాని. లేకపోతే నా పరిస్థితి ఏమయ్యేదో? వెంకట రంగయ్య అని నా మిత్రుడొకడు నెల్లూరులో ఉన్నాడు. ఒకప్పుడు అతనికి నేను ఏదో కొంత సాయం చేశాను. అతను నేను పూర్తిగా రోడ్డుమీద పడేలోగా కొంత చెయ్యి అందిం	आप जैसे ही कुछ लोगों ने साथ दिया। नहीं तो मेरा हाल बहुत खराब हो सकता था। वेंकटरंगय्या नाम का मेरा एक मित्र है वह नेल्लूर में रहता है। एक बार मैं ने उसकी कुछ मदद की थी। इससे पहले कि मैं पूरी तरह सड़क पर आ जाता उसने हाथ बढ़ाकर मुझे सहारा दिया। मेरे पूछने

	చాడు. నేను అతనిని అడగక ముందే అతనే వచ్చి రెండు లక్షలదాకా అప్పు ఇచ్చి ఆదుకున్నాడు.	से पहले ही उसने मुझे दो लाख का कर्ज़ देकर मेरी सहायता की।
సుబ్బయ్య :	ఎవరూ! ఆ పైపుల వ్యాపారం చేసే రంగయ్యగారేనా? నాకెందుకు తెలియదు? అతను చాల పెద్ద మనిషి. నాకూ మంచి మిత్రుడే.	वही वेंकटरंगय्या जो पाइप का व्यापार करता है। मैं उसे क्यों नहीं जानूँगा ? बहुत बड़ा आदमी है। मेरा भी वे अच्छा दोस्त है।
కిషన్ :	అలాగా! మీకు కూడా ఆయన తెలుసన్న మాట? అయితే ఇకపై మీరు నాకు కూడా సన్నిహిత మిత్రులే.	अच्छा तो आप भी उन्हें जानते हैं फिर तो आप भी हमारे ही सगे-सम्बन्धी निकले।

शब्दार्थ

నవరత్నాలు	नवरत्न	ధారాళంగా	बे-रोक टोक उदारता
మీబోటి	आप लोगों जैसे	పెద్దమనుషులు	बड़े आदमी
వాసన	बू, गंध	పంపిణీ	भेजना
టోకున	थोक	వృత్తి	पेशा
టోకు వ్యాపారం	थोक व्यापार	చిల్లర వ్యాపారం	छोटा मोटा व्यापार
ఎక్కిస్తున్నారు	चढ़ा रहे है	బతకటానికి	जीनेकी राह
అంచనా	मूल्यांकन, अंदाजा	హెచ్చుతగ్గులు	कम ज्यादा
దృష్టి	दृष्टि	అకస్మాత్తు	अकस्मात्
అధఃపాతాళం	पाताल	పరిస్థితులు	परिस्थिति
అవగాహన	प्रवेश, बोध	తారుమారు	अस्तव्यस्त, हेरफेर
లక్షలకులక్షలు	लाखों	క్షణం	क्षण, पल
జూదం	गंदी आदत	దెబ్బతగిలి	चोट खाना
దివాలా	दिवाला	చిల్లరకొట్టు	छोटी दुकान
దారం	सूत, धागा	తగిన	ठीक तरह से

గాలిపటం	पतंग	కొట్టుకుపోవు	बह जाना
పట్టిందల్లా	पकड़ के रखना	గడ్డురోజులు	बुरे समय में
ఎదురే	आमने-सामने	వెన్నుపోటు	पीठदर्द
సబ్బులు	साबुन	దూరపుబంధువు	दूरके रिश्तेदार
విశ్వాసం	विश्वास	లావాదేవీలు	लेन-देन
జమాఖర్చులు	जमाखर्च	స్వాధీనం	स्वाधीन
విదేశాలు	विदेश	అతలాకుతలం	गड़बड़ी, अव्यवस्था
ఇల్లుపీకి	तोड़ देना	పందిరి	मंडप
అప్పులు	कर्जा	గిడ్డంగి	गोदाम
కుదువ	गिरवी रखना	వడ్డీ	सूद
సర్దుబాటు	ठीक करना	నెత్తినగుడ్డ	चेहरा ढकना (लाज शरमसे)
దేశాంతరం	देशांतर	కన్నువేసి(యు)	नज़र लगाना
ఏరుదాటాక	झील को पार करना	తెప్ప	लट्ठो का बेड़ा
తగలవేయు	जला दो	చోటివ్వడం	जगह देना
కనికరించు	सहानुभूति दिखाना	ఓడలు	जहाज
బళ్ళు	पाठशालाएँ	దీపం	दीप, दिया
మీబోటివాళ్ళు	आप लोगों की तरह	చేయూత	हाथ पकड़ना (मदद करना)
అడగక	सुननेके पहले	ఆదుకొను	मदद करना
పైపులవ్యాపారం	पाईप / नलियाँ का व्यापार	సన్నిహిత	निकट के, पास के (रिश्ते)

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए।

1. మరీ నన్ను మునగ చెట్టు ఎక్కిస్తున్నారు.
2. అకస్మాత్తుగా ధరలు ఆకాశానికి పెరిగిపోనూ పోవచ్చు.
3. ఉన్నట్టుండి ధరలు పడిపోనూ పోవచ్చు.
4. క్షణంలో లక్షలకొద్దీ లాభమూ వచ్చేయవచ్చు.

5. ఒకప్పుడు నా పరిస్థితి పట్టిందల్లా బంగారంగా ఉండేది.
6. నేను అతనిని అడగకముందే అతనే ఇచ్చాడు.
7. ఏం చేసినా సర్దుబాటు కాలేదు.

II. उदाहरण के अनुसार दी गई शब्द जोड़ियों से दो दो वाक्य बनाइए।

ఉదా: వెళ్ళేసరికి/వెళ్ళేప్పటికి
నేను అక్కడికి వెళ్ళేసరికి అంతా అయిపోయింది.
నేను అక్కడికి వెళ్ళేప్పటికి అంతా అయిపోయింది.

1. వచ్చేసరికి/వచ్చేప్పటికి
2. తినేసరికి/తినేప్పటికి
3. వినేసరికి/వినేప్పటికి
4. మాట్లాడేసరికి/మాట్లాడేప్పటికి
5. చూసేసరికి/చూసేప్పటికి

III. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए।

उदा: నేను అక్కడ పదినుంచి ఒంటిగంట దాకా _________ .
నేను అక్కడ పదినుంచి ఒంటిగంట దాకా ఉంటాను.

1. నేను ముంబాయి నుంచి చెన్నై దాకా రేపు విమానంలో _________ .
2. నేను చిల్లరకొట్టు నుంచి ఎగుమతి దిగుమతుల దాకా అన్ని రకాల వ్యాపారాలు _________ .
3. నేను అక్కడ నుంచి ఇక్కడ దాకా _________.
4. నేను నిన్న ఇంటినుంచి స్టేషను దాకా _________.
5. నేను ఉదయం నుంచి సాయంత్రం దాకా_________.
6. నేను ఆ పుస్తకం మొదటినుంచి చివరిదాకా _________.

IV. उदाहरण के अनुसार दी गई शब्द जोड़ियों के दूसरे भाग पूरे कीजिए।

ఉదా: అతలా - కుతలం.

1. తారు - 2. హెచ్చు - 3. అటూ - 4. ఎగుమతీ -

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. వ్యాపారస్థులకు ________ రావడంలో విశేషం ఏమి ఉన్నది?
2. ఏదో కొద్దిగా ఆ _______ అంటుతుంది.
3. సరకులు టోకున ___________ చేయడం, దానికి ___________ తీసుకోవడం.
4. మీరు టోకు వ్యాపారులకు టోకు _______ అన్నమాట.
5. బతకడానికి మాటలు _______ మనమంతా _______ మీదికి బయలు దేరుతాం.

[దేశం వ్యాపారి వాసన పంపిణీ నాలుగు భాషలు నేర్చాకే కమీషన్]

VI. पाठ के आधार पर निम्न प्रश्न के उत्तर दीजिए ।

1. సుబ్బయ్య మాటల్లో వ్యాపారం అంటే ఏమిటి?
2. సుబ్బయ్య వ్యాపారం గురించి కిషన్‌లాల్ ఏమన్నాడు?
3. వ్యాపారం చేయడానికి ఏం ఉండాలి అని సుబ్బయ్య చెప్పాడు?
4. కిషన్‌లాల్ తన వ్యాపారం గురించి ఏమని చెప్పాడు?
5. సుబ్బయ్య ప్రశ్నకు కిషన్‌లాల్ ఏమని సమాధానం చెప్పాడు?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में నుంచి - से .... దాకా - तक .... के प्रयोगों का परिचय दिया गया है।

उदा:	1) చిల్లర కొట్టు నుంచి ఎగుమతీ దిగుమతుల దాకా అన్ని వ్యాపారాలు చేశాను.	दुकान से आयात और निर्यात तक सब तिजारत कर चुका हूँ।
	2) బొంబాయి నుంచి హైదరాబాద్ దాకా వెళుతున్నాను.	मुम्बई से हैदराबाद तक जा रहा हूँ।
	3) ఎక్కడి దాకా వెళుతున్నారు ?	कहाँ तक जाएँगे ?

2. వచ్చేటప్పటికి / వచ్చేసరికి - पहुँचने का समय जैसे काल सूचक गंतव्यवाची प्रत्यय के प्रयोगों के परिचय दिए गए हैं ।

1) నేను తిరిగి వచ్చేసరికి ఏం ఉన్నది ? — जब मैं वापस आया तो क्या रहा है (कुछ नहीं) ?

2) ఆ సంగతి నాకు తెలిసేప్పటికి అంతా అయిపోయింది. — जब वह विषय मुझ को पता चला तो सब समाप्त हो चुका था।

- అప్పటికి / సరికి प्रत्यय को भविष्य कृदंत विशेषण क्रिया में जोड़कर इस प्रकार के वाक्य बनाए जाते हैं।

2. वार्तालाप के मुहावरों, कहावतों तथा अन्य विशेष प्रयोगों पर ध्यान दीजिए।

i) నవరత్నాలన్నీ ఒకచోట అన్నట్టు - कहते हैं कि नवरत्न सब एक जगह मिले - सब प्रधान/महान व्यक्ति एक ही जगह आए हुए हैं।

ii) మునగ చెట్టు ఎక్కించు - सहिजन पेड़ (पर) चढ़ाना - ज्यादा तारीफ़ करना - बिना बात आसमान पर चढ़ाना।

iii) దారం తెగిన గాలిపటంలా - डोर कटी पतंग की तरह - कटी पतंग से जिन्दगी की तुलना करना।

iv) పట్టిందల్లా బంగారం - जो चीज़ें पकड़े वे सब चीजों सोना होना।

v) ఇల్లు పీకి పందిరి వేయు - घर उखाड़ कर वितान डालना - छोटे चीज़ के लिए बड़ी चीज़ों को खराब करना।

vi) నెత్తిన గుడ్డ వేసుకొను - कपड़े को सिर पर डालना - दिवाला निकलना।

vii) కన్ను వేయు - आँख डालना - ध्यान देना।

viii) ఏరు దాటాక తెప్ప తగలవేయు - नदी पार करने के बाद नाव के बेड़े को आग लगाना - काम होने के बाद मदद करने वाले आदमी की निन्दा करना।

ix) ఓడలు బళ్ళౌతాయి, బళ్ళు ఓడలౌతాయి. - नावों का गाडीयाँ बन जाना और गाडीयों का नावें बन जाना - अमीर गरीब हो जाना और गरीब अमीर हो जाना। कभी नाव गाड़ी पर तो कभी गाड़ी नाव पर।

x) "గాలిలో దీపం పెట్టి దేవుడా..." అన్నట్టు - हवा में दीप रख कर भगवान कहना - ऐसी स्थिति लाना जिस में भगवान भी रक्षा नहीं कर सकता।

పాఠం पाठ 23

ముఖాముఖీ

आमने-सामने

విలేఖరి : నమస్కారం శ్రీమతి విద్యాదేవిగారూ!

चमत्कार विद्या देवीजी।

విద్యాదేవి : నమస్కారం. రండి కూర్చోండి.

नमस्कार, आइये, बैठिए।

విలేఖరి : నేను కల్పిత వార్తాపత్రిక నుంచీ వస్తున్నానండీ. ముందుగా మీకు నా అభినందనలు. జాతీయ స్థాయిలో మీకు ఉత్తమ ఉపాధ్యాయినిగా బహుమతి వచ్చిన సందర్భంగా మా పాఠకుల తరఫున కొద్దిసేపు మీతో ముచ్చటించేందుకు వచ్చాను. మీకు అభ్యంతరం లేకపోతే...

मैं `कल्पित' समाचार पत्र की ओर से आया हूँ। पहले आप को मेरी बधाई। राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोत्तम शिक्षक का पुरस्कार पाने के लिए ! मैं अपने पाठकों की ओर से आपका साक्षात्कार लेने आया हूँ। आपको कोई कष्ट न हो तो ——

విద్యా : ఔను మీ సంపాదకులు ముందే కబురు పంపించారు. నేను వారితో చెప్పాను, ఈ హడావుడంతా ఎందుకండీ అనీ. నేనేం పెద్ద మహావ్యక్తినని - నన్ను ఇంటర్వ్యూ చేసేందుకు.

आपके सम्पादक ने इस विषय में मुझे पहले ही सूचित कर दिया है। मैंने उनसे कहा था कि वे बिना बात ढिंढ़ोरा क्यों पीट रहे हैं? मैं कोई इतनी महान् व्यक्ति तो हूँ नहीं कि मेरा इन्टरव्यू लिया जाए।

విలేఖరి : ఉపాధ్యాయులందరూ మహావ్యక్తులే కదండీ. అందులోనూ దేశంలోని ఉపాధ్యాయులందరిలోకీ ఉత్తమ సేవలందించిన వారిలో ఒకరుగా సమాజం మిమ్మల్ని ఈ రోజు గుర్తిం

सभी शिक्षक महान व्यक्ति होते हैं। फिर आपको तो समाज ने आज राष्ट्रसेवा के लिए सर्व श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में मान्यता दी है। यह स्वाभाविक ही है कि हमारे पाठक ऐसे महान

	చిందండి.. అటువంటి మీతో ముఖాముఖీ మీ ఆలోచనలలో పాలు పంచుకోవాలని మా పాఠకులు కోరుకోవడం సహజం. ఈ అవార్డు వచ్చిన వార్త విన్నవెంటనే మీకు ఎలా అనిపించింది?	व्यक्ति के साक्षात्कार द्वारा उनके विचारों को जानें। यह समाचार सुनकर आपको कैसा लगा ?
విద్యా :	సహజంగానే చాలా సంతోషం వేసింది. కాని దానితో పాటే నేను ఇంతటి గౌరవానికి తగిన దానినా అని కొంచెం అయోమయంగా కూడా అనిపించింది. ఈ వార్త టెలిగ్రాం ద్వారా వచ్చేప్పటికి నేను మా పిల్లలకు భోజనాలు వడ్డిస్తున్నాను. మావారు ముందు చూశారు. టెలిగ్రాంచదివిన వెంటనే నన్ను అభినందించారు. పిల్లలు కూడా వార్త తెలిసినప్పటి నుంచీ ఆనందం పట్టలేక పోతున్నారు. నాకు మాత్రం, నన్ను గౌరవించడం ద్వారా నాతో పాటు పని చేసే ఉపాధ్యాయులందరినీ గౌరవించారు అనిపించింది.	सचमुच मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। पर साथ ही मुझे लगा - क्या मैं इस पुरस्कार के योग्य हूँ। थोड़ी देर के लिये तो मैं चकरा गई। जब तार द्वारा यह सूचना आई तब मैं बच्चों को खाना परोस रही थी। पहले मेरे पति ने इसे देखा। उन्होंने तभी मुझे बधाई दी। बच्चे भी इस समाचार को सुनकर बहुत खुश हुए। मैं सोचती हूँ यह सम्मान मेरा ही नहीं बल्कि समस्त शिक्षक वर्ग का है।
విలేఖరి :	ఈ బహుమతి, ఉపాధ్యాయినిగా మీరు అందించిన ఉత్తమ సేవలను దృష్టిలో ఉంచుకుని ఇచ్చారని ఎందుకనుకోకూడదు? అయితే ఈ బహుమతి వచ్చిందనందుకు దోహదం చేసిన ప్రత్యేక కారణాలేమైనా ఉంటే చెబుతారా?	आप ऐसा क्यों नहीं सोचती कि यह पुरस्कार आपकी (एक शिक्षक के रूप में) महान सेवाओं को ध्यान में रखकर दिया गया है। क्या आप अपनी सफलता का रहस्य बताएँगी जिसके कारण आज आपको यह सम्मान मिला?
విద్యా :	నేను తెలుగు ఉపాధ్యాయినిని కదా ! మేము తెలుగును రెండు రకాల విద్యార్థులకు బోధిస్తుంటాం. తెలుగు వాళ్ళ ఇళ్ళల్లో పుట్టి, పుట్టినప్పటి నుంచీ తెలుగు నేర్చుకునే	आप तो जानते ही हैं कि मैं एक तेलुगु शिक्षिका हूँ। तेलुगु सीखने के लिए हमारे पास दो प्रकार के विद्यार्थी आते हैं । - एक तो वे जो तेलुगु भाषा परिवारों में जन्म लेते

విద్యార్థులు కొందరు. వీళ్ళకు తెలుగు మాతృ భాష. కొందరు పరిశోధకుల అభిప్రాయం ప్రకారం ఇటువంటి విద్యార్థులు పుట్టక ముందు నుంచే, అంటే తల్లి గర్భంలో నుంచే భాష (తెలుగు) నేర్చుకుంటారు. ఈ కారణంగా ఎవరికైనా తమ మాతృభాష పూర్తిగా నేర్చు కొనేందుకు మూడు నాలుగేళ్ళ కంటే ఎక్కువ కాలం పట్టదు. అంటే స్కూలులో అడుగు పెట్టేప్పటికే మాతృ భాషగా తెలుగు నేర్చుకున్న విద్యార్థులకు తమభాష మౌలిక స్వరూపం మీద పూర్తి అధికారం ఉంటుందన్న మాట. అయితే తెలుగు కాకుండా వేరే భాషలు మాతృ భాషగా గల విద్యార్థులు తెలుగు నేర్చుకోవడం మొదలు పెట్టేప్పటికి వాళ్ళకు వాళ్ళ మాతృభాష మీద బాగా అధికారం ఉంటుంది. కాని తెలుగు మీద అంత అధికారం ఉండదు. అటువంటి వాళ్ళకు తెలుగు `ద్వితీయ భాష' అంటారు. ఇలా ద్వితీయ భాషగా తెలుగు నేర్చుకునే విద్యార్థులకు సులభంగా చక్కని తెలుగు నేర్పించేందుకు పనికి వచ్చే కొన్ని పద్ధతులను నేను రూపొం దించాను. ఇటువంటి విద్యార్థులకు తెలుగు నేర్పే వాచకాలను తయారు చేయడంలో కూడా చేతనైనంత మేరకు నేను కృషి చేశాను. ఈ కృషిని గుర్తించి బహుమతి ఇచ్చారను కుంటాను.

హैं और बचपन से ही तेलुगु सीखना आरम्भ कर देते हैं। उनके लिए तेलुगु मातृ-भाषा है। कुछ शोधकर्ताओं का कहना है कि बच्चा जन्म लेने से पहले ही भाषा सीखना आरम्भ कर देता है यानि माँ के पेट से ही उसका भाषा का पहला पाठ शुरु हो जाता है। यही कारण है कि 3-4 वर्ष की आयु तक पहुँचते बच्चा अपनी मातृ-भाषा को पूरी तरह जान लेता है। स्कूल में कदम रखते रखते तेलुगु भाषा की आधारभूत संरचनाओं पर उसका अच्छा अधिकार हो जाता है। दूसरे वर्ग में वे विद्यार्थी हैं जिनकी मातृ-भाषा तेलुगु न होकर कोई अन्य भाषा होती है। उनका अपनी मातृ-भाषा पर तो अच्छा नियन्त्रण हो सकता है लेकिन तेलुगु में नहीं। तेलुगु उनके लिए द्वितीय भाषा है। जो विद्यार्थी तेलुगु को द्वितीय भाषा के रुप में सीखना चाहते हैं, उन्हें सरल ढंग से अच्छी तेलुगु पढ़ाने के लिए मैं ने कुछ पाठ्य सामग्री तैयार की है। जब कभी भी हो सका तब मैंने तेलुगु पाठ्य पुस्तकों के निर्माण में भी योगदान देने का पूरा प्रयास किया है। मैं सोचती हूँ कि उन्होंने (सरकार ने) इन सेवाओं को मान्यता दी और मुझे पुरस्कृत किया गया।

విలేఖరి : చాలా చక్కగా వివరించారండీ! `అరటి పండు వలచి చేతిలో పెట్టినంత స్పష్టంగా

आपने तो बहुत ही अच्छे और स्पष्ट ढंग से बताया। मुझे तो पकी पकाई खिचड़ी ही मिल

వివరించారు. అయితే టీచర్‌గారూ! ఇతర రాష్ట్రాలలో ఉన్న తెలుగువాళ్ళ పిల్లలకు ఆయా రాష్ట్రాల భాషలు ద్వితీయ భాషలు కదండీ. బహుశః ఆయా భాషను నేర్చుకోవడంలో వాళ్ళకు కూడా ఇటువంటి సమస్యలే ఎదురుకావచ్చు కదండీ?	गई (बिना किसी प्रयास के सब स्पष्ट हो गया) पर शायद आप उन तेलुगु बच्चों के विषय में भी जानती ही होगी जो अन्य राज्यों में रह रहे है। और उनके लिए तो उस राज्य की भाषा ही द्वितीय भाषा होगी। मेरे विचार में उन्हें भी इसी तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता होगा। क्यों मैडम?
విద్య : మీరు సరిగా అర్థం చేసుకున్నారు. అక్కడి తెలుగువాళ్ళకు కూడా ఆయా భాషలు ద్వితీయ భాషలే! ఉదాహరణకు ఉత్తర ప్రదేశ్‌లోని తెలుగు వాళ్ళ పిల్లలకు హిందీ ద్వితీయ భాష.	आपने ठीक ही समझा। अन्य राज्यों में रहने-वाले तेलुगु भाषियों के लिए उन राज्यों की प्रमुख भाषाएँ ही उनकी द्वितीय भाषा होगी। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश में रहनेवाले तेलुगु-भाषियों की द्वितीय भाषा हिन्दी होगी।
విలేఖరి : మన రాష్ట్రం లోని తెలుగు వాళ్ళ పిల్లలకు హిందీ నేర్చుకోవడంలో కూడా ఇటువంటి సమస్యలే ఎదురు అవుతాయేమో కదండీ?	मेरे विचार में हमारे राज्य के तेलुगु भाषी बच्चों को हिन्दी सीखने में कठिनाई होती होगी।
విద్య : ఇక్కడ ఒక చిన్న తేడా ఉందండీ. ఆంధ్ర రాష్ట్రంలో ఉండి తెలుగును ద్వితీయ భాషగా నేర్చుకునే విద్యార్థులకూ ఉత్తరప్రదేశ్ లో ఉండి హిందీ ద్వితీయ భాషగా నేర్చుకునే విద్యార్థులకూ ఆయా రాష్ట్రాలలో తాము నేర్చుకుంటున్న భాషల వాతావరణం ఉన్నది. అంటే తరగతి గది బయట కూడా వాళ్ళు తాము నేర్చుకుంటున్న భాషలనే వింటారు. కాని ఆంధ్ర రాష్ట్రంలో ఉండి హిందీ నేర్చుకునే విద్యార్థులకూ, ఉత్తరప్రదేశ్‌లో ఉండి తెలుగు నేర్చుకునే విద్యార్థులకూ ఈ విధంగా తాము	यहाँ थोड़ा सा अन्तर है। यहाँ (आन्ध्रप्रदेश) तेलुगु को द्वितीय भाषा के रूप में सीखने या उत्तर प्रदेश में हिन्दी को द्वितीय भाषा के रूप में सीखने के लिए पर्याप्त वातावरण है। अर्थात् उन्हें कक्षा के अन्दर और बाहर दोनों ही जगह उस भाषा को सुनने का अवसर मिलता है जिसे वे सीख रहे हैं। लेकिन जो विद्यार्थी आन्ध्र में हिन्दी या उत्तर प्रदेश में तेलुगु सीखते हैं उनके लिए कक्षा के बाहर भाषा-वातावरण का अभाव रहता है। वैसे तो अब ऐसे विद्यार्थियों के लिए भी अन्य

నేర్చుకునే భాషల వాతావరణం బయట లభించదు. అయినప్పటికీ వీళ్ళు ఈ భాషలను నేర్చుకోవడం అసాధ్యం ఏమీ కాదు. ఏ పనైనా చేయగా చేయగా బాగా పట్టుబడిపోతుంది. ముఖ్యంగా ఇటువంటి వాళ్ళకు పత్రికలు, ఆకాశవాణి, దూరదర్శన్ వంటి ప్రసార సాధనాలూ, పుస్తకాలూ బాగా ఉపయోగపడతాయి. తదేక ధ్యానంతో చదవగా చదవగా, వినగా వినగా సులభంగా వాళ్ళకు భాష పట్టుబడిపోతుంది. నేను మీ ముఖాముఖి అంశం నుంచీ బాగా దూరంగా వెళ్ళిపోయినట్లున్నాను.

भाषाओं को सीखना इतना कठिन नहीं है। बार बार अभ्यास करते रहने से कुछ भी सीखा जा सकता है। ऐसी स्थिति में समाचार पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन और अन्य जन संचार के माध्यमों तथा पुस्तकों से द्वितीय भाषा सीखने में बहुत मदद मिलती है। यदि वे ध्यानपूर्वक भाषा को पढ़कर और सुनकर उसका अभ्यास करेंगे तो अवश्य ही उसमें पारंगत हो जायेंगे। लगता है मैं आपको इन्टरव्यू के विषय की परिधि से बाहर निकाल लाई हूँ।

విలేఖరి : లేదండీ! మీ కృషి, విజయాలే మా ముఖాముఖీ శీర్షిక. మీ మాటల ద్వారా విజ్ఞానం పెంచుకోదలచుకునే మా పాఠకులకు మీ వివరణలు చాలా ఉపయోగపడతాయి. చివరగా మా పాఠకులకు ముఖ్యంగా ఉపాధ్యాయ వృత్తిని ఆదర్శంగా పెట్టుకున్న యువతీ యువకులకు మీ సందేశం?

नहीं नहीं मैडम - आपका कठिन परिश्रम और सफलता ही हमारे इन्टरव्यू कॉलम का मुख्य विषय है। हमारे जैसे बहुत से पाठक हैं जो आपके इस विद्वता पूर्ण विवरण से अपना ज्ञान वर्द्धन करना चाहेंगे। अन्त में हमारे उन युवा पाठकों के लिए जो आदर्श शिक्षक बनना चाहते हैं क्या आप कोई संदेश देंगी?

విద్య : నేను సందేశం ఇచ్చేంత పెద్ద దానిని కాదు. కాని తన దగ్గర నేర్చుకునే వాళ్ళ నుంచి తాను నేర్చుకోవడం ఉపాధ్యాయ వృత్తిలో ఎదిగేందుకు చాలా అవసరం. తాను ఎంత బాగా నేర్పినప్పటికీ ఇంకా బాగా ఎలా నేర్వగలిగేదీ ఆలోచిస్తూ ఉండగలిగే వాళ్ళే ఈ వృత్తిలో విజయం సాధించగలదని నేను భావిస్తాను.

मैं इतनी महान तो हूँ नहीं जो संदेश दे सकूँ। लेकिन एक बात अवश्य कहना चाहूँगी - कोई भी शिक्षक जो अपने क्षेत्र में कुछ कर दिखाना चाहता है उसे अपने विद्यार्थियों से बहुत कुछ सीखना चाहिए। मेरे विचार में सफल शिक्षक वही है जो चाहे कितनी भी अच्छी तरह पढ़ाता है तो भी निरन्तर वह अपने शिक्षण में और अधिक सुधार लाने का प्रयत्न करता रहता है।

విలేఖరి : మీరు ఈ బహుమతి గ్రహించేందుకు అన్ని విధాలా తగిన వారని మీ మాటలు చెప్పకనే చెబుతున్నాయి. నమస్కారాలండీ. వస్తాను.	आपके शब्दों ने यह स्पष्ट ही कर दिया कि आप हर तरह से इस पुरस्कार के योग्य हैं। धन्यवाद मैडम - चलता हूँ।

शब्दार्थ

అభినందనలు	अभिनंदन	జాతీయస్థాయి	जाति की मर्यादा, सीमा
ఉత్తమఉపాధ్యాయిని	उत्तम अध्यापिका	ముచ్చటించు	खुशी से बातचीत करना
అభ్యంతరం	शिक्षक,	సేవలందించు	सेवा उपचार करना, सेवा शुश्रुषा करना
ముఖాముఖీ	मुकाबला, आमने सामने	పాలుపంచుకోవాలి	भागीदार होना
దోహదం	सहायक	బోధించు	सिखाना
మాతృభాష	मातृभाषा	తల్లి గర్భం	माँ के गर्भ में
మౌలిక స్వరూపం	मौलिक स्वरूप	ద్వితీయభాష	द्वितीय भाषा
వాచకం	वाचक, कथन, रूप	బహుశః	बहुधा
చిన్నతేడా	थोड़ा सा फर्क, अंतर	అసాధ్యం	असाध्य
పత్రికలు	पत्रिकाएँ	ఆకాశవాణి	आकाशवाणी
దూరదర్శన్	दूरदर्शन	ప్రసారసాధనాలు	प्रसारसाधन
తదేకధ్యానం	ध्यान	సులభం	सुलभ
అంశం	भाग, अंश	విజ్ఞానం	विज्ञान
నేర్వగలుగు	सीखना	గ్రహించు	ग्रहण करना
అన్నివిధాలు	अनुकूल	తగినవారు	योग्य लोग

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए।

1. నేను ఇంతటి గౌరవానికి తగినదానినా?
2. ఈ వార్త తెలిసినప్పటినుంచీ పిల్లలు ఆనందం పట్టలేకపోతున్నారు.

3. పుట్టినప్పటినుంచీ తెలుగు నేర్చుకునే విద్యార్థులు కొందరు.
4. నా చేతనైనంత మేరకు వాడికి నేను సహాయం చేశాను.
5. అరటిపండు వలిచి చేతిలో పెట్టినట్లుగా స్పష్టంగా వివరించారు.
6. ఇటువంటి సమస్యలే ఎదురు కావచ్చు కదండీ!
7. ఇటువంటి సమస్యలే ఎదురు అవుతాయేమో కదండీ!
8. ఏ పనైనా చేయగా చేయగా బాగా పట్టుబడి పోతుంది.
9. విజ్ఞానం పెంచుకోదలచుకునే వారికి మీ సందేశం ఏమిటో చెబుతారా?
10. సందేశం ఇచ్చేంత పెద్ద దానిని కాదు.

II. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1) ఉదా: జరిపేందుకు.

ఈ కార్యక్రమాన్ని జరిపేందుకు మిమ్మల్ని ఆహ్వానిస్తున్నాం.

1. అందించేందుకు.
2. వచ్చేందుకు.
3. నేర్పించేందుకు.
4. ఎదిగేందుకు.
5. గ్రహించేందుకు.
6. చూచేందుకు

2) ఉదా: జరిపినందుకు.

ఈ కార్యక్రమాన్ని విజయవంతంగా జరిపినందుకు మిమ్మల్ని అభినందిస్తున్నాం.

1. అందించినందుకు.
2. వచ్చినందుకు.
3. నేర్పించినందుకు.
4. ఎదిగినందుకు.
5. గ్రహించినందుకు.
6. ఇచ్చినందుకు

3) ఉదా: చూడగా చూడగా

చూడగా చూడగా ఆ బొమ్మ అందంగా కనిపిస్తుంది.

1. చేయగా చేయగా
2. చదవగా చదవగా
3. వినగా వినగా
4. చెప్పగా చెప్పగా
5. రాయగా రాయగా
6. తినగా తినగా

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. మా పాఠకుల ________ కొద్ది సేపు మీతో ముచ్చటించేందుకు వచ్చాను.
2. మా ఆలోచనలలో ______ పంచుకోవాలని మా పాఠకులు కోరుకుంటున్నారు.
3. ఈ వార్త ______ ద్వారా వచ్చేప్పటికి నేను మా పిల్లలకు ______ వడ్డిస్తున్నాను.
4. మాతృ _______ గా తెలుగు నేర్చుకున్న విద్యార్థులకు తమ భాష ______ స్వరూపం మిద పూర్తి అధికారం ఉంటుంది.
5. చక్కని ______ నేర్పించేందుకు పనికి వచ్చే కొన్ని పద్ధతులను నేను రూపొందించాను.

[తెలుగు మౌలిక భోజనాలు టెలిగ్రాం తరఫున భాష తమ పాలు]

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

ఉదా: మీతో _____ (ముచ్చటించు) వచ్చాను. మీతో ముచ్చటించేందుకు వచ్చాను.

1. ఈ బహుమతి _________(వచ్చు) దోహదం చేసిన విజయాంశాలు ఉన్నాయా?
2. చక్కని తెలుగు _______(నేర్పించు) పనికి వచ్చే కొన్ని పద్ధతులను నేను రూపొందించాను.
3. మీరు ఈ బహుమతి _______(గ్రహించు) అన్ని విధాలా తగిన వారు.
4. కోర్టులో ________(వాదించు) ఇది ఒక అవకాశం.
5. మిమ్మల్ని _______(గుర్తించు) వచ్చారు.

VI. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए।

1. దేశంలోని ఉపాధ్యాయులందరిలోకి <u>ఉత్తమ</u> సేవలందించిన వారిలో మీరు ఒకరు. (గొప్ప/ముందు/వినక)
2. పిల్లలు కూడా వార్త తెలిసినప్పటి నుంచీ <u>ఆనందం</u> పట్టలేక పోతున్నారు. (టెలిగ్రాం/సంతోషం/గౌరవం)
3. తెలుగు నేర్చుకోవడం మొదలు <u>పెట్టేప్పటికి</u> వాళ్ళకు వాళ్ళ మాతృ భాష మీద బాగా అధికారం ఉంటుంది. (గుర్తించేందుకు/పెట్టేసరికి/పెట్టు)
4. చాలా <u>చక్కగా</u> వివరించారు. (అర్థంగా/ భాషగా/బాగా)
5. వాళ్ళకూ ఇటువంటి <u>సమస్యలే</u> ఎదురు కావచ్చు. (ఇబ్బందులే/వచ్చే/నేర్చుకొనే)

VII. वार्तालाप के आधार पर निम्नलिखित वाक्य पूरे कीजिए।

1. ఇంతటి గౌరవానికి . . . . . .　　2. భోజనాలు . . . . . .
3. సులభంగా భాష . . . . . .　　4. విజయాలే . . . . . .
5. ఎదిగేందుకు . . . . .　　6. చెప్పకనే . . . . .

VIII. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. శ్రీమతి విద్యాదేవిని విలేఖరి ఎందుకు ఇంటర్వ్యూ చేశాడు?
2. టెలిగ్రాం వార్త విన్న తర్వాత విద్యాదేవికి ఏమనిపించింది?
3. ద్వితీయ భాష అని దేని నంటారు?
4. ఏది మాతృ భాష?
5. శ్రీమతి విద్యాదేవి యువ ఉపాధ్యాయులకు ఏమని సందేశం ఇచ్చారు?

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में -అందుకు- के लिए, इसलिए, जैसे अव्ययों के क्रिया विशेषण रुपों का परिचय दिया गया है।

उदा: 1) మీతో ముచ్చటించేందుకు వచ్చాను.	आप से बात करने के लिए मैं यहाँ आया हूँ।
2) ఈ బహుమతి వచ్చేందుకు దోహదం చేసిన కారణాలేమైనా ఉన్నాయా?	यह पुरस्कार मिलने केलिए कौन कौन से कारण हैं ? (सफलता लानेवाले अंश कौन कौन से हैं)

ऐसे उपवाक्य क्रिया के क्रिया विशेषण कृदन्त के रूप में అందుకు लगाकर बनाये जाते हैं।

2. पाठ में आए हुए मुहावरों तथा कहावतों के प्रयोगों पर ध्यान दीजिए।

i) అరటి పండు వలిచి చేతిలో పెట్టినట్లు - केले का छिलका निकाल कर हाथ में रखना अर्थात विस्तृत विवरण करना

ii) వల్లవేయి. - ज़बानी करना

iii) అంగట్లో అన్నీ ఉన్నాయి. అల్లుడి నోట్లో శని ఉన్నది. - दुकान में सब हैं । (मगर) दामाद के मुँह में शनि है । अर्थात् सब होने पर भी कामयाबी नहीं।

పాఠం 24
पाठ 24

శుభం భూయత్

शुभम् भूयात्

(రమేశ్) యాదవ్	: ఖుషీ ఖుషీగా నవ్వుతూ! చలాకి మాటలు రువ్వుతూ! హుషారు గొలిపేవెందుకే నిషాకనుల దానా! ఖుషీ ఖుషీగా	"खुशी खुशी गा नव्वुतु चलाकि माटलु रुव्वुतु हुषारु गोलिपे वेन्दुके निषा कनुल दाना खुशी खुशी गा नव्वुतु" ....
సుబ్ర (హ్మణ్యం)	: ఏమిటి రమేశ్ హుషారుగా పాత తెలుగు పాట పాడుతూ నన్ను చూసేసరికి ఆపేశావు? నేను ఉన్నప్పుడు పాడకూడదా ఏమిటి?	क्यों रमेश ? मुझे देखते ही तुमने इस पुराने तेलुगु गाने को गाना बन्द क्यों कर दिया ? क्या तुम मेरे सामने गाना नहीं चाहते ?
యాదవ్	: ఊరికే సరదాగా ఏదో పాడుతున్నానండీ! మీరు వచ్చారని గమనించలేదండి. నమస్కారం. కూర్చోండి.	नहीं नहीं, मैं तो बस ऐसे ही गा रहा था। मुझे आपके आनेका पता ही न चला। नमस्कार अंकल - बैठिए।
సుబ్ర	: అయ్యో! అదేమిటోయ్? నేను వచ్చాక కూడా పాడితే మాత్రం తప్పేముంది. యువకుడివి. ఇప్పుడు కులాసాగా ఉండక పోతే మాలాగా ముసలి వాళ్ళయ్యాక ఉంటావా? పాడేటప్పుడు పాడాలి! ఆడేటప్పుడు ఆడాలి! మన కర్తవ్యాన్ని నిర్వహించేప్పుడు మాత్రం గంభీరంగా ఉండాలి. ఔనూ! నీ తెలుగు, సినిమా పాటల దాకా ఎప్పుడు వచ్చిందోయ్?	अरे तो क्या हुआ? मेरे सामने गाने में कोई बुराई है क्या? अरे तुम जवान हो। अगर अब मौज नहीं उड़ाओगे तो कब उड़ाओगे? हमारी तरह बुढ्ढा हो जानेके बाद? अरे अरे जब चाहे गाओ, जब चाहे खेलो। लेकिन जब जिम्मेदारी की बात आए तो तब पूरी गंभीरता से उसे लो। पर यह बताओ तुमने इतनी तेलुगु कब सीख ली कि तुम गाना भी गाने लगे ?

యాదవ్	: మొన్న నేను హైదరాబాదు వెళ్ళినప్పుడు స్నేహితులంతా కలసి తెలుగు సినిమాలు బాగా చూశామండీ.	अभी हाल ही में जब मैं हैदराबाद गया था। वहीं दोस्तों के साथ मैं ने बहुत सी तेलुगु फिल्में देखी।
సుబ్ర	: ఈ ముసలి బ్రహ్మచారి ఎప్పుడైనా గుర్తొచ్చాడా? అది సరే నీకు తెలుగు సినిమాలు నచ్చాయా?	अरे कभी मुझ बूढ़े ब्रह्मचारी की याद भी आई कि नहीं ? ठीक है बच्चों ! अच्छा बच्चों, तुमें तेलुगु फिल्में अच्छी लगीं ?
యాదవ్	: అయ్యో! మీరు గుర్తురాని క్షణంలేదు. కొన్ని నచ్చాయి. ముఖ్యంగా పాత సినిమాలు, కళాత్మకమైన సినిమాలు నాకు బాగా నచ్చుతాయండీ. నేను ఆ వీడియో ఆడియో కేసెట్లు తెచ్చాను.	अरे नहीं ! ऐसा कोई पल नहीं गया होगा जब मैं ने आपको याद नहीं किया। कुछ फिल्में मुझे अच्छी लगीं। खास तौर पर पुरानी फिल्में और कलात्मक फिल्में। मैं उन फिल्मों के ऑडियों और वीडियों कॅसेट्स लाया हूँ।
సుబ్ర	: బాగాఉంది. ఈ కాలం కుర్రాళ్ళకి అన్నీ ఢిషూం! ఢిషూం! సినిమాలూ, డిస్కో డాన్సులు నచ్చుతాయనుకుంటారు, సాధారణంగా. లోకోభిన్నరుచిః జిహ్వ కోరుచి, పుర్రెకో బుద్ధి అంటారు అందుకే. అదిసరే నువ్వు హైదరాబాద్‌లో తెలుగులో మాట్లాడుతున్నప్పుడు చూసి మీ స్నేహితులు ఆశ్చర్య పోలేదా?	यह अच्छा किया। सामान्यतः धारणा तो यही है कि आजकल के युवाओंको केवल मार धाड़-वाली फिल्में और डिस्को डान्स ही पसंद आते हैं। लेकिन लोको भिन्न रुचि' यानि हर किसी की अपनी रुचि, हर जिह्वा का अपना अलग स्वाद, हर मस्तिष्क की अपनी अलग समझ ! खैर छोड़ो इसे, यह बताओ जब तुम हैदराबाद में थे तब तुम्हारे तेलुगु बोलनेपर तुम्हारे दोस्तों को हैरानी नहीं हुई क्या ?
యాదవ్	: ఔనండీ! తెగ ఆశ్చర్యపడిపోయారు. ఏమిటోయ్? ఇంత మంచి తెలుగు ఎప్పుడు నేర్చుకొన్నావు? అని అడిగారు. నేను అంతా సుబ్రహ్మణ్యం అంకుల్‌గారి చలవ అని చెప్పానండీ!	हॉ, वास्तव में उनको बड़ी हैरानी हुई। वे कहने लगे "क्या यार इतनी अच्छी तेलुगु कहाँ सीख ली ?" मैं ने उन्हें बताया कि ये सब सुब्रहमण्यम अंकल की कृपा से हुआ है।
సుబ్ర	: ఇందులో నా చలవదేముందిలే? నీకు నేర్చుకొనే ఆసక్తి చొరవ ఉన్నాయి.	अरे इसमें मेरी कृपा की क्या बात है ? तुम्हें स्वयं ही भाषा सीखनेमें इतनी रुचि है और

వచ్చింది. భాష నేర్చుకొనేందుకు ముఖ్యంగా ఈ రెండు లక్షణాలు కావాలి. అదిసరే తెలుగువాళ్ళ మధ్య తెలుగులో మాట్లాడి వస్తే ఎట్లా ఉంది నీకు?

उत्साह है। इसीलिए तुम सीख सके। किसी भी भाषा को सीखने के लिए इन दो बातों का होना अनिवार्य है। अच्छा यह तो कहो कि तेलुगु भाषियों के बीच तेलुगु बोलते समय तुम्हें कैसा लगा?

యాదవ్ : భలే సంతోషంగా ఉందండీ. హైదరాబాదు వెళ్ళక ముందు నాకు వచ్చిన తెలుగు ఎలాంటిదో అని భయం భయంగా ఉండేది. తీరా అక్కడికి వెళ్ళాక చూస్తే నా స్నేహి తులంతా, "నువ్వు మంచి తెలుగు మాట్లాడు తున్నావు. కోస్తా తెలుగు మాట్లాడుతున్నావు" అని తెగ మెచ్చేసుకున్నారండీ. నేను హైదరాబాదు వెళ్ళి వచ్చినప్పటినుంచి నాకు నా తెలుగు గురించి బాగా ఆత్మవిశ్వా సం ఏర్పడింది. అంకుల్, హైదరాబాద్‌లో మరో రకం తెలుగు మాట్లాడతారు కదండీ..

मुझे बहुत अच्छा लगा। हैदराबाद जानेसे पहले तो मुझे बहुत डर लग रहा था कि मैं अपनी तेलुगु से कैसे काम चला पाऊँगा? लेकिन वहाँ जाने के बाद मेरे मित्रों ने मेरी तेलुगु की बहुत प्रशंसा की। कहने लगे कि तुम्हारी तेलुगु तो बहुत अच्छी है! बिल्कुल कोस्ता तेलुगु (समुद्र तट के आसपास लोगोंमें बोली जानेवाली) जैसी" तबसे मुझमें तेलुगु बोलने का आत्मविश्वास पैदा हो गया। पर अंकल हैदराबाद में बोली जाने वाली तेलुगु भिन्न है। है न?

సుబ్బ : ఔను! ఆ! తెలుగులో హిందీ ఉర్దూ పదాలు ఎక్కువ ఉన్నాయికదూ. తెలుగు భాషలో ప్రధానంగా మూడు ప్రాంతీయమైన రకాలు ఉన్నాయి. వీటిని మాండలికాలు అంటారు. హైదరాబాదుతో పాటు ఇంకా కొన్ని జిల్లా లను తెలంగాణా ప్రాంతం అంటారు. దక్షిణ ఆంధ్ర దేశంలోని జిల్లాలను రాయల సీమ ప్రాంతం అంటారు. తీర ప్రాంతపు జిల్లాలను కోస్తా జిల్లాలు అంటారు. ఈ మూడు ప్రాం తాల మాండలికాలు మధ్య కొంచెం కొంచెం తేడా ఉంటుంది.

हाँ उस तेलुगु में हिन्दी और उर्दू के बहुत से शब्द आ गए हैं। तेलुगु भाषा के तीन क्षेत्रीय रुप हैं। जिन्हें माण्डलिका कहते है। (इनके क्षेत्र है) - हैदराबाद और इससे लगे अन्य जिले - जो तेलंगाना क्षेत्र कहलाता है। दक्षिणी आंध्र के जिले `रायल सीमाक्षेत्र' में आते हैं। समुंदर तट के आसपास के जिले `कॉस्टा' क्षेत्रमें आते है। इन तीनों क्षेत्रों में बोली जाने-वाली तेलुगु में थोड़ा अंतर है।

యాదవ్ : అంకుల్ నేను ఈ సారి ఆంధ్ర ప్రదేశ్‌కు వెళ్ళేలోగా నాకు మీరు ఈ మిగతా మాండలికాలు నేర్పించేయండి. ఆంధ్ర ప్రదేశ్ లోని ఏ ఊరి వాళ్ళతోనైనా గడాగడా మాట్లాడేయవచ్చు.

अंकल, अगली बार आन्ध्र प्रदेश जाने से पहले मुझे तेलुगु के अन्य रुप भी सिखाइए न ! फिर मैं आन्ध्रप्रदेश के किसी भी गाँव में जाकर आसानी से तेलुगु बोल सकूँगा।

సుబ్ర : భలేవాడివే! ఎందుకు? నువ్వు ఇప్పుడు ఈ భాషలో మాట్లాడితే మీ హైదరాబాదు స్నేహితులు అర్థం చేసుకున్నారా! లేదా? ఆంధ్ర ప్రదేశ్‌లో ఎక్కడైనా నీకు పని జరిగేందుకు నువ్వు నేర్చుకున్న బాష చాలు. సినిమాల్లో, టీవీ, రేడియో, వార్తా పత్రికల్లో ఇలా ప్రత్యేక సందర్భాలన్నింటిలో రాష్ట్రమంతటా ఈ భాషే ఉపయోగించబడుతున్నందువల్ల ఈ భాష రాష్ట్రంలో అన్ని ప్రాంతాల వారి భాషయిపోయింది. దీన్ని `ప్రమాణ భాష' అంటారు. ఇది కోస్తా మాండలికానికి దగ్గరగా ఉంటుంది. అందువల్ల నీ స్నేహితులు నీ భాషను కోస్తా భాష అన్నారు. అంతగా అవసరం ఏర్పడి నప్పుడు మిగతా మాండలికాలు ప్రత్యేకంగా ప్రయత్నించి నేర్చుకోవచ్చు. ఏ భాషలోనయినా ఒక రూపం బాగా వచ్చాక దాని మిగతా మాండలికాలు నేర్చుకోవడం పెద్ద కష్టం కాదు. సాధారణంగా నువ్వు నేర్చుకున్న ప్రమాణ భాషే అన్ని అవసరాలకూ సరిపోతుంది.

तुम भी कमाल के लड़के हो ! इसकी कोई जरुरत नहीं है। जो तेलुगु तुम अब बोलते हो उसे तुम्हारे हैदराबादी मित्र आसानी से समझ गए न ? जो तेलुगु तुमने सीख ली है उससे तुम आन्ध्रप्रदेश में कहीं भी काम चला सकते हो ! इसी तेलुगु का प्रयोग पूरे राज्य में, दूरदर्शन, रेडियो, समाचार पत्र जैसे विशेष सत्कर्मों में होता है । इसके परिणामस्वरुप पूरे राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में रहनेवाले लोग इस तेलुगु से अच्छी तरह परिचित हैं। इसे ही मानक तेलुगु माना जाता है। एक तरह से मानक तेलुगु कॉस्टा तेलुगु के समीप है ! इसीलिए तुम्हारे मित्रों ने भी तुम्हारी भाषा को कोस्टा तेलुगु कहा। यदि तुम तेलुगु के अन्य दो प्रकारों को भी सीखना चाहते हो तो बिना किसी विशेष प्रयत्न के ही सीख सकते हो। किसी भी भाषाके एक क्षेत्रीय रुप को सीख लेने के बाद अन्य रुपों को सीखना कठिन नहीं रहता। सामान्यतः हम भाषा का मानक रुप ही सीखते हैं। और इसीसे हमारी भाषा संबंधी आवश्यकताओंकी पूर्ति हो जाती है।

యాదవ్	: అంకుల్, ఏ భాషయినా ఒక మహా సముద్రంలా అనిపిస్తుంది. ఎవరికీ దాన్ని పూర్తిగా ఆకళించుకోవడం సాధ్యం కాదేమో కదా!	अंकल कोई भी भाषा सागर की तरह असीमित होती है। इसे पूरी तरह जान लेना तो असम्भव ही है। है न?
సుబ్ర	: దేన్ని గురించైనా అంతా తెలుసుకోవడం అసాధ్యం. ఎవ్వరికీ వాళ్ళ మాతృభాషను గురించి కూడ అంతా తెలిసి ఉండటం ఎన్నటికీ జరగని పని. అయితే భాషలో ఉన్న తమాషా ఏమిటంటే పిడికెడు సూత్రాలు నేర్చుకుని సముద్రమంత భాష ఉత్పత్తి చేయవచ్చు. నేను నీకు నేర్పింది కొన్ని సూత్రాలే, కాని నువ్వు ఎంత భాష మాట్లాడుతున్నావు చూడు!	किसी भी वस्तु को पूरी तरह जानना असम्भव है। कोई भी व्यक्ति अपनी मातृभाषा को भी पूर्ण रुप से नहीं जान सकता। पर भाषा को सीख-ना मजेदार है ! वास्तव में हम कुछ नियम (भाषा) ही सीखते हैं और इन कुछ नियमों की सहायता से ही भाषा के इस विशाल समुद्र का सृजन कर सकते हैं । देखो मैं ने भी तुम्हें (तेलुगु) सिखाते समय कुछ नियम ही सिखाए थे लेकिन तुम तो इतनी अधिक तेलुगु सीख गये हो।
యాదవ్	: "స్వరములు ఏడయినా రాగాలెన్నో" అన్నారు కదండీ ఒక తెలుగు సినిమా పాటలో అయినా అంకుల్ మీరు నాకు సూత్రాలెప్పుడు నేర్పారండీ.?	हाँ - एक तेलुगु फिल्म का गाना था जिसमें कहा गया था कि `सुर तो केवल सात हैं' पर इनसे कितने रागोंने जन्म लिए हैं। अंकल आपने मुझे नियम कब सिखाये थे !
సుబ్ర	: ఓహో! ఇక తెలుగు సినిమా పాటల్లోంచీ కొటేషన్ను మొదలవుతాయన్నమాట ఆ ఏమిటన్నావ్? సూత్రాలా? ఆ అదే నేను నీకు ఇలాంటప్పుడు ఇలా మాట్లాడాలి, ఇలా మాట్లాడకూడదు అని చెప్పాను కదా! అదే భాషకి వ్యాకరణం, సూత్రాలు. నీకు తెలుగు వ్యాకరణం తెలిసిపోయినందుకే నువ్వు సరైన తెలుగు మాట్లాడు తున్నావు.	ठीक है अब से हम तेलुगु फिल्मी गानों के उद्धरण से आरम्भ करेंगे। हाँ, तुम क्या कह रहे थे ? - हाँ - नियम ! (तेलुगु सिखाते समय) मैं तुम्हें बताया करता था कि यहाँ इस तरह से बोलना चाहिए - यहाँ ऐसा नहीं करना चाहिए बस, यही तो भाषा का व्याकरण और भाषा के नियम हैं। तुम तेलुगु व्याकरण जानते हो तभी तो इतनी अच्छी तेलुगु बोल पा रहे हो ।

యాదవ్	: "ఎప్పుడో ఎటో చూస్తున్నప్పుడు గోరు ముద్దలు తినిపిస్తావు. నువ్వు పోసిన లాలకు నేను, బజ్జుని నిదరోతున్నప్పుడు, బొట్టు కాటుక పెట్టి ముద్దు పెట్టుకుంటావు. అందుకే గురుదేవా నువ్వే మా అమ్మవు"	"एपडो एटो चुस्तुन्नपुडु गोरु मुरुदलु तिनि-पिस्ताकु नुव्वु पोसिना ळाळकु नेनु वडजुनि निदरोतुन्नापुडु बोट्टु काटुक पेट्टी मुद्दु पेट्टु कुन्टाऊ अन्दुके गुरुदेव नुव्वे मा अम्मावु ।"
సుబ్ర	: భలే ! ఎక్కడిదోయ్ ఈ కవిత! భలే బాగుంది.	बहुत सुन्दर ! यह कविता तुम्हें कहाँ मिली! बहुत अच्छी है।
యాదవ్	: ఆ! ఏదో సరదాకి నేనే రెండక్షరాలు గిలికానండి ఆ ! రండి భోజనానికి వెళదాం.	यह तो बस ऐसे ही है मैंने स्वयं कुछ पंक्तियाँ रची हैं। आइए खाना खाने चलें ।
సుబ్ర	: బ్రహ్మాండంగా ఉన్నది. నువ్వు తెలుగులో కవిత్వం రాయడం దాకా వచ్చావంటే నాకు చాలా గర్వంగా ఉన్నది. నాకు కడుపు నిండి పోయిందోయ్. శుభం భూయత్.	यह तो वास्तव में अद्‌भुत है। तुम तो भाषा की उस सीमा तक पहुँच गए हो कि कविता भी करने लगे हो ! मुझे तुम पर गर्व है। मेरा पेट तो इसीसे भर गया है। `शुभम् भूयत्!'

शब्दार्थ

ఖుషీ	खुशी, आनंद	చలాకి	चालाकी
రువ్వుతూ	फेंकना	హుషారుగాలుపు	सतर्क रहना
నిషాకనులు	नशे से बोझिल आँखें	పాట	गीत
ఆపు	रोकना, बंद करना	యువకుడు	युवक
ముసలివాళ్ళు	बूढ़े लोग	కర్తవ్యం	कर्तव्य
నిర్వహించు	पालन करो, पूरा करो	గంభీరంగా	गंभीरता से
బ్రహ్మచారి	ब्रह्मचारी	నచ్చుతాయి	पसंद आना
కళాత్మకమైన	कलामें अभिरुचि रखना	లోకోభిన్నరుచిః	अलग अलग रुचि

జిహ్వాకోరుచి	जबान का स्वाद
చలువ	ठण्डा
తెగమెచ్చుకొను	तारीफ करना
ప్రధానంగా	प्रधान, प्रमुख
మాండలికాలు	प्रादेशिक
దక్షిణ ఆంధ్ర	दक्षिण आन्ध्र
తీరప్రాంతం	समुद्री तट वाला क्षेत्र
ప్రమాణభాష	मात्रा, नापतोल, सीमा
ఆకళించు	समझना, मालूम होना
స్వరములు	स्वर
సరైన	ठीक तरह से
లాల	बच्चों को नहाना, लोरी
బజ్జుని	आखिरी कौर
బొట్టు	टीका (माथेका)
ముద్దు	चुम्मा, चुंबन
రెండక్షరాలు	दो अक्षर
నిండు	पूरा, पूर्ण
పుర్రెకోబుద్ధి	अलग अलग बुद्धि
కోస్తా	सागर तट
ఆత్మవిశ్వాసం	आत्मविश्वास
ప్రాంతీయమైన	प्रान्तीयता
తెలంగాణా	तेलंगाना
రాయలసీమ	रॉयलसीमा
గడగడ	थरथर काँपना
మహాసముద్రం	महासागर
పిడికెడు	मुट्ठीभर
వ్యాకరణం	व्याकरण
గోరుముద్దలు	बच्चों को खिलाया जाने वाला आखिरी कौर
నిదరోతున్నప్పుడు	सोते वक्त निद्रावस्था में
కాటుక	काजल
గురుదేవ	गुरुदेव
గిలుకు	अस्पष्ट लिखना,घसीटना
శుభం భూయత్	कल्याण हो

अभ्यास

I. पढ़िए और समझिए।

1. నేను ఉన్నప్పుడు పాడకూడదా ఏమిటి?
2. పాడేప్పుడు పాడాలి, ఆడేప్పుడు ఆడాలి.
3. ఎవ్వరికీ వాళ్ళ మాతృ భాష గురించి అంతా తెలిసి ఉండటం ఎన్నటికీ జరగని పని.
4. నేను నీకు నేర్పింది కొన్ని సూత్రాలే.
5. ఏదో సరదాకి నేనే రెండక్షరాలు గిలికానండీ.
6. నాకు కడుపు నిండిపోయిందోయ్.

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. తెలుగు ________ పాడుతూ నన్ను చూసేసరికి ఆపేశావు.
2. పాడేప్పుడు __________.
3. మాత్రం ________ ఉండాలి.
4. మీరు గుర్తు రాని __________ లేదు.
5. అంతా సుబ్రహ్మణ్యం అంకుల్ గారి ____________ అని చెప్పానండి.

[చలవ పాట క్షణం పిడికెడు కర్తవ్యాన్ని ముసలి గంభీరంగా పాడాలి]

III. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य फिर से बनाइए।

1. ఇప్పుడు కులాసాగా ఉండక పోతే మా లాగ ముసలి వాళ్ళయ్యాక ఉంటారా? (హాయిగా/చేదుగా/పుల్లగా)
2. కళాత్మకమైన సినిమాలు నాకు బాగా నచ్చుతాయి. (వెళతాయి/ఇష్టం/ఆడతాయి)
3. నీకు నేర్చుకునే చొరవ ఉంది. (చలవ/ఎట్లా/ఆసక్తి)
4. నువ్వు మంచి తెలుగు మాట్లాడుతున్నావు. (చక్కని/రకాల/మిగతా)
5. భాషలో ఉన్న తమాషా ఏమిటంటే పిడికెడు సూత్రాలు నేర్చుకొని సముద్రమంత భాష ఉత్పత్తి చేయవచ్చు. (మాట్లాడాలి/కొన్ని/ఎంత)

IV. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. సుబ్రహ్మణ్యం వచ్చేసరికి రమేశ్ యాదవ్ ఏం పాడుతున్నాడు?
2. తనను చూడగానే యాదవ్ పాట ఆపినందుకు సుబ్రహ్మణ్యం ఏమన్నాడు?
3. యాదవ్‌కు ఎలాంటి సినిమాలు నచ్చుతాయి?
4. తెలుగులో మాట్లాడిన యాదవ్‌ను చూసి అతని స్నేహితులు ఎలా మెచ్చుకున్నారు?
5. ప్రమాణ భాష అనగా ఏమిటి?